

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت  |
|-----------|------------|---------------|----------------|----|
| ١         | الفاتحة    | لا            | الرَّحِيمُ     | ١  |
| ٢         | الفاتحة    | لا            | الْعَالَمِينَ  | ٢  |
| ٣         | الفاتحة    | لا            | الرَّحِيمُ     | ٣  |
| ٤         | الفاتحة    | ط             | الدِّينِ       | ٤  |
| ٥         | الفاتحة    | ط             | سَتَعِينُ      | ٥  |
| ٦         | الفاتحة    | لا            | الْمُسْتَقِيمَ | ٦  |
| ٧         | الفاتحة    | صه            | الضَّالِّينَ   | ٧  |
| ٨         | البقرة     | ج             | الْمَ          | ٨  |
| ٩         | البقرة     | لا            | لِلْمُتَّقِينَ | ٩  |
| ١٠        | البقرة     | صه لا         | يُنْفِقُونَ    | ١٠ |
| ١١        | البقرة     | ط بلا         | يُوقِنُونَ     | ١١ |
| ١٢        | البقرة     | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ١٢ |
| ١٣        | البقرة     | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ١٣ |
| ١٤        | البقرة     | صه            | عَظِيمٌ        | ١٤ |
| ١٥        | البقرة     | م             | بِمُؤْمِنِينَ  | ١٥ |
| ١٦        | البقرة     | ط             | يَشْعُرُونَ    | ١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية       | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية | ت  |
|-----------------|---------------|----------------------|----|
| يَكُذِّبُونَ    | صه            | البقرة ١٠            | ١٧ |
| مُضْلِّحُونَ    | صه            | البقرة ١١            | ١٨ |
| يَشْعُرُونَ     | صه            | البقرة ١٢            | ١٩ |
| يَعْلَمُونَ     | صه            | البقرة ١٣            | ٢٠ |
| مُسْتَهْزِئُونَ | صه            | البقرة ١٤            | ٢١ |
| يَعْمَهُونَ     | صه            | البقرة ١٥            | ٢٢ |
| مُهَتَّدِينَ    | صه            | البقرة ١٦            | ٢٣ |
| يُبَصِّرُونَ    | صه            | البقرة ١٧            | ٢٤ |
| يَرْجِعُونَ     | صه.لا         | البقرة ١٨            | ٢٥ |
| بِالْكَافِرِينَ | صه            | البقرة ١٩            | ٢٦ |
| قَدِيرٌ         | صه            | البقرة ٢٠            | ٢٧ |
| تَتَّقُونَ      | صه.لا         | البقرة ٢١            | ٢٨ |
| تَعْلَمُونَ     | صه            | البقرة ٢٢            | ٢٩ |
| صَدِيقِينَ      | صه            | البقرة ٢٣            | ٣٠ |
| لِلْكَافِرِينَ  | صه            | البقرة ٢٤            | ٣١ |
| خَالِدُونَ      | صه            | البقرة ٢٥            | ٣٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية      | علامات المصحف | اسم المصحف | رقم الآية | ت  |
|----------------|---------------|------------|-----------|----|
| الْفَسِيقِينَ  | صه.لا         | البقرة     | ٢٦        | ٣٣ |
| الْخَسِيرُونَ  | صه            | البقرة     | ٢٧        | ٣٤ |
| تُرْجَعُونَ    | صه            | البقرة     | ٢٨        | ٣٥ |
| عَلِيمٌ        | صه            | البقرة     | ٢٩        | ٣٦ |
| تَعْلَمُونَ    | صه            | البقرة     | ٣٠        | ٣٧ |
| صَدِيقِينَ     | صه            | البقرة     | ٣١        | ٣٨ |
| الْحَكِيمُ     | صه            | البقرة     | ٣٢        | ٣٩ |
| تَكُنُّمُونَ   | صه            | البقرة     | ٣٣        | ٤٠ |
| الْكُفَّارِينَ | صه            | البقرة     | ٣٤        | ٤١ |
| الظَّالِمِينَ  | صه            | البقرة     | ٣٥        | ٤٢ |
| جِينِ          | صه            | البقرة     | ٣٦        | ٤٣ |
| الرَّحِيمُ     | صه            | البقرة     | ٣٧        | ٤٤ |
| يَحْزَنُونَ    | صه            | البقرة     | ٣٨        | ٤٥ |
| خَلِيلُونَ     | صه            | البقرة     | ٣٩        | ٤٦ |
| فَارِهَبُونِ   | صه            | البقرة     | ٤٠        | ٤٧ |
| فَاتَّقُونِ    | صه            | البقرة     | ٤١        | ٤٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية | ت |
|-----------|---------------|----------------------|---|
| ٤٩        | تَعْلَمُونَ   | صه البقرة ٤٢         |   |
| ٥٠        | الرَّاكِعِينَ | صه البقرة ٤٣         |   |
| ٥١        | تَعْقِلُونَ   | صه البقرة ٤٤         |   |
| ٥٢        | الْحَشِيعَينَ | صه لا البقرة ٤٥      |   |
| ٥٣        | رَاجِعُونَ    | صه البقرة ٤٦         |   |
| ٥٤        | الْعَالَمِينَ | صه البقرة ٤٧         |   |
| ٥٥        | يُنَصَّرُونَ  | صه البقرة ٤٨         |   |
| ٥٦        | عَظِيمٌ       | صه البقرة ٤٩         |   |
| ٥٧        | تَنْظُرُونَ   | صه البقرة ٥٠         |   |
| ٥٨        | ظَالِمُونَ    | صه البقرة ٥١         |   |
| ٥٩        | تَشْكُرُونَ   | صه البقرة ٥٢         |   |
| ٦٠        | تَهْتَدُونَ   | صه البقرة ٥٣         |   |
| ٦١        | الرَّحِيمُ    | صه البقرة ٥٤         |   |
| ٦٢        | تَنْظُرُونَ   | صه البقرة ٥٥         |   |
| ٦٣        | تَشْكُرُونَ   | صه البقرة ٥٦         |   |
| ٦٤        | يَظْلِمُونَ   | صه البقرة ٥٧         |   |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت  |
|-----------|------------|---------------|-----------------|----|
| ٥٨        | البقرة     | صه            | آلْمُحَسِّنِينَ | ٦٥ |
| ٥٩        | البقرة     | صه            | يَفْسُقُونَ     | ٦٦ |
| ٦٠        | البقرة     | صه            | مُفْسِدِينَ     | ٦٧ |
| ٦١        | البقرة     | صه            | يَعْتَدُونَ     | ٦٨ |
| ٦٢        | البقرة     | صه            | يَخْزُنُونَ     | ٦٩ |
| ٦٣        | البقرة     | صه            | تَتَّقُونَ      | ٧٠ |
| ٦٤        | البقرة     | صه            | آلْحَسِيرِينَ   | ٧١ |
| ٦٥        | البقرة     | ج             | خَسِيرِينَ      | ٧٢ |
| ٦٦        | البقرة     | صه            | لِلْمُتَّقِينَ  | ٧٣ |
| ٦٧        | البقرة     | صه            | أَلْجَاهِلِينَ  | ٧٤ |
| ٦٨        | البقرة     | صه            | تُؤْمِرُونَ     | ٧٥ |
| ٦٩        | البقرة     | صه            | النَّاظِرِينَ   | ٧٦ |
| ٧٠        | البقرة     | صه            | لَمُهَتَّدُونَ  | ٧٧ |
| ٧١        | البقرة     | صه            | يَفْعَلُونَ     | ٧٨ |
| ٧٢        | البقرة     | ج             | تَكْثِيمُونَ    | ٧٩ |
| ٧٣        | البقرة     | صه            | تَعْقِلُونَ     | ٨٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت  |
|-----------|------------|---------------|--------------|----|
| ٧٤        | البقرة     | صه            | تَعْمَلُونَ  | ٨١ |
| ٧٥        | البقرة     | ج             | يَعْلَمُونَ  | ٨٢ |
| ٧٦        | البقرة     | صه            | تَعْقِلُونَ  | ٨٣ |
| ٧٧        | البقرة     | صه            | يُعْلِمُونَ  | ٨٤ |
| ٧٨        | البقرة     | صه            | يَظْلَمُونَ  | ٨٥ |
| ٧٩        | البقرة     | صه            | يَكْسِبُونَ  | ٨٦ |
| ٨٠        | البقرة     | صه            | تَعْلَمُونَ  | ٨٧ |
| ٨١        | البقرة     | صه            | خَلِدُونَ    | ٨٨ |
| ٨٢        | البقرة     | صه            | خَلِدُونَ    | ٨٩ |
| ٨٣        | البقرة     | صه            | مُعْرِضُونَ  | ٩٠ |
| ٨٤        | البقرة     | صه            | تَشَهُّدُونَ | ٩١ |
| ٨٥        | البقرة     | صه            | تَعْمَلُونَ  | ٩٢ |
| ٨٦        | البقرة     | صه            | يُنَصَّرُونَ | ٩٣ |
| ٨٧        | البقرة     | صه            | تَقْتُلُونَ  | ٩٤ |
| ٨٨        | البقرة     | صه            | يُؤْمِنُونَ  | ٩٥ |
| ٨٩        | البقرة     | صه            | الْكَفِرِينَ | ٩٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٩٠        | البقرة     | صه            | مُهِينٌ         | ٩٧  |
| ٩١        | البقرة     | صه            | مُؤْمِنَينَ     | ٩٨  |
| ٩٢        | البقرة     | صه            | ظَالِمُونَ      | ٩٩  |
| ٩٣        | البقرة     | صه            | مُؤْمِنَينَ     | ١٠٠ |
| ٩٤        | البقرة     | صه            | صَدِيقِينَ      | ١٠١ |
| ٩٥        | البقرة     | صه            | بِالظَّالِمِينَ | ١٠٢ |
| ٩٦        | البقرة     | صه            | يَعْمَلُونَ     | ١٠٣ |
| ٩٧        | البقرة     | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ | ١٠٤ |
| ٩٨        | البقرة     | صه            | لِلْكَافِرِينَ  | ١٠٥ |
| ٩٩        | البقرة     | صه            | الْفَاسِقُونَ   | ١٠٦ |
| ١٠٠       | البقرة     | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ١٠٧ |
| ١٠١       | البقرة     | ز             | يَعْلَمُونَ     | ١٠٨ |
| ١٠٢       | البقرة     | صه            | يَعْلَمُونَ     | ١٠٩ |
| ١٠٣       | البقرة     | صه            | يَعْلَمُونَ     | ١١٠ |
| ١٠٤       | البقرة     | صه            | أَلَيْمٌ        | ١١١ |
| ١٠٥       | البقرة     | صه            | الْعَظِيمُ      | ١١٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت   |
|-----------|------------|---------------|---------------|-----|
| ١٠٦       | البقرة     | صه            | قَدِيرٌ       | ١١٣ |
| ١٠٧       | البقرة     | صه            | نَصِيرٌ       | ١١٤ |
| ١٠٨       | البقرة     | صه            | السَّبِيلِ    | ١١٥ |
| ١٠٩       | البقرة     | صه            | قَدِيرٌ       | ١١٦ |
| ١١٠       | البقرة     | صه            | بَصِيرٌ       | ١١٧ |
| ١١١       | البقرة     | صه            | صَدِيقَيْنَ   | ١١٨ |
| ١١٢       | البقرة     | صه            | يَخْزُنُونَ   | ١١٩ |
| ١١٣       | البقرة     | صه            | يَخْتَلِفُونَ | ١٢٠ |
| ١١٤       | البقرة     | صه            | عَظِيمٌ       | ١٢١ |
| ١١٥       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ       | ١٢٢ |
| ١١٦       | البقرة     | صه            | قَنِيتُونَ    | ١٢٣ |
| ١١٧       | البقرة     | صه            | فَيَكُونُ     | ١٢٤ |
| ١١٨       | البقرة     | صه            | يُوقِنُونَ    | ١٢٥ |
| ١١٩       | البقرة     | صه            | الْجَحِيمِ    | ١٢٦ |
| ١٢٠       | البقرة     | صه            | نَصِيرٌ       | ١٢٧ |
| ١٢١       | البقرة     | صه            | الْحَسِرُونَ  | ١٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ١٢٢       | البقرة     | صه            | الْعَالَمِينَ  | ١٢٩ |
| ١٢٣       | البقرة     | صه            | يُنَصَّرُونَ   | ١٣٠ |
| ١٢٤       | البقرة     | صه            | الظَّالِمِينَ  | ١٣١ |
| ١٢٥       | البقرة     | صه            | السَّجُودِ     | ١٣٢ |
| ١٢٦       | البقرة     | صه            | الْمَصِيرُ     | ١٣٣ |
| ١٢٧       | البقرة     | صه            | الْعَلِيمُ     | ١٣٤ |
| ١٢٨       | البقرة     | صه            | الرَّحِيمُ     | ١٣٥ |
| ١٢٩       | البقرة     | صه            | الْحَكِيمُ     | ١٣٦ |
| ١٣٠       | البقرة     | صه            | الصَّالِحِينَ  | ١٣٧ |
| ١٣١       | البقرة     | صه            | الْعَالَمِينَ  | ١٣٨ |
| ١٣٢       | البقرة     | ط             | مُسْلِمُونَ    | ١٣٩ |
| ١٣٣       | البقرة     | ط             | مُسْلِمُونَ    | ١٤٠ |
| ١٣٤       | البقرة     | صه            | يَعْمَلُونَ    | ١٤١ |
| ١٣٥       | البقرة     | صه            | الْمُشْرِكِينَ | ١٤٢ |
| ١٣٦       | البقرة     | صه            | مُسْلِمُونَ    | ١٤٣ |
| ١٣٧       | البقرة     | ط             | الْعَلِيمُ     | ١٤٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ١٣٨       | البقرة     | صه            | عَيْدُونَ      | ١٤٥ |
| ١٣٩       | البقرة     | ط.لا          | مُخْلِصُونَ    | ١٤٦ |
| ١٤٠       | البقرة     | صه            | تَعْمَلُونَ    | ١٤٧ |
| ١٤١       | البقرة     | صه            | يَعْمَلُونَ    | ١٤٨ |
| ١٤٢       | البقرة     | صه            | مُسْتَقِيمٍ    | ١٤٩ |
| ١٤٣       | البقرة     | صه            | رَّحِيمٌ       | ١٥٠ |
| ١٤٤       | البقرة     | صه            | يَعْمَلُونَ    | ١٥١ |
| ١٤٥       | البقرة     | م             | الظَّالِمِينَ  | ١٥٢ |
| ١٤٦       | البقرة     | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٥٣ |
| ١٤٧       | البقرة     | صه            | الْمُمْتَرِينَ | ١٥٤ |
| ١٤٨       | البقرة     | صه            | قَدِيرٌ        | ١٥٥ |
| ١٤٩       | البقرة     | صه            | تَعْمَلُونَ    | ١٥٦ |
| ١٥٠       | البقرة     | ث.لا          | تَهْتَدُونَ    | ١٥٧ |
| ١٥١       | البقرة     | ث.ط.لا        | تَعْلَمُونَ    | ١٥٨ |
| ١٥٢       | البقرة     | صه            | تَكُفُّرُونَ   | ١٥٩ |
| ١٥٣       | البقرة     | صه            | الصَّابِرِينَ  | ١٦٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ١٥٤       | البقرة     | صه            | شُعُرونَ        | ١٦١ |
| ١٥٥       | البقرة     | صه لا         | الصَّابِرِينَ   | ١٦٢ |
| ١٥٦       | البقرة     | ط             | رَاجِعُونَ      | ١٦٣ |
| ١٥٧       | البقرة     | صه            | الْمُهَتَّدُونَ | ١٦٤ |
| ١٥٨       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ         | ١٦٥ |
| ١٥٩       | البقرة     | صه لا         | اللَّاعِنُونَ   | ١٦٦ |
| ١٦٠       | البقرة     | صه            | الرَّحِيمُ      | ١٦٧ |
| ١٦١       | البقرة     | صه لا         | أَجْمَعِينَ     | ١٦٨ |
| ١٦٢       | البقرة     | صه            | يُنَظِّرُونَ    | ١٦٩ |
| ١٦٣       | البقرة     | صه            | الرَّحِيمُ      | ١٧٠ |
| ١٦٤       | البقرة     | صه            | يَعْقِلُونَ     | ١٧١ |
| ١٦٥       | البقرة     | صه            | الْعَذَابِ      | ١٧٢ |
| ١٦٦       | البقرة     | صه            | الْأَسْبَابُ    | ١٧٣ |
| ١٦٧       | البقرة     | ط             | النَّارِ        | ١٧٤ |
| ١٦٨       | البقرة     | صه            | مُبِينٌ         | ١٧٥ |
| ١٦٩       | البقرة     | صه            | تَعْلَمُونَ     | ١٧٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت   |
|-----------|------------|---------------|---------------|-----|
| ١٧٠       | البقرة     | صه            | يَهْتَدُونَ   | ١٧٧ |
| ١٧١       | البقرة     | صه            | يَعْقِلُونَ   | ١٧٨ |
| ١٧٢       | البقرة     | صه            | تَعْبُدُونَ   | ١٧٩ |
| ١٧٣       | البقرة     | صه            | رَّحِيمٌ      | ١٨٠ |
| ١٧٤       | البقرة     | صه            | إِلَيْمٌ      | ١٨١ |
| ١٧٥       | البقرة     | صه            | النَّارِ      | ١٨٢ |
| ١٧٦       | البقرة     | صه            | بَعِيدٍ       | ١٨٣ |
| ١٧٧       | البقرة     | صه            | الْمُتَقْوَنَ | ١٨٤ |
| ١٧٨       | البقرة     | صه            | إِلَيْمٌ      | ١٨٥ |
| ١٧٩       | البقرة     | صه            | تَتَقُونَ     | ١٨٦ |
| ١٨٠       | البقرة     | ط             | الْمُتَقِينَ  | ١٨٧ |
| ١٨١       | البقرة     | ط             | عَلِيمٌ       | ١٨٨ |
| ١٨٢       | البقرة     | صه            | رَّحِيمٌ      | ١٨٩ |
| ١٨٣       | البقرة     | صه لا         | تَتَقُونَ     | ١٩٠ |
| ١٨٤       | البقرة     | صه            | تَعْلَمُونَ   | ١٩١ |
| ١٨٥       | البقرة     | صه            | تَشَكُّرُونَ  | ١٩٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الآيَةِ  | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ | رَقْمُ الآيَةِ |     |
|-----------------|-------------------------|-------------------|----------------|-----|
| يَرْشُدُونَ     | صه                      | البقرة            | ١٨٦            | ١٩٣ |
| يَتَّقُونَ      | صه                      | البقرة            | ١٨٧            | ١٩٤ |
| تَعْلَمُونَ     | صه                      | البقرة            | ١٨٨            | ١٩٥ |
| تُفْلِحُونَ     | صه                      | البقرة            | ١٨٩            | ١٩٦ |
| الْمُعَتَدِّينَ | صه                      | البقرة            | ١٩٠            | ١٩٧ |
| الْكَافِرِينَ   | صه                      | البقرة            | ١٩١            | ١٩٨ |
| رَحِيمٌ         | صه                      | البقرة            | ١٩٢            | ١٩٩ |
| الظَّالِمِينَ   | صه                      | البقرة            | ١٩٣            | ٢٠٠ |
| الْمُتَّقِينَ   | صه                      | البقرة            | ١٩٤            | ٢٠١ |
| الْمُحْسِنِينَ  | صه                      | البقرة            | ١٩٥            | ٢٠٢ |
| الْعِقَابِ      | صه                      | البقرة            | ١٩٦            | ٢٠٣ |
| الْأَلَبِ       | صه                      | البقرة            | ١٩٧            | ٢٠٤ |
| الضَّالِّينَ    | صه                      | البقرة            | ١٩٨            | ٢٠٥ |
| رَحِيمٌ         | صه                      | البقرة            | ١٩٩            | ٢٠٦ |
| خَلَقٌ          | صه                      | البقرة            | ٢٠٠            | ٢٠٧ |
| الْتَّارِ       | صه                      | البقرة            | ٢٠١            | ٢٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ | ت   |
|-----------------|------------------------|-------------------------------------|-----|
| الْحِسَابِ      | صه                     | البقرة ٢٠٢                          | ٢٠٩ |
| تُحَشِّرُونَ    | صه                     | البقرة ٢٠٣                          | ٢١٠ |
| الْخِصَامِ      | صه                     | البقرة ٢٠٤                          | ٢١١ |
| الْفَسَادِ      | صه                     | البقرة ٢٠٥                          | ٢١٢ |
| الْمِهَادِ      | صه                     | البقرة ٢٠٦                          | ٢١٣ |
| بِالْعِبَادِ    | صه                     | البقرة ٢٠٧                          | ٢١٤ |
| مُّبِينٌ        | صه                     | البقرة ٢٠٨                          | ٢١٥ |
| حَكِيمٌ         | صه                     | البقرة ٢٠٩                          | ٢١٦ |
| الْأُمُورِ      | صه                     | البقرة ٢١٠                          | ٢١٧ |
| الْعِقَابِ      | صه                     | البقرة ٢١١                          | ٢١٨ |
| حِسَابٍ         | صه                     | البقرة ٢١٢                          | ٢١٩ |
| مُسْتَقِيمٍ     | صه                     | البقرة ٢١٣                          | ٢٢٠ |
| قَرِيبٌ         | صه                     | البقرة ٢١٤                          | ٢٢١ |
| عَلِيهِمْ       | صه                     | البقرة ٢١٥                          | ٢٢٢ |
| تَعْلَمُونَ     | صه                     | البقرة ٢١٦                          | ٢٢٣ |
| خَالِدُونَ      | صه                     | البقرة ٢١٧                          | ٢٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت   |
|-----------|------------|---------------|-------------------|-----|
| ٢١٨       | البقرة     | صه            | رَّحِيمُ          | ٢٢٥ |
| ٢١٩       | البقرة     | صه لا         | تَتَفَكَّرُونَ    | ٢٢٦ |
| ٢٢٠       | البقرة     | صه            | حَكِيمُ           | ٢٢٧ |
| ٢٢١       | البقرة     | صه            | يَتَذَكَّرُونَ    | ٢٢٨ |
| ٢٢٢       | البقرة     | صه            | الْمُتَطَهِّرِينَ | ٢٢٩ |
| ٢٢٣       | البقرة     | صه            | الْمُؤْمِنِينَ    | ٢٣٠ |
| ٢٢٤       | البقرة     | صه            | عَلِيمُ           | ٢٣١ |
| ٢٢٥       | البقرة     | صه            | حَلِيمُ           | ٢٣٢ |
| ٢٢٦       | البقرة     | صه            | رَّحِيمُ          | ٢٣٣ |
| ٢٢٧       | البقرة     | صه            | عَلِيمُ           | ٢٣٤ |
| ٢٢٨       | البقرة     | صه            | حَكِيمُ           | ٢٣٥ |
| ٢٢٩       | البقرة     | صه            | الظَّالِمُونَ     | ٢٣٦ |
| ٢٣٠       | البقرة     | صه            | يَعْلَمُونَ       | ٢٣٧ |
| ٢٣١       | البقرة     | صه            | عَلِيمُ           | ٢٣٨ |
| ٢٣٢       | البقرة     | صه            | تَعْلَمُونَ       | ٢٣٩ |
| ٢٣٣       | البقرة     | صه            | بَصِيرُ           | ٢٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٢٣٤       | البقرة     | صه            | خَيْرٌ          | ٢٤١ |
| ٢٣٥       | البقرة     | صه            | حَلِيمٌ         | ٢٤٢ |
| ٢٣٦       | البقرة     | صه            | اَلْمُحْسِنِينَ | ٢٤٣ |
| ٢٣٧       | البقرة     | صه            | بَصِيرٌ         | ٢٤٤ |
| ٢٣٨       | البقرة     | صه            | قَانِتِينَ      | ٢٤٥ |
| ٢٣٩       | البقرة     | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٢٤٦ |
| ٢٤٠       | البقرة     | صه            | حَكِيمٌ         | ٢٤٧ |
| ٢٤١       | البقرة     | صه            | اَلْمُتَّقِينَ  | ٢٤٨ |
| ٢٤٢       | البقرة     | صه            | تَعْقِلُونَ     | ٢٤٩ |
| ٢٤٣       | البقرة     | صه            | يَشْكُرُونَ     | ٢٥٠ |
| ٢٤٤       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ         | ٢٥١ |
| ٢٤٥       | البقرة     | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٢٥٢ |
| ٢٤٦       | البقرة     | صه            | بِالظَّلَمِينَ  | ٢٥٣ |
| ٢٤٧       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ         | ٢٥٤ |
| ٢٤٨       | البقرة     | صه            | مُؤْمِنِينَ     | ٢٥٥ |
| ٢٤٩       | البقرة     | صه            | اَلصَّابِرِينَ  | ٢٥٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٢٥٠       | البقرة     | ط بلا         | الْكَفِرِينَ   | ٢٥٧ |
| ٢٥١       | البقرة     | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٢٥٨ |
| ٢٥٢       | البقرة     | صه            | الْمُرْسَلِينَ | ٢٥٩ |
| ٢٥٣       | البقرة     | صه            | يُرِيدُ        | ٢٦٠ |
| ٢٥٤       | البقرة     | صه            | الظَّالِمُونَ  | ٢٦١ |
| ٢٥٥       | البقرة     | صه            | الْعَظِيمُ     | ٢٦٢ |
| ٢٥٦       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ        | ٢٦٣ |
| ٢٥٧       | البقرة     | صه            | خَلِدُونَ      | ٢٦٤ |
| ٢٥٨       | البقرة     | ج             | الظَّالِمِينَ  | ٢٦٥ |
| ٢٥٩       | البقرة     | صه            | قَدِيرٌ        | ٢٦٦ |
| ٢٦٠       | البقرة     | صه            | حَكِيمٌ        | ٢٦٧ |
| ٢٦١       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ        | ٢٦٨ |
| ٢٦٢       | البقرة     | صه            | يَحْزَنُونَ    | ٢٦٩ |
| ٢٦٣       | البقرة     | صه            | حَلِيمٌ        | ٢٧٠ |
| ٢٦٤       | البقرة     | صه            | الْكَفِرِينَ   | ٢٧١ |
| ٢٦٥       | البقرة     | صه            | بَصِيرٌ        | ٢٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٢٦٦       | البقرة     | صه            | تَتَفَكَّرُونَ | ٢٧٣ |
| ٢٦٧       | البقرة     | صه لا         | حَمِيدٌ        | ٢٧٤ |
| ٢٦٨       | البقرة     | ج. صلي. لا    | عَلِيمٌ        | ٢٧٥ |
| ٢٦٩       | البقرة     | صه            | الْأَلَبِ      | ٢٧٦ |
| ٢٧٠       | البقرة     | صه            | أَنْصَارٍ      | ٢٧٧ |
| ٢٧١       | البقرة     | صه            | خَيْرٌ         | ٢٧٨ |
| ٢٧٢       | البقرة     | صه            | تُظْلِمُونَ    | ٢٧٩ |
| ٢٧٣       | البقرة     | صه            | عَلِيمٌ        | ٢٨٠ |
| ٢٧٤       | البقرة     | صه            | يَحْزَنُونَ    | ٢٨١ |
| ٢٧٥       | البقرة     | صه            | خَلِيلُونَ     | ٢٨٢ |
| ٢٧٦       | البقرة     | صه            | أَثِيمٍ        | ٢٨٣ |
| ٢٧٧       | البقرة     | صه            | يَحْزَنُونَ    | ٢٨٤ |
| ٢٧٨       | البقرة     | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٢٨٥ |
| ٢٧٩       | البقرة     | صه            | تُظْلِمُونَ    | ٢٨٦ |
| ٢٨٠       | البقرة     | صه            | تَعْلَمُونَ    | ٢٨٧ |
| ٢٨١       | البقرة     | صه            | يُظْلِمُونَ    | ٢٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٢٨٢       | البقرة     | صه            | عَلِيْمُ       | ٢٨٩ |
| ٢٨٣       | البقرة     | صه            | عَلِيْمُ       | ٢٩٠ |
| ٢٨٤       | البقرة     | صه            | قَدِيرٌ        | ٢٩١ |
| ٢٨٥       | البقرة     | صه            | الْمَصِيرُ     | ٢٩٢ |
| ٢٨٦       | البقرة     | صه            | الْكَفِرِينَ   | ٢٩٣ |
| ١         | آل عمران   | صه لا         | الْمَ          | ٢٩٤ |
| ٢         | آل عمران   | ط بلا         | الْقَيْوُمُ    | ٢٩٥ |
| ٣         | آل عمران   | لا            | وَالْإِنْجِيلَ | ٢٩٦ |
| ٤         | آل عمران   | ط             | اُنْتِقَامٍ    | ٢٩٧ |
| ٥         | آل عمران   | ط             | السَّمَاءُ     | ٢٩٨ |
| ٦         | آل عمران   | صه            | الْحَكِيمُ     | ٢٩٩ |
| ٧         | آل عمران   | صه            | الْأَلَبِ      | ٣٠٠ |
| ٨         | آل عمران   | صه            | الْوَهَابُ     | ٣٠١ |
| ٩         | آل عمران   | صه            | الْمِيعَادُ    | ٣٠٢ |
| ١٠        | آل عمران   | صه لا         | النَّارِ       | ٣٠٣ |
| ١١        | آل عمران   | صه            | الْعِقَابُ     | ٣٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ١٢        | آل عمران   | صه            | الْمِهَادُ     | ٣٠٥ |
| ١٣        | آل عمران   | صه            | الْأَبْصَرِ    | ٣٠٦ |
| ١٤        | آل عمران   | صه            | الْمَاءِبِ     | ٣٠٧ |
| ١٥        | آل عمران   | ج             | بِالْعِبَادِ   | ٣٠٨ |
| ١٦        | آل عمران   | ج             | الْثَّارِ      | ٣٠٩ |
| ١٧        | آل عمران   | صه            | بِالْأَسْحَارِ | ٣١٠ |
| ١٨        | آل عمران   | طلا           | الْحَكِيمُ     | ٣١١ |
| ١٩        | آل عمران   | صه            | الْحِسَابِ     | ٣١٢ |
| ٢٠        | آل عمران   | صه            | بِالْعِبَادِ   | ٣١٣ |
| ٢١        | آل عمران   | صه            | الْإِيمِ       | ٣١٤ |
| ٢٢        | آل عمران   | صه            | نَّاصِرِينَ    | ٣١٥ |
| ٢٣        | آل عمران   | صه            | مُعْرِضُونَ    | ٣١٦ |
| ٢٤        | آل عمران   | صه            | يَفْتَرُونَ    | ٣١٧ |
| ٢٥        | آل عمران   | صه            | يُظْلَمُونَ    | ٣١٨ |
| ٢٦        | آل عمران   | صه            | قَدِيرُ        | ٣١٩ |
| ٢٧        | آل عمران   | صه            | حِسَابٍ        | ٣٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ | ت   |
|-----------------|------------------------|-------------------------------------|-----|
| الْمَصِيرُ      | صه                     | آل عمران ٢٨                         | ٣٢١ |
| قَدِيرُ         | صه                     | آل عمران ٢٩                         | ٣٢٢ |
| بِالْعِبَادِ    | صه                     | آل عمران ٣٠                         | ٣٢٣ |
| رَحِيمُ         | صه                     | آل عمران ٣١                         | ٣٢٤ |
| الْكُفَّارِينَ  | صه                     | آل عمران ٣٢                         | ٣٢٥ |
| الْعَالَمِينَ   | لا                     | آل عمران ٣٣                         | ٣٢٦ |
| عَلِيمُ         | ج                      | آل عمران ٣٤                         | ٣٢٧ |
| الْعَالِيمُ     | صه                     | آل عمران ٣٥                         | ٣٢٨ |
| الرَّحِيمُ      | صه                     | آل عمران ٣٦                         | ٣٢٩ |
| حِسَابٌ         | صه                     | آل عمران ٣٧                         | ٣٣٠ |
| الْدُّعَاءُ     | صه                     | آل عمران ٣٨                         | ٣٣١ |
| الصَّلِحِينَ    | صه                     | آل عمران ٣٩                         | ٣٣٢ |
| يَشَاءُ         | صه                     | آل عمران ٤٠                         | ٣٣٣ |
| وَالْأَبْكَرِ   | صه                     | آل عمران ٤١                         | ٣٣٤ |
| الْعَالَمِينَ   | صه                     | آل عمران ٤٢                         | ٣٣٥ |
| الرَّاكِعِينَ   | صه                     | آل عمران ٤٣                         | ٣٣٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٤٤        | آل عمران   | صه.لا         | يَخْتَصِمُونَ   | ٣٣٧ |
| ٤٥        | آل عمران   | صه.لا         | الْمُقَرَّبِينَ | ٣٣٨ |
| ٤٦        | آل عمران   | صه            | الْصَّالِحِينَ  | ٣٣٩ |
| ٤٧        | آل عمران   | صه            | فَيَكُونُ       | ٣٤٠ |
| ٤٨        | آل عمران   | ج.لا          | وَالْإِنْجِيلَ  | ٣٤١ |
| ٤٩        | آل عمران   | ج             | مُؤْمِنِينَ     | ٣٤٢ |
| ٥٠        | آل عمران   | صه            | وَأَطِيعُونِ    | ٣٤٣ |
| ٥١        | آل عمران   | صه            | مُسْتَقِيمٌ     | ٣٤٤ |
| ٥٢        | آل عمران   | صه            | مُسْلِمُونَ     | ٣٤٥ |
| ٥٣        | آل عمران   | صه            | الشَّهِيدِينَ   | ٣٤٦ |
| ٥٤        | آل عمران   | صه            | الْمَكَرِينَ    | ٣٤٧ |
| ٥٥        | آل عمران   | صه            | تَخْتَلِفُونَ   | ٣٤٨ |
| ٥٦        | آل عمران   | صه            | نَّاصِرِينَ     | ٣٤٩ |
| ٥٧        | آل عمران   | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٣٥٠ |
| ٥٨        | آل عمران   | صه            | الْحَكِيمَ      | ٣٥١ |
| ٥٩        | آل عمران   | صه.لا         | فَيَكُونُ       | ٣٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت   |
|-----------|------------|---------------|-------------------|-----|
| ٦٠        | آل عمران   | صه            | الْمُمْتَرِينَ    | ٣٥٣ |
| ٦١        | آل عمران   | صه            | الْكَلِذِيْنَ     | ٣٥٤ |
| ٦٢        | آل عمران   | ط             | الْحَكِيمُ        | ٣٥٥ |
| ٦٣        | آل عمران   | صه            | بِالْمُفْسِدِيْنَ | ٣٥٦ |
| ٦٤        | آل عمران   | صه            | مُسْلِمُوْنَ      | ٣٥٧ |
| ٦٥        | آل عمران   | صه            | تَعْقِلُوْنَ      | ٣٥٨ |
| ٦٦        | آل عمران   | صه            | تَعْلَمُوْنَ      | ٣٥٩ |
| ٦٧        | آل عمران   | صه            | الْمُشْرِكِيْنَ   | ٣٦٠ |
| ٦٨        | آل عمران   | صه            | الْمُؤْمِنِيْنَ   | ٣٦١ |
| ٦٩        | آل عمران   | صه            | يَشْعُرُوْنَ      | ٣٦٢ |
| ٧٠        | آل عمران   | صه            | تَشَهِّدُوْنَ     | ٣٦٣ |
| ٧١        | آل عمران   | صه            | تَعْلَمُوْنَ      | ٣٦٤ |
| ٧٢        | آل عمران   | ج. صلي        | يَرْجِعُوْنَ      | ٣٦٥ |
| ٧٣        | آل عمران   | ج. لا         | عَلِيْمُ          | ٣٦٦ |
| ٧٤        | آل عمران   | صه            | الْعَظِيْمُ       | ٣٦٧ |
| ٧٥        | آل عمران   | صه            | يَعْلَمُوْنَ      | ٣٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| ت   | رأس الآية     | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|-----|---------------|---------------|----------------------|
| ٣٦٩ | الْمُتَّقِينَ | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٠ | أَلِيمٌ       | صه            | آل عمران             |
| ٣٧١ | يَعْلَمُونَ   | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٢ | تَدْرُسُونَ   | ط.لا          | آل عمران             |
| ٣٧٣ | مُسْلِمُونَ   | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٤ | الشَّهِيدِينَ | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٥ | الْفَسِيقُونَ | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٦ | يُرْجَعُونَ   | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٧ | مُسْلِمُونَ   | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٨ | الْحَسِيرِينَ | صه            | آل عمران             |
| ٣٧٩ | الظَّالِمِينَ | صه            | آل عمران             |
| ٣٨٠ | أَجْمَعِينَ   | صه.لا         | آل عمران             |
| ٣٨١ | يُنَظِّرُونَ  | صه.لا         | آل عمران             |
| ٣٨٢ | رَّحِيمٌ      | صه            | آل عمران             |
| ٣٨٣ | الضَّالُّونَ  | صه            | آل عمران             |
| ٣٨٤ | نَّصِيرِينَ   | صه            | آل عمران             |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٩٢        | آل عمران   | صه            | عَلِيهِمْ      | ٣٨٥ |
| ٩٣        | آل عمران   | صه            | صَدِيقِينَ     | ٣٨٦ |
| ٩٤        | آل عمران   | صه            | الظَّالِمُونَ  | ٣٨٧ |
| ٩٥        | آل عمران   | صه            | الْمُشْرِكِينَ | ٣٨٨ |
| ٩٦        | آل عمران   | ج.لا          | لِلْعَالَمِينَ | ٣٨٩ |
| ٩٧        | آل عمران   | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٣٩٠ |
| ٩٨        | آل عمران   | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٣٩١ |
| ٩٩        | آل عمران   | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٣٩٢ |
| ١٠٠       | آل عمران   | صه            | كُفَّارِينَ    | ٣٩٣ |
| ١٠١       | آل عمران   | صه            | مُسْتَقِيمٍ    | ٣٩٤ |
| ١٠٢       | آل عمران   | صه            | مُسْلِمُونَ    | ٣٩٥ |
| ١٠٣       | آل عمران   | صه            | تَهْتَدُونَ    | ٣٩٦ |
| ١٠٤       | آل عمران   | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ٣٩٧ |
| ١٠٥       | آل عمران   | صه.لا         | عَظِيمٌ        | ٣٩٨ |
| ١٠٦       | آل عمران   | صه            | تَكْفُرُونَ    | ٣٩٩ |
| ١٠٧       | آل عمران   | صه            | خَلِيلُونَ     | ٤٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية       | ت   | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|-----------------|-----|---------------|----------------------|
| لِلْعَالَمِينَ  | ٤٠١ | صه            | آل عمران ١٠٨         |
| أَلْأُمُورُ     | ٤٠٢ | صه            | آل عمران ١٠٩         |
| أَلْفَسِقُونَ   | ٤٠٣ | صه            | آل عمران ١١٠         |
| يُنَصَّرُونَ    | ٤٠٤ | صه            | آل عمران ١١١         |
| يَعْتَدُونَ     | ٤٠٥ | ق             | آل عمران ١١٢         |
| يَسْجُدُونَ     | ٤٠٦ | قف            | آل عمران ١١٣         |
| الصَّابِرِينَ   | ٤٠٧ | صه            | آل عمران ١١٤         |
| بِالْمُتَّقِينَ | ٤٠٨ | صه            | آل عمران ١١٥         |
| خَالِدُونَ      | ٤٠٩ | صه            | آل عمران ١١٦         |
| يَظْلِمُونَ     | ٤١٠ | صه            | آل عمران ١١٧         |
| تَعْقِلُونَ     | ٤١١ | صه            | آل عمران ١١٨         |
| الصُّدُورِ      | ٤١٢ | صه            | آل عمران ١١٩         |
| مُحِيطُ         | ٤١٣ | صه            | آل عمران ١٢٠         |
| عَلِيهِمْ       | ٤١٤ | صه.لا         | آل عمران ١٢١         |
| الْمُؤْمِنُونَ  | ٤١٥ | صه            | آل عمران ١٢٢         |
| تَشَكُّرُونَ    | ٤١٦ | صه            | آل عمران ١٢٣         |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية          | ت   | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية |
|--------------------|-----|---------------|---------------------|
| مُنْزَلِينَ        | ٤١٧ | ط             | آل عمران<br>١٢٤     |
| مُسَوِّمِينَ       | ٤١٨ | صه            | آل عمران<br>١٢٥     |
| الْحَكِيم          | ٤١٩ | صه.لا         | آل عمران<br>١٢٦     |
| خَـٰبِيـٰنَ        | ٤٢٠ | صه.لا         | آل عمران<br>١٢٧     |
| ظَـلِـمُـونَ       | ٤٢١ | صه            | آل عمران<br>١٢٨     |
| رَـحِـيمٌ          | ٤٢٢ | صه            | آل عمران<br>١٢٩     |
| تُـفْلِـحُـونَ     | ٤٢٣ | ج             | آل عمران<br>١٣٠     |
| لِـكَـفِـرِـينَ    | ٤٢٤ | ج             | آل عمران<br>١٣١     |
| تُـرْـحَـمُـونَ    | ٤٢٥ | ج             | آل عمران<br>١٣٢     |
| لِـمُـتَـقِـينَ    | ٤٢٦ | صه.لا         | آل عمران<br>١٣٣     |
| الْمُـحـســينــينَ | ٤٢٧ | ج             | آل عمران<br>١٣٤     |
| يَـعــلــمــونَ    | ٤٢٨ | ج             | آل عمران<br>١٣٥     |
| الْعَـمــلــلــينَ | ٤٢٩ | ط             | آل عمران<br>١٣٦     |
| الْمُـكــذــبــينَ | ٤٣٠ | صه            | آل عمران<br>١٣٧     |
| لِـمُـتَـقِـينَ    | ٤٣١ | صه            | آل عمران<br>١٣٨     |
| مُـؤــمــنــينَ    | ٤٣٢ | صه            | آل عمران<br>١٣٩     |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ | رَقْمُ الْآيَةِ | ت   |
|-----------------|------------------------|-------------------|-----------------|-----|
| الظَّالِمِينَ   | صه.لا                  | آل عمران          | ١٤٠             | ٤٣٣ |
| الكُفَّارِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٤١             | ٤٣٤ |
| الصَّابِرِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٤٢             | ٤٣٥ |
| تَنْظُرُونَ     | صه                     | آل عمران          | ١٤٣             | ٤٣٦ |
| الشَّكِيرِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٤٤             | ٤٣٧ |
| الشَّكِيرِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٤٥             | ٤٣٨ |
| الصَّابِرِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٤٦             | ٤٣٩ |
| الكُفَّارِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٤٧             | ٤٤٠ |
| الْمُحْسِنِينَ  | صه                     | آل عمران          | ١٤٨             | ٤٤١ |
| خَسِيرِينَ      | صه                     | آل عمران          | ١٤٩             | ٤٤٢ |
| الثَّاصِرِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٥٠             | ٤٤٣ |
| الظَّالِمِينَ   | صه                     | آل عمران          | ١٥١             | ٤٤٤ |
| الْمُؤْمِنِينَ  | صه                     | آل عمران          | ١٥٢             | ٤٤٥ |
| تَعْمَلُونَ     | صه                     | آل عمران          | ١٥٣             | ٤٤٦ |
| الصُّدُورِ      | صه                     | آل عمران          | ١٥٤             | ٤٤٧ |
| حَلِيمٌ         | صه                     | آل عمران          | ١٥٥             | ٤٤٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت   |
|-----------|------------|---------------|-------------------|-----|
| ١٥٦       | آل عمران   | صه            | بَصِيرٌ           | ٤٤٩ |
| ١٥٧       | آل عمران   | صه            | يَجْمَعُونَ       | ٤٥٠ |
| ١٥٨       | آل عمران   | صه            | تُحَشِّرُونَ      | ٤٥١ |
| ١٥٩       | آل عمران   | صه            | الْمُتَوَكِّلِينَ | ٤٥٢ |
| ١٦٠       | آل عمران   | صه            | الْمُؤْمِنُونَ    | ٤٥٣ |
| ١٦١       | آل عمران   | صه            | يُظْلَمُونَ       | ٤٥٤ |
| ١٦٢       | آل عمران   | صه.لا         | الْمَصِيرُ        | ٤٥٥ |
| ١٦٣       | آل عمران   | صه            | يَعْمَلُونَ       | ٤٥٦ |
| ١٦٤       | آل عمران   | صه            | مُبِينٍ           | ٤٥٧ |
| ١٦٥       | آل عمران   | صه            | قَدِيرٌ           | ٤٥٨ |
| ١٦٦       | آل عمران   | صه.لا         | الْمُؤْمِنِينَ    | ٤٥٩ |
| ١٦٧       | آل عمران   | ج             | يَكْتُمُونَ       | ٤٦٠ |
| ١٦٨       | آل عمران   | صه            | صَدِيقِينَ        | ٤٦١ |
| ١٦٩       | آل عمران   | صه.لا         | يُرْزَقُونَ       | ٤٦٢ |
| ١٧٠       | آل عمران   | م             | يَحْرَثُونَ       | ٤٦٣ |
| ١٧١       | آل عمران   | ث.ج.لا        | الْمُؤْمِنِينَ    | ٤٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت   |
|-----------|------------|---------------|-------------|-----|
| ١٧٢       | آل عمران   | ج             | عَظِيمٌ     | ٤٦٥ |
| ١٧٣       | آل عمران   | صه            | الْوَكِيلُ  | ٤٦٦ |
| ١٧٤       | آل عمران   | صه            | عَظِيمٍ     | ٤٦٧ |
| ١٧٥       | آل عمران   | صه            | مُؤْمِنِينَ | ٤٦٨ |
| ١٧٦       | آل عمران   | صه            | عَظِيمٌ     | ٤٦٩ |
| ١٧٧       | آل عمران   | صه            | الْإِيمَانُ | ٤٧٠ |
| ١٧٨       | آل عمران   | صه            | مُهِمَّيْنُ | ٤٧١ |
| ١٧٩       | آل عمران   | صه            | عَظِيمٌ     | ٤٧٢ |
| ١٨٠       | آل عمران   | صه            | خَبِيرُ     | ٤٧٣ |
| ١٨١       | آل عمران   | صه            | الْحَرِيقُ  | ٤٧٤ |
| ١٨٢       | آل عمران   | ج             | لِلْعَبِيدِ | ٤٧٥ |
| ١٨٣       | آل عمران   | صه            | صَدِيقِينَ  | ٤٧٦ |
| ١٨٤       | آل عمران   | صه            | الْمُنِيرُ  | ٤٧٧ |
| ١٨٥       | آل عمران   | صه            | الْغُرُورُ  | ٤٧٨ |
| ١٨٦       | آل عمران   | صه            | الْأُمُورِ  | ٤٧٩ |
| ١٨٧       | آل عمران   | صه            | يَشَرُونَ   | ٤٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم السورة | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت   |
|-----------|------------|------------|---------------|---------------|-----|
| ١٨٨       | آل عمران   | صه         |               | أَلِيمٌ       | ٤٨١ |
| ١٨٩       | آل عمران   | صه         |               | قَدِيرٌ       | ٤٨٢ |
| ١٩٠       | آل عمران   | ج.لا       |               | الْأَلْبَابُ  | ٤٨٣ |
| ١٩١       | آل عمران   | صه         |               | الْتَّارِ     | ٤٨٤ |
| ١٩٢       | آل عمران   | صه         |               | أَنْصَارٍ     | ٤٨٥ |
| ١٩٣       | آل عمران   | ج          |               | الْأَبْرَارُ  | ٤٨٦ |
| ١٩٤       | آل عمران   | صه         |               | الْمِيعَادُ   | ٤٨٧ |
| ١٩٥       | آل عمران   | صه         |               | الْثَّوَابُ   | ٤٨٨ |
| ١٩٦       | آل عمران   | ط.لا       |               | الْبَلَدُ     | ٤٨٩ |
| ١٩٧       | آل عمران   | صه         |               | الْمِهَادُ    | ٤٩٠ |
| ١٩٨       | آل عمران   | صه         |               | لِلْأَبْرَارِ | ٤٩١ |
| ١٩٩       | آل عمران   | صه         |               | الْحِسَابُ    | ٤٩٢ |
| ٢٠٠       | آل عمران   | صه         |               | تُفْلِحُونَ   | ٤٩٣ |
| ١         | النساء     | صه         |               | رَقِيبًا      | ٤٩٤ |
| ٢         | النساء     | صه         |               | كَبِيرًا      | ٤٩٥ |
| ٣         | النساء     | ط          |               | تَعْوِلُواً   | ٤٩٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت   |
|-----------|------------|---------------|------------|-----|
| ٤         | النساء     | صه            | مَرِيَّا   | ٤٩٧ |
| ٥         | النساء     | صه            | مَعْرُوفًا | ٤٩٨ |
| ٦         | النساء     | صه            | حَسِيبًا   | ٤٩٩ |
| ٧         | النساء     | صه            | مَفْرُوضًا | ٥٠٠ |
| ٨         | النساء     | صه            | مَعْرُوفًا | ٥٠١ |
| ٩         | النساء     | صه            | سَدِيدًا   | ٥٠٢ |
| ١٠        | النساء     | صه            | سَعِيرًا   | ٥٠٣ |
| ١١        | النساء     | صه            | حَكِيمًا   | ٥٠٤ |
| ١٢        | النساء     | ط             | حَلِيمٌ    | ٥٠٥ |
| ١٣        | النساء     | صه            | الْعَظِيمُ | ٥٠٦ |
| ١٤        | النساء     | صه            | مُهِينٌ    | ٥٠٧ |
| ١٥        | النساء     | صه            | سَبِيلًا   | ٥٠٨ |
| ١٦        | النساء     | صه            | رَّحِيمًا  | ٥٠٩ |
| ١٧        | النساء     | صه            | حَكِيمًا   | ٥١٠ |
| ١٨        | النساء     | صه            | أَلِيمًا   | ٥١١ |
| ١٩        | النساء     | صه            | كَثِيرًا   | ٥١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------|-----|
| ٢٠        | النساء     | صه            | مُبِينًا  | ٥١٣ |
| ٢١        | النساء     | صه            | غَلِيظًا  | ٥١٤ |
| ٢٢        | النساء     | صه            | سَيِّلًا  | ٥١٥ |
| ٢٣        | النساء     | صه لا         | رَحِيمًا  | ٥١٦ |
| ٢٤        | النساء     | صه            | حَكِيمًا  | ٥١٧ |
| ٢٥        | النساء     | صه            | رَحِيمٌ   | ٥١٨ |
| ٢٦        | النساء     | صه            | حَكِيمٌ   | ٥١٩ |
| ٢٧        | النساء     | صه            | عَظِيمًا  | ٥٢٠ |
| ٢٨        | النساء     | صه            | ضَعِيفًا  | ٥٢١ |
| ٢٩        | النساء     | صه            | رَحِيمًا  | ٥٢٢ |
| ٣٠        | النساء     | صه            | يَسِيرًا  | ٥٢٣ |
| ٣١        | النساء     | صه            | كَرِيمًا  | ٥٢٤ |
| ٣٢        | النساء     | صه            | عَلِيمًا  | ٥٢٥ |
| ٣٣        | النساء     | صه            | شَهِيدًا  | ٥٢٦ |
| ٣٤        | النساء     | صه            | كَبِيرًا  | ٥٢٧ |
| ٣٥        | النساء     | صه            | خَبِيرًا  | ٥٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت   |
|-----------|------------|---------------|------------|-----|
| ٣٦        | النساء     | صه لا         | فَحُورًا   | ٥٢٩ |
| ٣٧        | النساء     | ج             | مُهِينًا   | ٥٣٠ |
| ٣٨        | النساء     | صه            | قَرِينًا   | ٥٣١ |
| ٣٩        | النساء     | صه            | عَلِيمًا   | ٥٣٢ |
| ٤٠        | النساء     | صه            | عَظِيمًا   | ٥٣٣ |
| ٤١        | النساء     | ط             | شَهِيدًا   | ٥٣٤ |
| ٤٢        | النساء     | صه            | حَدِيثًا   | ٥٣٥ |
| ٤٣        | النساء     | صه            | غَفُورًا   | ٥٣٦ |
| ٤٤        | النساء     | طلا           | السَّبِيل  | ٥٣٧ |
| ٤٥        | النساء     | صه            | نَصِيرًا   | ٥٣٨ |
| ٤٦        | النساء     | صه            | قَلِيلًا   | ٥٣٩ |
| ٤٧        | النساء     | صه            | مَقْعُولاً | ٥٤٠ |
| ٤٨        | النساء     | صه            | عَظِيمًا   | ٥٤١ |
| ٤٩        | النساء     | صه            | فَتِيلًا   | ٥٤٢ |
| ٥٠        | النساء     | صه            | مُبِينًا   | ٥٤٣ |
| ٥١        | النساء     | صه            | سِيلًا     | ٥٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ | رَقْمُ الْآيَةِ | ت   |
|-----------------|------------------------|-------------------|-----------------|-----|
| نَصِيرًا        | ط                      | النَّسَاءُ        | ٥٢              | ٥٤٥ |
| نَقِيرًا        | صَهْ لَا               | النَّسَاءُ        | ٥٣              | ٥٤٦ |
| عَظِيمًا        | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٥٤              | ٥٤٧ |
| سَعِيرًا        | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٥٥              | ٥٤٨ |
| حَكِيمًا        | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٥٦              | ٥٤٩ |
| ظَلِيلًا        | ج                      | النَّسَاءُ        | ٥٧              | ٥٥٠ |
| بَصِيرًا        | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٥٨              | ٥٥١ |
| تَأْوِيلًا      | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٥٩              | ٥٥٢ |
| بَعِيدًا        | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٦٠              | ٥٥٣ |
| صُدُودًا        | ج                      | النَّسَاءُ        | ٦١              | ٥٥٤ |
| وَتَوْفِيقًا    | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٦٢              | ٥٥٥ |
| بَلِيجًا        | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٦٣              | ٥٥٦ |
| رَّحِيمًا       | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٦٤              | ٥٥٧ |
| تَسْلِيمًا      | صَه                    | النَّسَاءُ        | ٦٥              | ٥٥٨ |
| تَثْبِيتًا      | صَهْ لَا               | النَّسَاءُ        | ٦٦              | ٥٥٩ |
| عَظِيمًا        | صَهْ لَا               | النَّسَاءُ        | ٦٧              | ٥٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت   |
|-----------|------------|---------------|--------------|-----|
| ٦٨        | النساء     | صه            | مُسْتَقِيمًا | ٥٦١ |
| ٦٩        | النساء     | ط             | رَفِيقًا     | ٥٦٢ |
| ٧٠        | النساء     | صه            | عَلِيمًا     | ٥٦٣ |
| ٧١        | النساء     | صه            | جَمِيعًا     | ٥٦٤ |
| ٧٢        | النساء     | صه            | شَهِيدًا     | ٥٦٥ |
| ٧٣        | النساء     | صه            | عَظِيمًا     | ٥٦٦ |
| ٧٤        | النساء     | صه            | عَظِيمًا     | ٥٦٧ |
| ٧٥        | النساء     | ط             | نَصِيرًا     | ٥٦٨ |
| ٧٦        | النساء     | صه            | ضَعِيفًا     | ٥٦٩ |
| ٧٧        | النساء     | صه            | فَتِيلًا     | ٥٧٠ |
| ٧٨        | النساء     | صه لا         | حَدِيثًا     | ٥٧١ |
| ٧٩        | النساء     | صه            | شَهِيدًا     | ٥٧٢ |
| ٨٠        | النساء     | ط             | حَفِيظًا     | ٥٧٣ |
| ٨١        | النساء     | صه            | وَكِيلًا     | ٥٧٤ |
| ٨٢        | النساء     | صه            | كَثِيرًا     | ٥٧٥ |
| ٨٣        | النساء     | صه            | قَلِيلًا     | ٥٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------|-----|
| ٨٤        | النساء     | صه لا         | تنكيلاً   | ٥٧٧ |
| ٨٥        | النساء     | صه            | مُقيتاً   | ٥٧٨ |
| ٨٦        | النساء     | ط             | حسيناً    | ٥٧٩ |
| ٨٧        | النساء     | صه            | حديثاً    | ٥٨٠ |
| ٨٨        | النساء     | ط             | سيلاً     | ٥٨١ |
| ٨٩        | النساء     | صه لا         | نصيراً    | ٥٨٢ |
| ٩٠        | النساء     | صه            | سيلاً     | ٥٨٣ |
| ٩١        | النساء     | صه            | مِينَا    | ٥٨٤ |
| ٩٢        | النساء     | صه            | حَكِيمًا  | ٥٨٥ |
| ٩٣        | النساء     | صه            | عظِيمًا   | ٥٨٦ |
| ٩٤        | النساء     | صه            | خَيْرًا   | ٥٨٧ |
| ٩٥        | النساء     | صه لا         | عظِيمًا   | ٥٨٨ |
| ٩٦        | النساء     | صه            | رَحِيمًا  | ٥٨٩ |
| ٩٧        | النساء     | صه لا         | مَصِيرًا  | ٥٩٠ |
| ٩٨        | النساء     | صه لا         | سيلاً     | ٥٩١ |
| ٩٩        | النساء     | صه            | غُورًا    | ٥٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت   |
|-----------|------------|---------------|------------|-----|
| ١٠٠       | النساء     | صه            | رَّحِيمًا  | ٥٩٣ |
| ١٠١       | النساء     | صه            | مُبِينًا   | ٥٩٤ |
| ١٠٢       | النساء     | صه            | مُهِينًا   | ٥٩٥ |
| ١٠٣       | النساء     | صه            | مَوْقُوتًا | ٥٩٦ |
| ١٠٤       | النساء     | صه            | حَكِيمًا   | ٥٩٧ |
| ١٠٥       | النساء     | صه لا         | خَصِيمًا   | ٥٩٨ |
| ١٠٦       | النساء     | ج             | رَّحِيمًا  | ٥٩٩ |
| ١٠٧       | النساء     | ج لا          | أَثِيمًا   | ٦٠٠ |
| ١٠٨       | النساء     | صه            | مُحِيطًا   | ٦٠١ |
| ١٠٩       | النساء     | صه            | وَكِيلًا   | ٦٠٢ |
| ١١٠       | النساء     | صه            | رَّحِيمًا  | ٦٠٣ |
| ١١١       | النساء     | صه            | حَكِيمًا   | ٦٠٤ |
| ١١٢       | النساء     | صه            | مُبِينًا   | ٦٠٥ |
| ١١٣       | النساء     | صه            | عَظِيمًا   | ٦٠٦ |
| ١١٤       | النساء     | صه            | عَظِيمًا   | ٦٠٧ |
| ١١٥       | النساء     | صه            | مَصِيرًا   | ٦٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | ت   | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ |
|-----------------|-----|-------------------------|-------------------------------------|
| بَعِيدًا        | ٦٠٩ | صه                      | النَّسَاءُ ١١٦                      |
| مَرِيدًا        | ٦١٠ | صه لا                   | النَّسَاءُ ١١٧                      |
| مَفْرُوضًا      | ٦١١ | صه لا                   | النَّسَاءُ ١١٨                      |
| مُبِينًا        | ٦١٢ | ط                       | النَّسَاءُ ١١٩                      |
| غُرُورًا        | ٦١٣ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٠                      |
| مَحِيصًا        | ٦١٤ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢١                      |
| قِيلَّا         | ٦١٥ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٢                      |
| نَصِيرًا        | ٦١٦ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٣                      |
| نَقِيرًا        | ٦١٧ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٤                      |
| خَلِيلًا        | ٦١٨ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٥                      |
| مُجِيطًا        | ٦١٩ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٦                      |
| عَلِيمًا        | ٦٢٠ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٧                      |
| خَبِيرًا        | ٦٢١ | صه                      | النَّسَاءُ ١٢٨                      |
| رَّحِيمًا       | ٦٢٢ | صه لا                   | النَّسَاءُ ١٢٩                      |
| حَكِيمًا        | ٦٢٣ | صه                      | النَّسَاءُ ١٣٠                      |
| حَمِيدًا        | ٦٢٤ | صه                      | النَّسَاءُ ١٣١                      |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------|-----|
| ١٣٢       | النساء     | صه            | وَكِيلًا  | ٦٢٥ |
| ١٣٣       | النساء     | صه            | قَدِيرًا  | ٦٢٦ |
| ١٣٤       | النساء     | صه            | بَصِيرًا  | ٦٢٧ |
| ١٣٥       | النساء     | صه            | خَيْرًا   | ٦٢٨ |
| ١٣٦       | النساء     | صه            | بَعِيدًا  | ٦٢٩ |
| ١٣٧       | النساء     | ط             | سَيِّلًا  | ٦٣٠ |
| ١٣٨       | النساء     | صه لا         | أَلِيمًا  | ٦٣١ |
| ١٣٩       | النساء     | ط             | جَمِيعًا  | ٦٣٢ |
| ١٤٠       | النساء     | صه لا         | جَمِيعًا  | ٦٣٣ |
| ١٤١       | النساء     | صه            | سَيِّلًا  | ٦٣٤ |
| ١٤٢       | النساء     | ز.لا          | قَلِيلًا  | ٦٣٥ |
| ١٤٣       | النساء     | صه            | سَيِّلًا  | ٦٣٦ |
| ١٤٤       | النساء     | صه            | مُّبِينًا | ٦٣٧ |
| ١٤٥       | النساء     | صه لا         | نَصِيرًا  | ٦٣٨ |
| ١٤٦       | النساء     | صه            | عَظِيمًا  | ٦٣٩ |
| ١٤٧       | النساء     | صه            | عَلِيمًا  | ٦٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت   |
|-----------|------------|---------------|------------|-----|
| ١٤٨       | النساء     | صه            | عَلِيهِمَا | ٦٤١ |
| ١٤٩       | النساء     | صه            | قَدِيرًا   | ٦٤٢ |
| ١٥٠       | النساء     | صه.لا         | سَيِّلًا   | ٦٤٣ |
| ١٥١       | النساء     | صه            | مُهِينًا   | ٦٤٤ |
| ١٥٢       | النساء     | صه            | رَحِيمًا   | ٦٤٥ |
| ١٥٣       | النساء     | صه            | مُبِينًا   | ٦٤٦ |
| ١٥٤       | النساء     | صه            | غَلِيظًا   | ٦٤٧ |
| ١٥٥       | النساء     | ض.لا          | قَلِيلًا   | ٦٤٨ |
| ١٥٦       | النساء     | صه.لا         | عَظِيمًا   | ٦٤٩ |
| ١٥٧       | النساء     | صه.لا         | يَقِينًا   | ٦٥٠ |
| ١٥٨       | النساء     | صه            | حَكِيمًا   | ٦٥١ |
| ١٥٩       | النساء     | ج             | شَهِيدًا   | ٦٥٢ |
| ١٦٠       | النساء     | صه.لا         | كَثِيرًا   | ٦٥٣ |
| ١٦١       | النساء     | صه            | أَلِيمًا   | ٦٥٤ |
| ١٦٢       | النساء     | صه            | عَظِيمًا   | ٦٥٥ |
| ١٦٣       | النساء     | ج             | زُبُورًا   | ٦٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت   |
|-----------|------------|---------------|--------------|-----|
| ١٦٤       | النساء     | ج             | تَكَلِّيمًا  | ٦٥٧ |
| ١٦٥       | النساء     | صه            | حَكِيمًا     | ٦٥٨ |
| ١٦٦       | النساء     | ج.ط           | شَهِيدًا     | ٦٥٩ |
| ١٦٧       | النساء     | صه            | بَعِيدًا     | ٦٦٠ |
| ١٦٨       | النساء     | صه.لا         | طَرِيقًا     | ٦٦١ |
| ١٦٩       | النساء     | صه            | يَسِيرًا     | ٦٦٢ |
| ١٧٠       | النساء     | صه            | حَكِيمًا     | ٦٦٣ |
| ١٧١       | النساء     | صه            | وَكِيلًا     | ٦٦٤ |
| ١٧٢       | النساء     | ج             | جَمِيعًا     | ٦٦٥ |
| ١٧٣       | النساء     | صه            | نَصِيرًا     | ٦٦٦ |
| ١٧٤       | النساء     | صه            | مُبِينًا     | ٦٦٧ |
| ١٧٥       | النساء     | ط             | مُسْتَقِيمًا | ٦٦٨ |
| ١٧٦       | النساء     | صه            | عَلِيمٌ      | ٦٦٩ |
| ١         | المائدة    | صه.لا         | يُرِيدُ      | ٦٧٠ |
| ٢         | المائدة    | صه            | الْعِقَابِ   | ٦٧١ |
| ٣         | المائدة    | صه            | رَّحِيمٌ     | ٦٧٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٤         | المائدة    | صه            | الْحِسَابِ     | ٦٧٣ |
| ٥         | المائدة    | صه            | الْخَسِيرِينَ  | ٦٧٤ |
| ٦         | المائدة    | صه            | تَشْكُرُونَ    | ٦٧٥ |
| ٧         | المائدة    | صه            | الْصُّدُورِ    | ٦٧٦ |
| ٨         | المائدة    | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٦٧٧ |
| ٩         | المائدة    | صه لا         | عَظِيمٌ        | ٦٧٨ |
| ١٠        | المائدة    | صه            | الْجَحِيمِ     | ٦٧٩ |
| ١١        | المائدة    | صه            | الْمُؤْمِنُونَ | ٦٨٠ |
| ١٢        | المائدة    | صه            | السَّبِيلِ     | ٦٨١ |
| ١٣        | المائدة    | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ٦٨٢ |
| ١٤        | المائدة    | صه            | يَصْنَعُونَ    | ٦٨٣ |
| ١٥        | المائدة    | صه لا         | مُبِينٌ        | ٦٨٤ |
| ١٦        | المائدة    | صه            | مُسْتَقِيمٍ    | ٦٨٥ |
| ١٧        | المائدة    | صه            | قَدِيرٌ        | ٦٨٦ |
| ١٨        | المائدة    | صه            | الْمَصِيرُ     | ٦٨٧ |
| ١٩        | المائدة    | صه            | قَدِيرٌ        | ٦٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٢٠        | المائدة    | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٦٨٩ |
| ٢١        | المائدة    | صه            | خَسِيرِينَ     | ٦٩٠ |
| ٢٢        | المائدة    | صه            | دَاخِلُونَ     | ٦٩١ |
| ٢٣        | المائدة    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٦٩٢ |
| ٢٤        | المائدة    | صه            | قَعِدُونَ      | ٦٩٣ |
| ٢٥        | المائدة    | ج             | الْفَاسِقِينَ  | ٦٩٤ |
| ٢٦        | المائدة    | صه لا         | الْفَاسِقِينَ  | ٦٩٥ |
| ٢٧        | المائدة    | صه            | الْمُتَّقِينَ  | ٦٩٦ |
| ٢٨        | المائدة    | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٦٩٧ |
| ٢٩        | المائدة    | ج             | الْظَّالِمِينَ | ٦٩٨ |
| ٣٠        | المائدة    | صه            | الْخَسِيرِينَ  | ٦٩٩ |
| ٣١        | المائدة    | ث.ج.لا        | الْثَّادِمِينَ | ٧٠٠ |
| ٣٢        | المائدة    | صه            | الْمُسْرِفُونَ | ٧٠١ |
| ٣٣        | المائدة    | صه لا         | عَظِيمٌ        | ٧٠٢ |
| ٣٤        | المائدة    | صه            | رَّحِيمٌ       | ٧٠٣ |
| ٣٥        | المائدة    | صه            | تُفْلِحُونَ    | ٧٠٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت   |
|-----------|------------|---------------|------------------|-----|
| ٣٦        | المائدة    | صه            | الْإِيمُ         | ٧٠٥ |
| ٣٧        | المائدة    | صه            | مُقِيمُ          | ٧٠٦ |
| ٣٨        | المائدة    | صه            | حَكِيمُ          | ٧٠٧ |
| ٣٩        | المائدة    | صه            | رَّحِيمُ         | ٧٠٨ |
| ٤٠        | المائدة    | صه            | قَدِيرُ          | ٧٠٩ |
| ٤١        | المائدة    | صه            | عَظِيمُ          | ٧١٠ |
| ٤٢        | المائدة    | صه            | الْمُقْسِطِينَ   | ٧١١ |
| ٤٣        | المائدة    | صه            | بِالْمُؤْمِنِينَ | ٧١٢ |
| ٤٤        | المائدة    | صه            | الْكُفَّارُونَ   | ٧١٣ |
| ٤٥        | المائدة    | صه            | الظَّالِمُونَ    | ٧١٤ |
| ٤٦        | المائدة    | ط             | لِلْمُتَّقِينَ   | ٧١٥ |
| ٤٧        | المائدة    | صه            | الْفَاسِقُونَ    | ٧١٦ |
| ٤٨        | المائدة    | صه لا         | تَخْتَلِفُونَ    | ٧١٧ |
| ٤٩        | المائدة    | صه            | لَفَاسِقُونَ     | ٧١٨ |
| ٥٠        | المائدة    | صه            | يُوقِنُونَ       | ٧١٩ |
| ٥١        | المائدة    | صه            | الظَّالِمِينَ    | ٧٢٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٥٢        | المائدة    | ط             | نَادِمِينَ     | ٧٢١ |
| ٥٣        | المائدة    | صه            | خَسِيرِينَ     | ٧٢٢ |
| ٥٤        | المائدة    | صه            | عَلِيمُ        | ٧٢٣ |
| ٥٥        | المائدة    | صه            | رَكِعُونَ      | ٧٢٤ |
| ٥٦        | المائدة    | صه            | الْغَلِبُونَ   | ٧٢٥ |
| ٥٧        | المائدة    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٧٢٦ |
| ٥٨        | المائدة    | صه لا         | يَعْقِلُونَ    | ٧٢٧ |
| ٥٩        | المائدة    | صه            | فَسِقُونَ      | ٧٢٨ |
| ٦٠        | المائدة    | صه            | السَّبِيلِ     | ٧٢٩ |
| ٦١        | المائدة    | صه            | يَكُتُمُونَ    | ٧٣٠ |
| ٦٢        | المائدة    | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٧٣١ |
| ٦٣        | المائدة    | صه لا         | يَصْنَعُونَ    | ٧٣٢ |
| ٦٤        | المائدة    | صه            | الْمُفْسِدِينَ | ٧٣٣ |
| ٦٥        | المائدة    | ج             | النَّاعِيمِ    | ٧٣٤ |
| ٦٦        | المائدة    | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٧٣٥ |
| ٦٧        | المائدة    | صه            | الْكَفِرِينَ   | ٧٣٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٦٨        | المائدة    | صه            | الْكَفِرِينَ    | ٧٣٧ |
| ٦٩        | المائدة    | صه            | يَحْزَنُونَ     | ٧٣٨ |
| ٧٠        | المائدة    | ق             | يَقْتَلُونَ     | ٧٣٩ |
| ٧١        | المائدة    | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٧٤٠ |
| ٧٢        | المائدة    | صه            | أَنْصَارٍ       | ٧٤١ |
| ٧٣        | المائدة    | صه            | الْإِيمَنْ      | ٧٤٢ |
| ٧٤        | المائدة    | طلا           | رَّحِيمُ        | ٧٤٣ |
| ٧٥        | المائدة    | صه            | يُؤْفَكُونَ     | ٧٤٤ |
| ٧٦        | المائدة    | صه            | الْعَلِيمُ      | ٧٤٥ |
| ٧٧        | المائدة    | صه            | الْسَّبِيلِ     | ٧٤٦ |
| ٧٨        | المائدة    | صه            | يَعْتَدُونَ     | ٧٤٧ |
| ٧٩        | المائدة    | صه            | يَفْعَلُونَ     | ٧٤٨ |
| ٨٠        | المائدة    | صه            | خَلِيلُونَ      | ٧٤٩ |
| ٨١        | المائدة    | صه            | فَسِقُونَ       | ٧٥٠ |
| ٨٢        | المائدة    | صه            | يَسْتَكْبِرُونَ | ٧٥١ |
| ٨٣        | المائدة    | صه            | الْشَّهِيدِينَ  | ٧٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------|-----|
| ٨٤        | المائدة    | صه            | الصلحين   | ٧٥٣ |
| ٨٥        | المائدة    | صه            | المحسنين  | ٧٥٤ |
| ٨٦        | المائدة    | صه            | الجحيم    | ٧٥٥ |
| ٨٧        | المائدة    | ج             | المعتددين | ٧٥٦ |
| ٨٨        | المائدة    | صه            | مؤمنون    | ٧٥٧ |
| ٨٩        | المائدة    | صه            | تشكرون    | ٧٥٨ |
| ٩٠        | المائدة    | صه            | تفلحون    | ٧٥٩ |
| ٩١        | المائدة    | صه            | منتهون    | ٧٦٠ |
| ٩٢        | المائدة    | صه            | المبين    | ٧٦١ |
| ٩٣        | المائدة    | صه            | المحسنين  | ٧٦٢ |
| ٩٤        | المائدة    | صه            | اليه      | ٧٦٣ |
| ٩٥        | المائدة    | صه            | انتقام    | ٧٦٤ |
| ٩٦        | المائدة    | صه            | تحشرون    | ٧٦٥ |
| ٩٧        | المائدة    | صه            | عليهم     | ٧٦٦ |
| ٩٨        | المائدة    | ط             | رحيم      | ٧٦٧ |
| ٩٩        | المائدة    | صه            | تَكُنُونَ | ٧٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت   |
|-----------|------------|---------------|-------------------|-----|
| ١٠٠       | المائدة    | صه            | تُفْلِحُونَ       | ٧٦٩ |
| ١٠١       | المائدة    | صه            | حَلِيمٌ           | ٧٧٠ |
| ١٠٢       | المائدة    | صه لا         | كَفِرِينَ         | ٧٧١ |
| ١٠٣       | المائدة    | صه            | يَعْقِلُونَ       | ٧٧٢ |
| ١٠٤       | المائدة    | صه            | يَهَتَّدُونَ      | ٧٧٣ |
| ١٠٥       | المائدة    | صه            | تَعْمَلُونَ       | ٧٧٤ |
| ١٠٦       | المائدة    | صه            | الْأَلَّاثِيمِينَ | ٧٧٥ |
| ١٠٧       | المائدة    | صه            | الظَّالِمِينَ     | ٧٧٦ |
| ١٠٨       | المائدة    | صه            | الْفَسِيقِينَ     | ٧٧٧ |
| ١٠٩       | المائدة    | صه            | الْغُيُوبِ        | ٧٧٨ |
| ١١٠       | المائدة    | صه            | مُبِينٌ           | ٧٧٩ |
| ١١١       | المائدة    | صه            | مُسْلِمُونَ       | ٧٨٠ |
| ١١٢       | المائدة    | صه            | مُؤْمِنِينَ       | ٧٨١ |
| ١١٣       | المائدة    | صه            | الشَّهِيدِينَ     | ٧٨٢ |
| ١١٤       | المائدة    | صه            | الرَّازِيقِينَ    | ٧٨٣ |
| ١١٥       | المائدة    | صه            | الْعَالَمِينَ     | ٧٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ١١٦       | المائدة    | صه            | الْغُيُوبِ      | ٧٨٥ |
| ١١٧       | المائدة    | صه            | شَهِيدُ         | ٧٨٦ |
| ١١٨       | المائدة    | صه            | الْحَكِيمُ      | ٧٨٧ |
| ١١٩       | المائدة    | صه            | الْعَظِيمُ      | ٧٨٨ |
| ١٢٠       | المائدة    | صه            | قَدِيرٌ         | ٧٨٩ |
| ١         | الأنعام    | صه            | يَعْدِلُونَ     | ٧٩٠ |
| ٢         | الأنعام    | صه            | تَمَتَّرُونَ    | ٧٩١ |
| ٣         | الأنعام    | صه            | تَكُسِبُونَ     | ٧٩٢ |
| ٤         | الأنعام    | صه            | مُعْرِضِينَ     | ٧٩٣ |
| ٥         | الأنعام    | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ٧٩٤ |
| ٦         | الأنعام    | صه            | ءَاخَرِينَ      | ٧٩٥ |
| ٧         | الأنعام    | صه            | مُبِينٌ         | ٧٩٦ |
| ٨         | الأنعام    | ط             | يُنَظِّرُونَ    | ٧٩٧ |
| ٩         | الأنعام    | صه            | يُلِبِّسُونَ    | ٧٩٨ |
| ١٠        | الأنعام    | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ٧٩٩ |
| ١١        | الأنعام    | صه            | الْمُكَذِّبِينَ | ٨٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ١٢        | الأنعام    | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٨٠١ |
| ١٣        | الأنعام    | صه            | الْعَلِيمُ     | ٨٠٢ |
| ١٤        | الأنعام    | صه            | الْمُشْرِكِينَ | ٨٠٣ |
| ١٥        | الأنعام    | صه            | عَظِيمٍ        | ٨٠٤ |
| ١٦        | الأنعام    | صه            | الْمُبِينُ     | ٨٠٥ |
| ١٧        | الأنعام    | صه            | قَدِيرٌ        | ٨٠٦ |
| ١٨        | الأنعام    | صه            | الْحَسِيرُ     | ٨٠٧ |
| ١٩        | الأنعام    | م             | تُشْرِكُونَ    | ٨٠٨ |
| ٢٠        | الأنعام    | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٨٠٩ |
| ٢١        | الأنعام    | صه            | الظَّالِمُونَ  | ٨١٠ |
| ٢٢        | الأنعام    | صه            | تَرْعَمُونَ    | ٨١١ |
| ٢٣        | الأنعام    | صه            | مُشْرِكِينَ    | ٨١٢ |
| ٢٤        | الأنعام    | صه            | يَفْتَرُونَ    | ٨١٣ |
| ٢٥        | الأنعام    | صه            | الْأَوَّلِينَ  | ٨١٤ |
| ٢٦        | الأنعام    | صه            | يَشْعُرُونَ    | ٨١٥ |
| ٢٧        | الأنعام    | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٨١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٢٨        | الأنعام    | صه            | لَكَذِبُونَ    | ٨١٧ |
| ٢٩        | الأنعام    | صه            | بِمَبْعُوثِينَ | ٨١٨ |
| ٣٠        | الأنعام    | صه            | تَكُفُّرُونَ   | ٨١٩ |
| ٣١        | الأنعام    | صه            | يَزِرُونَ      | ٨٢٠ |
| ٣٢        | الأنعام    | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٨٢١ |
| ٣٣        | الأنعام    | صه            | يَجْحَدُونَ    | ٨٢٢ |
| ٣٤        | الأنعام    | صه            | الْمُرْسَلِينَ | ٨٢٣ |
| ٣٥        | الأنعام    | صه            | أَلْجَاهِلِينَ | ٨٢٤ |
| ٣٦        | الأنعام    | صه            | يُرْجَعُونَ    | ٨٢٥ |
| ٣٧        | الأنعام    | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٨٢٦ |
| ٣٨        | الأنعام    | صه            | يُحَشِّرُونَ   | ٨٢٧ |
| ٣٩        | الأنعام    | صه            | مُسْتَقِيمٍ    | ٨٢٨ |
| ٤٠        | الأنعام    | صه            | صَدِيقِينَ     | ٨٢٩ |
| ٤١        | الأنعام    | صه            | تُشْرِكُونَ    | ٨٣٠ |
| ٤٢        | الأنعام    | ط             | يَتَضَرَّعُونَ | ٨٣١ |
| ٤٣        | الأنعام    | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٨٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٤٤        | الأنعام    | صه            | مُبْلِسُونَ     | ٨٣٣ |
| ٤٥        | الأنعام    | صه            | الْعَالَمِينَ   | ٨٣٤ |
| ٤٦        | الأنعام    | صه            | يَصِدِّفُونَ    | ٨٣٥ |
| ٤٧        | الأنعام    | صه            | الظَّالِمُونَ   | ٨٣٦ |
| ٤٨        | الأنعام    | صه            | يَحْزَنُونَ     | ٨٣٧ |
| ٤٩        | الأنعام    | صه            | يَفْسُقُونَ     | ٨٣٨ |
| ٥٠        | الأنعام    | صه            | تَتَفَكَّرُونَ  | ٨٣٩ |
| ٥١        | الأنعام    | صه            | يَتَّقُونَ      | ٨٤٠ |
| ٥٢        | الأنعام    | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٨٤١ |
| ٥٣        | الأنعام    | صه            | بِالشَّاكِرِينَ | ٨٤٢ |
| ٥٤        | الأنعام    | صه            | رَّحِيمٌ        | ٨٤٣ |
| ٥٥        | الأنعام    | صه لا         | الْمُجْرِمِينَ  | ٨٤٤ |
| ٥٦        | الأنعام    | صه            | الْمُهَتدِّينَ  | ٨٤٥ |
| ٥٧        | الأنعام    | صه لا         | الْفَاصِلِينَ   | ٨٤٦ |
| ٥٨        | الأنعام    | صه            | بِالظَّالِمِينَ | ٨٤٧ |
| ٥٩        | الأنعام    | ط             | مُّبِينٍ        | ٨٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ٦٠        | الأنعام    | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٨٤٩ |
| ٦١        | الأنعام    | صه            | يُفَرِّطُونَ   | ٨٥٠ |
| ٦٢        | الأنعام    | صه            | الْحَسِينَ     | ٨٥١ |
| ٦٣        | الأنعام    | صه            | الشَّكِيرِينَ  | ٨٥٢ |
| ٦٤        | الأنعام    | صه            | تُشْرِكُونَ    | ٨٥٣ |
| ٦٥        | الأنعام    | صه            | يَفْقَهُونَ    | ٨٥٤ |
| ٦٦        | الأنعام    | ط.لا          | بِوَكِيلٍ      | ٨٥٥ |
| ٦٧        | الأنعام    | صه            | تَعْلَمُونَ    | ٨٥٦ |
| ٦٨        | الأنعام    | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٨٥٧ |
| ٦٩        | الأنعام    | صه            | يَتَّقُونَ     | ٨٥٨ |
| ٧٠        | الأنعام    | صه            | يَكُنْفُرُونَ  | ٨٥٩ |
| ٧١        | الأنعام    | صه.لا         | الْعَالَمِينَ  | ٨٦٠ |
| ٧٢        | الأنعام    | ط             | تُحَشِّرُونَ   | ٨٦١ |
| ٧٣        | الأنعام    | صه            | الْخَيْرُ      | ٨٦٢ |
| ٧٤        | الأنعام    | صه            | مُبِينٍ        | ٨٦٣ |
| ٧٥        | الأنعام    | صه            | الْمُوْقِنِينَ | ٨٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٧٦        | الأنعام    | صه            | الْأَلْفِيلِينَ | ٨٦٥ |
| ٧٧        | الأنعام    | صه            | الْضَّالِّينَ   | ٨٦٦ |
| ٧٨        | الأنعام    | صه            | تُشْرِكُونَ     | ٨٦٧ |
| ٧٩        | الأنعام    | ج             | الْمُشْرِكِينَ  | ٨٦٨ |
| ٨٠        | الأنعام    | صه            | تَتَذَكَّرُونَ  | ٨٦٩ |
| ٨١        | الأنعام    | م             | تَعْلَمُونَ     | ٨٧٠ |
| ٨٢        | الأنعام    | صه            | مُهَتَّدُونَ    | ٨٧١ |
| ٨٣        | الأنعام    | صه            | عَلِيهِمْ       | ٨٧٢ |
| ٨٤        | الأنعام    | صه لا         | الْمُحْسِنِينَ  | ٨٧٣ |
| ٨٥        | الأنعام    | صه لا         | الصَّالِحِينَ   | ٨٧٤ |
| ٨٦        | الأنعام    | صه لا         | الْعَالَمِينَ   | ٨٧٥ |
| ٨٧        | الأنعام    | صه            | مُسْتَقِيمٍ     | ٨٧٦ |
| ٨٨        | الأنعام    | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٨٧٧ |
| ٨٩        | الأنعام    | صه            | بِكَافِرِينَ    | ٨٧٨ |
| ٩٠        | الأنعام    | صه            | لِلْعَالَمِينَ  | ٨٧٩ |
| ٩١        | الأنعام    | صه            | يَلْعَبُونَ     | ٨٨٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٩٢        | الأنعام    | صه            | يُحَافِظُونَ    | ٨٨١ |
| ٩٣        | الأنعام    | صه            | تَسْتَكْبِرُونَ | ٨٨٢ |
| ٩٤        | الأنعام    | صه            | تَرْزَعُونَ     | ٨٨٣ |
| ٩٥        | الأنعام    | صه            | تُؤْفَكُونَ     | ٨٨٤ |
| ٩٦        | الأنعام    | صه            | الْعَلِيم       | ٨٨٥ |
| ٩٧        | الأنعام    | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٨٨٦ |
| ٩٨        | الأنعام    | صه            | يَفْقَهُونَ     | ٨٨٧ |
| ٩٩        | الأنعام    | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ٨٨٨ |
| ١٠٠       | الأنعام    | صه            | يَصِفُونَ       | ٨٨٩ |
| ١٠١       | الأنعام    | صه            | عَلِيمٌ         | ٨٩٠ |
| ١٠٢       | الأنعام    | صه            | وَكِيلٌ         | ٨٩١ |
| ١٠٣       | الأنعام    | صه            | الْخَيْرٌ       | ٨٩٢ |
| ١٠٤       | الأنعام    | صه            | يَحْفِظِ        | ٨٩٣ |
| ١٠٥       | الأنعام    | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٨٩٤ |
| ١٠٦       | الأنعام    | صه            | الْمُشْرِكِينَ  | ٨٩٥ |
| ١٠٧       | الأنعام    | صه            | بِوَكِيلٍ       | ٨٩٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت   |
|-----------|------------|---------------|------------------|-----|
| ١٠٨       | الأنعام    | صه            | يَعْمَلُونَ      | ٨٩٧ |
| ١٠٩       | الأنعام    | صه            | يُؤْمِنُونَ      | ٨٩٨ |
| ١١٠       | الأنعام    | صه            | يَعْمَهُونَ      | ٨٩٩ |
| ١١١       | الأنعام    | صه            | يَجْهَلُونَ      | ٩٠٠ |
| ١١٢       | الأنعام    | صه لا         | يَفْتَرُونَ      | ٩٠١ |
| ١١٣       | الأنعام    | صه            | مُقْتَرِفُونَ    | ٩٠٢ |
| ١١٤       | الأنعام    | صه            | الْمُمْتَرِينَ   | ٩٠٣ |
| ١١٥       | الأنعام    | صه            | الْعَلِيمُ       | ٩٠٤ |
| ١١٦       | الأنعام    | صه            | يَخْرُصُونَ      | ٩٠٥ |
| ١١٧       | الأنعام    | صه            | بِالْمُهَتَدِينَ | ٩٠٦ |
| ١١٨       | الأنعام    | صه            | مُؤْمِنِينَ      | ٩٠٧ |
| ١١٩       | الأنعام    | صه            | بِالْمُعَتَدِينَ | ٩٠٨ |
| ١٢٠       | الأنعام    | صه            | يَقْتَرِفُونَ    | ٩٠٩ |
| ١٢١       | الأنعام    | صه            | لَمُشْرِكُونَ    | ٩١٠ |
| ١٢٢       | الأنعام    | صه            | يَعْمَلُونَ      | ٩١١ |
| ١٢٣       | الأنعام    | صه            | يَشْعُرُونَ      | ٩١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت   |
|-----------|------------|---------------|---------------|-----|
| ١٢٤       | الأنعام    | صه            | يَمْكُرُونَ   | ٩١٣ |
| ١٢٥       | الأنعام    | صه            | يُؤْمِنُونَ   | ٩١٤ |
| ١٢٦       | الأنعام    | صه            | يَذَّكَّرُونَ | ٩١٥ |
| ١٢٧       | الأنعام    | صه            | يَعْمَلُونَ   | ٩١٦ |
| ١٢٨       | الأنعام    | صه            | عَلِيمٌ       | ٩١٧ |
| ١٢٩       | الأنعام    | صه            | يَكْسِبُونَ   | ٩١٨ |
| ١٣٠       | الأنعام    | صه            | كَفِرِينَ     | ٩١٩ |
| ١٣١       | الأنعام    | صه            | غَافِلُونَ    | ٩٢٠ |
| ١٣٢       | الأنعام    | صه            | يَعْمَلُونَ   | ٩٢١ |
| ١٣٣       | الأنعام    | ط             | ءَاخَرِينَ    | ٩٢٢ |
| ١٣٤       | الأنعام    | صه            | بِمُعْجِزِينَ | ٩٢٣ |
| ١٣٥       | الأنعام    | صه            | الظَّالِمُونَ | ٩٢٤ |
| ١٣٦       | الأنعام    | صه            | يَحْكُمُونَ   | ٩٢٥ |
| ١٣٧       | الأنعام    | صه            | يَفْتَرُونَ   | ٩٢٦ |
| ١٣٨       | الأنعام    | صه            | يَفْتَرُونَ   | ٩٢٧ |
| ١٣٩       | الأنعام    | صه            | عَلِيمٌ       | ٩٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت   |
|-----------|------------|---------------|----------------|-----|
| ١٤٠       | الأنعام    | صه            | مُهَتَّدِينَ   | ٩٢٩ |
| ١٤١       | الأنعام    | صه.لا         | الْمُسْرِفِينَ | ٩٣٠ |
| ١٤٢       | الأنعام    | صه.لا         | مُبِينٌ        | ٩٣١ |
| ١٤٣       | الأنعام    | صه.لا         | صَدِيقِينَ     | ٩٣٢ |
| ١٤٤       | الأنعام    | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٩٣٣ |
| ١٤٥       | الأنعام    | صه            | رَحِيمٌ        | ٩٣٤ |
| ١٤٦       | الأنعام    | صه            | لَصَادِقُونَ   | ٩٣٥ |
| ١٤٧       | الأنعام    | صه            | الْمُجْرِمِينَ | ٩٣٦ |
| ١٤٨       | الأنعام    | صه            | تَخْرُصُونَ    | ٩٣٧ |
| ١٤٩       | الأنعام    | صه            | أَجْمَعِينَ    | ٩٣٨ |
| ١٥٠       | الأنعام    | صه            | يَعْدِلُونَ    | ٩٣٩ |
| ١٥١       | الأنعام    | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٩٤٠ |
| ١٥٢       | الأنعام    | صه.لا         | تَذَكَّرُونَ   | ٩٤١ |
| ١٥٣       | الأنعام    | صه            | تَتَفَقَّنَ    | ٩٤٢ |
| ١٥٤       | الأنعام    | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٩٤٣ |
| ١٥٥       | الأنعام    | صه.لا         | تُرْحَمُونَ    | ٩٤٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت   |
|-----------|------------|---------------|-------------------|-----|
| ١٥٦       | الأنعام    | صه.لا         | لَغَافِلِينَ      | ٩٤٥ |
| ١٥٧       | الأنعام    | صه            | يَصْدِفُونَ       | ٩٤٦ |
| ١٥٨       | الأنعام    | صه            | مُنْتَظِرُونَ     | ٩٤٧ |
| ١٥٩       | الأنعام    | صه            | يَفْعَلُونَ       | ٩٤٨ |
| ١٦٠       | الأنعام    | صه            | يُظْلَمُونَ       | ٩٤٩ |
| ١٦١       | الأنعام    | صه            | الْمُشْرِكِينَ    | ٩٥٠ |
| ١٦٢       | الأنعام    | صه.لا         | الْعَالَمِينَ     | ٩٥١ |
| ١٦٣       | الأنعام    | صه            | الْمُسْلِمِينَ    | ٩٥٢ |
| ١٦٤       | الأنعام    | صه            | تَخْتَلِفُونَ     | ٩٥٣ |
| ١٦٥       | الأنعام    | صه            | رَّحِيمٌ          | ٩٥٤ |
| ١         | الأعراف    | ج             | الْمَضَ           | ٩٥٥ |
| ٢         | الأعراف    | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ   | ٩٥٦ |
| ٣         | الأعراف    | صه            | تَذَكَّرُونَ      | ٩٥٧ |
| ٤         | الأعراف    | صه            | قَـٰـيـٰـلـٰـوـنـ | ٩٥٨ |
| ٥         | الأعراف    | ج             | ظَالِمِينَ        | ٩٥٩ |
| ٦         | الأعراف    | صه.لا         | الْمُرْسَلِينَ    | ٩٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية       | ت   | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|-----------------|-----|---------------|----------------------|
| غَـٰـبِـينَ     | ٩٦١ | صه            | الأعراف ٧            |
| الْمُفْلِحُونَ  | ٩٦٢ | صه            | الأعراف ٨            |
| يَظْلِمُونَ     | ٩٦٣ | صه            | الأعراف ٩            |
| تَشْكُرُونَ     | ٩٦٤ | صه            | الأعراف ١٠           |
| السَّاجِدِينَ   | ٩٦٥ | صه            | الأعراف ١١           |
| طِينٌ           | ٩٦٦ | صه            | الأعراف ١٢           |
| الصَّاغِرِينَ   | ٩٦٧ | صه            | الأعراف ١٣           |
| يُبَعَثُونَ     | ٩٦٨ | صه            | الأعراف ١٤           |
| الْمُنَظَّرِينَ | ٩٦٩ | ط             | الأعراف ١٥           |
| الْمُسْتَقِيمَ  | ٩٧٠ | لا            | الأعراف ١٦           |
| شَاكِرِينَ      | ٩٧١ | صه            | الأعراف ١٧           |
| أَجْمَعِينَ     | ٩٧٢ | صه            | الأعراف ١٨           |
| الظَّالِمِينَ   | ٩٧٣ | صه            | الأعراف ١٩           |
| الْخَلِيلِينَ   | ٩٧٤ | صه            | الأعراف ٢٠           |
| الْتَّاصِحِينَ  | ٩٧٥ | صه لا         | الأعراف ٢١           |
| مُـٰـبِـينُ     | ٩٧٦ | صه            | الأعراف ٢٢           |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت   |
|-----------|------------|---------------|-----------------|-----|
| ٢٣        | الأعراف    | صه            | الْحَسِيرِينَ   | ٩٧٧ |
| ٢٤        | الأعراف    | صه            | جِينِ           | ٩٧٨ |
| ٢٥        | الأعراف    | صه            | تُخْرَجُونَ     | ٩٧٩ |
| ٢٦        | الأعراف    | صه            | يَذَّكَّرُونَ   | ٩٨٠ |
| ٢٧        | الأعراف    | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ٩٨١ |
| ٢٨        | الأعراف    | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٩٨٢ |
| ٢٩        | الأعراف    | ط             | تَعْوِدُونَ     | ٩٨٣ |
| ٣٠        | الأعراف    | صه            | مُهَتَّدُونَ    | ٩٨٤ |
| ٣١        | الأعراف    | صه            | الْمُسْرِفِينَ  | ٩٨٥ |
| ٣٢        | الأعراف    | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٩٨٦ |
| ٣٣        | الأعراف    | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٩٨٧ |
| ٣٤        | الأعراف    | صه            | يَسْتَقْدِمُونَ | ٩٨٨ |
| ٣٥        | الأعراف    | ج             | يَحْزَنُونَ     | ٩٨٩ |
| ٣٦        | الأعراف    | صه            | خَلِيلُونَ      | ٩٩٠ |
| ٣٧        | الأعراف    | صه            | كَفِرِينَ       | ٩٩١ |
| ٣٨        | الأعراف    | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٩٩٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٩        | الأعراف    | صه            | تَكُسِبُونَ     | ٩٩٣  |
| ٤٠        | الأعراف    | صه            | الْمُجْرِمِينَ  | ٩٩٤  |
| ٤١        | الأعراف    | صه            | الْظَّالِمِينَ  | ٩٩٥  |
| ٤٢        | الأعراف    | صه            | خَلِدُونَ       | ٩٩٦  |
| ٤٣        | الأعراف    | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٩٩٧  |
| ٤٤        | الأعراف    | صه لا         | الْظَّالِمِينَ  | ٩٩٨  |
| ٤٥        | الأعراف    | ط.م           | كَفِرُونَ       | ٩٩٩  |
| ٤٦        | الأعراف    | صه            | يَظْمَعُونَ     | ١٠٠٠ |
| ٤٧        | الأعراف    | صه            | الْظَّالِمِينَ  | ١٠٠١ |
| ٤٨        | الأعراف    | صه            | تَسْتَكْبِرُونَ | ١٠٠٢ |
| ٤٩        | الأعراف    | صه            | تَحْزَنُونَ     | ١٠٠٣ |
| ٥٠        | الأعراف    | لا            | الْكَفِرِينَ    | ١٠٠٤ |
| ٥١        | الأعراف    | صه            | يَجْحَدُونَ     | ١٠٠٥ |
| ٥٢        | الأعراف    | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ١٠٠٦ |
| ٥٣        | الأعراف    | صه            | يَفْتَرُونَ     | ١٠٠٧ |
| ٥٤        | الأعراف    | ط             | الْعَالَمِينَ   | ١٠٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٥٥        | الأعراف    | ج             | الْمُعَتَدِينَ | ١٠٠٩ |
| ٥٦        | الأعراف    | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ١٠١٠ |
| ٥٧        | الأعراف    | صه            | تَذَكَّرُونَ   | ١٠١١ |
| ٥٨        | الأعراف    | صه            | يَشْكُرُونَ    | ١٠١٢ |
| ٥٩        | الأعراف    | صه            | عَظِيمٍ        | ١٠١٣ |
| ٦٠        | الأعراف    | صه            | مُبِينٍ        | ١٠١٤ |
| ٦١        | الأعراف    | صه            | الْعَالَمِينَ  | ١٠١٥ |
| ٦٢        | الأعراف    | صه            | تَعْلَمُونَ    | ١٠١٦ |
| ٦٣        | الأعراف    | صه            | تُرْحَمُونَ    | ١٠١٧ |
| ٦٤        | الأعراف    | صه            | عَمِينَ        | ١٠١٨ |
| ٦٥        | الأعراف    | صه            | تَتَقُونَ      | ١٠١٩ |
| ٦٦        | الأعراف    | صه            | الْكَذِيبِينَ  | ١٠٢٠ |
| ٦٧        | الأعراف    | صه            | الْعَالَمِينَ  | ١٠٢١ |
| ٦٨        | الأعراف    | صه            | أَمِينٌ        | ١٠٢٢ |
| ٦٩        | الأعراف    | صه            | تُفْلِحُونَ    | ١٠٢٣ |
| ٧٠        | الأعراف    | صه            | الْصَّادِقِينَ | ١٠٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٧١        | الأعراف    | صه            | الْمُنَتَظِّرِينَ | ١٠٢٥ |
| ٧٢        | الأعراف    | صه            | مُؤْمِنِينَ       | ١٠٢٦ |
| ٧٣        | الأعراف    | صه            | أَلَيْمٌ          | ١٠٢٧ |
| ٧٤        | الأعراف    | صه            | مُفْسِدِينَ       | ١٠٢٨ |
| ٧٥        | الأعراف    | صه            | مُؤْمِنُونَ       | ١٠٢٩ |
| ٧٦        | الأعراف    | صه            | كَفِرُونَ         | ١٠٣٠ |
| ٧٧        | الأعراف    | ط             | الْمُرْسَلِينَ    | ١٠٣١ |
| ٧٨        | الأعراف    | ط             | جَاثِمِينَ        | ١٠٣٢ |
| ٧٩        | الأعراف    | صه            | الْتَّاصِحِينَ    | ١٠٣٣ |
| ٨٠        | الأعراف    | صه            | الْعَالَمِينَ     | ١٠٣٤ |
| ٨١        | الأعراف    | صه            | مُسْرِفُونَ       | ١٠٣٥ |
| ٨٢        | الأعراف    | صه            | يَتَظَهَّرُونَ    | ١٠٣٦ |
| ٨٣        | الأعراف    | صه            | الْغَابِرِينَ     | ١٠٣٧ |
| ٨٤        | الأعراف    | صه            | الْمُجْرِمِينَ    | ١٠٣٨ |
| ٨٥        | الأعراف    | ج             | مُؤْمِنِينَ       | ١٠٣٩ |
| ٨٦        | الأعراف    | صه            | الْمُفْسِدِينَ    | ١٠٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٨٧        | الأعراف    | صه            | الْحَكِيمَيْنَ | ١٠٤١ |
| ٨٨        | الأعراف    | قف            | كَرِهِيْنَ     | ١٠٤٢ |
| ٨٩        | الأعراف    | صه            | الْفَاتِحَيْنَ | ١٠٤٣ |
| ٩٠        | الأعراف    | صه            | لَخَسِرُوْنَ   | ١٠٤٤ |
| ٩١        | الأعراف    | ث.ج.صلي       | جَاثِمَيْنَ    | ١٠٤٥ |
| ٩٢        | الأعراف    | صه            | الْحَسِرَيْنَ  | ١٠٤٦ |
| ٩٣        | الأعراف    | صه            | كَفِرِيْنَ     | ١٠٤٧ |
| ٩٤        | الأعراف    | صه            | يَضَرَّعُوْنَ  | ١٠٤٨ |
| ٩٥        | الأعراف    | ط             | يَشْعُرُوْنَ   | ١٠٤٩ |
| ٩٦        | الأعراف    | صه            | يَكْسِبُوْنَ   | ١٠٥٠ |
| ٩٧        | الأعراف    | ط.لا          | نَاءِيْمُوْنَ  | ١٠٥١ |
| ٩٨        | الأعراف    | صه            | يَلْعَبُوْنَ   | ١٠٥٢ |
| ٩٩        | الأعراف    | صه            | الْحَسِرُوْنَ  | ١٠٥٣ |
| ١٠٠       | الأعراف    | صه            | يَسْمَعُوْنَ   | ١٠٥٤ |
| ١٠١       | الأعراف    | صه            | الْكَفِرَيْنَ  | ١٠٥٥ |
| ١٠٢       | الأعراف    | صه            | لَفَسِقِيْنَ   | ١٠٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٠٣       | الأعراف    | صه            | الْمُفْسِدِينَ | ١٠٥٧ |
| ١٠٤       | الأعراف    | ج.لا          | الْعَالَمِينَ  | ١٠٥٨ |
| ١٠٥       | الأعراف    | ط             | إِسْرَاعِيلَ   | ١٠٥٩ |
| ١٠٦       | الأعراف    | صه            | الصَّادِقِينَ  | ١٠٦٠ |
| ١٠٧       | الأعراف    | ج.صلي.لا      | مُبِينُ        | ١٠٦١ |
| ١٠٨       | الأعراف    | صه            | لِلنَّاظِرِينَ | ١٠٦٢ |
| ١٠٩       | الأعراف    | لا            | عَلِيمٌ        | ١٠٦٣ |
| ١١٠       | الأعراف    | صه            | تَأْمُرُونَ    | ١٠٦٤ |
| ١١١       | الأعراف    | صلـيـلاـ      | حَشْرِينَ      | ١٠٦٥ |
| ١١٢       | الأعراف    | ط             | عَلِيمٍ        | ١٠٦٦ |
| ١١٣       | الأعراف    | صه            | الْغَلِيبِينَ  | ١٠٦٧ |
| ١١٤       | الأعراف    | صه            | الْمُقرَّبِينَ | ١٠٦٨ |
| ١١٥       | الأعراف    | صه            | الْمُلْقِيْنَ  | ١٠٦٩ |
| ١١٦       | الأعراف    | صه            | عَظِيمٍ        | ١٠٧٠ |
| ١١٧       | الأعراف    | ج             | يَا فَكُونَ    | ١٠٧١ |
| ١١٨       | الأعراف    | ج             | يَعْمَلُونَ    | ١٠٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١١٩       | الأعراف    | ج             | صَغِيرِينَ     | ١٠٧٣ |
| ١٢٠       | الأعراف    | ج.صلي         | سَاجِدِينَ     | ١٠٧٤ |
| ١٢١       | الأعراف    | صه.لا         | الْعَالَمِينَ  | ١٠٧٥ |
| ١٢٢       | الأعراف    | صه            | وَهُرُونَ      | ١٠٧٦ |
| ١٢٣       | الأعراف    | صه            | تَعْلَمُونَ    | ١٠٧٧ |
| ١٢٤       | الأعراف    | صه            | أَجْمَعِينَ    | ١٠٧٨ |
| ١٢٥       | الأعراف    | ج             | مُنْقَلِبُونَ  | ١٠٧٩ |
| ١٢٦       | الأعراف    | ط             | مُسْلِمِينَ    | ١٠٨٠ |
| ١٢٧       | الأعراف    | صه            | قَاهِرُونَ     | ١٠٨١ |
| ١٢٨       | الأعراف    | صه            | لِلْمُتَّقِينَ | ١٠٨٢ |
| ١٢٩       | الأعراف    | صه            | تَعْمَلُونَ    | ١٠٨٣ |
| ١٣٠       | الأعراف    | صه            | يَذَّكَّرُونَ  | ١٠٨٤ |
| ١٣١       | الأعراف    | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٠٨٥ |
| ١٣٢       | الأعراف    | صه            | بِمُؤْمِنِينَ  | ١٠٨٦ |
| ١٣٣       | الأعراف    | صه            | مُجْرِمِينَ    | ١٠٨٧ |
| ١٣٤       | الأعراف    | ج             | إِسْرَاعِيلَ   | ١٠٨٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية      | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية |
|----------------|------|---------------|---------------------|
| يَنْكُثُونَ    | ١٠٨٩ | صه            | الأعراف ١٣٥         |
| غَافِلِينَ     | ١٠٩٠ | صه            | الأعراف ١٣٦         |
| يَعْرِشُونَ    | ١٠٩١ | صه            | الأعراف ١٣٧         |
| تَجْهَلُونَ    | ١٠٩٢ | صه            | الأعراف ١٣٨         |
| يَعْمَلُونَ    | ١٠٩٣ | صه            | الأعراف ١٣٩         |
| الْعَالَمِينَ  | ١٠٩٤ | صه            | الأعراف ١٤٠         |
| عَظِيمٌ        | ١٠٩٥ | صه            | الأعراف ١٤١         |
| الْمُفْسِدِينَ | ١٠٩٦ | صه            | الأعراف ١٤٢         |
| الْمُؤْمِنِينَ | ١٠٩٧ | صه            | الأعراف ١٤٣         |
| الشَّاكِرِينَ  | ١٠٩٨ | صه            | الأعراف ١٤٤         |
| الْفَسِيقِينَ  | ١٠٩٩ | ط             | الأعراف ١٤٥         |
| غَافِلِينَ     | ١١٠٠ | صه            | الأعراف ١٤٦         |
| يَعْمَلُونَ    | ١١٠١ | صه            | الأعراف ١٤٧         |
| ظَالِمِينَ     | ١١٠٢ | صه            | الأعراف ١٤٨         |
| الْخَاسِرِينَ  | ١١٠٣ | صه            | الأعراف ١٤٩         |
| الْظَّالِمِينَ | ١١٠٤ | صه            | الأعراف ١٥٠         |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٥١       | الأعراف    | صه            | الرَّحِيمُ     | ١١٠٥ |
| ١٥٢       | الأعراف    | صه            | الْمُفْتَرِينَ | ١١٠٦ |
| ١٥٣       | الأعراف    | صه            | رَحِيمٌ        | ١١٠٧ |
| ١٥٤       | الأعراف    | صه            | يَرْهَبُونَ    | ١١٠٨ |
| ١٥٥       | الأعراف    | صه            | الْغَافِرِينَ  | ١١٠٩ |
| ١٥٦       | الأعراف    | ج.لا          | يُؤْمِنُونَ    | ١١١٠ |
| ١٥٧       | الأعراف    | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ١١١١ |
| ١٥٨       | الأعراف    | صه            | تَهْتَدُونَ    | ١١١٢ |
| ١٥٩       | الأعراف    | صه            | يَعْدِلُونَ    | ١١١٣ |
| ١٦٠       | الأعراف    | صه            | يَظْلِمُونَ    | ١١١٤ |
| ١٦١       | الأعراف    | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ١١١٥ |
| ١٦٢       | الأعراف    | صه            | يَظْلِمُونَ    | ١١١٦ |
| ١٦٣       | الأعراف    | صه            | يَفْسُقُونَ    | ١١١٧ |
| ١٦٤       | الأعراف    | صه            | يَتَّقُونَ     | ١١١٨ |
| ١٦٥       | الأعراف    | صه            | يَفْسُقُونَ    | ١١١٩ |
| ١٦٦       | الأعراف    | صه            | خَسِئِينَ      | ١١٢٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | ت    | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ |
|-----------------|------|-------------------------|-------------------------------------|
| رَحِيمٌ         | ١١٢١ | صه                      | الأنور ١٦٧                          |
| يَرْجِعُونَ     | ١١٢٢ | صه                      | الأنور ١٦٨                          |
| تَعْقِلُونَ     | ١١٢٣ | ط                       | الأنور ١٦٩                          |
| الْمُصْلِحِينَ  | ١١٢٤ | صه                      | الأنور ١٧٠                          |
| تَتَقَوَّنَ     | ١١٢٥ | صه                      | الأنور ١٧١                          |
| غَافِلِينَ      | ١١٢٦ | صه لا                   | الأنور ١٧٢                          |
| الْمُبْطَلُونَ  | ١١٢٧ | صه                      | الأنور ١٧٣                          |
| يَرْجِعُونَ     | ١١٢٨ | صه                      | الأنور ١٧٤                          |
| الْغَاوِينَ     | ١١٢٩ | صه                      | الأنور ١٧٥                          |
| يَتَفَكَّرُونَ  | ١١٣٠ | صه                      | الأنور ١٧٦                          |
| يَظْلِمُونَ     | ١١٣١ | صه                      | الأنور ١٧٧                          |
| الْخَسِرُونَ    | ١١٣٢ | صه                      | الأنور ١٧٨                          |
| الْغَافِلُونَ   | ١١٣٣ | صه                      | الأنور ١٧٩                          |
| يَعْمَلُونَ     | ١١٣٤ | صه                      | الأنور ١٨٠                          |
| يَعْدِلُونَ     | ١١٣٥ | صه                      | الأنور ١٨١                          |
| يَعْلَمُونَ     | ١١٣٦ | ج. صلي. لا              | الأنور ١٨٢                          |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ  | ت    | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ |
|------------------|------|-------------------------|-------------------------------------|
| مَتِينٌ          | ١١٣٧ | صه                      | الأنور ١٨٣                          |
| مُبِينٌ          | ١١٣٨ | صه                      | الأنور ١٨٤                          |
| يُؤْمِنُونَ      | ١١٣٩ | صه                      | الأنور ١٨٥                          |
| يَعْمَهُونَ      | ١١٤٠ | صه                      | الأنور ١٨٦                          |
| يَعْلَمُونَ      | ١١٤١ | صه                      | الأنور ١٨٧                          |
| يُؤْمِنُونَ      | ١١٤٢ | صه                      | الأنور ١٨٨                          |
| اللَّٰشَكِيرِينَ | ١١٤٣ | صه                      | الأنور ١٨٩                          |
| يُشْرِكُونَ      | ١١٤٤ | صه                      | الأنور ١٩٠                          |
| يُخْلَقُونَ      | ١١٤٥ | ز.صلي.لا                | الأنور ١٩١                          |
| يَنْصُرُونَ      | ١١٤٦ | صه                      | الأنور ١٩٢                          |
| صَمِتُونَ        | ١١٤٧ | صه                      | الأنور ١٩٣                          |
| صَدِيقِينَ       | ١١٤٨ | صه                      | الأنور ١٩٤                          |
| تُنْظِرُونِ      | ١١٤٩ | ط                       | الأنور ١٩٥                          |
| الصَّالِحِينَ    | ١١٥٠ | صه                      | الأنور ١٩٦                          |
| يَنْصُرُونَ      | ١١٥١ | صه                      | الأنور ١٩٧                          |
| يُبَصِّرُونَ     | ١١٥٢ | صه                      | الأنور ١٩٨                          |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٩٩       | الأعراف    | صه            | الْجَاهِلِينَ  | ١١٥٣ |
| ٢٠٠       | الأعراف    | صه            | عَلِيهِمْ      | ١١٥٤ |
| ٢٠١       | الأعراف    | ج             | مُبْصِرُونَ    | ١١٥٥ |
| ٢٠٢       | الأعراف    | صه            | يُقْصِرُونَ    | ١١٥٦ |
| ٢٠٣       | الأعراف    | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ١١٥٧ |
| ٢٠٤       | الأعراف    | صه            | تُرْحَمُونَ    | ١١٥٨ |
| ٢٠٥       | الأعراف    | صه            | الْغَافِلِينَ  | ١١٥٩ |
| ٢٠٦       | الأعراف    | صه            | يَسْجُدُونَ    | ١١٦٠ |
| ١         | الأنفال    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ١١٦١ |
| ٢         | الأنفال    | ج. صلي        | يَتَوَكَّلُونَ | ١١٦٢ |
| ٣         | الأنفال    | ط. لا         | يُنْفِقُونَ    | ١١٦٣ |
| ٤         | الأنفال    | ج             | كَرِيمٌ        | ١١٦٤ |
| ٥         | الأنفال    | صه. لا        | لَكَرِهُونَ    | ١١٦٥ |
| ٦         | الأنفال    | ط             | يَنْظُرُونَ    | ١١٦٦ |
| ٧         | الأنفال    | صه. لا        | الْكَفِرِينَ   | ١١٦٧ |
| ٨         | الأنفال    | ج             | الْمُجْرِمُونَ | ١١٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٩         | الأنفال    | صه            | مُرْدِفِينَ    | ١١٦٩ |
| ١٠        | الأنفال    | صه            | حَكِيمٌ        | ١١٧٠ |
| ١١        | الأنفال    | ط             | الْأَقْدَامَ   | ١١٧١ |
| ١٢        | الأنفال    | ط             | بَنَانِ        | ١١٧٢ |
| ١٣        | الأنفال    | صه            | الْعِقَابِ     | ١١٧٣ |
| ١٤        | الأنفال    | صه            | النَّارِ       | ١١٧٤ |
| ١٥        | الأنفال    | ج             | الْأَدَبَارَ   | ١١٧٥ |
| ١٦        | الأنفال    | صه            | الْمَصِيرُ     | ١١٧٦ |
| ١٧        | الأنفال    | صه            | عَلِيمٌ        | ١١٧٧ |
| ١٨        | الأنفال    | صه            | الْكُفَّارِينَ | ١١٧٨ |
| ١٩        | الأنفال    | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ١١٧٩ |
| ٢٠        | الأنفال    | ج.صلي         | تَسْمَعُونَ    | ١١٨٠ |
| ٢١        | الأنفال    | صه            | يَسْمَعُونَ    | ١١٨١ |
| ٢٢        | الأنفال    | صه            | يَعْقِلُونَ    | ١١٨٢ |
| ٢٣        | الأنفال    | صه            | مُعْرِضُونَ    | ١١٨٣ |
| ٢٤        | الأنفال    | صه            | تُحْشِرُونَ    | ١١٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٥        | الأنفال    | صه            | الْعِقَابِ      | ١١٨٥ |
| ٢٦        | الأنفال    | صه            | تَشْكُرُونَ     | ١١٨٦ |
| ٢٧        | الأنفال    | صه            | تَعْلَمُونَ     | ١١٨٧ |
| ٢٨        | الأنفال    | صه            | عَظِيمٌ         | ١١٨٨ |
| ٢٩        | الأنفال    | صه            | الْعَظِيمِ      | ١١٨٩ |
| ٣٠        | الأنفال    | صه            | الْمَكِيرِينَ   | ١١٩٠ |
| ٣١        | الأنفال    | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ١١٩١ |
| ٣٢        | الأنفال    | صه            | أَلَيْ          | ١١٩٢ |
| ٣٣        | الأنفال    | صه            | يَسْتَغْفِرُونَ | ١١٩٣ |
| ٣٤        | الأنفال    | صه            | يَعْلَمُونَ     | ١١٩٤ |
| ٣٥        | الأنفال    | صه            | تَكُفُرُونَ     | ١١٩٥ |
| ٣٦        | الأنفال    | صه لا         | يُحَشِّرُونَ    | ١١٩٦ |
| ٣٧        | الأنفال    | صه            | الْخَسِرُونَ    | ١١٩٧ |
| ٣٨        | الأنفال    | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ١١٩٨ |
| ٣٩        | الأنفال    | صه            | بَصِيرٌ         | ١١٩٩ |
| ٤٠        | الأنفال    | صه            | الْنَّصِيرٌ     | ١٢٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٤١        | الأنفال    | صه            | قَدِيرٌ       | ١٢٠١ |
| ٤٢        | الأنفال    | صه.لا         | عَلِيمٌ       | ١٢٠٢ |
| ٤٣        | الأنفال    | صه            | الْصُّدُورِ   | ١٢٠٣ |
| ٤٤        | الأنفال    | صه            | الْأَمُورُ    | ١٢٠٤ |
| ٤٥        | الأنفال    | ج             | تُفْلِحُونَ   | ١٢٠٥ |
| ٤٦        | الأنفال    | ج             | الصَّابِرِينَ | ١٢٠٦ |
| ٤٧        | الأنفال    | صه            | مُحيطٌ        | ١٢٠٧ |
| ٤٨        | الأنفال    | صه            | الْعِقَابِ    | ١٢٠٨ |
| ٤٩        | الأنفال    | صه            | حَكِيمٌ       | ١٢٠٩ |
| ٥٠        | الأنفال    | صه            | الْحَرِيقِ    | ١٢١٠ |
| ٥١        | الأنفال    | صه.لا         | لِلْعَبِيدِ   | ١٢١١ |
| ٥٢        | الأنفال    | صه            | الْعِقَابِ    | ١٢١٢ |
| ٥٣        | الأنفال    | صه.لا         | عَلِيمٌ       | ١٢١٣ |
| ٥٤        | الأنفال    | ط             | ظَالِمِينَ    | ١٢١٤ |
| ٥٥        | الأنفال    | ج.صلي.لا      | يُؤْمِنُونَ   | ١٢١٥ |
| ٥٦        | الأنفال    | صه            | يَتَّقُونَ    | ١٢١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية          | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------------|------|
| ٥٧        | الأنفال    | صه            | يَذَّكَّرُونَ      | ١٢١٧ |
| ٥٨        | الأنفال    | صه            | الْخَائِنِينَ      | ١٢١٨ |
| ٥٩        | الأنفال    | صه            | يُعِجِّزُونَ       | ١٢١٩ |
| ٦٠        | الأنفال    | صه            | تُظْلَمُونَ        | ١٢٢٠ |
| ٦١        | الأنفال    | صه            | الْعَلِيمُ         | ١٢٢١ |
| ٦٢        | الأنفال    | صه لا         | وَبِالْمُؤْمِنِينَ | ١٢٢٢ |
| ٦٣        | الأنفال    | صه            | حَكِيمٌ            | ١٢٢٣ |
| ٦٤        | الأنفال    | صه            | الْمُؤْمِنِينَ     | ١٢٢٤ |
| ٦٥        | الأنفال    | صه            | يَفْقَهُونَ        | ١٢٢٥ |
| ٦٦        | الأنفال    | صه            | الصَّابِرِينَ      | ١٢٢٦ |
| ٦٧        | الأنفال    | صه            | حَكِيمٌ            | ١٢٢٧ |
| ٦٨        | الأنفال    | صه            | عَظِيمٌ            | ١٢٢٨ |
| ٦٩        | الأنفال    | صه            | رَّحِيمٌ           | ١٢٢٩ |
| ٧٠        | الأنفال    | صه            | رَّحِيمٌ           | ١٢٣٠ |
| ٧١        | الأنفال    | صه            | حَكِيمٌ            | ١٢٣١ |
| ٧٢        | الأنفال    | صه            | بَصِيرٌ            | ١٢٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٧٣        | الأنفال    | ط             | كَبِيرُ        | ١٢٣٣ |
| ٧٤        | الأنفال    | صه            | كَرِيمُ        | ١٢٣٤ |
| ٧٥        | الأنفال    | صه            | عَلِيمُ        | ١٢٣٥ |
| ١         | التوبة     | ط             | الْمُشْرِكِينَ | ١٢٣٦ |
| ٢         | التوبة     | صه            | الْكُفَّارِينَ | ١٢٣٧ |
| ٣         | التوبة     | صه لا         | إِيمَرِ        | ١٢٣٨ |
| ٤         | التوبة     | صه            | الْمُتَّقِينَ  | ١٢٣٩ |
| ٥         | التوبة     | ط             | رَحِيمُ        | ١٢٤٠ |
| ٦         | التوبة     | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٢٤١ |
| ٧         | التوبة     | صه            | الْمُتَّقِينَ  | ١٢٤٢ |
| ٨         | التوبة     | ج             | فَسِقُونَ      | ١٢٤٣ |
| ٩         | التوبة     | صه            | يَعْمَلُونَ    | ١٢٤٤ |
| ١٠        | التوبة     | صه            | الْمُعَتَدُونَ | ١٢٤٥ |
| ١١        | التوبة     | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٢٤٦ |
| ١٢        | التوبة     | صه            | يَنْتَهُونَ    | ١٢٤٧ |
| ١٣        | التوبة     | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ١٢٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٤        | التوبة     | صه لا         | مُؤْمِنِينَ     | ١٢٤٩ |
| ١٥        | التوبة     | صه            | حَكِيمٌ         | ١٢٥٠ |
| ١٦        | التوبة     | صه            | تَعْمَلُونَ     | ١٢٥١ |
| ١٧        | التوبة     | صه            | خَلِدُونَ       | ١٢٥٢ |
| ١٨        | التوبة     | صه            | الْمُهَتَّدِينَ | ١٢٥٣ |
| ١٩        | التوبة     | م             | الظَّالِمِينَ   | ١٢٥٤ |
| ٢٠        | التوبة     | صه            | الْفَاجِرُونَ   | ١٢٥٥ |
| ٢١        | التوبة     | صه لا         | مُقِيمٌ         | ١٢٥٦ |
| ٢٢        | التوبة     | صه            | عَظِيمٌ         | ١٢٥٧ |
| ٢٣        | التوبة     | صه            | الظَّالِمُونَ   | ١٢٥٨ |
| ٢٤        | التوبة     | صه            | الْفَسِيقِينَ   | ١٢٥٩ |
| ٢٥        | التوبة     | ج             | مُذَبِّرِينَ    | ١٢٦٠ |
| ٢٦        | التوبة     | صه            | الْكُفَّارِينَ  | ١٢٦١ |
| ٢٧        | التوبة     | صه            | رَّحِيمٌ        | ١٢٦٢ |
| ٢٨        | التوبة     | صه            | حَكِيمٌ         | ١٢٦٣ |
| ٢٩        | التوبة     | صه            | صَغِرُونَ       | ١٢٦٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٠        | التوبة     | صه            | يُؤْفَكُونَ     | ١٢٦٥ |
| ٣١        | التوبة     | صه            | يُشْرِكُونَ     | ١٢٦٦ |
| ٣٢        | التوبة     | صه            | الْكَافِرُونَ   | ١٢٦٧ |
| ٣٣        | التوبة     | صه            | الْمُشْرِكُونَ  | ١٢٦٨ |
| ٣٤        | التوبة     | صه لا         | الْيَمِ         | ١٢٦٩ |
| ٣٥        | التوبة     | صه            | تَكُنُزُونَ     | ١٢٧٠ |
| ٣٦        | التوبة     | صه            | الْمُتَّقِينَ   | ١٢٧١ |
| ٣٧        | التوبة     | صه            | الْكَافِرِينَ   | ١٢٧٢ |
| ٣٨        | التوبة     | صه            | قَلِيلٌ         | ١٢٧٣ |
| ٣٩        | التوبة     | ط             | قَدِيرٌ         | ١٢٧٤ |
| ٤٠        | التوبة     | صه            | حَكِيمٌ         | ١٢٧٥ |
| ٤١        | التوبة     | صه            | تَعْلَمُونَ     | ١٢٧٦ |
| ٤٢        | التوبة     | صه            | لَكَذِبُونَ     | ١٢٧٧ |
| ٤٣        | التوبة     | صه            | الْكَذِبِينَ    | ١٢٧٨ |
| ٤٤        | التوبة     | صه            | بِالْمُتَّقِينَ | ١٢٧٩ |
| ٤٥        | التوبة     | صه            | يَتَرَدَّدُونَ  | ١٢٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤٦        | التوبة     | صه            | الْقَعِدِينَ    | ١٢٨١ |
| ٤٧        | التوبة     | صه            | بِالظَّالِمِينَ | ١٢٨٢ |
| ٤٨        | التوبة     | صه            | كَرِهُونَ       | ١٢٨٣ |
| ٤٩        | التوبة     | صه            | بِالْكَافِرِينَ | ١٢٨٤ |
| ٥٠        | التوبة     | صه            | فَرِحُونَ       | ١٢٨٥ |
| ٥١        | التوبة     | صه            | الْمُؤْمِنُونَ  | ١٢٨٦ |
| ٥٢        | التوبة     | صه            | مُتَرَبِّصُونَ  | ١٢٨٧ |
| ٥٣        | التوبة     | صه            | فَسِيقِينَ      | ١٢٨٨ |
| ٥٤        | التوبة     | صه            | كَرِهُونَ       | ١٢٨٩ |
| ٥٥        | التوبة     | صه            | كَفِرُونَ       | ١٢٩٠ |
| ٥٦        | التوبة     | صه            | يَفَرَّقُونَ    | ١٢٩١ |
| ٥٧        | التوبة     | صه            | يَجْمَحُونَ     | ١٢٩٢ |
| ٥٨        | التوبة     | صه            | يَسْخَطُونَ     | ١٢٩٣ |
| ٥٩        | التوبة     | صه            | رَاغِبُونَ      | ١٢٩٤ |
| ٦٠        | التوبة     | صه            | حَكِيمٌ         | ١٢٩٥ |
| ٦١        | التوبة     | صه            | أَلَيْمٌ        | ١٢٩٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية       | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|-----------------|------|---------------|----------------------|
| مُؤْمِنِينَ     | ١٢٩٧ | ط             | ٦٢ التوبة            |
| الْعَظِيمُ      | ١٢٩٨ | صه            | ٦٣ التوبة            |
| تَحْذِرُونَ     | ١٢٩٩ | صه            | ٦٤ التوبة            |
| تَسْتَهْزِئُونَ | ١٣٠٠ | صه            | ٦٥ التوبة            |
| مُجْرِمِينَ     | ١٣٠١ | صه            | ٦٦ التوبة            |
| الْفَسِقُونَ    | ١٣٠٢ | صه            | ٦٧ التوبة            |
| مُّقِيمُ        | ١٣٠٣ | صه لا         | ٦٨ التوبة            |
| الْخَسِرُونَ    | ١٣٠٤ | صه            | ٦٩ التوبة            |
| يَظْلِمُونَ     | ١٣٠٥ | صه            | ٧٠ التوبة            |
| حَكِيمٌ         | ١٣٠٦ | صه            | ٧١ التوبة            |
| الْعَظِيمُ      | ١٣٠٧ | صه            | ٧٢ التوبة            |
| الْمَصِيرُ      | ١٣٠٨ | صه            | ٧٣ التوبة            |
| نَصِيرٌ         | ١٣٠٩ | صه            | ٧٤ التوبة            |
| الصَّالِحِينَ   | ١٣١٠ | صه            | ٧٥ التوبة            |
| مُعْرِضُونَ     | ١٣١١ | صه            | ٧٦ التوبة            |
| يَكُذِّبُونَ    | ١٣١٢ | صه            | ٧٧ التوبة            |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٧٨        | التوبة     | ج             | الْغُيُوبِ     | ١٣١٣ |
| ٧٩        | التوبة     | صه            | أَلَيْمٌ       | ١٣١٤ |
| ٨٠        | التوبة     | صه            | الْفَسِيقِينَ  | ١٣١٥ |
| ٨١        | التوبة     | صه            | يَقْهُونَ      | ١٣١٦ |
| ٨٢        | التوبة     | صه            | يَكْسِبُونَ    | ١٣١٧ |
| ٨٣        | التوبة     | صه            | الْخَلِفِينَ   | ١٣١٨ |
| ٨٤        | التوبة     | صه            | فَسِقُونَ      | ١٣١٩ |
| ٨٥        | التوبة     | صه            | كَافِرُونَ     | ١٣٢٠ |
| ٨٦        | التوبة     | صه            | الْقَعِدِينَ   | ١٣٢١ |
| ٨٧        | التوبة     | صه            | يَفْقَهُونَ    | ١٣٢٢ |
| ٨٨        | التوبة     | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ١٣٢٣ |
| ٨٩        | التوبة     | صه            | الْعَظِيمُ     | ١٣٢٤ |
| ٩٠        | التوبة     | صه            | أَلَيْمٌ       | ١٣٢٥ |
| ٩١        | التوبة     | صه لا         | رَّحِيمٌ       | ١٣٢٦ |
| ٩٢        | التوبة     | ط             | يُنِفِقُونَ    | ١٣٢٧ |
| ٩٣        | التوبة     | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٣٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٩٤        | التوبة     | صه            | تَعْمَلُونَ     | ١٣٢٩ |
| ٩٥        | التوبة     | صه            | يَكُسِبُونَ     | ١٣٣٠ |
| ٩٦        | التوبة     | صه            | الْفَسِيقِينَ   | ١٣٣١ |
| ٩٧        | التوبة     | صه            | حَكِيمٌ         | ١٣٣٢ |
| ٩٨        | التوبة     | صه            | عَلِيمٌ         | ١٣٣٣ |
| ٩٩        | التوبة     | صه            | رَّحِيمٌ        | ١٣٣٤ |
| ١٠٠       | التوبة     | صه            | الْعَظِيمُ      | ١٣٣٥ |
| ١٠١       | التوبة     | ج             | عَظِيمٍ         | ١٣٣٦ |
| ١٠٢       | التوبة     | صه            | رَّحِيمٌ        | ١٣٣٧ |
| ١٠٣       | التوبة     | صه            | عَلِيمٌ         | ١٣٣٨ |
| ١٠٤       | التوبة     | صه            | الْرَّحِيمُ     | ١٣٣٩ |
| ١٠٥       | التوبة     | ج             | تَعْمَلُونَ     | ١٣٤٠ |
| ١٠٦       | التوبة     | صه لا         | حَكِيمٌ         | ١٣٤١ |
| ١٠٧       | التوبة     | صه            | لَكَذِبُونَ     | ١٣٤٢ |
| ١٠٨       | التوبة     | صه            | الْمُظَاهِرِينَ | ١٣٤٣ |
| ١٠٩       | التوبة     | صه            | الْظَّالِمِينَ  | ١٣٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١١٠       | التوبة     | صه            | حَكِيمٌ         | ١٣٤٥ |
| ١١١       | التوبة     | صه            | الْعَظِيمُ      | ١٣٤٦ |
| ١١٢       | التوبة     | صه            | الْمُؤْمِنِينَ  | ١٣٤٧ |
| ١١٣       | التوبة     | صه            | الْجَحِيمُ      | ١٣٤٨ |
| ١١٤       | التوبة     | صه            | حَلِيمٌ         | ١٣٤٩ |
| ١١٥       | التوبة     | ط             | عَلِيمٌ         | ١٣٥٠ |
| ١١٦       | التوبة     | صه            | نَصِيرٌ         | ١٣٥١ |
| ١١٧       | التوبة     | لا            | رَّحِيمٌ        | ١٣٥٢ |
| ١١٨       | التوبة     | صه            | الرَّحِيمُ      | ١٣٥٣ |
| ١١٩       | التوبة     | صه            | الصَّادِقِينَ   | ١٣٥٤ |
| ١٢٠       | التوبة     | صه لا         | الْمُحْسِنِينَ  | ١٣٥٥ |
| ١٢١       | التوبة     | صه            | يَعْمَلُونَ     | ١٣٥٦ |
| ١٢٢       | التوبة     | صه            | يَحْذَرُونَ     | ١٣٥٧ |
| ١٢٣       | التوبة     | صه            | الْمُتَّقِينَ   | ١٣٥٨ |
| ١٢٤       | التوبة     | صه            | يَسْتَبِشِرُونَ | ١٣٥٩ |
| ١٢٥       | التوبة     | صه            | كَافِرُونَ      | ١٣٦٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٢٦       | التوبة     | صه            | يَذَّكَّرُونَ | ١٣٦١ |
| ١٢٧       | التوبة     | صه            | يَفْقَهُونَ   | ١٣٦٢ |
| ١٢٨       | التوبة     | صه            | رَّحِيمٌ      | ١٣٦٣ |
| ١٢٩       | التوبة     | صه            | الْعَظِيمُ    | ١٣٦٤ |
| ١         | يونس       | صه            | الْحَكِيمُ    | ١٣٦٥ |
| ٢         | يونس       | صه            | مُبِينٌ       | ١٣٦٦ |
| ٣         | يونس       | صه            | تَذَكَّرُونَ  | ١٣٦٧ |
| ٤         | يونس       | صه            | يَكُنْفُرُونَ | ١٣٦٨ |
| ٥         | يونس       | صه            | يَعْلَمُونَ   | ١٣٦٩ |
| ٦         | يونس       | صه            | يَتَّقُونَ    | ١٣٧٠ |
| ٧         | يونس       | صه.لا         | غَافِلُونَ    | ١٣٧١ |
| ٨         | يونس       | صه            | يَكُسِبُونَ   | ١٣٧٢ |
| ٩         | يونس       | صه            | الْنَّعِيمُ   | ١٣٧٣ |
| ١٠        | يونس       | صه            | الْعَالَمِينَ | ١٣٧٤ |
| ١١        | يونس       | صه            | يَعْمَهُونَ   | ١٣٧٥ |
| ١٢        | يونس       | صه            | يَعْمَلُونَ   | ١٣٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ١٣        | يونس       | صه            | الْمُجْرِمِينَ   | ١٣٧٧ |
| ١٤        | يونس       | صه            | تَعْمَلُونَ      | ١٣٧٨ |
| ١٥        | يونس       | صه            | عَظِيمٍ          | ١٣٧٩ |
| ١٦        | يونس       | صه            | تَعْقِلُونَ      | ١٣٨٠ |
| ١٧        | يونس       | صه            | الْمُجْرِمُونَ   | ١٣٨١ |
| ١٨        | يونس       | صه            | يُشْرِكُونَ      | ١٣٨٢ |
| ١٩        | يونس       | صه            | يَخْتَلِفُونَ    | ١٣٨٣ |
| ٢٠        | يونس       | صه            | الْمُنَتَظَرِينَ | ١٣٨٤ |
| ٢١        | يونس       | صه            | تَمْكُرُونَ      | ١٣٨٥ |
| ٢٢        | يونس       | صه            | الشَّاكِرِينَ    | ١٣٨٦ |
| ٢٣        | يونس       | صه            | تَعْمَلُونَ      | ١٣٨٧ |
| ٢٤        | يونس       | صه            | يَتَفَكَّرُونَ   | ١٣٨٨ |
| ٢٥        | يونس       | صه            | مُسْتَقِيمٍ      | ١٣٨٩ |
| ٢٦        | يونس       | صه            | خَلِيلُونَ       | ١٣٩٠ |
| ٢٧        | يونس       | صه            | خَلِيلُونَ       | ١٣٩١ |
| ٢٨        | يونس       | صه            | تَعْبُدُونَ      | ١٣٩٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٢٩        | يونس       | صه            | لَغَافِلِينَ     | ١٣٩٣ |
| ٣٠        | يونس       | صه            | يَفْتَرُونَ      | ١٣٩٤ |
| ٣١        | يونس       | صه            | تَتَّقُونَ       | ١٣٩٥ |
| ٣٢        | يونس       | صه            | تُصْرَفُونَ      | ١٣٩٦ |
| ٣٣        | يونس       | صه            | يُؤْمِنُونَ      | ١٣٩٧ |
| ٣٤        | يونس       | صه            | تُؤْفَكُونَ      | ١٣٩٨ |
| ٣٥        | يونس       | صه            | تَحْكُمُونَ      | ١٣٩٩ |
| ٣٦        | يونس       | صه            | يَفْعَلُونَ      | ١٤٠٠ |
| ٣٧        | يونس       | قف            | الْعَالَمِينَ    | ١٤٠١ |
| ٣٨        | يونس       | صه            | صَدِيقِينَ       | ١٤٠٢ |
| ٣٩        | يونس       | صه            | الظَّالِمِينَ    | ١٤٠٣ |
| ٤٠        | يونس       | صه            | بِالْمُفْسِدِينَ | ١٤٠٤ |
| ٤١        | يونس       | صه            | تَعْمَلُونَ      | ١٤٠٥ |
| ٤٢        | يونس       | صه            | يَعْقِلُونَ      | ١٤٠٦ |
| ٤٣        | يونس       | صه            | يُبَصِّرُونَ     | ١٤٠٧ |
| ٤٤        | يونس       | صه            | يَظْلِمُونَ      | ١٤٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤٥        | يونس       | صه            | مُهَتَّدِينَ    | ١٤٠٩ |
| ٤٦        | يونس       | صه            | يَفْعَلُونَ     | ١٤١٠ |
| ٤٧        | يونس       | صه            | يُظْلَمُونَ     | ١٤١١ |
| ٤٨        | يونس       | صه            | صَدِيقِينَ      | ١٤١٢ |
| ٤٩        | يونس       | صه            | يَسْتَقْدِمُونَ | ١٤١٣ |
| ٥٠        | يونس       | صه            | الْمُجْرِمُونَ  | ١٤١٤ |
| ٥١        | يونس       | صه            | تَسْتَعِجِلُونَ | ١٤١٥ |
| ٥٢        | يونس       | صه            | تَكُسِبُونَ     | ١٤١٦ |
| ٥٣        | يونس       | صه            | بِمُعْجِزِينَ   | ١٤١٧ |
| ٥٤        | يونس       | صه            | يُظْلَمُونَ     | ١٤١٨ |
| ٥٥        | يونس       | صه            | يَعْلَمُونَ     | ١٤١٩ |
| ٥٦        | يونس       | صه            | تُرْجَعُونَ     | ١٤٢٠ |
| ٥٧        | يونس       | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ | ١٤٢١ |
| ٥٨        | يونس       | صه            | يَجْمَعُونَ     | ١٤٢٢ |
| ٥٩        | يونس       | صه            | تَفْتَرُونَ     | ١٤٢٣ |
| ٦٠        | يونس       | صه            | يَشْكُرُونَ     | ١٤٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٦١        | يونس       | صه            | مُبِينٌ         | ١٤٢٥ |
| ٦٢        | يونس       | ج. صلي        | يَحْزَنُونَ     | ١٤٢٦ |
| ٦٣        | يونس       | ط. لا         | يَتَّقُونَ      | ١٤٢٧ |
| ٦٤        | يونس       | ط             | الْعَظِيمُ      | ١٤٢٨ |
| ٦٥        | يونس       | صه            | الْعَلِيمُ      | ١٤٢٩ |
| ٦٦        | يونس       | صه            | يَخْرُصُونَ     | ١٤٣٠ |
| ٦٧        | يونس       | صه            | يَسْمَعُونَ     | ١٤٣١ |
| ٦٨        | يونس       | صه            | تَعْلَمُونَ     | ١٤٣٢ |
| ٦٩        | يونس       | ط             | يُفْلِحُونَ     | ١٤٣٣ |
| ٧٠        | يونس       | صه            | يَكُفُرُونَ     | ١٤٣٤ |
| ٧١        | يونس       | صه            | تُنْظِرُونَ     | ١٤٣٥ |
| ٧٢        | يونس       | صه            | الْمُسْلِمِينَ  | ١٤٣٦ |
| ٧٣        | يونس       | صه            | الْمُنَذِّرِينَ | ١٤٣٧ |
| ٧٤        | يونس       | صه            | الْمُعَتَدِّينَ | ١٤٣٨ |
| ٧٥        | يونس       | صه. لا        | مُجْرِمِينَ     | ١٤٣٩ |
| ٧٦        | يونس       | صه            | مُبِينٌ         | ١٤٤٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| ت    | رأس الآية      | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_ الآية |
|------|----------------|---------------|-----------------------|
| ١٤٤١ | آلٰسَّاحِرُونَ | صه            | يونس ٧٧               |
| ١٤٤٢ | بِمُؤْمِنِينَ  | صه            | يونس ٧٨               |
| ١٤٤٣ | عَلِيهِمْ      | صه            | يونس ٧٩               |
| ١٤٤٤ | مُلْقُونَ      | صه            | يونس ٨٠               |
| ١٤٤٥ | آلٰمُفْسِدِينَ | صه            | يونس ٨١               |
| ١٤٤٦ | آلٰمُجْرِمُونَ | صه            | يونس ٨٢               |
| ١٤٤٧ | آلٰمُسْرِفِينَ | صه            | يونس ٨٣               |
| ١٤٤٨ | مُسْلِمِينَ    | صه            | يونس ٨٤               |
| ١٤٤٩ | آلٰظَّالِمِينَ | صه لا         | يونس ٨٥               |
| ١٤٥٠ | آلٰكَافِرِينَ  | صه            | يونس ٨٦               |
| ١٤٥١ | آلٰمُؤْمِنِينَ | صه            | يونس ٨٧               |
| ١٤٥٢ | آلٰأَلِيمَ     | صه            | يونس ٨٨               |
| ١٤٥٣ | يَعْلَمُونَ    | صه            | يونس ٨٩               |
| ١٤٥٤ | آلٰمُسْلِمِينَ | صه            | يونس ٩٠               |
| ١٤٥٥ | آلٰمُفْسِدِينَ | صه            | يونس ٩١               |
| ١٤٥٦ | لَغَافِلُونَ   | صه            | يونس ٩٢               |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٩٣        | يونس       | صه            | يَخْتَلِفُونَ    | ١٤٥٧ |
| ٩٤        | يونس       | صه لا         | الْمُمْتَرِينَ   | ١٤٥٨ |
| ٩٥        | يونس       | صه            | الْخَسِيرِينَ    | ١٤٥٩ |
| ٩٦        | يونس       | لا            | يُؤْمِنُونَ      | ١٤٦٠ |
| ٩٧        | يونس       | صه            | الْأَلَيْمَ      | ١٤٦١ |
| ٩٨        | يونس       | صه            | حِينِ            | ١٤٦٢ |
| ٩٩        | يونس       | صه            | مُؤْمِنِينَ      | ١٤٦٣ |
| ١٠٠       | يونس       | صه            | يَعْقِلُونَ      | ١٤٦٤ |
| ١٠١       | يونس       | صه            | يُؤْمِنُونَ      | ١٤٦٥ |
| ١٠٢       | يونس       | صه            | الْمُنَتَظِرِينَ | ١٤٦٦ |
| ١٠٣       | يونس       | صه            | الْمُؤْمِنِينَ   | ١٤٦٧ |
| ١٠٤       | يونس       | لا            | الْمُؤْمِنِينَ   | ١٤٦٨ |
| ١٠٥       | يونس       | صه            | الْمُشْرِكِينَ   | ١٤٦٩ |
| ١٠٦       | يونس       | صه            | الْظَّالِمِينَ   | ١٤٧٠ |
| ١٠٧       | يونس       | صه            | الْرَّحِيمُ      | ١٤٧١ |
| ١٠٨       | يونس       | ط             | بِوَكِيلٍ        | ١٤٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٠٩       | يونس       | صه            | الْحَكِيمَيْنَ  | ١٤٧٣ |
| ١         | هود        | صه لا         | خَبِيرٌ         | ١٤٧٤ |
| ٢         | هود        | صه لا         | وَدَشِيرٌ       | ١٤٧٥ |
| ٣         | هود        | صه            | كَبِيرٌ         | ١٤٧٦ |
| ٤         | هود        | صه            | قَدِيرٌ         | ١٤٧٧ |
| ٥         | هود        | صه            | الْصُّدُورِ     | ١٤٧٨ |
| ٦         | هود        | صه            | مُّبِينٌ        | ١٤٧٩ |
| ٧         | هود        | صه            | مُّبِينٌ        | ١٤٨٠ |
| ٨         | هود        | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ١٤٨١ |
| ٩         | هود        | صه            | كَفُورٌ         | ١٤٨٢ |
| ١٠        | هود        | صه لا         | فَخُورٌ         | ١٤٨٣ |
| ١١        | هود        | صه            | كَبِيرٌ         | ١٤٨٤ |
| ١٢        | هود        | ط             | وَكِيلٌ         | ١٤٨٥ |
| ١٣        | هود        | صه            | صَدِيقِينَ      | ١٤٨٦ |
| ١٤        | هود        | صه            | مُسْلِمُونَ     | ١٤٨٧ |
| ١٥        | هود        | صه            | يُبَخْسُونَ     | ١٤٨٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|------------|----------------|------|
| ١٦        | هود        | صه         | يَعْمَلُونَ    | ١٤٨٩ |
| ١٧        | هود        | صه         | يُؤْمِنُونَ    | ١٤٩٠ |
| ١٨        | هود        | صه لا      | الظَّالِمِينَ  | ١٤٩١ |
| ١٩        | هود        | صه         | كَافِرُونَ     | ١٤٩٢ |
| ٢٠        | هود        | صه         | يُبَصِّرُونَ   | ١٤٩٣ |
| ٢١        | هود        | صه         | يَفْتَرُونَ    | ١٤٩٤ |
| ٢٢        | هود        | صه         | الْأَخْسَرُونَ | ١٤٩٥ |
| ٢٣        | هود        | صه         | خَلِيلُونَ     | ١٤٩٦ |
| ٢٤        | هود        | ط          | تَذَكَّرُونَ   | ١٤٩٧ |
| ٢٥        | هود        | لا         | مُّبِينٌ       | ١٤٩٨ |
| ٢٦        | هود        | صه         | أَلِيمٍ        | ١٤٩٩ |
| ٢٧        | هود        | صه         | كَذِيبِينَ     | ١٥٠٠ |
| ٢٨        | هود        | صه         | كَرِهُونَ      | ١٥٠١ |
| ٢٩        | هود        | صه         | تَجْهَلُونَ    | ١٥٠٢ |
| ٣٠        | هود        | صه         | تَذَكَّرُونَ   | ١٥٠٣ |
| ٣١        | هود        | صه         | الظَّالِمِينَ  | ١٥٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٣٢        | هود        | صه            | الصادقين  | ١٥٠٥ |
| ٣٣        | هود        | صه            | بمعجزين   | ١٥٠٦ |
| ٣٤        | هود        | ط             | ترجمون    | ١٥٠٧ |
| ٣٥        | هود        | صه            | تحرمون    | ١٥٠٨ |
| ٣٦        | هود        | ج. صلي        | يفعلون    | ١٥٠٩ |
| ٣٧        | هود        | صه            | مغرقون    | ١٥١٠ |
| ٣٨        | هود        | ط             | تسخرون    | ١٥١١ |
| ٣٩        | هود        | صه            | مقيم      | ١٥١٢ |
| ٤٠        | هود        | صه            | قليل      | ١٥١٣ |
| ٤١        | هود        | صه            | رحيم      | ١٥١٤ |
| ٤٢        | هود        | صه            | الكافرين  | ١٥١٥ |
| ٤٣        | هود        | صه            | المغريقين | ١٥١٦ |
| ٤٤        | هود        | صه            | الظالمين  | ١٥١٧ |
| ٤٥        | هود        | صه            | الحاكمين  | ١٥١٨ |
| ٤٦        | هود        | صه            | الجاهلين  | ١٥١٩ |
| ٤٧        | هود        | صه            | الحسيرين  | ١٥٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|---------------|-----------|---|
| ٤٨        | هود        | صه         | آلیم          | ١٥٢١      |   |
| ٤٩        | هود        | صه         | للّمُتَّقِينَ | ١٥٢٢      |   |
| ٥٠        | هود        | صه         | مُفْتَرُونَ   | ١٥٢٣      |   |
| ٥١        | هود        | صه         | تَعْقِلُونَ   | ١٥٢٤      |   |
| ٥٢        | هود        | صه         | مُجْرِمِينَ   | ١٥٢٥      |   |
| ٥٣        | هود        | ز          | بِمُؤْمِنِينَ | ١٥٢٦      |   |
| ٥٤        | هود        | لا         | تُشْرِكُونَ   | ١٥٢٧      |   |
| ٥٥        | هود        | ط          | تُنْظِرُونِ   | ١٥٢٨      |   |
| ٥٦        | هود        | صه         | مُسْتَقِيمٍ   | ١٥٢٩      |   |
| ٥٧        | هود        | صه         | حَفِيظٌ       | ١٥٣٠      |   |
| ٥٨        | هود        | صه         | غَلِيظٌ       | ١٥٣١      |   |
| ٥٩        | هود        | صه         | عَنِيدٌ       | ١٥٣٢      |   |
| ٦٠        | هود        | صه         | هُودٌ         | ١٥٣٣      |   |
| ٦١        | هود        | صه         | مُجِيبٌ       | ١٥٣٤      |   |
| ٦٢        | هود        | صه         | مُرِيبٌ       | ١٥٣٥      |   |
| ٦٣        | هود        | صه         | خَسِيرٌ       | ١٥٣٦      |   |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|---------------|-----------|---|
| ٦٤        | هود        | صه         | قریبٌ         | ١٥٣٧      |   |
| ٦٥        | هود        | صه         | مَكْذُوبٍ     | ١٥٣٨      |   |
| ٦٦        | هود        | صه         | الْعَزِيزُ    | ١٥٣٩      |   |
| ٦٧        | هود        | لا         | جَاثِمِينَ    | ١٥٤٠      |   |
| ٦٨        | هود        | صه         | لِشَمْوَدَ    | ١٥٤١      |   |
| ٦٩        | هود        | صه         | حَنِيدٍ       | ١٥٤٢      |   |
| ٧٠        | هود        | ط          | لُوطٍ         | ١٥٤٣      |   |
| ٧١        | هود        | صه         | يَعْقُوبَ     | ١٥٤٤      |   |
| ٧٢        | هود        | صه         | عَجِيبٌ       | ١٥٤٥      |   |
| ٧٣        | هود        | صه         | مَحِيدٌ       | ١٥٤٦      |   |
| ٧٤        | هود        | ط          | لُوطٍ         | ١٥٤٧      |   |
| ٧٥        | هود        | صه         | مُنِيبٌ       | ١٥٤٨      |   |
| ٧٦        | هود        | صه         | مَرْدُودٍ     | ١٥٤٩      |   |
| ٧٧        | هود        | صه         | عَصِيبٌ       | ١٥٥٠      |   |
| ٧٨        | هود        | صه         | رَشِيدٌ       | ١٥٥١      |   |
| ٧٩        | هود        | صه         | نُرِيدُ       | ١٥٥٢      |   |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٨٠        | هود        | صه            | شَدِيدٍ      | ١٥٥٣ |
| ٨١        | هود        | ط             | بَقَرِيبٍ    | ١٥٥٤ |
| ٨٢        | هود        | لا            | مَنْضُودٍ    | ١٥٥٥ |
| ٨٣        | هود        | صه            | بَعِيدٍ      | ١٥٥٦ |
| ٨٤        | هود        | صه            | مُحِيطٍ      | ١٥٥٧ |
| ٨٥        | هود        | صه            | مُفْسِدِينَ  | ١٥٥٨ |
| ٨٦        | هود        | صه            | بَخَفِيفٍ    | ١٥٥٩ |
| ٨٧        | هود        | صه            | الْرَّشِيدُ  | ١٥٦٠ |
| ٨٨        | هود        | صه            | أَنِيبُ      | ١٥٦١ |
| ٨٩        | هود        | صه            | بَعِيدٍ      | ١٥٦٢ |
| ٩٠        | هود        | صه            | وَدُودٌ      | ١٥٦٣ |
| ٩١        | هود        | صه            | بَعْزِيزٍ    | ١٥٦٤ |
| ٩٢        | هود        | صه            | مُحِيطٌ      | ١٥٦٥ |
| ٩٣        | هود        | صه            | رَقِيبٌ      | ١٥٦٦ |
| ٩٤        | هود        | صه لا         | جَاثِيمَيْنَ | ١٥٦٧ |
| ٩٥        | هود        | صه            | ثَمُودٌ      | ١٥٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٩٦        | هود        | صه لا         | مُبِينٌ      | ١٥٦٩ |
| ٩٧        | هود        | صه            | بِرَشِيدٍ    | ١٥٧٠ |
| ٩٨        | هود        | صه            | الْمَوْرُودُ | ١٥٧١ |
| ٩٩        | هود        | صه            | الْمَرْفُودُ | ١٥٧٢ |
| ١٠٠       | هود        | صه            | وَحَصِيدُ    | ١٥٧٣ |
| ١٠١       | هود        | صه            | تَتْبِيبٍ    | ١٥٧٤ |
| ١٠٢       | هود        | صه            | شَدِيدٌ      | ١٥٧٥ |
| ١٠٣       | هود        | صه            | مَشْهُودٌ    | ١٥٧٦ |
| ١٠٤       | هود        | ط             | مَعْدُودٍ    | ١٥٧٧ |
| ١٠٥       | هود        | صه            | وَسَعِيدٌ    | ١٥٧٨ |
| ١٠٦       | هود        | لا            | وَشَهِيقٌ    | ١٥٧٩ |
| ١٠٧       | هود        | صه            | يُرِيدُ      | ١٥٨٠ |
| ١٠٨       | هود        | صه            | مَجْذُوذٌ    | ١٥٨١ |
| ١٠٩       | هود        | صه            | مَنْقُوصٌ    | ١٥٨٢ |
| ١١٠       | هود        | صه            | مُرِيبٌ      | ١٥٨٣ |
| ١١١       | هود        | صه            | خَيْرٌ       | ١٥٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١١٢       | هود        | صه            | بَصِيرُ         | ١٥٨٥ |
| ١١٣       | هود        | صه            | تُنَصَّرُونَ    | ١٥٨٦ |
| ١١٤       | هود        | ج             | لِلَّذِكَرِينَ  | ١٥٨٧ |
| ١١٥       | هود        | ط             | الْمُحْسِنِينَ  | ١٥٨٨ |
| ١١٦       | هود        | صه            | مُجْرِمِينَ     | ١٥٨٩ |
| ١١٧       | هود        | صه            | مُصْلِحُونَ     | ١٥٩٠ |
| ١١٨       | هود        | لا            | مُخْتَلِفِينَ   | ١٥٩١ |
| ١١٩       | هود        | صه            | أَجَمَعِينَ     | ١٥٩٢ |
| ١٢٠       | هود        | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ | ١٥٩٣ |
| ١٢١       | هود        | لا            | عَمِلُونَ       | ١٥٩٤ |
| ١٢٢       | هود        | صه            | مُنْتَظِرُونَ   | ١٥٩٥ |
| ١٢٣       | هود        | صه            | تَعْمَلُونَ     | ١٥٩٦ |
| ١         | يوسف       | قف            | الْمُبِينَ      | ١٥٩٧ |
| ٢         | يوسف       | صه            | تَعْقِلُونَ     | ١٥٩٨ |
| ٣         | يوسف       | صه            | الْغَافِلِينَ   | ١٥٩٩ |
| ٤         | يوسف       | صه            | سَاجِدِينَ      | ١٦٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٥         | يوسف       | صه            | مُّبِينٌ       | ١٦٠١ |
| ٦         | يوسف       | ط             | حَكِيمٌ        | ١٦٠٢ |
| ٧         | يوسف       | صه            | لِّسَائِيلِينَ | ١٦٠٣ |
| ٨         | يوسف       | ج.صلي         | مُّبِينٍ       | ١٦٠٤ |
| ٩         | يوسف       | صه            | صَلِّيْحِينَ   | ١٦٠٥ |
| ١٠        | يوسف       | صه            | فَعِلِينَ      | ١٦٠٦ |
| ١١        | يوسف       | صه            | لَنَاصِحُونَ   | ١٦٠٧ |
| ١٢        | يوسف       | صه            | لَحَفِظُونَ    | ١٦٠٨ |
| ١٣        | يوسف       | صه            | غَافِلُونَ     | ١٦٠٩ |
| ١٤        | يوسف       | صه            | خَسِرُونَ      | ١٦١٠ |
| ١٥        | يوسف       | صه            | يَشْعُرُونَ    | ١٦١١ |
| ١٦        | يوسف       | طلا           | يَبْكُونَ      | ١٦١٢ |
| ١٧        | يوسف       | صه            | صَدِيقِينَ     | ١٦١٣ |
| ١٨        | يوسف       | صه            | تَصِفُونَ      | ١٦١٤ |
| ١٩        | يوسف       | صه            | يَعْمَلُونَ    | ١٦١٥ |
| ٢٠        | يوسف       | صه            | الْزَّهِيدِينَ | ١٦١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢١        | يوسف       | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٦١٧ |
| ٢٢        | يوسف       | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ١٦١٨ |
| ٢٣        | يوسف       | صه            | الظَّالِمُونَ  | ١٦١٩ |
| ٢٤        | يوسف       | صه            | الْمُخْلَصِينَ | ١٦٢٠ |
| ٢٥        | يوسف       | صه            | الْإِيمَنْ     | ١٦٢١ |
| ٢٦        | يوسف       | لا            | الْكَذَّابِينَ | ١٦٢٢ |
| ٢٧        | يوسف       | صه            | الصَّادِقِينَ  | ١٦٢٣ |
| ٢٨        | يوسف       | صه            | عَظِيمٌ        | ١٦٢٤ |
| ٢٩        | يوسف       | صه            | الْخَاطِئِينَ  | ١٦٢٥ |
| ٣٠        | يوسف       | صه            | مُّبِينٍ       | ١٦٢٦ |
| ٣١        | يوسف       | صه            | كَرِيمٌ        | ١٦٢٧ |
| ٣٢        | يوسف       | صه            | الصَّغِيرِينَ  | ١٦٢٨ |
| ٣٣        | يوسف       | صه            | الْجَاهِلِينَ  | ١٦٢٩ |
| ٣٤        | يوسف       | صه            | الْعَلِيمُ     | ١٦٣٠ |
| ٣٥        | يوسف       | صه            | حِينٍ          | ١٦٣١ |
| ٣٦        | يوسف       | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ١٦٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية       | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|-----------------|------|---------------|----------------------|
| كَفِرُونَ       | ١٦٣٣ | صه.لا         | يوسف ٣٧              |
| يَشْكُرُونَ     | ١٦٣٤ | صه            | يوسف ٣٨              |
| الْقَهَّارُ     | ١٦٣٥ | ط             | يوسف ٣٩              |
| يَعْلَمُونَ     | ١٦٣٦ | صه            | يوسف ٤٠              |
| تَسْتَفْتِيَانِ | ١٦٣٧ | ط             | يوسف ٤١              |
| سِنِينَ         | ١٦٣٨ | ط             | يوسف ٤٢              |
| تَعْبُرُونَ     | ١٦٣٩ | صه            | يوسف ٤٣              |
| بِعَلِمِينَ     | ١٦٤٠ | صه            | يوسف ٤٤              |
| فَأَرْسِلُونِ   | ١٦٤١ | صه            | يوسف ٤٥              |
| يَعْلَمُونَ     | ١٦٤٢ | صه            | يوسف ٤٦              |
| تَأْكُلُونَ     | ١٦٤٣ | صه            | يوسف ٤٧              |
| تُحْصِنُونَ     | ١٦٤٤ | صه            | يوسف ٤٨              |
| يَعْصِرُونَ     | ١٦٤٥ | صه            | يوسف ٤٩              |
| عَلِيمٌ         | ١٦٤٦ | صه            | يوسف ٥٠              |
| الصَّدِيقَيْنَ  | ١٦٤٧ | صه            | يوسف ٥١              |
| الْحَآئِنِينَ   | ١٦٤٨ | صه            | يوسف ٥٢              |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف رقم الآية | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|-------------------------|-----------|---|
| ٥٣        | يوسف       | صه         | رَّحِيمٌ                | ١٦٤٩      |   |
| ٥٤        | يوسف       | صه         | أَمِينٌ                 | ١٦٥٠      |   |
| ٥٥        | يوسف       | صه         | عَلِيمٌ                 | ١٦٥١      |   |
| ٥٦        | يوسف       | صه         | الْمُحْسِنِينَ          | ١٦٥٢      |   |
| ٥٧        | يوسف       | صه         | يَتَّقُونَ              | ١٦٥٣      |   |
| ٥٨        | يوسف       | صه         | مُنْكِرُونَ             | ١٦٥٤      |   |
| ٥٩        | يوسف       | صه         | الْمُنْزَلِينَ          | ١٦٥٥      |   |
| ٦٠        | يوسف       | صه         | تَّقَرَّبُونِ           | ١٦٥٦      |   |
| ٦١        | يوسف       | صه         | لَفَاعِلُونَ            | ١٦٥٧      |   |
| ٦٢        | يوسف       | صه         | يَرْجِعُونَ             | ١٦٥٨      |   |
| ٦٣        | يوسف       | صه         | لَحَفِظُونَ             | ١٦٥٩      |   |
| ٦٤        | يوسف       | صه         | الْرَّاحِمِينَ          | ١٦٦٠      |   |
| ٦٥        | يوسف       | صه         | يَسِيرُ                 | ١٦٦١      |   |
| ٦٦        | يوسف       | صه         | وَكِيلٌ                 | ١٦٦٢      |   |
| ٦٧        | يوسف       | صه         | الْمُتَوَكِّلُونَ       | ١٦٦٣      |   |
| ٦٨        | يوسف       | صه         | يَعْلَمُونَ             | ١٦٦٤      |   |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف  | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|----------------|-----------|---|
| ٦٩        | يوسف       | صه         | يَعْمَلُونَ    | ١٦٦٥      |   |
| ٧٠        | يوسف       | صه         | لَسْرِقُونَ    | ١٦٦٦      |   |
| ٧١        | يوسف       | صه         | تَفْقِدُونَ    | ١٦٦٧      |   |
| ٧٢        | يوسف       | صه         | زَعِيمُ        | ١٦٦٨      |   |
| ٧٣        | يوسف       | صه         | سَرِقِينَ      | ١٦٦٩      |   |
| ٧٤        | يوسف       | صه         | كَذِيبَنَ      | ١٦٧٠      |   |
| ٧٥        | يوسف       | صه         | الظَّالِمِينَ  | ١٦٧١      |   |
| ٧٦        | يوسف       | صه         | عَلِيهِمُ      | ١٦٧٢      |   |
| ٧٧        | يوسف       | صه         | تَصِفُونَ      | ١٦٧٣      |   |
| ٧٨        | يوسف       | صه         | الْمُحْسِنِينَ | ١٦٧٤      |   |
| ٧٩        | يوسف       | صه         | لَظَالِمُونَ   | ١٦٧٥      |   |
| ٨٠        | يوسف       | صه         | الْحَكِيمِينَ  | ١٦٧٦      |   |
| ٨١        | يوسف       | صه         | حَفِظِينَ      | ١٦٧٧      |   |
| ٨٢        | يوسف       | صه         | لَصَدِيقُونَ   | ١٦٧٨      |   |
| ٨٣        | يوسف       | صه         | الْحَكِيمُ     | ١٦٧٩      |   |
| ٨٤        | يوسف       | صه         | كَظِيمُ        | ١٦٨٠      |   |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٨٥        | يوسف       | صه            | الْهَلِكِينَ      | ١٦٨١ |
| ٨٦        | يوسف       | صه            | تَعْلَمُونَ       | ١٦٨٢ |
| ٨٧        | يوسف       | صه            | الْكَافِرُونَ     | ١٦٨٣ |
| ٨٨        | يوسف       | صه            | الْمُتَصَدِّقِينَ | ١٦٨٤ |
| ٨٩        | يوسف       | صه            | جَاهِلُونَ        | ١٦٨٥ |
| ٩٠        | يوسف       | صه            | الْمُحْسِنِينَ    | ١٦٨٦ |
| ٩١        | يوسف       | صه            | لَطِئِينَ         | ١٦٨٧ |
| ٩٢        | يوسف       | صه            | الْرَّاحِمِينَ    | ١٦٨٨ |
| ٩٣        | يوسف       | صه            | أَجْمَعِينَ       | ١٦٨٩ |
| ٩٤        | يوسف       | صه            | تَفَنِّدُونِ      | ١٦٩٠ |
| ٩٥        | يوسف       | صه            | الْقَدِيمِ        | ١٦٩١ |
| ٩٦        | يوسف       | صه            | تَعْلَمُونَ       | ١٦٩٢ |
| ٩٧        | يوسف       | صه            | خَاطِئِينَ        | ١٦٩٣ |
| ٩٨        | يوسف       | صه            | الْرَّحِيمُ       | ١٦٩٤ |
| ٩٩        | يوسف       | ط             | ءَامِنِينَ        | ١٦٩٥ |
| ١٠٠       | يوسف       | صه            | الْحَكِيمُ        | ١٦٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف  | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|----------------|-----------|---|
| ١٠١       | يوسف       | صه         | بِالصَّلِحِينَ | ١٦٩٧      |   |
| ١٠٢       | يوسف       | صه         | يَمْكُرُونَ    | ١٦٩٨      |   |
| ١٠٣       | يوسف       | صه         | بِمُؤْمِنِينَ  | ١٦٩٩      |   |
| ١٠٤       | يوسف       | صه         | لِلْعَالَمِينَ | ١٧٠٠      |   |
| ١٠٥       | يوسف       | صه         | مُعْرِضُونَ    | ١٧٠١      |   |
| ١٠٦       | يوسف       | صه         | مُشْرِكُونَ    | ١٧٠٢      |   |
| ١٠٧       | يوسف       | صه         | يَشْعُرُونَ    | ١٧٠٣      |   |
| ١٠٨       | يوسف       | صه         | الْمُشْرِكِينَ | ١٧٠٤      |   |
| ١٠٩       | يوسف       | صه         | تَعْقِلُونَ    | ١٧٠٥      |   |
| ١١٠       | يوسف       | صه         | الْمُجْرِمِينَ | ١٧٠٦      |   |
| ١١١       | يوسف       | صه         | يُؤْمِنُونَ    | ١٧٠٧      |   |
| ١         | الرعد      | صه         | يُؤْمِنُونَ    | ١٧٠٨      |   |
| ٢         | الرعد      | ط          | تُوقِنُونَ     | ١٧٠٩      |   |
| ٣         | الرعد      | صه         | يَتَفَكَّرُونَ | ١٧١٠      |   |
| ٤         | الرعد      | صه         | يَعْقِلُونَ    | ١٧١١      |   |
| ٥         | الرعد      | صه         | خَالِدُونَ     | ١٧١٢      |   |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٦         | الرعد      | صه            | الْعِقَابِ   | ١٧١٣ |
| ٧         | الرعد      | صه            | هَادِ        | ١٧١٤ |
| ٨         | الرعد      | ط             | بِمِقدَارٍ   | ١٧١٥ |
| ٩         | الرعد      | صه            | الْمُتَعَالِ | ١٧١٦ |
| ١٠        | الرعد      | صه            | بِالنَّهَارِ | ١٧١٧ |
| ١١        | الرعد      | صه            | وَالِّ       | ١٧١٨ |
| ١٢        | الرعد      | ج.لا          | الْثِقَالَ   | ١٧١٩ |
| ١٣        | الرعد      | ط             | الْمِحَالِ   | ١٧٢٠ |
| ١٤        | الرعد      | صه            | ضَلَلٍ       | ١٧٢١ |
| ١٥        | الرعد      | صه            | وَالْأَصَالِ | ١٧٢٢ |
| ١٦        | الرعد      | صه            | الْقَهَّارُ  | ١٧٢٣ |
| ١٧        | الرعد      | ط             | الْأَمْثَالَ | ١٧٢٤ |
| ١٨        | الرعد      | ج             | الْمِهَادُ   | ١٧٢٥ |
| ١٩        | الرعد      | صه.لا         | الْأَلْبَبِ  | ١٧٢٦ |
| ٢٠        | الرعد      | صه.لا         | الْمِيَثَقَ  | ١٧٢٧ |
| ٢١        | الرعد      | ط.لا          | الْحِسَابِ   | ١٧٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٢٢        | الرعد      | صه لا         | الْدَّارِ   | ١٧٢٩ |
| ٢٣        | الرعد      | ج.لا          | بَابٍ       | ١٧٣٠ |
| ٢٤        | الرعد      | ط             | الْدَّارِ   | ١٧٣١ |
| ٢٥        | الرعد      | صه            | الْدَّارِ   | ١٧٣٢ |
| ٢٦        | الرعد      | صه            | مَتَاعٌ     | ١٧٣٣ |
| ٢٧        | الرعد      | ج.صلي         | أَنَابَ     | ١٧٣٤ |
| ٢٨        | الرعد      | ط             | الْقُلُوبُ  | ١٧٣٥ |
| ٢٩        | الرعد      | ط             | مَعَابٍ     | ١٧٣٦ |
| ٣٠        | الرعد      | صه            | مَتَابٍ     | ١٧٣٧ |
| ٣١        | الرعد      | صه            | الْمِيعَادُ | ١٧٣٨ |
| ٣٢        | الرعد      | صه            | عِقَابٍ     | ١٧٣٩ |
| ٣٣        | الرعد      | صه            | هَادِ       | ١٧٤٠ |
| ٣٤        | الرعد      | صه            | وَاقِ       | ١٧٤١ |
| ٣٥        | الرعد      | صه            | الْنَّارُ   | ١٧٤٢ |
| ٣٦        | الرعد      | صه            | مَعَابٍ     | ١٧٤٣ |
| ٣٧        | الرعد      | صه            | وَاقِ       | ١٧٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٣٨        | الرعد      | صه            | كتاب      | ١٧٤٥ |
| ٣٩        | الرعد      | صه            | الكتاب    | ١٧٤٦ |
| ٤٠        | الرعد      | صه            | الحساب    | ١٧٤٧ |
| ٤١        | الرعد      | صه            | الحساب    | ١٧٤٨ |
| ٤٢        | الرعد      | صه            | الدار     | ١٧٤٩ |
| ٤٣        | الرعد      | صه            | الكتاب    | ١٧٥٠ |
| ١         | ابراهيم    | طلا           | الحمد     | ١٧٥١ |
| ٢         | ابراهيم    | صهلا          | شديد      | ١٧٥٢ |
| ٣         | ابراهيم    | صه            | بعيد      | ١٧٥٣ |
| ٤         | ابراهيم    | صه            | الحكيم    | ١٧٥٤ |
| ٥         | ابراهيم    | صه            | شكور      | ١٧٥٥ |
| ٦         | ابراهيم    | صه            | عظيم      | ١٧٥٦ |
| ٧         | ابراهيم    | صه            | لشديد     | ١٧٥٧ |
| ٨         | ابراهيم    | صه            | حميد      | ١٧٥٨ |
| ٩         | ابراهيم    | صه            | مرقب      | ١٧٥٩ |
| ١٠        | ابراهيم    | صه            | مبين      | ١٧٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ١١        | ابراهيم    | صه            | الْمُؤْمِنُونَ    | ١٧٦١ |
| ١٢        | ابراهيم    | صه            | الْمُتَوَكِّلُونَ | ١٧٦٢ |
| ١٣        | ابراهيم    | صه لا         | الظَّالِمِينَ     | ١٧٦٣ |
| ١٤        | ابراهيم    | صه            | وَعِيدٍ           | ١٧٦٤ |
| ١٥        | ابراهيم    | لا            | غَنِيدٍ           | ١٧٦٥ |
| ١٦        | ابراهيم    | صه لا         | صَدِيدٍ           | ١٧٦٦ |
| ١٧        | ابراهيم    | صه            | غَلِيلٌ           | ١٧٦٧ |
| ١٨        | ابراهيم    | صه            | الْبَعِيدُ        | ١٧٦٨ |
| ١٩        | ابراهيم    | طلا           | جَدِيدٍ           | ١٧٦٩ |
| ٢٠        | ابراهيم    | صه            | بَعْزِيزٍ         | ١٧٧٠ |
| ٢١        | ابراهيم    | صه            | مَحِيصٍ           | ١٧٧١ |
| ٢٢        | ابراهيم    | صه            | أَلِيمٌ           | ١٧٧٢ |
| ٢٣        | ابراهيم    | ط             | سَلَمٌ            | ١٧٧٣ |
| ٢٤        | ابراهيم    | لا            | السَّمَاءِ        | ١٧٧٤ |
| ٢٥        | ابراهيم    | صه            | يَتَذَكَّرُونَ    | ١٧٧٥ |
| ٢٦        | ابراهيم    | صه            | قَرَارٍ           | ١٧٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية    | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|--------------|------|---------------|----------------------|
| يَشَاءُ      | ١٧٧٧ | صه            | ٢٧ ابراهيم           |
| الْبَوَارِ   | ١٧٧٨ | صه لا         | ٢٨ ابراهيم           |
| الْقَرَارُ   | ١٧٧٩ | صه            | ٢٩ ابراهيم           |
| الْتَّارِ    | ١٧٨٠ | صه            | ٣٠ ابراهيم           |
| خِلْلُ       | ١٧٨١ | صه            | ٣١ ابراهيم           |
| الْأَنْهَرُ  | ١٧٨٢ | ج             | ٣٢ ابراهيم           |
| وَالنَّهَارَ | ١٧٨٣ | ج             | ٣٣ ابراهيم           |
| كَفَّارُ     | ١٧٨٤ | صه            | ٣٤ ابراهيم           |
| الْأَصْنَامَ | ١٧٨٥ | ط             | ٣٥ ابراهيم           |
| رَحِيمُ      | ١٧٨٦ | صه            | ٣٦ ابراهيم           |
| يَشْكُرُونَ  | ١٧٨٧ | صه            | ٣٧ ابراهيم           |
| الْسَّمَاءِ  | ١٧٨٨ | صه            | ٣٨ ابراهيم           |
| الْدُّعَاءِ  | ١٧٨٩ | صه            | ٣٩ ابراهيم           |
| دُعَاءِ      | ١٧٩٠ | صه            | ٤٠ ابراهيم           |
| الْحِسَابُ   | ١٧٩١ | صه            | ٤١ ابراهيم           |
| الْأَبْصَرُ  | ١٧٩٢ | لا            | ٤٢ ابراهيم           |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٤٣        | ابراهيم    | ط             | هَوَاءُ       | ١٧٩٣ |
| ٤٤        | ابراهيم    | صه لا         | زَوَالٍ       | ١٧٩٤ |
| ٤٥        | ابراهيم    | صه            | الْأَمْثَالَ  | ١٧٩٥ |
| ٤٦        | ابراهيم    | ط             | الْجِبَالُ    | ١٧٩٦ |
| ٤٧        | ابراهيم    | ط             | اُنْتِقَامٍ   | ١٧٩٧ |
| ٤٨        | ابراهيم    | صه            | الْقَهَّارِ   | ١٧٩٨ |
| ٤٩        | ابراهيم    | ج.لا          | الْأَصْفَادِ  | ١٧٩٩ |
| ٥٠        | ابراهيم    | صه لا         | الْتَّارُ     | ١٨٠٠ |
| ٥١        | ابراهيم    | صه            | الْحِسَابِ    | ١٨٠١ |
| ٥٢        | ابراهيم    | صه            | الْأَلْبَابِ  | ١٨٠٢ |
| ١         | الحجر      | صه            | مُبِينٌ       | ١٨٠٣ |
| ٢         | الحجر      | صه            | مُسْلِمِينَ   | ١٨٠٤ |
| ٣         | الحجر      | صه            | يَعْلَمُونَ   | ١٨٠٥ |
| ٤         | الحجر      | صه            | مَعْلُومٌ     | ١٨٠٦ |
| ٥         | الحجر      | صه            | يَسْتَخِرُونَ | ١٨٠٧ |
| ٦         | الحجر      | ط بلا         | لَمَجْنُونُّ  | ١٨٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧         | الحجر      | صه            | الصادقين        | ١٨٠٩ |
| ٨         | الحجر      | صه            | مُنْظَرِينَ     | ١٨١٠ |
| ٩         | الحجر      | صه            | لَحَفِظُونَ     | ١٨١١ |
| ١٠        | الحجر      | صه            | الآُولَئِينَ    | ١٨١٢ |
| ١١        | الحجر      | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ١٨١٣ |
| ١٢        | الحجر      | لا            | الْمُجْرِمِينَ  | ١٨١٤ |
| ١٣        | الحجر      | صه            | الآُولَئِينَ    | ١٨١٥ |
| ١٤        | الحجر      | صه لا         | يَعْرُجُونَ     | ١٨١٦ |
| ١٥        | الحجر      | صه            | مَسْحُورُونَ    | ١٨١٧ |
| ١٦        | الحجر      | صه لا         | لِلنَّاظِرِينَ  | ١٨١٨ |
| ١٧        | الحجر      | صه لا         | رَّجِيمٍ        | ١٨١٩ |
| ١٨        | الحجر      | ط             | مُبِينٌ         | ١٨٢٠ |
| ١٩        | الحجر      | صه لا         | مَوْزُونٍ       | ١٨٢١ |
| ٢٠        | الحجر      | صه            | بِرَازِقِينَ    | ١٨٢٢ |
| ٢١        | الحجر      | صه            | مَعْلُومٍ       | ١٨٢٣ |
| ٢٢        | الحجر      | صه            | بِخَزِينَ       | ١٨٢٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية        | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية |
|------------------|------|---------------|---------------------|
| الْوَرِثُونَ     | ١٨٢٥ | صه            | الحجر ٢٣            |
| الْمُسْتَخِرِينَ | ١٨٢٦ | صه            | الحجر ٢٤            |
| عَلِيمٌ          | ١٨٢٧ | صه            | الحجر ٢٥            |
| مَسْنُونٍ        | ١٨٢٨ | ج             | الحجر ٢٦            |
| السَّمُومُ       | ١٨٢٩ | صه            | الحجر ٢٧            |
| مَسْنُونٍ        | ١٨٣٠ | ج.لا          | الحجر ٢٨            |
| سَاجِدِينَ       | ١٨٣١ | صه            | الحجر ٢٩            |
| أَجَمَعُونَ      | ١٨٣٢ | صه.لا         | الحجر ٣٠            |
| السَّاجِدِينَ    | ١٨٣٣ | صه            | الحجر ٣١            |
| السَّاجِدِينَ    | ١٨٣٤ | صه            | الحجر ٣٢            |
| مَسْنُونٍ        | ١٨٣٥ | صه            | الحجر ٣٣            |
| رَجِيمٌ          | ١٨٣٦ | صه.لا         | الحجر ٣٤            |
| الَّدِينِ        | ١٨٣٧ | صه            | الحجر ٣٥            |
| يُبَعِثُونَ      | ١٨٣٨ | صه            | الحجر ٣٦            |
| الْمُنَظَّرِينَ  | ١٨٣٩ | صه.لا         | الحجر ٣٧            |
| الْمَعْلُومُ     | ١٨٤٠ | صه            | الحجر ٣٨            |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣٩        | الحجر      | صه.لا         | أَجْمَعِينَ    | ١٨٤١ |
| ٤٠        | الحجر      | صه            | الْمُخْلَصِينَ | ١٨٤٢ |
| ٤١        | الحجر      | صه            | مُسْتَقِيمٌ    | ١٨٤٣ |
| ٤٢        | الحجر      | صه            | الْغَاوِينَ    | ١٨٤٤ |
| ٤٣        | الحجر      | قف.لا         | أَجْمَعِينَ    | ١٨٤٥ |
| ٤٤        | الحجر      | صه            | مَقْسُومٌ      | ١٨٤٦ |
| ٤٥        | الحجر      | ط.لا          | وَعُيُونٍ      | ١٨٤٧ |
| ٤٦        | الحجر      | صه            | ءَامِينَ       | ١٨٤٨ |
| ٤٧        | الحجر      | صه            | مُتَّقِبِلِينَ | ١٨٤٩ |
| ٤٨        | الحجر      | صه            | بِمُخْرَجِينَ  | ١٨٥٠ |
| ٤٩        | الحجر      | صه.لا         | الرَّحِيمُ     | ١٨٥١ |
| ٥٠        | الحجر      | صه            | الْأَلِيمُ     | ١٨٥٢ |
| ٥١        | الحجر      | لام           | إِبْرَاهِيمَ   | ١٨٥٣ |
| ٥٢        | الحجر      | صه            | وَجِلُونَ      | ١٨٥٤ |
| ٥٣        | الحجر      | صه            | عَلِيهِ        | ١٨٥٥ |
| ٥٤        | الحجر      | صه            | تُبَشِّرُونَ   | ١٨٥٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٥٥        | الحجر      | صه            | الْقَنِطِينَ     | ١٨٥٧ |
| ٥٦        | الحجر      | صه            | الْضَّالُّونَ    | ١٨٥٨ |
| ٥٧        | الحجر      | صه            | الْمُرْسَلُونَ   | ١٨٥٩ |
| ٥٨        | الحجر      | صه.لا         | مُجْرِمِينَ      | ١٨٦٠ |
| ٥٩        | الحجر      | صه.لا         | أَجْمَعِينَ      | ١٨٦١ |
| ٦٠        | الحجر      | صه            | الْغَيْرِينَ     | ١٨٦٢ |
| ٦١        | الحجر      | لا            | الْمُرْسَلُونَ   | ١٨٦٣ |
| ٦٢        | الحجر      | صه            | مُنَكِّرُونَ     | ١٨٦٤ |
| ٦٣        | الحجر      | صه.لا         | يَمْتَرُونَ      | ١٨٦٥ |
| ٦٤        | الحجر      | صه            | لَصَدِّقُونَ     | ١٨٦٦ |
| ٦٥        | الحجر      | صه            | تُؤْمِرُونَ      | ١٨٦٧ |
| ٦٦        | الحجر      | صه            | مُصْبِحِينَ      | ١٨٦٨ |
| ٦٧        | الحجر      | صه            | يَسْتَبَشِّرُونَ | ١٨٦٩ |
| ٦٨        | الحجر      | صه.لا         | تَفْضَحُونِ      | ١٨٧٠ |
| ٦٩        | الحجر      | صه            | تُخْزُونِ        | ١٨٧١ |
| ٧٠        | الحجر      | صه            | الْعَالَمِينَ    | ١٨٧٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية          | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------------|------|
| ٧١        | الحجر      | ط             | فَاعْلِيَنَ        | ١٨٧٣ |
| ٧٢        | الحجر      | صه            | يَعْمَهُونَ        | ١٨٧٤ |
| ٧٣        | الحجر      | طلا           | مُشْرِقِينَ        | ١٨٧٥ |
| ٧٤        | الحجر      | ط             | سِحْلٍ             | ١٨٧٦ |
| ٧٥        | الحجر      | ط             | لِلْمُتَوَسِّمِينَ | ١٨٧٧ |
| ٧٦        | الحجر      | صه            | مُقِيمٍ            | ١٨٧٨ |
| ٧٧        | الحجر      | ط             | لِلْمُؤْمِنِينَ    | ١٨٧٩ |
| ٧٨        | الحجر      | صهلا          | لَظَالِمِينَ       | ١٨٨٠ |
| ٧٩        | الحجر      | ط             | مُبِينٍ            | ١٨٨١ |
| ٨٠        | الحجر      | صهلا          | الْمُرْسَلِينَ     | ١٨٨٢ |
| ٨١        | الحجر      | صهلا          | مُعْرِضِينَ        | ١٨٨٣ |
| ٨٢        | الحجر      | صه            | ءَامِنِينَ         | ١٨٨٤ |
| ٨٣        | الحجر      | صهلا          | مُصْبِحِينَ        | ١٨٨٥ |
| ٨٤        | الحجر      | ط             | يَكُسِبُونَ        | ١٨٨٦ |
| ٨٥        | الحجر      | صه            | الْجَمِيلَ         | ١٨٨٧ |
| ٨٦        | الحجر      | صه            | الْعَلِيمُ         | ١٨٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية          | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------------|------|
| ٨٧        | الحجر      | صه            | الْعَظِيمَ         | ١٨٨٩ |
| ٨٨        | الحجر      | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ    | ١٨٩٠ |
| ٨٩        | الحجر      | ج.لا          | الْمُبِينُ         | ١٨٩١ |
| ٩٠        | الحجر      | لا            | الْمُقْتَسِمِينَ   | ١٨٩٢ |
| ٩١        | الحجر      | صه            | عِضِينَ            | ١٨٩٣ |
| ٩٢        | الحجر      | لا            | أَجْمَعِينَ        | ١٨٩٤ |
| ٩٣        | الحجر      | صه            | يَعْمَلُونَ        | ١٨٩٥ |
| ٩٤        | الحجر      | صه            | الْمُشْرِكِينَ     | ١٨٩٦ |
| ٩٥        | الحجر      | لا            | الْمُسْتَهْزِئِينَ | ١٨٩٧ |
| ٩٦        | الحجر      | صه            | يَعْلَمُونَ        | ١٨٩٨ |
| ٩٧        | الحجر      | صه.لا         | يَقُولُونَ         | ١٨٩٩ |
| ٩٨        | الحجر      | صه.لا         | السَّاجِدِينَ      | ١٩٠٠ |
| ٩٩        | الحجر      | صه            | الْيَقِينُ         | ١٩٠١ |
| ١         | النحل      | صه            | يُشْرِكُونَ        | ١٩٠٢ |
| ٢         | النحل      | صه            | فَاتَّقُونِ        | ١٩٠٣ |
| ٣         | النحل      | صه            | يُشْرِكُونَ        | ١٩٠٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤         | النحل      | صه            | مُبِينٌ        | ١٩٠٥ |
| ٥         | النحل      | ض             | تَأْكُلُونَ    | ١٩٠٦ |
| ٦         | النحل      | ض             | تَسْرَحُونَ    | ١٩٠٧ |
| ٧         | النحل      | صه لا         | رَّحِيمٌ       | ١٩٠٨ |
| ٨         | النحل      | صه            | تَعْلَمُونَ    | ١٩٠٩ |
| ٩         | النحل      | صه            | أَجْمَعِينَ    | ١٩١٠ |
| ١٠        | النحل      | صه            | تُسِيمُونَ     | ١٩١١ |
| ١١        | النحل      | صه            | يَتَفَكَّرُونَ | ١٩١٢ |
| ١٢        | النحل      | صه لا         | يَعْقِلُونَ    | ١٩١٣ |
| ١٣        | النحل      | صه            | يَذَّكَّرُونَ  | ١٩١٤ |
| ١٤        | النحل      | صه            | تَشْكُرُونَ    | ١٩١٥ |
| ١٥        | النحل      | صه لا         | تَهْتَدُونَ    | ١٩١٦ |
| ١٦        | النحل      | صه            | يَهْتَدُونَ    | ١٩١٧ |
| ١٧        | النحل      | ط             | تَذَكَّرُونَ   | ١٩١٨ |
| ١٨        | النحل      | صه            | رَّحِيمٌ       | ١٩١٩ |
| ١٩        | النحل      | صه            | تُعْلِنُونَ    | ١٩٢٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية          | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------------|------|
| ٢٠        | النحل      | ط             | يُخْلِقُونَ        | ١٩٢١ |
| ٢١        | النحل      | صه            | يُبَعْثُونَ        | ١٩٢٢ |
| ٢٢        | النحل      | صه            | مُسْتَكَبِرُونَ    | ١٩٢٣ |
| ٢٣        | النحل      | صه            | الْمُسْتَكَبِرِينَ | ١٩٢٤ |
| ٢٤        | النحل      | صه.لا         | الْأَوَّلِينَ      | ١٩٢٥ |
| ٢٥        | النحل      | صه            | يَزِرُونَ          | ١٩٢٦ |
| ٢٦        | النحل      | صه            | يَشْعُرُونَ        | ١٩٢٧ |
| ٢٧        | النحل      | صه.لا         | الْكُفَّارِينَ     | ١٩٢٨ |
| ٢٨        | النحل      | صه            | تَعْمَلُونَ        | ١٩٢٩ |
| ٢٩        | النحل      | صه            | الْمُتَكَبِّرِينَ  | ١٩٣٠ |
| ٣٠        | النحل      | صه.لا         | الْمُتَّقِينَ      | ١٩٣١ |
| ٣١        | النحل      | صه.لا         | الْمُتَّقِينَ      | ١٩٣٢ |
| ٣٢        | النحل      | صه            | تَعْمَلُونَ        | ١٩٣٣ |
| ٣٣        | النحل      | صه            | يَظْلِمُونَ        | ١٩٣٤ |
| ٣٤        | النحل      | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ    | ١٩٣٥ |
| ٣٥        | النحل      | صه            | الْمُبِينُ         | ١٩٣٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٦        | النحل      | صه            | الْمُكَذِّبِينَ | ١٩٣٧ |
| ٣٧        | النحل      | صه            | نَّاصِرِينَ     | ١٩٣٨ |
| ٣٨        | النحل      | صه.لا         | يَعْلَمُونَ     | ١٩٣٩ |
| ٣٩        | النحل      | صه            | كَذِيبِينَ      | ١٩٤٠ |
| ٤٠        | النحل      | صه            | فَيَكُونُ       | ١٩٤١ |
| ٤١        | النحل      | صه.لا         | يَعْلَمُونَ     | ١٩٤٢ |
| ٤٢        | النحل      | صه            | يَتَوَكَّلُونَ  | ١٩٤٣ |
| ٤٣        | النحل      | صه.لا         | تَعْلَمُونَ     | ١٩٤٤ |
| ٤٤        | النحل      | صه            | يَتَفَكَّرُونَ  | ١٩٤٥ |
| ٤٥        | النحل      | صه.لا         | يَشْعُرُونَ     | ١٩٤٦ |
| ٤٦        | النحل      | صه.لا         | بِمُعْجِزِينَ   | ١٩٤٧ |
| ٤٧        | النحل      | صه            | رَّحِيمٌ        | ١٩٤٨ |
| ٤٨        | النحل      | صه            | دَاخِرُونَ      | ١٩٤٩ |
| ٤٩        | النحل      | صه.لا         | يَسْتَكْبِرُونَ | ١٩٥٠ |
| ٥٠        | النحل      | صه            | يُؤْمِرُونَ     | ١٩٥١ |
| ٥١        | النحل      | صه            | فَارَّهَبُونِ   | ١٩٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٥٢        | النحل      | صه            | تَتَّقُونَ      | ١٩٥٣ |
| ٥٣        | النحل      | ج             | تَجْئِرُونَ     | ١٩٥٤ |
| ٥٤        | النحل      | صه لا         | يُشَرِّكُونَ    | ١٩٥٥ |
| ٥٥        | النحل      | صه            | تَعْلَمُونَ     | ١٩٥٦ |
| ٥٦        | النحل      | صه            | تَفَتَّرُونَ    | ١٩٥٧ |
| ٥٧        | النحل      | صه            | يَشَتَّهُونَ    | ١٩٥٨ |
| ٥٨        | النحل      | ج. لا         | كَظِيمٌ         | ١٩٥٩ |
| ٥٩        | النحل      | صه            | يَحْكُمُونَ     | ١٩٦٠ |
| ٦٠        | النحل      | صه            | الْحَكِيمُ      | ١٩٦١ |
| ٦١        | النحل      | صه            | يَسْتَقْدِمُونَ | ١٩٦٢ |
| ٦٢        | النحل      | صه            | مُفَرِّطُونَ    | ١٩٦٣ |
| ٦٣        | النحل      | صه            | أَلَيْمٌ        | ١٩٦٤ |
| ٦٤        | النحل      | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ١٩٦٥ |
| ٦٥        | النحل      | صه            | يَسْمَعُونَ     | ١٩٦٦ |
| ٦٦        | النحل      | صه لا         | لِلشَّرِّينَ    | ١٩٦٧ |
| ٦٧        | النحل      | صه            | يَعْقِلُونَ     | ١٩٦٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦٨        | النحل      | صه لا         | يَعْرِشُونَ    | ١٩٦٩ |
| ٦٩        | النحل      | صه            | يَتَفَكَّرُونَ | ١٩٧٠ |
| ٧٠        | النحل      | صه            | قَدِيرٌ        | ١٩٧١ |
| ٧١        | النحل      | صه            | يَجْحَدُونَ    | ١٩٧٢ |
| ٧٢        | النحل      | صه لا         | يَكُفُرُونَ    | ١٩٧٣ |
| ٧٣        | النحل      | ج             | يَسْتَطِيعُونَ | ١٩٧٤ |
| ٧٤        | النحل      | صه            | تَعْلَمُونَ    | ١٩٧٥ |
| ٧٥        | النحل      | صه            | يَعْلَمُونَ    | ١٩٧٦ |
| ٧٦        | النحل      | صه            | مُسْتَقِيمٍ    | ١٩٧٧ |
| ٧٧        | النحل      | صه            | قَدِيرٌ        | ١٩٧٨ |
| ٧٨        | النحل      | صه            | تَشَكُّرُونَ   | ١٩٧٩ |
| ٧٩        | النحل      | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ١٩٨٠ |
| ٨٠        | النحل      | صه            | حِينٍ          | ١٩٨١ |
| ٨١        | النحل      | صه            | تُسْلِمُونَ    | ١٩٨٢ |
| ٨٢        | النحل      | صه            | الْمُبِينُ     | ١٩٨٣ |
| ٨٣        | النحل      | صه            | الْكَافِرُونَ  | ١٩٨٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٨٤        | النحل      | صه            | يُسْتَعْتَبُونَ | ١٩٨٥ |
| ٨٥        | النحل      | صه            | يُنَظِّرُونَ    | ١٩٨٦ |
| ٨٦        | النحل      | ج             | لَكَذِبُونَ     | ١٩٨٧ |
| ٨٧        | النحل      | صه            | يَقْتَرُونَ     | ١٩٨٨ |
| ٨٨        | النحل      | صه            | يُفْسِدُونَ     | ١٩٨٩ |
| ٨٩        | النحل      | صه            | لِلْمُسْلِمِينَ | ١٩٩٠ |
| ٩٠        | النحل      | صه            | تَذَكَّرُونَ    | ١٩٩١ |
| ٩١        | النحل      | صه            | تَفْعَلُونَ     | ١٩٩٢ |
| ٩٢        | النحل      | صه            | تَخْتَلِفُونَ   | ١٩٩٣ |
| ٩٣        | النحل      | صه            | تَعْمَلُونَ     | ١٩٩٤ |
| ٩٤        | النحل      | صه            | عَظِيمٌ         | ١٩٩٥ |
| ٩٥        | النحل      | صه            | تَعْلَمُونَ     | ١٩٩٦ |
| ٩٦        | النحل      | ط             | يَعْمَلُونَ     | ١٩٩٧ |
| ٩٧        | النحل      | ج             | يَعْمَلُونَ     | ١٩٩٨ |
| ٩٨        | النحل      | صه            | الرَّحِيمُ      | ١٩٩٩ |
| ٩٩        | النحل      | صه            | يَتَوَكَّلُونَ  | ٢٠٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٠٠       | النحل      | صه            | مُشْرِكُونَ     | ٢٠٠١ |
| ١٠١       | النحل      | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٢٠٠٢ |
| ١٠٢       | النحل      | صه            | لِلْمُسْلِمِينَ | ٢٠٠٣ |
| ١٠٣       | النحل      | صه            | مُّبِينٌ        | ٢٠٠٤ |
| ١٠٤       | النحل      | صه            | الْيَمِ         | ٢٠٠٥ |
| ١٠٥       | النحل      | صه            | الْكَذَّابُونَ  | ٢٠٠٦ |
| ١٠٦       | النحل      | صه            | عَظِيمٌ         | ٢٠٠٧ |
| ١٠٧       | النحل      | صه            | الْكُفَّارِينَ  | ٢٠٠٨ |
| ١٠٨       | النحل      | صه            | الْغَافِلُونَ   | ٢٠٠٩ |
| ١٠٩       | النحل      | صه            | الْخَاسِرُونَ   | ٢٠١٠ |
| ١١٠       | النحل      | صه            | رَّحِيمٌ        | ٢٠١١ |
| ١١١       | النحل      | صه            | يُظْلِمُونَ     | ٢٠١٢ |
| ١١٢       | النحل      | صه            | يَصْنَعُونَ     | ٢٠١٣ |
| ١١٣       | النحل      | صه            | ظَالِمُونَ      | ٢٠١٤ |
| ١١٤       | النحل      | صه            | تَعْبُدُونَ     | ٢٠١٥ |
| ١١٥       | النحل      | صه            | رَّحِيمٌ        | ٢٠١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ١١٦       | النحل      | ط             | يُفْلِحُونَ       | ٢٠١٧ |
| ١١٧       | النحل      | صه            | أَلَيْمٌ          | ٢٠١٨ |
| ١١٨       | النحل      | صه            | يَظْلِمُونَ       | ٢٠١٩ |
| ١١٩       | النحل      | صه            | رَّحِيمٌ          | ٢٠٢٠ |
| ١٢٠       | النحل      | صه لا         | الْمُشْرِكِينَ    | ٢٠٢١ |
| ١٢١       | النحل      | صه            | مُسْتَقِيمٍ       | ٢٠٢٢ |
| ١٢٢       | النحل      | ط             | الصَّابِرِينَ     | ٢٠٢٣ |
| ١٢٣       | النحل      | صه            | الْمُشْرِكِينَ    | ٢٠٢٤ |
| ١٢٤       | النحل      | صه            | يَخْتَلِفُونَ     | ٢٠٢٥ |
| ١٢٥       | النحل      | صه            | بِالْمُهَتَّدِينَ | ٢٠٢٦ |
| ١٢٦       | النحل      | صه            | لِلصَّابِرِينَ    | ٢٠٢٧ |
| ١٢٧       | النحل      | صه            | يَمْكُرُونَ       | ٢٠٢٨ |
| ١٢٨       | النحل      | صه            | مُحسِنُونَ        | ٢٠٢٩ |
| ١         | الإسراء    | صه            | الْبَصِيرُ        | ٢٠٣٠ |
| ٢         | الإسراء    | ط بلا         | وَكِيلًا          | ٢٠٣١ |
| ٣         | الإسراء    | صه            | شَكُورًا          | ٢٠٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٤         | الإسراء    | صه            | كِبِيرًا   | ٢٠٣٣ |
| ٥         | الإسراء    | صه            | مَفْعُولًا | ٢٠٣٤ |
| ٦         | الإسراء    | صه            | نَفِيرًا   | ٢٠٣٥ |
| ٧         | الإسراء    | صه            | تَثِيرًا   | ٢٠٣٦ |
| ٨         | الإسراء    | صه            | حَصِيرًا   | ٢٠٣٧ |
| ٩         | الإسراء    | لا            | كِبِيرًا   | ٢٠٣٨ |
| ١٠        | الإسراء    | صه            | أَلِيمًا   | ٢٠٣٩ |
| ١١        | الإسراء    | صه            | عَجُولًا   | ٢٠٤٠ |
| ١٢        | الإسراء    | صه            | تَفْصِيلًا | ٢٠٤١ |
| ١٣        | الإسراء    | صه            | مَنْشُورًا | ٢٠٤٢ |
| ١٤        | الإسراء    | ط             | حَسِيبًا   | ٢٠٤٣ |
| ١٥        | الإسراء    | صه            | رَسُولًا   | ٢٠٤٤ |
| ١٦        | الإسراء    | صه            | تَدْمِيرًا | ٢٠٤٥ |
| ١٧        | الإسراء    | صه            | بَصِيرًا   | ٢٠٤٦ |
| ١٨        | الإسراء    | صه            | مَذْحُورًا | ٢٠٤٧ |
| ١٩        | الإسراء    | صه            | مَشْكُورًا | ٢٠٤٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية  | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية | الإسراء |
|------------|------|---------------|---------------------|---------|
| مَحْظُورًا | ٢٠٤٩ | صه            | ٢٠                  | الإسراء |
| تَفْضِيلًا | ٢٠٥٠ | صه            | ٢١                  | الإسراء |
| مَخْذُولًا | ٢٠٥١ | صه            | ٢٢                  | الإسراء |
| كَرِيمًا   | ٢٠٥٢ | صه            | ٢٣                  | الإسراء |
| صَغِيرًا   | ٢٠٥٣ | ط             | ٢٤                  | الإسراء |
| غَفُورًا   | ٢٠٥٤ | صه            | ٢٥                  | الإسراء |
| تَبْذِيرًا | ٢٠٥٥ | صه            | ٢٦                  | الإسراء |
| كُفُورًا   | ٢٠٥٦ | صه            | ٢٧                  | الإسراء |
| مَيْسُورًا | ٢٠٥٧ | صه            | ٢٨                  | الإسراء |
| مَحْسُورًا | ٢٠٥٨ | صه            | ٢٩                  | الإسراء |
| بَصِيرًا   | ٢٠٥٩ | صه            | ٣٠                  | الإسراء |
| كَبِيرًا   | ٢٠٦٠ | صه            | ٣١                  | الإسراء |
| سَيِّلًا   | ٢٠٦١ | صه            | ٣٢                  | الإسراء |
| مَنْصُورًا | ٢٠٦٢ | صه            | ٣٣                  | الإسراء |
| مَسْئُولًا | ٢٠٦٣ | صه            | ٣٤                  | الإسراء |
| تَأْوِيلًا | ٢٠٦٤ | صه            | ٣٥                  | الإسراء |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٣٦        | الإسراء    | صه            | مَسْؤُلاً  | ٢٠٦٥ |
| ٣٧        | الإسراء    | صه            | طُولًا     | ٢٠٦٦ |
| ٣٨        | الإسراء    | صه            | مَكْرُوهًا | ٢٠٦٧ |
| ٣٩        | الإسراء    | صه            | مَدْحُورًا | ٢٠٦٨ |
| ٤٠        | الإسراء    | صه            | عَظِيمًا   | ٢٠٦٩ |
| ٤١        | الإسراء    | صه            | نُفُورًا   | ٢٠٧٠ |
| ٤٢        | الإسراء    | صه            | سِيلًا     | ٢٠٧١ |
| ٤٣        | الإسراء    | صه            | كَبِيرًا   | ٢٠٧٢ |
| ٤٤        | الإسراء    | صه            | غَفُورًا   | ٢٠٧٣ |
| ٤٥        | الإسراء    | صه لا         | مَسْتُورًا | ٢٠٧٤ |
| ٤٦        | الإسراء    | صه            | نُفُورًا   | ٢٠٧٥ |
| ٤٧        | الإسراء    | صه            | مَسْحُورًا | ٢٠٧٦ |
| ٤٨        | الإسراء    | صه            | سِيلًا     | ٢٠٧٧ |
| ٤٩        | الإسراء    | صه            | جَدِيدًا   | ٢٠٧٨ |
| ٥٠        | الإسراء    | لا            | حَدِيدًا   | ٢٠٧٩ |
| ٥١        | الإسراء    | صه            | قَرِيبًا   | ٢٠٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٥٢        | الإسراء    | صه            | قَلِيلًا   | ٢٠٨١ |
| ٥٣        | الإسراء    | صه            | مُبِينًا   | ٢٠٨٢ |
| ٥٤        | الإسراء    | صه            | وَكِيلًا   | ٢٠٨٣ |
| ٥٥        | الإسراء    | صه            | زَبُورًا   | ٢٠٨٤ |
| ٥٦        | الإسراء    | صه            | تَخْوِيلًا | ٢٠٨٥ |
| ٥٧        | الإسراء    | صه            | مَحْذُورًا | ٢٠٨٦ |
| ٥٨        | الإسراء    | صه            | مَسْطُورًا | ٢٠٨٧ |
| ٥٩        | الإسراء    | صه            | تَخْوِيفًا | ٢٠٨٨ |
| ٦٠        | الإسراء    | صه            | كَبِيرًا   | ٢٠٨٩ |
| ٦١        | الإسراء    | ج             | طِينًا     | ٢٠٩٠ |
| ٦٢        | الإسراء    | صه            | قَلِيلًا   | ٢٠٩١ |
| ٦٣        | الإسراء    | صه            | مَوْفُورًا | ٢٠٩٢ |
| ٦٤        | الإسراء    | صه            | غُرُورًا   | ٢٠٩٣ |
| ٦٥        | الإسراء    | صه            | وَكِيلًا   | ٢٠٩٤ |
| ٦٦        | الإسراء    | صه            | رَحِيمًا   | ٢٠٩٥ |
| ٦٧        | الإسراء    | صه            | كُفُورًا   | ٢٠٩٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٦٨        | الإسراء    | صه.لا         | وَكِيلًا   | ٢٠٩٧ |
| ٦٩        | الإسراء    | صه            | تَبِيعًا   | ٢٠٩٨ |
| ٧٠        | الإسراء    | صه            | تَفْضِيلًا | ٢٠٩٩ |
| ٧١        | الإسراء    | صه            | فَتِيلًا   | ٢١٠٠ |
| ٧٢        | الإسراء    | صه            | سَيِّلًا   | ٢١٠١ |
| ٧٣        | الإسراء    | صه            | خَلِيلًا   | ٢١٠٢ |
| ٧٤        | الإسراء    | ق.لا          | قَلِيلًا   | ٢١٠٣ |
| ٧٥        | الإسراء    | صه            | نَصِيرًا   | ٢١٠٤ |
| ٧٦        | الإسراء    | صه            | قَلِيلًا   | ٢١٠٥ |
| ٧٧        | الإسراء    | صه            | تَحْوِيلًا | ٢١٠٦ |
| ٧٨        | الإسراء    | صه            | مَشْهُودًا | ٢١٠٧ |
| ٧٩        | الإسراء    | صه            | مَحْمُودًا | ٢١٠٨ |
| ٨٠        | الإسراء    | صه            | نَصِيرًا   | ٢١٠٩ |
| ٨١        | الإسراء    | صه            | زَهْوَقًا  | ٢١١٠ |
| ٨٢        | الإسراء    | صه            | خَسَارًا   | ٢١١١ |
| ٨٣        | الإسراء    | صه            | يَؤْسَا    | ٢١١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٨٤        | الإسراء    | صه            | سَيِّلًا   | ٢١١٣ |
| ٨٥        | الإسراء    | صه            | قَلِيلًا   | ٢١١٤ |
| ٨٦        | الإسراء    | صه لا         | وَكِيلًا   | ٢١١٥ |
| ٨٧        | الإسراء    | صه            | كِيرًا     | ٢١١٦ |
| ٨٨        | الإسراء    | صه            | ظَهِيرًا   | ٢١١٧ |
| ٨٩        | الإسراء    | صه            | كُفُورًا   | ٢١١٨ |
| ٩٠        | الإسراء    | صه لا         | يَئُونُوا  | ٢١١٩ |
| ٩١        | الإسراء    | لا            | تَفْجِيرًا | ٢١٢٠ |
| ٩٢        | الإسراء    | لا            | قَبِيلًا   | ٢١٢١ |
| ٩٣        | الإسراء    | صه            | رَسُولًا   | ٢١٢٢ |
| ٩٤        | الإسراء    | صه            | رَسُولًا   | ٢١٢٣ |
| ٩٥        | الإسراء    | صه            | رَسُولًا   | ٢١٢٤ |
| ٩٦        | الإسراء    | صه            | بَصِيرًا   | ٢١٢٥ |
| ٩٧        | الإسراء    | صه            | سَعِيرًا   | ٢١٢٦ |
| ٩٨        | الإسراء    | صه            | جَدِيدًا   | ٢١٢٧ |
| ٩٩        | الإسراء    | صه            | كُفُورًا   | ٢١٢٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٠٠       | الإسراء    | صه            | قَتُورَا     | ٢١٢٩ |
| ١٠١       | الإسراء    | صه            | مَسْحُورًا   | ٢١٣٠ |
| ١٠٢       | الإسراء    | صه            | مَثْبُورًا   | ٢١٣١ |
| ١٠٣       | الإسراء    | صه لا         | جَمِيعًا     | ٢١٣٢ |
| ١٠٤       | الإسراء    | ط             | لَفِيفًا     | ٢١٣٣ |
| ١٠٥       | الإسراء    | م             | وَنَذِيرًا   | ٢١٣٤ |
| ١٠٦       | الإسراء    | صه            | تَنْزِيلًا   | ٢١٣٥ |
| ١٠٧       | الإسراء    | لا            | سُجَّدًا     | ٢١٣٦ |
| ١٠٨       | الإسراء    | صه            | لَمَفْعُولًا | ٢١٣٧ |
| ١٠٩       | الإسراء    | صه            | خُشُوعًا     | ٢١٣٨ |
| ١١٠       | الإسراء    | صه            | سِيِّلًا     | ٢١٣٩ |
| ١١١       | الإسراء    | صه            | تَكَبِّيرًا  | ٢١٤٠ |
| ١         | الكهف      | س.ط           | عِوَجَّا     | ٢١٤١ |
| ٢         | الكهف      | لا            | حَسَنًا      | ٢١٤٢ |
| ٣         | الكهف      | لا            | أَبَدًا      | ٢١٤٣ |
| ٤         | الكهف      | ق             | وَلَدًا      | ٢١٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٥         | الكهف      | صه            | كَذِبًا   | ٢١٤٥ |
| ٦         | الكهف      | صه            | أَسْفًا   | ٢١٤٦ |
| ٧         | الكهف      | صه            | عَمَلاً   | ٢١٤٧ |
| ٨         | الكهف      | ط             | جُرُزاً   | ٢١٤٨ |
| ٩         | الكهف      | صه            | غَجَبًا   | ٢١٤٩ |
| ١٠        | الكهف      | صه            | رَشَدًا   | ٢١٥٠ |
| ١١        | الكهف      | لا            | عَدَدًا   | ٢١٥١ |
| ١٢        | الكهف      | صه            | أَمَدًا   | ٢١٥٢ |
| ١٣        | الكهف      | صلي           | هُدَى     | ٢١٥٣ |
| ١٤        | الكهف      | صه            | شَطَطًا   | ٢١٥٤ |
| ١٥        | الكهف      | ط             | كَذِبًا   | ٢١٥٥ |
| ١٦        | الكهف      | صه            | مِرْفَقًا | ٢١٥٦ |
| ١٧        | الكهف      | صه            | مُرْشِدًا | ٢١٥٧ |
| ١٨        | الكهف      | صه            | رُعَبَا   | ٢١٥٨ |
| ١٩        | الكهف      | صه            | أَحَدًا   | ٢١٥٩ |
| ٢٠        | الكهف      | صه            | أَبَدًا   | ٢١٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٢١        | الكهف      | صه            | مَسْجِدًا   | ٢١٦١ |
| ٢٢        | الكهف      | صه            | أَحَدًا     | ٢١٦٢ |
| ٢٣        | الكهف      | لا            | غَدًا       | ٢١٦٣ |
| ٢٤        | الكهف      | صه            | رَشَدًا     | ٢١٦٤ |
| ٢٥        | الكهف      | صه            | تِسْعًا     | ٢١٦٥ |
| ٢٦        | الكهف      | صه            | أَحَدًا     | ٢١٦٦ |
| ٢٧        | الكهف      | صه            | مُلْتَحَدًا | ٢١٦٧ |
| ٢٨        | الكهف      | صه            | فُرُطًا     | ٢١٦٨ |
| ٢٩        | الكهف      | صه            | مُرْتَفَقًا | ٢١٦٩ |
| ٣٠        | الكهف      | ج             | عَمَلًا     | ٢١٧٠ |
| ٣١        | الكهف      | صه            | مُرْتَفَقًا | ٢١٧١ |
| ٣٢        | الكهف      | ط             | زَرْعًا     | ٢١٧٢ |
| ٣٣        | الكهف      | لا            | نَهَرًا     | ٢١٧٣ |
| ٣٤        | الكهف      | صه            | نَفَرًا     | ٢١٧٤ |
| ٣٥        | الكهف      | لا            | أَبَدًا     | ٢١٧٥ |
| ٣٦        | الكهف      | صه            | مُنْقَلَبًا | ٢١٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٣٧        | الكهف      | ط             | رَجُلًا     | ٢١٧٧ |
| ٣٨        | الكهف      | صه            | أَحَدًا     | ٢١٧٨ |
| ٣٩        | الكهف      | ج.لا          | وَوَلَدًا   | ٢١٧٩ |
| ٤٠        | الكهف      | صه.لا         | زَلَقًا     | ٢١٨٠ |
| ٤١        | الكهف      | ط             | ظَلَبَا     | ٢١٨١ |
| ٤٢        | الكهف      | صه            | أَحَدًا     | ٢١٨٢ |
| ٤٣        | الكهف      | ط             | مُنْتَصِرًا | ٢١٨٣ |
| ٤٤        | الكهف      | صه            | عُقبَا      | ٢١٨٤ |
| ٤٥        | الكهف      | صه            | مُقْتَدِرًا | ٢١٨٥ |
| ٤٦        | الكهف      | صه            | أَمَلًا     | ٢١٨٦ |
| ٤٧        | الكهف      | ج             | أَحَدًا     | ٢١٨٧ |
| ٤٨        | الكهف      | صه            | مَوْعِدًا   | ٢١٨٨ |
| ٤٩        | الكهف      | صه            | أَحَدًا     | ٢١٨٩ |
| ٥٠        | الكهف      | صه            | بَدَلًا     | ٢١٩٠ |
| ٥١        | الكهف      | صه            | عَضْدًا     | ٢١٩١ |
| ٥٢        | الكهف      | صه            | مَوْبِقًا   | ٢١٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٥٣        | الكهف      | صه            | مَصْرِفًا | ٢١٩٣ |
| ٥٤        | الكهف      | صه            | جَدَّاً   | ٢١٩٤ |
| ٥٥        | الكهف      | صه            | قُبْلًا   | ٢١٩٥ |
| ٥٦        | الكهف      | ط             | هُزُوا    | ٢١٩٦ |
| ٥٧        | الكهف      | صه            | أَبَدًا   | ٢١٩٧ |
| ٥٨        | الكهف      | صه            | مَوْيَلًا | ٢١٩٨ |
| ٥٩        | الكهف      | صه            | مَوْعِدًا | ٢١٩٩ |
| ٦٠        | الكهف      | صه            | حُقْبَا   | ٢٢٠٠ |
| ٦١        | الكهف      | صه            | سَرَبَا   | ٢٢٠١ |
| ٦٢        | الكهف      | صه            | نَصَبَا   | ٢٢٠٢ |
| ٦٣        | الكهف      | صه            | عَجَبَا   | ٢٢٠٣ |
| ٦٤        | الكهف      | لا            | قَصَصَا   | ٢٢٠٤ |
| ٦٥        | الكهف      | صه            | عِلْمًا   | ٢٢٠٥ |
| ٦٦        | الكهف      | صه            | رُشْدًا   | ٢٢٠٦ |
| ٦٧        | الكهف      | صه            | صَبْرًا   | ٢٢٠٧ |
| ٦٨        | الكهف      | صه            | خُبْرًا   | ٢٢٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٦٩        | الكهف      | صه            | أمراً     | ٢٢٠٩ |
| ٧٠        | الكهف      | صه            | ذكراً     | ٢٢١٠ |
| ٧١        | الكهف      | صه            | إمراً     | ٢٢١١ |
| ٧٢        | الكهف      | صه            | صبراً     | ٢٢١٢ |
| ٧٣        | الكهف      | صه            | عسراً     | ٢٢١٣ |
| ٧٤        | الكهف      | صه            | نثراً     | ٢٢١٤ |
| ٧٥        | الكهف      | صه            | صبراً     | ٢٢١٥ |
| ٧٦        | الكهف      | صه            | عذرًا     | ٢٢١٦ |
| ٧٧        | الكهف      | صه            | أجرًا     | ٢٢١٧ |
| ٧٨        | الكهف      | صه            | صبراً     | ٢٢١٨ |
| ٧٩        | الكهف      | صه            | غضباً     | ٢٢١٩ |
| ٨٠        | الكهف      | ج             | وكفراً    | ٢٢٢٠ |
| ٨١        | الكهف      | صه            | رحمًا     | ٢٢٢١ |
| ٨٢        | الكهف      | ط             | صبراً     | ٢٢٢٢ |
| ٨٣        | الكهف      | ط             | ذكراً     | ٢٢٢٣ |
| ٨٤        | الكهف      | لا            | سبباً     | ٢٢٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٨٥        | الكهف      | لا            | سَبِّا    | ٢٢٢٥ |
| ٨٦        | الكهف      | ط             | حُسْنَا   | ٢٢٢٦ |
| ٨٧        | الكهف      | صه            | نُكْرَا   | ٢٢٢٧ |
| ٨٨        | الكهف      | ط             | يُسْرَا   | ٢٢٢٨ |
| ٨٩        | الكهف      | لا            | سَبِّا    | ٢٢٢٩ |
| ٩٠        | الكهف      | لا            | سِتْرَا   | ٢٢٣٠ |
| ٩١        | الكهف      | صه            | خُبْرَا   | ٢٢٣١ |
| ٩٢        | الكهف      | لا            | سَبِّا    | ٢٢٣٢ |
| ٩٣        | الكهف      | صه            | قَوْلَا   | ٢٢٣٣ |
| ٩٤        | الكهف      | صه            | سَدَا     | ٢٢٣٤ |
| ٩٥        | الكهف      | صه لا         | رَدْمًا   | ٢٢٣٥ |
| ٩٦        | الكهف      | ط             | قِطْرَا   | ٢٢٣٦ |
| ٩٧        | الكهف      | صه            | نَقْبَا   | ٢٢٣٧ |
| ٩٨        | الكهف      | ط             | حَقَّا    | ٢٢٣٨ |
| ٩٩        | الكهف      | صه لا         | جَمْعًا   | ٢٢٣٩ |
| ١٠٠       | الكهف      | لا            | عَرْضًا   | ٢٢٤٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ١٠١       | الكهف      | صه            | سَمِعًا    | ٢٢٤١ |
| ١٠٢       | الكهف      | ط             | نُرُّلًا   | ٢٢٤٢ |
| ١٠٣       | الكهف      | طلا           | أَعْمَلًا  | ٢٢٤٣ |
| ١٠٤       | الكهف      | صه            | صُنْعًا    | ٢٢٤٤ |
| ١٠٥       | الكهف      | صه            | وَزَنًا    | ٢٢٤٥ |
| ١٠٦       | الكهف      | صه            | هُزُوا     | ٢٢٤٦ |
| ١٠٧       | الكهف      | لا            | نُرُّلًا   | ٢٢٤٧ |
| ١٠٨       | الكهف      | صه            | حِوَلًا    | ٢٢٤٨ |
| ١٠٩       | الكهف      | صه لا         | مَدَدًا    | ٢٢٤٩ |
| ١١٠       | الكهف      | صه            | أَحَدًا    | ٢٢٥٠ |
| ١         | مريم       | ج             | كَهِيْعَضَ | ٢٢٥١ |
| ٢         | مريم       | ج.صلي.لا      | زَكَرِيَاً | ٢٢٥٢ |
| ٣         | مريم       | صه            | خَفِيَّاً  | ٢٢٥٣ |
| ٤         | مريم       | صه            | شَقِيَّاً  | ٢٢٥٤ |
| ٥         | مريم       | ج.لا          | وَلِيَاً   | ٢٢٥٥ |
| ٦         | مريم       | صه            | رَضِيَّاً  | ٢٢٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٧         | مریم       | صه            | سَمِيَّاً   | ٢٢٥٧ |
| ٨         | مریم       | صه            | عِتِيَّاً   | ٢٢٥٨ |
| ٩         | مریم       | صه            | شَيْعَةً    | ٢٢٥٩ |
| ١٠        | مریم       | صه            | سَوِيَّاً   | ٢٢٦٠ |
| ١١        | مریم       | صه            | وَعَشِيَّاً | ٢٢٦١ |
| ١٢        | مریم       | صه لا         | صَبِيَّاً   | ٢٢٦٢ |
| ١٣        | مریم       | صه لا         | تَقِيَّاً   | ٢٢٦٣ |
| ١٤        | مریم       | صه            | عَصِيَّاً   | ٢٢٦٤ |
| ١٥        | مریم       | صه            | حَيَّا      | ٢٢٦٥ |
| ١٦        | مریم       | لا            | شَرْقِيَّاً | ٢٢٦٦ |
| ١٧        | مریم       | صه            | سَوِيَّاً   | ٢٢٦٧ |
| ١٨        | مریم       | صه            | تَقِيَّاً   | ٢٢٦٨ |
| ١٩        | مریم       | صه            | زَكِيَّاً   | ٢٢٦٩ |
| ٢٠        | مریم       | صه            | بَغِيَّاً   | ٢٢٧٠ |
| ٢١        | مریم       | صه            | مَقْضِيَّاً | ٢٢٧١ |
| ٢٢        | مریم       | صه            | قَصِيَّاً   | ٢٢٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| ت    | رأس الآية   | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_ الآية |    |
|------|-------------|---------------|-----------------------|----|
| ٢٢٧٣ | مَنْسِيًّا  | صه            | مريم                  | ٢٣ |
| ٢٢٧٤ | سَرِيًّا    | صه            | مريم                  | ٢٤ |
| ٢٢٧٥ | جَنِيًّا    | ز             | مريم                  | ٢٥ |
| ٢٢٧٦ | إِنْسِيًّا  | ج             | مريم                  | ٢٦ |
| ٢٢٧٧ | فَرِيًّا    | صه            | مريم                  | ٢٧ |
| ٢٢٧٨ | بَغِيًّا    | ج.صلي         | مريم                  | ٢٨ |
| ٢٢٧٩ | صَبِيًّا    | صه            | مريم                  | ٢٩ |
| ٢٢٨٠ | نَبِيًّا    | صه.لا         | مريم                  | ٣٠ |
| ٢٢٨١ | حَيًّا      | ض.صلي.لا      | مريم                  | ٣١ |
| ٢٢٨٢ | شَقِيًّا    | صه            | مريم                  | ٣٢ |
| ٢٢٨٣ | حَيًّا      | صه            | مريم                  | ٣٣ |
| ٢٢٨٤ | يَمْتَرُونَ | صه            | مريم                  | ٣٤ |
| ٢٢٨٥ | فَيَكُونُ   | ط.لا          | مريم                  | ٣٥ |
| ٢٢٨٦ | مُسْتَقِيمٌ | صه            | مريم                  | ٣٦ |
| ٢٢٨٧ | عَظِيمٍ     | صه            | مريم                  | ٣٧ |
| ٢٢٨٨ | مُبِينٍ     | صه            | مريم                  | ٣٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| ت    | رأس الآية   | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |  |
|------|-------------|---------------|----------------------|--|
| ٢٢٨٩ | يُؤْمِنُونَ | صه            | مريم ٣٩              |  |
| ٢٢٩٠ | يُرْجَعُونَ | صه            | مريم ٤٠              |  |
| ٢٢٩١ | نَبِيًّا    | صه.لا         | مريم ٤١              |  |
| ٢٢٩٢ | شَيْئًا     | صه            | مريم ٤٢              |  |
| ٢٢٩٣ | سَوِيًّا    | صه            | مريم ٤٣              |  |
| ٢٢٩٤ | عَصِيًّا    | صه            | مريم ٤٤              |  |
| ٢٢٩٥ | وَلِيًّا    | صه            | مريم ٤٥              |  |
| ٢٢٩٦ | مَلِيًّا    | صه            | مريم ٤٦              |  |
| ٢٢٩٧ | حَفِيًّا    | صه.لا         | مريم ٤٧              |  |
| ٢٢٩٨ | شَقِيًّا    | صه            | مريم ٤٨              |  |
| ٢٢٩٩ | نَبِيًّا    | صه            | مريم ٤٩              |  |
| ٢٣٠٠ | عَلِيًّا    | صه            | مريم ٥٠              |  |
| ٢٣٠١ | نَبِيًّا    | ج             | مريم ٥١              |  |
| ٢٣٠٢ | نَجِيًّا    | صه            | مريم ٥٢              |  |
| ٢٣٠٣ | نَبِيًّا    | صه            | مريم ٥٣              |  |
| ٢٣٠٤ | نَبِيًّا    | ج.لا          | مريم ٥٤              |  |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٥٥        | مریم       | صه            | مَرْضِيًّا | ٢٣٠٥ |
| ٥٦        | مریم       | ق.لا          | نَبِيًّا   | ٢٣٠٦ |
| ٥٧        | مریم       | صه            | عَلِيًّا   | ٢٣٠٧ |
| ٥٨        | مریم       | صه            | وَبُكِيًّا | ٢٣٠٨ |
| ٥٩        | مریم       | صه.لا         | غَيَّا     | ٢٣٠٩ |
| ٦٠        | مریم       | صه.لا         | شَيْعًا    | ٢٣١٠ |
| ٦١        | مریم       | صه            | مَأْتِيًّا | ٢٣١١ |
| ٦٢        | مریم       | صه            | وَعَشِيًّا | ٢٣١٢ |
| ٦٣        | مریم       | صه            | تَقِيًّا   | ٢٣١٣ |
| ٦٤        | مریم       | ج.ط           | نَسِيًّا   | ٢٣١٤ |
| ٦٥        | مریم       | صه            | سَمِيًّا   | ٢٣١٥ |
| ٦٦        | مریم       | صه            | حَيًّا     | ٢٣١٦ |
| ٦٧        | مریم       | صه            | شَيْعًا    | ٢٣١٧ |
| ٦٨        | مریم       | ج             | جِثِيًّا   | ٢٣١٨ |
| ٦٩        | مریم       | ج             | عِتِيًّا   | ٢٣١٩ |
| ٧٠        | مریم       | صه            | صِلِيًّا   | ٢٣٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٧١        | مریم       | ج             | مَقْضِيًّا | ٢٣٢١ |
| ٧٢        | مریم       | صه            | جِثِيًّا   | ٢٣٢٢ |
| ٧٣        | مریم       | صه            | نَدِيًّا   | ٢٣٢٣ |
| ٧٤        | مریم       | صه            | وَرِءِيًّا | ٢٣٢٤ |
| ٧٥        | مریم       | صه            | جُندًا     | ٢٣٢٥ |
| ٧٦        | مریم       | صه            | مَرَدًّا   | ٢٣٢٦ |
| ٧٧        | مریم       | ط.لا          | وَوْلَدًا  | ٢٣٢٧ |
| ٧٨        | مریم       | صه.لا         | عَهْدًا    | ٢٣٢٨ |
| ٧٩        | مریم       | صه.لا         | مَدًّا     | ٢٣٢٩ |
| ٨٠        | مریم       | صه            | فَرَدًّا   | ٢٣٣٠ |
| ٨١        | مریم       | صه.لا         | عِزَّا     | ٢٣٣١ |
| ٨٢        | مریم       | صه            | ضِدًّا     | ٢٣٣٢ |
| ٨٣        | مریم       | صه.لا         | أَزَّا     | ٢٣٣٣ |
| ٨٤        | مریم       | ج             | عَدًّا     | ٢٣٣٤ |
| ٨٥        | مریم       | صه.لا         | وَفَدًّا   | ٢٣٣٥ |
| ٨٦        | مریم       | م             | وِرَدًّا   | ٢٣٣٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٨٧        | مریم       | م             | عَهْدًا   | ٢٣٣٧ |
| ٨٨        | مریم       | ط             | وَلَدًا   | ٢٣٣٨ |
| ٨٩        | مریم       | صهـ لا        | إِذَا     | ٢٣٣٩ |
| ٩٠        | مریم       | صهـ لا        | هَذَا     | ٢٣٤٠ |
| ٩١        | مریم       | ج             | وَلَدًا   | ٢٣٤١ |
| ٩٢        | مریم       | ط             | وَلَدًا   | ٢٣٤٢ |
| ٩٣        | مریم       | ط             | عَبْدًا   | ٢٣٤٣ |
| ٩٤        | مریم       | ط             | عَدَّا    | ٢٣٤٤ |
| ٩٥        | مریم       | صهـ           | فَرِدًا   | ٢٣٤٥ |
| ٩٦        | مریم       | صهـ           | وُدَّا    | ٢٣٤٦ |
| ٩٧        | مریم       | صهـ           | لُدَّا    | ٢٣٤٧ |
| ٩٨        | مریم       | صهـ لا        | رِكْزَا   | ٢٣٤٨ |
| ١         | طهـ        | ج             | طهـ       | ٢٣٤٩ |
| ٢         | طهـ        | لا            | لِتَسْقَى | ٢٣٥٠ |
| ٣         | طهـ        | صهـ لا        | يَخْشَى   | ٢٣٥١ |
| ٤         | طهـ        | ط             | الْعُلَى  | ٢٣٥٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٥         | طه         | صه            | أسْتَوْى   | ٢٣٥٣ |
| ٦         | طه         | صه            | الثَّرَى   | ٢٣٥٤ |
| ٧         | طه         | صه            | وَأَخْفَى  | ٢٣٥٥ |
| ٨         | طه         | ط             | الْحُسْنَى | ٢٣٥٦ |
| ٩         | طه         | لام           | مُوسَىٰ    | ٢٣٥٧ |
| ١٠        | طه         | صه            | هُدَىٰ     | ٢٣٥٨ |
| ١١        | طه         | ط بلا         | يَمْوَسَىٰ | ٢٣٥٩ |
| ١٢        | طه         | ط             | طَوَىٰ     | ٢٣٦٠ |
| ١٣        | طه         | لا            | يُوحَىٰ    | ٢٣٦١ |
| ١٤        | طه         | صه            | لِذِكْرِى  | ٢٣٦٢ |
| ١٥        | طه         | صه            | تَسْعَىٰ   | ٢٣٦٣ |
| ١٦        | طه         | صه            | فَتَرَدَىٰ | ٢٣٦٤ |
| ١٧        | طه         | صه            | يَمْوَسَىٰ | ٢٣٦٥ |
| ١٨        | طه         | صه            | أُخْرَىٰ   | ٢٣٦٦ |
| ١٩        | طه         | صه            | يَمْوَسَىٰ | ٢٣٦٧ |
| ٢٠        | طه         | صه            | تَسْعَىٰ   | ٢٣٦٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٢١        | طه         | ط             | الْأُولَى  | ٢٣٦٩ |
| ٢٢        | طه         | صه.لا         | أُخْرَى    | ٢٣٧٠ |
| ٢٣        | طه         | ج             | الْكُبْرَى | ٢٣٧١ |
| ٢٤        | طه         | صه            | ظَعِنَّ    | ٢٣٧٢ |
| ٢٥        | طه         | صه.لا         | صَدْرِى    | ٢٣٧٣ |
| ٢٦        | طه         | صه.لا         | أَمْرِى    | ٢٣٧٤ |
| ٢٧        | طه         | صه.لا         | لِسَانِى   | ٢٣٧٥ |
| ٢٨        | طه         | ض.لا          | قَوْلِى    | ٢٣٧٦ |
| ٢٩        | طه         | صه.لا         | أَهْلِى    | ٢٣٧٧ |
| ٣٠        | طه         | ج.لا          | أَخِى      | ٢٣٧٨ |
| ٣١        | طه         | صه.لا         | أَزْرِى    | ٢٣٧٩ |
| ٣٢        | طه         | صه.لا         | أَمْرِى    | ٢٣٨٠ |
| ٣٣        | طه         | صه.لا         | كَثِيرًا   | ٢٣٨١ |
| ٣٤        | طه         | ط.لا          | كَثِيرًا   | ٢٣٨٢ |
| ٣٥        | طه         | صه            | بَصِيرًا   | ٢٣٨٣ |
| ٣٦        | طه         | صه            | يَمُوسَى   | ٢٣٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٣٧        | طه         | صه.لا         | أُخْرَى   | ٢٣٨٥ |
| ٣٨        | طه         | صه.لا         | يُوحَى    | ٢٣٨٦ |
| ٣٩        | طه         | لام           | عَيْنِي   | ٢٣٨٧ |
| ٤٠        | طه         | صه            | يَمُوسَى  | ٢٣٨٨ |
| ٤١        | طه         | ج             | لِنَفْسِي | ٢٣٨٩ |
| ٤٢        | طه         | ج             | ذِكْرِي   | ٢٣٩٠ |
| ٤٣        | طه         | ج.لا          | ظَغَى     | ٢٣٩١ |
| ٤٤        | طه         | صه            | يَخْشَى   | ٢٣٩٢ |
| ٤٥        | طه         | صه            | يَطْغَى   | ٢٣٩٣ |
| ٤٦        | طه         | صه            | وَأَرَى   | ٢٣٩٤ |
| ٤٧        | طه         | صه            | الْهُدَى  | ٢٣٩٥ |
| ٤٨        | طه         | صه            | وَتَوَلَّ | ٢٣٩٦ |
| ٤٩        | طه         | صه            | يَمُوسَى  | ٢٣٩٧ |
| ٥٠        | طه         | صه            | هَدَى     | ٢٣٩٨ |
| ٥١        | طه         | صه            | الْأُولَى | ٢٣٩٩ |
| ٥٢        | طه         | ز             | يَنْسَى   | ٢٤٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٥٣        | طه         | صه            | شَتَّى      | ٢٤٠١ |
| ٥٤        | طه         | صه            | الْئَهْنِي  | ٢٤٠٢ |
| ٥٥        | طه         | صه            | أُخْرَى     | ٢٤٠٣ |
| ٥٦        | طه         | صه            | وَأَبَى     | ٢٤٠٤ |
| ٥٧        | طه         | صه لا         | يَمُوسَى    | ٢٤٠٥ |
| ٥٨        | طه         | ط             | سُوَى       | ٢٤٠٦ |
| ٥٩        | طه         | صه            | ضُحَى       | ٢٤٠٧ |
| ٦٠        | طه         | صه            | أَتَى       | ٢٤٠٨ |
| ٦١        | طه         | صه            | أَفْتَرَى   | ٢٤٠٩ |
| ٦٢        | طه         | صه لا         | النَّجْوَى  | ٢٤١٠ |
| ٦٣        | طه         | ط             | الْمُثْلَى  | ٢٤١١ |
| ٦٤        | طه         | صه            | أَسْتَعْلَى | ٢٤١٢ |
| ٦٥        | طه         | صه            | الْقَى      | ٢٤١٣ |
| ٦٦        | طه         | صه            | تَسْعَى     | ٢٤١٤ |
| ٦٧        | طه         | صه            | مُوسَى      | ٢٤١٥ |
| ٦٨        | طه         | صه            | الْأَعْلَى  | ٢٤١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٦٩        | طه         | صه            | أتَى         | ٢٤١٧ |
| ٧٠        | طه         | صه            | ومُوسَى      | ٢٤١٨ |
| ٧١        | طه         | صه            | وَأَبْقَى    | ٢٤١٩ |
| ٧٢        | طه         | ط             | الْدُّنْيَا  | ٢٤٢٠ |
| ٧٣        | طه         | صه            | وَأَبْقَى    | ٢٤٢١ |
| ٧٤        | طه         | صه            | يَحْيَى      | ٢٤٢٢ |
| ٧٥        | طه         | صه لا         | الْعُلَى     | ٢٤٢٣ |
| ٧٦        | طه         | صه            | تَرَكَ       | ٢٤٢٤ |
| ٧٧        | طه         | صه            | تَخْشَى      | ٢٤٢٥ |
| ٧٨        | طه         | ط             | غَشِيَّهُمْ  | ٢٤٢٦ |
| ٧٩        | طه         | صه            | هَدَى        | ٢٤٢٧ |
| ٨٠        | طه         | صه            | وَالسَّلَوَى | ٢٤٢٨ |
| ٨١        | طه         | صه            | هَوَى        | ٢٤٢٩ |
| ٨٢        | طه         | صه            | أَهْتَدَى    | ٢٤٣٠ |
| ٨٣        | طه         | صه            | يَمُوسَى     | ٢٤٣١ |
| ٨٤        | طه         | صه            | لِتَرْضَى    | ٢٤٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٨٥        | طه         | صه            | السَّامِرِيُّ | ٢٤٣٣ |
| ٨٦        | طه         | صه            | مَوْعِدِي     | ٢٤٣٤ |
| ٨٧        | طه         | صه لا         | السَّامِرِيُّ | ٢٤٣٥ |
| ٨٨        | طه         | ط             | فَنَسِيَ      | ٢٤٣٦ |
| ٨٩        | طه         | صه            | نَفَعَا       | ٢٤٣٧ |
| ٩٠        | طه         | صه            | أَمْرِي       | ٢٤٣٨ |
| ٩١        | طه         | صه            | مُوسَى        | ٢٤٣٩ |
| ٩٢        | طه         | لا            | ضَلَّوْا      | ٢٤٤٠ |
| ٩٣        | طه         | صه            | أَمْرِي       | ٢٤٤١ |
| ٩٤        | طه         | صه            | قَوْلِي       | ٢٤٤٢ |
| ٩٥        | طه         | صه            | يَسَامِرِيُّ  | ٢٤٤٣ |
| ٩٦        | طه         | صه            | نَفِسِي       | ٢٤٤٤ |
| ٩٧        | طه         | صه            | نَسْفًا       | ٢٤٤٥ |
| ٩٨        | طه         | ط             | عِلْمًا       | ٢٤٤٦ |
| ٩٩        | طه         | ج. صلي        | ذِكْرًا       | ٢٤٤٧ |
| ١٠٠       | طه         | لا            | وِزْرًا       | ٢٤٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ١٠١       | طه         | صه.لا         | حِمْلًا   | ٢٤٤٩ |
| ١٠٢       | طه         | ج.صلي.لا      | زُرْقَا   | ٢٤٥٠ |
| ١٠٣       | طه         | صه            | عَشْرًا   | ٢٤٥١ |
| ١٠٤       | طه         | صه            | يَوْمًا   | ٢٤٥٢ |
| ١٠٥       | طه         | صه.لا         | نَسْفًا   | ٢٤٥٣ |
| ١٠٦       | طه         | لا            | صَفْصَفًا | ٢٤٥٤ |
| ١٠٧       | طه         | ط             | أَمْتَأً  | ٢٤٥٥ |
| ١٠٨       | طه         | صه            | هَمْسَا   | ٢٤٥٦ |
| ١٠٩       | طه         | ط             | قَوْلًا   | ٢٤٥٧ |
| ١١٠       | طه         | صه            | عِلْمًا   | ٢٤٥٨ |
| ١١١       | طه         | ط             | ظُلْمًا   | ٢٤٥٩ |
| ١١٢       | طه         | صه            | هَضْمًا   | ٢٤٦٠ |
| ١١٣       | طه         | صه            | ذِكْرًا   | ٢٤٦١ |
| ١١٤       | طه         | صه            | عِلْمًا   | ٢٤٦٢ |
| ١١٥       | طه         | صه            | عَزْمًا   | ٢٤٦٣ |
| ١١٦       | طه         | ط             | أَبَيْ    | ٢٤٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١١٧       | طه         | صه            | فتَشْقَى     | ٢٤٦٥ |
| ١١٨       | طه         | صه لا         | تَعْرَى      | ٢٤٦٦ |
| ١١٩       | طه         | صه            | تَضْحَى      | ٢٤٦٧ |
| ١٢٠       | طه         | صه            | يَبْلَى      | ٢٤٦٨ |
| ١٢١       | طه         | ض.صلي         | فَغَوَى      | ٢٤٦٩ |
| ١٢٢       | طه         | صه            | وَهَدَى      | ٢٤٧٠ |
| ١٢٣       | طه         | صه            | يَشْقَى      | ٢٤٧١ |
| ١٢٤       | طه         | صه            | أَعْمَى      | ٢٤٧٢ |
| ١٢٥       | طه         | صه            | بَصِيرًا     | ٢٤٧٣ |
| ١٢٦       | طه         | صه            | تُنَسَى      | ٢٤٧٤ |
| ١٢٧       | طه         | صه            | وَأَبْقَى    | ٢٤٧٥ |
| ١٢٨       | طه         | صه            | الْئَهَى     | ٢٤٧٦ |
| ١٢٩       | طه         | ط             | مُسَمَّى     | ٢٤٧٧ |
| ١٣٠       | طه         | صه            | تَرْضَى      | ٢٤٧٨ |
| ١٣١       | طه         | صه            | وَأَبْقَى    | ٢٤٧٩ |
| ١٣٢       | طه         | صه            | لِلتَّقْوَىٰ | ٢٤٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٣٣       | طه         | صه            | الْأُولَى      | ٢٤٨١ |
| ١٣٤       | طه         | صه            | وَخَرَى        | ٢٤٨٢ |
| ١٣٥       | طه         | صه            | أَهْتَدَى      | ٢٤٨٣ |
| ١         | الأنبياء   | ج             | مُعْرِضُونَ    | ٢٤٨٤ |
| ٢         | الأنبياء   | لا            | يَلْعَبُونَ    | ٢٤٨٥ |
| ٣         | الأنبياء   | صه            | تُبَصِّرُونَ   | ٢٤٨٦ |
| ٤         | الأنبياء   | صه            | الْعَلِيمُ     | ٢٤٨٧ |
| ٥         | الأنبياء   | صه            | الْأَوَّلُونَ  | ٢٤٨٨ |
| ٦         | الأنبياء   | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٢٤٨٩ |
| ٧         | الأنبياء   | صه            | تَعْلَمُونَ    | ٢٤٩٠ |
| ٨         | الأنبياء   | صه            | خَالِدِينَ     | ٢٤٩١ |
| ٩         | الأنبياء   | صه            | الْمُسْرِفِينَ | ٢٤٩٢ |
| ١٠        | الأنبياء   | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٢٤٩٣ |
| ١١        | الأنبياء   | صه            | ءَاخَرِينَ     | ٢٤٩٤ |
| ١٢        | الأنبياء   | ط             | يَرْكُضُونَ    | ٢٤٩٥ |
| ١٣        | الأنبياء   | صه            | تُسَأَلُونَ    | ٢٤٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٤        | الأنبياء   | صه            | ظَالِمِينَ      | ٢٤٩٧ |
| ١٥        | الأنبياء   | صه            | خَامِدِينَ      | ٢٤٩٨ |
| ١٦        | الأنبياء   | صه            | لَعِيبِينَ      | ٢٤٩٩ |
| ١٧        | الأنبياء   | صه            | فَاعْلِيَنَ     | ٢٥٠٠ |
| ١٨        | الأنبياء   | صه            | تَصِفُونَ       | ٢٥٠١ |
| ١٩        | الأنبياء   | ج             | يَسْتَحْسِرُونَ | ٢٥٠٢ |
| ٢٠        | الأنبياء   | صه            | يَقْتُرُونَ     | ٢٥٠٣ |
| ٢١        | الأنبياء   | صه            | يُنْشِرُونَ     | ٢٥٠٤ |
| ٢٢        | الأنبياء   | صه            | يَصِفُونَ       | ٢٥٠٥ |
| ٢٣        | الأنبياء   | صه            | يُسْئَلُونَ     | ٢٥٠٦ |
| ٢٤        | الأنبياء   | صه            | مُعْرِضُونَ     | ٢٥٠٧ |
| ٢٥        | الأنبياء   | صه            | فَاعْبُدُونَ    | ٢٥٠٨ |
| ٢٦        | الأنبياء   | صه لا         | مُكَرَّمُونَ    | ٢٥٠٩ |
| ٢٧        | الأنبياء   | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٢٥١٠ |
| ٢٨        | الأنبياء   | صه            | مُشْفِقُونَ     | ٢٥١١ |
| ٢٩        | الأنبياء   | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٢٥١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية       | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|-----------------|------|---------------|----------------------|
| يُؤْمِنُونَ     | ٢٥١٣ | صه            | الأنبياء ٣٠          |
| يَهْتَدُونَ     | ٢٥١٤ | صه            | الأنبياء ٣١          |
| مُعَرِّضُونَ    | ٢٥١٥ | ط             | الأنبياء ٣٢          |
| يَسْبَحُونَ     | ٢٥١٦ | صه            | الأنبياء ٣٣          |
| الْخَلِيلُونَ   | ٢٥١٧ | صه            | الأنبياء ٣٤          |
| تُرْجَعُونَ     | ٢٥١٨ | صه            | الأنبياء ٣٥          |
| كَافِرُونَ      | ٢٥١٩ | صه            | الأنبياء ٣٦          |
| تَسْتَعْجِلُونِ | ٢٥٢٠ | صه            | الأنبياء ٣٧          |
| صَدِيقَيْنَ     | ٢٥٢١ | صه            | الأنبياء ٣٨          |
| يُنَصَّرُونَ    | ٢٥٢٢ | صه            | الأنبياء ٣٩          |
| يُنَظَّرُونَ    | ٢٥٢٣ | صه            | الأنبياء ٤٠          |
| يَسْتَهْزِئُونَ | ٢٥٢٤ | صه            | الأنبياء ٤١          |
| مُعَرِّضُونَ    | ٢٥٢٥ | صه            | الأنبياء ٤٢          |
| يُصْحَبُونَ     | ٢٥٢٦ | صه            | الأنبياء ٤٣          |
| الْغَلِيلُونَ   | ٢٥٢٧ | صه            | الأنبياء ٤٤          |
| يُنَذَّرُونَ    | ٢٥٢٨ | صه            | الأنبياء ٤٥          |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤٦        | الأنبياء   | صه            | ظَالِمِينَ     | ٢٥٢٩ |
| ٤٧        | الأنبياء   | صه            | حَسِيبِينَ     | ٢٥٣٠ |
| ٤٨        | الأنبياء   | لا            | لِلْمُتَّقِينَ | ٢٥٣١ |
| ٤٩        | الأنبياء   | صه            | مُشْفِقُونَ    | ٢٥٣٢ |
| ٥٠        | الأنبياء   | صه            | مُنْكِرُونَ    | ٢٥٣٣ |
| ٥١        | الأنبياء   | ج             | عَالِمِينَ     | ٢٥٣٤ |
| ٥٢        | الأنبياء   | صه            | عَكِفُونَ      | ٢٥٣٥ |
| ٥٣        | الأنبياء   | صه            | عَبِيدِينَ     | ٢٥٣٦ |
| ٥٤        | الأنبياء   | صه            | مُبِينٍ        | ٢٥٣٧ |
| ٥٥        | الأنبياء   | صه            | اللَّاعِينَ    | ٢٥٣٨ |
| ٥٦        | الأنبياء   | صه            | الشَّهِدِينَ   | ٢٥٣٩ |
| ٥٧        | الأنبياء   | صه            | مُدَبِّرِينَ   | ٢٥٤٠ |
| ٥٨        | الأنبياء   | صه            | يَرْجِعُونَ    | ٢٥٤١ |
| ٥٩        | الأنبياء   | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٢٥٤٢ |
| ٦٠        | الأنبياء   | ط             | إِبْرَاهِيمُ   | ٢٥٤٣ |
| ٦١        | الأنبياء   | صه            | يَشَهُدُونَ    | ٢٥٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦٢        | الأنبياء   | ط             | يَأَبْرَاهِيمُ | ٢٥٤٥ |
| ٦٣        | الأنبياء   | صه            | يَنْطِقُونَ    | ٢٥٤٦ |
| ٦٤        | الأنبياء   | صه.لا         | الظَّالِمُونَ  | ٢٥٤٧ |
| ٦٥        | الأنبياء   | صه            | يَنْطِقُونَ    | ٢٥٤٨ |
| ٦٦        | الأنبياء   | ط.لا          | يَضْرُكُمْ     | ٢٥٤٩ |
| ٦٧        | الأنبياء   | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٢٥٥٠ |
| ٦٨        | الأنبياء   | صه            | فَعِلَيْنَ     | ٢٥٥١ |
| ٦٩        | الأنبياء   | صه.لا         | إِبْرَاهِيمَ   | ٢٥٥٢ |
| ٧٠        | الأنبياء   | ج             | الْأَخْسَرِينَ | ٢٥٥٣ |
| ٧١        | الأنبياء   | صه            | لِلْعَالَمِينَ | ٢٥٥٤ |
| ٧٢        | الأنبياء   | صه            | صَلِحِينَ      | ٢٥٥٥ |
| ٧٣        | الأنبياء   | ج.لا          | عَبِيدِينَ     | ٢٥٥٦ |
| ٧٤        | الأنبياء   | صه.لا         | فَسِيقِينَ     | ٢٥٥٧ |
| ٧٥        | الأنبياء   | صه            | الصَّالِحِينَ  | ٢٥٥٨ |
| ٧٦        | الأنبياء   | ج             | الْعَظِيمُ     | ٢٥٥٩ |
| ٧٧        | الأنبياء   | صه            | أَجْمَعِينَ    | ٢٥٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٧٨        | الأنبياء   | ق.لا          | شَهِدِينَ      | ٢٥٦١ |
| ٧٩        | الأنبياء   | صه            | فَاعْلِمَنَ    | ٢٥٦٢ |
| ٨٠        | الأنبياء   | صه            | شَكِرُونَ      | ٢٥٦٣ |
| ٨١        | الأنبياء   | صه            | عَالِمِينَ     | ٢٥٦٤ |
| ٨٢        | الأنبياء   | صه.لا         | حَفِظِينَ      | ٢٥٦٥ |
| ٨٣        | الأنبياء   | ج.صلي         | الرَّاحِمِينَ  | ٢٥٦٦ |
| ٨٤        | الأنبياء   | صه            | لِلْعَابِدِينَ | ٢٥٦٧ |
| ٨٥        | الأنبياء   | ج.صلي         | الصَّابِرِينَ  | ٢٥٦٨ |
| ٨٦        | الأنبياء   | صه            | الصَّالِحِينَ  | ٢٥٦٩ |
| ٨٧        | الأنبياء   | ج.صلي         | الظَّالِمِينَ  | ٢٥٧٠ |
| ٨٨        | الأنبياء   | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٢٥٧١ |
| ٨٩        | الأنبياء   | ج.صلي         | الْوَرِثِينَ   | ٢٥٧٢ |
| ٩٠        | الأنبياء   | صه            | خَشِعِينَ      | ٢٥٧٣ |
| ٩١        | الأنبياء   | صه            | لِلْعَالَمِينَ | ٢٥٧٤ |
| ٩٢        | الأنبياء   | صه            | فَاعْبُدُونَ   | ٢٥٧٥ |
| ٩٣        | الأنبياء   | صه            | رَاجِعُونَ     | ٢٥٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٩٤        | الأنبياء   | صه            | كَاتِبُونَ     | ٢٥٧٧ |
| ٩٥        | الأنبياء   | صه            | يَرْجِعُونَ    | ٢٥٧٨ |
| ٩٦        | الأنبياء   | صه لا         | يَنْسِلُونَ    | ٢٥٧٩ |
| ٩٧        | الأنبياء   | صه            | ظَالِمِينَ     | ٢٥٨٠ |
| ٩٨        | الأنبياء   | صه            | وَارِدُونَ     | ٢٥٨١ |
| ٩٩        | الأنبياء   | صه            | خَالِدُونَ     | ٢٥٨٢ |
| ١٠٠       | الأنبياء   | صه            | يَسْمَعُونَ    | ٢٥٨٣ |
| ١٠١       | الأنبياء   | صه لا         | مُبْعَدُونَ    | ٢٥٨٤ |
| ١٠٢       | الأنبياء   | ج             | خَالِدُونَ     | ٢٥٨٥ |
| ١٠٣       | الأنبياء   | صه            | ثُوعَدُونَ     | ٢٥٨٦ |
| ١٠٤       | الأنبياء   | صه            | فَعِلِينَ      | ٢٥٨٧ |
| ١٠٥       | الأنبياء   | صه            | الصَّالِحُونَ  | ٢٥٨٨ |
| ١٠٦       | الأنبياء   | ط             | عِدِينَ        | ٢٥٨٩ |
| ١٠٧       | الأنبياء   | صه            | لِلْعَالَمِينَ | ٢٥٩٠ |
| ١٠٨       | الأنبياء   | صه            | مُسْلِمُونَ    | ٢٥٩١ |
| ١٠٩       | الأنبياء   | صه            | ثُوعَدُونَ     | ٢٥٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١١٠       | الأنبياء   | صه            | تَكُنُّمُونَ | ٢٥٩٣ |
| ١١١       | الأنبياء   | صه            | جِينِ        | ٢٥٩٤ |
| ١١٢       | الأنبياء   | صه            | تَصِفُونَ    | ٢٥٩٥ |
| ١         | الحج       | صه            | عَظِيمٌ      | ٢٥٩٦ |
| ٢         | الحج       | صه            | شَدِيدٌ      | ٢٥٩٧ |
| ٣         | الحج       | لا            | مَرِيدٍ      | ٢٥٩٨ |
| ٤         | الحج       | صه            | السَّعِيرِ   | ٢٥٩٩ |
| ٥         | الحج       | صه            | بَهِيجٌ      | ٢٦٠٠ |
| ٦         | الحج       | لا            | قَدِيرٌ      | ٢٦٠١ |
| ٧         | الحج       | صه            | الْقُبُورِ   | ٢٦٠٢ |
| ٨         | الحج       | لا            | مُنِيرٍ      | ٢٦٠٣ |
| ٩         | الحج       | صه            | الْحَرِيقِ   | ٢٦٠٤ |
| ١٠        | الحج       | صه            | لِلْعَبِيدِ  | ٢٦٠٥ |
| ١١        | الحج       | صه            | الْمُبِينُ   | ٢٦٠٦ |
| ١٢        | الحج       | ج.لا          | الْبَعِيدُ   | ٢٦٠٧ |
| ١٣        | الحج       | صه            | الْعَشِيرُ   | ٢٦٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٤        | الحج       | صه            | يُرِيدُ      | ٢٦٠٩ |
| ١٥        | الحج       | صه            | يَغِيظُ      | ٢٦١٠ |
| ١٦        | الحج       | صه            | يُرِيدُ      | ٢٦١١ |
| ١٧        | الحج       | صه            | شَهِيدٌ      | ٢٦١٢ |
| ١٨        | الحج       | ط             | يَشَاءُ      | ٢٦١٣ |
| ١٩        | الحج       | ج.لا          | الْحَمِيمُ   | ٢٦١٤ |
| ٢٠        | الحج       | ط             | وَالْجَلُودُ | ٢٦١٥ |
| ٢١        | الحج       | صه            | حَدِيدٌ      | ٢٦١٦ |
| ٢٢        | الحج       | صه            | الْخَرِيقُ   | ٢٦١٧ |
| ٢٣        | الحج       | صه            | حَرِيرٌ      | ٢٦١٨ |
| ٢٤        | الحج       | صه            | الْحَمِيدُ   | ٢٦١٩ |
| ٢٥        | الحج       | صه            | الْإِيمَرٌ   | ٢٦٢٠ |
| ٢٦        | الحج       | صه            | السُّجُودُ   | ٢٦٢١ |
| ٢٧        | الحج       | لا            | عَمِيقٍ      | ٢٦٢٢ |
| ٢٨        | الحج       | ز             | الْفَقِيرُ   | ٢٦٢٣ |
| ٢٩        | الحج       | صه لا         | الْعَتِيقِ   | ٢٦٢٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣٠        | الحج       | لا            | الرُّورِ       | ٢٦٢٥ |
| ٣١        | الحج       | صه            | سَحِيقٍ        | ٢٦٢٦ |
| ٣٢        | الحج       | صه            | الْقُلُوبِ     | ٢٦٢٧ |
| ٣٣        | الحج       | صه            | الْعَتِيقِ     | ٢٦٢٨ |
| ٣٤        | الحج       | ض.لا          | الْمُخْبِتِينَ | ٢٦٢٩ |
| ٣٥        | الحج       | صه            | يُنْفِقُونَ    | ٢٦٣٠ |
| ٣٦        | الحج       | صه            | تَشْكُرُونَ    | ٢٦٣١ |
| ٣٧        | الحج       | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ٢٦٣٢ |
| ٣٨        | الحج       | صه.لا         | كَفُورٍ        | ٢٦٣٣ |
| ٣٩        | الحج       | صه.لا         | لَقَدِيرٌ      | ٢٦٣٤ |
| ٤٠        | الحج       | صه            | عَزِيزٌ        | ٢٦٣٥ |
| ٤١        | الحج       | صه            | الْأَمُورِ     | ٢٦٣٦ |
| ٤٢        | الحج       | صه.لا         | وَثَمُودٌ      | ٢٦٣٧ |
| ٤٣        | الحج       | صه.لا         | لُوطٌ          | ٢٦٣٨ |
| ٤٤        | الحج       | صه            | نَّكِيرٌ       | ٢٦٣٩ |
| ٤٥        | الحج       | صه            | مَّشِيدٍ       | ٢٦٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| ت    | رأس الآية     | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |  |
|------|---------------|---------------|----------------------|--|
| ٢٦٤١ | الْصُّدُورِ   | صه            | الحج ٤٦              |  |
| ٢٦٤٢ | تَعْدُونَ     | صه            | الحج ٤٧              |  |
| ٢٦٤٣ | الْمَصِيرُ    | صه            | الحج ٤٨              |  |
| ٢٦٤٤ | مُّبِينٌ      | ج             | الحج ٤٩              |  |
| ٢٦٤٥ | كَرِيمٌ       | صه            | الحج ٥٠              |  |
| ٢٦٤٦ | الْجَحِيمُ    | صه            | الحج ٥١              |  |
| ٢٦٤٧ | حَكِيمٌ       | لا            | الحج ٥٢              |  |
| ٢٦٤٨ | بَعِيدٍ       | صه لا         | الحج ٥٣              |  |
| ٢٦٤٩ | مُسْتَقِيمٌ   | صه            | الحج ٥٤              |  |
| ٢٦٥٠ | عَقِيمٌ       | صه            | الحج ٥٥              |  |
| ٢٦٥١ | الْتَّعِيمُ   | صه            | الحج ٥٦              |  |
| ٢٦٥٢ | مُهِينٌ       | صه            | الحج ٥٧              |  |
| ٢٦٥٣ | الرَّازِقِينَ | صه            | الحج ٥٨              |  |
| ٢٦٥٤ | حَلِيمٌ       | صه            | الحج ٥٩              |  |
| ٢٦٥٥ | غَفُورٌ       | صه            | الحج ٦٠              |  |
| ٢٦٥٦ | بَصِيرٌ       | صه            | الحج ٦١              |  |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٦٢        | الحج       | صه            | الْكَبِيرُ    | ٢٦٥٧ |
| ٦٣        | الحج       | ج             | خَيْرٌ        | ٢٦٥٨ |
| ٦٤        | الحج       | صه            | الْحَمِيدُ    | ٢٦٥٩ |
| ٦٥        | الحج       | صه            | رَّحِيمٌ      | ٢٦٦٠ |
| ٦٦        | الحج       | صه            | لَكُفُورٌ     | ٢٦٦١ |
| ٦٧        | الحج       | صه            | مُسْتَقِيمٍ   | ٢٦٦٢ |
| ٦٨        | الحج       | صه            | تَعْمَلُونَ   | ٢٦٦٣ |
| ٦٩        | الحج       | صه            | تَخْتَلِفُونَ | ٢٦٦٤ |
| ٧٠        | الحج       | صه            | يَسِيرٌ       | ٢٦٦٥ |
| ٧١        | الحج       | ط             | تَصِيرٌ       | ٢٦٦٦ |
| ٧٢        | الحج       | صه            | الْمَصِيرُ    | ٢٦٦٧ |
| ٧٣        | الحج       | صه            | وَالْمَظُوبُ  | ٢٦٦٨ |
| ٧٤        | الحج       | صه            | عَزِيزٌ       | ٢٦٦٩ |
| ٧٥        | الحج       | ج             | بَصِيرٌ       | ٢٦٧٠ |
| ٧٦        | الحج       | صه            | الْأُمُورُ    | ٢٦٧١ |
| ٧٧        | الحج       | ج             | تُفْلِحُونَ   | ٢٦٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٧٨        | الحج       | صه            | الْتَّصِيرُ    | ٢٦٧٣ |
| ١         | المؤمنون   | صه.لا         | الْمُؤْمِنُونَ | ٢٦٧٤ |
| ٢         | المؤمنون   | صه.لا         | خَشِعُونَ      | ٢٦٧٥ |
| ٣         | المؤمنون   | صه.لا         | مُعَرِّضُونَ   | ٢٦٧٦ |
| ٤         | المؤمنون   | صه.لا         | فَاعْلُونَ     | ٢٦٧٧ |
| ٥         | المؤمنون   | لا            | حَفِظُونَ      | ٢٦٧٨ |
| ٦         | المؤمنون   | ج             | مَلُومِينَ     | ٢٦٧٩ |
| ٧         | المؤمنون   | ج             | الْعَادُونَ    | ٢٦٨٠ |
| ٨         | المؤمنون   | صه.لا         | رَاعُونَ       | ٢٦٨١ |
| ٩         | المؤمنون   | ط.لا.م        | يُحَافِظُونَ   | ٢٦٨٢ |
| ١٠        | المؤمنون   | لا            | الْوَارِثُونَ  | ٢٦٨٣ |
| ١١        | المؤمنون   | صه            | خَلِيلُونَ     | ٢٦٨٤ |
| ١٢        | المؤمنون   | ج             | طِينٍ          | ٢٦٨٥ |
| ١٣        | المؤمنون   | ض             | مَكِينٍ        | ٢٦٨٦ |
| ١٤        | المؤمنون   | ط             | الْخَلِيلِينَ  | ٢٦٨٧ |
| ١٥        | المؤمنون   | ط             | لَمَيِّتُونَ   | ٢٦٨٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٦        | المؤمنون   | صه            | تُبَعْثُونَ    | ٢٦٨٩ |
| ١٧        | المؤمنون   | صه            | غَافِلِينَ     | ٢٦٩٠ |
| ١٨        | المؤمنون   | ج             | لَقَدِرُونَ    | ٢٦٩١ |
| ١٩        | المؤمنون   | لا            | تَأْكُلُونَ    | ٢٦٩٢ |
| ٢٠        | المؤمنون   | صه            | لِلْأَكِيلِينَ | ٢٦٩٣ |
| ٢١        | المؤمنون   | لا            | تَأْكُلُونَ    | ٢٦٩٤ |
| ٢٢        | المؤمنون   | صه            | تُحْمَلُونَ    | ٢٦٩٥ |
| ٢٣        | المؤمنون   | صه            | تَتَّقُونَ     | ٢٦٩٦ |
| ٢٤        | المؤمنون   | ج.لا          | الْأَوَّلِينَ  | ٢٦٩٧ |
| ٢٥        | المؤمنون   | صه            | جِينِ          | ٢٦٩٨ |
| ٢٦        | المؤمنون   | صه            | كَذَّبُونِ     | ٢٦٩٩ |
| ٢٧        | المؤمنون   | صه            | مُغَرِّقُونَ   | ٢٧٠٠ |
| ٢٨        | المؤمنون   | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٢٧٠١ |
| ٢٩        | المؤمنون   | صه            | الْمُنْزَلِينَ | ٢٧٠٢ |
| ٣٠        | المؤمنون   | صه            | لِمُبْتَلِينَ  | ٢٧٠٣ |
| ٣١        | المؤمنون   | ج.لا          | ءَاخَرِينَ     | ٢٧٠٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٢        | المؤمنون   | صه            | تَتَّقُونَ      | ٢٧٠٥ |
| ٣٣        | المؤمنون   | ض.لا          | تَشْرِبُونَ     | ٢٧٠٦ |
| ٣٤        | المؤمنون   | صه.لا         | لَخَسِرُونَ     | ٢٧٠٧ |
| ٣٥        | المؤمنون   | ض.لا          | مُخْرَجُونَ     | ٢٧٠٨ |
| ٣٦        | المؤمنون   | ض.لا          | تُوعَدُونَ      | ٢٧٠٩ |
| ٣٧        | المؤمنون   | ض.لا          | بِمَبْعُوثِينَ  | ٢٧١٠ |
| ٣٨        | المؤمنون   | ج             | بِمُؤْمِنِينَ   | ٢٧١١ |
| ٣٩        | المؤمنون   | صه            | كَذَّبُونِ      | ٢٧١٢ |
| ٤٠        | المؤمنون   | ج             | نَّدِيمِينَ     | ٢٧١٣ |
| ٤١        | المؤمنون   | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٢٧١٤ |
| ٤٢        | المؤمنون   | ط             | ءَاخَرِينَ      | ٢٧١٥ |
| ٤٣        | المؤمنون   | ط             | يَسْتَعْخِرُونَ | ٢٧١٦ |
| ٤٤        | المؤمنون   | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ٢٧١٧ |
| ٤٥        | المؤمنون   | لا            | مُّبِينٍ        | ٢٧١٨ |
| ٤٦        | المؤمنون   | ج             | عَالِيَنَ       | ٢٧١٩ |
| ٤٧        | المؤمنون   | ج             | عَبِيدُونَ      | ٢٧٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤٨        | المؤمنون   | صه            | الْمُهَلَّكِينَ | ٢٧٢١ |
| ٤٩        | المؤمنون   | صه            | يَهْتَدُونَ     | ٢٧٢٢ |
| ٥٠        | المؤمنون   | صه            | وَمَعِينٍ       | ٢٧٢٣ |
| ٥١        | المؤمنون   | ط.لا          | عَلِيمٌ         | ٢٧٢٤ |
| ٥٢        | المؤمنون   | صه            | فَاتَّقُونِ     | ٢٧٢٥ |
| ٥٣        | المؤمنون   | صه            | فَرِحُونَ       | ٢٧٢٦ |
| ٥٤        | المؤمنون   | صه            | حِينٍ           | ٢٧٢٧ |
| ٥٥        | المؤمنون   | صه.لا         | وَبَنِينَ       | ٢٧٢٨ |
| ٥٦        | المؤمنون   | صه            | يَشْعُرُونَ     | ٢٧٢٩ |
| ٥٧        | المؤمنون   | صه.لا         | مُشْفِقُونَ     | ٢٧٣٠ |
| ٥٨        | المؤمنون   | صه.لا         | يُؤْمِنُونَ     | ٢٧٣١ |
| ٥٩        | المؤمنون   | صه.لا         | يُشْرِكُونَ     | ٢٧٣٢ |
| ٦٠        | المؤمنون   | صه.لا         | رَاجِعُونَ      | ٢٧٣٣ |
| ٦١        | المؤمنون   | ط             | سَابِقُونَ      | ٢٧٣٤ |
| ٦٢        | المؤمنون   | صه            | يُظْلَمُونَ     | ٢٧٣٥ |
| ٦٣        | المؤمنون   | صه            | عَمِلُونَ       | ٢٧٣٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصاحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|----------------|----------------|------|
| ٦٤        | المؤمنون   | ط              | يَجْعَرُونَ    | ٢٧٣٧ |
| ٦٥        | المؤمنون   | صه             | تُنَصَّرُونَ   | ٢٧٣٨ |
| ٦٦        | المؤمنون   | صه لا          | تَنَكِصُونَ    | ٢٧٣٩ |
| ٦٧        | المؤمنون   | صه             | تَهْجُرُونَ    | ٢٧٤٠ |
| ٦٨        | المؤمنون   | ز              | الْأَوَّلِينَ  | ٢٧٤١ |
| ٦٩        | المؤمنون   | ز              | مُنْكِرُونَ    | ٢٧٤٢ |
| ٧٠        | المؤمنون   | صه             | كَرِهُونَ      | ٢٧٤٣ |
| ٧١        | المؤمنون   | ط              | مُعَرِّضُونَ   | ٢٧٤٤ |
| ٧٢        | المؤمنون   | صه             | الرَّازِقِينَ  | ٢٧٤٥ |
| ٧٣        | المؤمنون   | صه             | مُسْتَقِيمٍ    | ٢٧٤٦ |
| ٧٤        | المؤمنون   | صه             | لَتَكِبُونَ    | ٢٧٤٧ |
| ٧٥        | المؤمنون   | صه             | يَعْمَهُونَ    | ٢٧٤٨ |
| ٧٦        | المؤمنون   | صه             | يَتَضَرَّعُونَ | ٢٧٤٩ |
| ٧٧        | المؤمنون   | صه             | مُبْلِسُونَ    | ٢٧٥٠ |
| ٧٨        | المؤمنون   | صه             | تَشَكُّرُونَ   | ٢٧٥١ |
| ٧٩        | المؤمنون   | صه             | تُحَشِّرُونَ   | ٢٧٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٨٠        | المؤمنون   | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٢٧٥٣ |
| ٨١        | المؤمنون   | لا            | الْأَوَّلُونَ  | ٢٧٥٤ |
| ٨٢        | المؤمنون   | صه            | لَمَبْعُوثُونَ | ٢٧٥٥ |
| ٨٣        | المؤمنون   | صه            | الْأَوَّلَيْنَ | ٢٧٥٦ |
| ٨٤        | المؤمنون   | لا            | تَعْلَمُونَ    | ٢٧٥٧ |
| ٨٥        | المؤمنون   | صه            | تَذَكَّرُونَ   | ٢٧٥٨ |
| ٨٦        | المؤمنون   | صه            | الْعَظِيمِ     | ٢٧٥٩ |
| ٨٧        | المؤمنون   | صه            | تَتَقُونَ      | ٢٧٦٠ |
| ٨٨        | المؤمنون   | لا            | تَعْلَمُونَ    | ٢٧٦١ |
| ٨٩        | المؤمنون   | صه            | تُسْحَرُونَ    | ٢٧٦٢ |
| ٩٠        | المؤمنون   | صه            | لَكَذِبُونَ    | ٢٧٦٣ |
| ٩١        | المؤمنون   | طلا           | يَصِفُونَ      | ٢٧٦٤ |
| ٩٢        | المؤمنون   | صه            | يُشْرِكُونَ    | ٢٧٦٥ |
| ٩٣        | المؤمنون   | لا            | يُوعَدُونَ     | ٢٧٦٦ |
| ٩٤        | المؤمنون   | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٢٧٦٧ |
| ٩٥        | المؤمنون   | صه            | لَقَدِرُونَ    | ٢٧٦٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٩٦        | المؤمنون   | صه            | يَصِفُونَ      | ٢٧٦٩ |
| ٩٧        | المؤمنون   | لا            | الشَّيَاطِينِ  | ٢٧٧٠ |
| ٩٨        | المؤمنون   | صه            | يَحْضُرُونِ    | ٢٧٧١ |
| ٩٩        | المؤمنون   | صه.لا         | أَرْجِعُونِ    | ٢٧٧٢ |
| ١٠٠       | المؤمنون   | ط             | يُبَعِثُونَ    | ٢٧٧٣ |
| ١٠١       | المؤمنون   | صه            | يَسْأَلُونَ    | ٢٧٧٤ |
| ١٠٢       | المؤمنون   | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ٢٧٧٥ |
| ١٠٣       | المؤمنون   | ج.لا          | خَلِيلُونَ     | ٢٧٧٦ |
| ١٠٤       | المؤمنون   | صه            | كَلِيلُونَ     | ٢٧٧٧ |
| ١٠٥       | المؤمنون   | صه            | تُكَذِّبُونَ   | ٢٧٧٨ |
| ١٠٦       | المؤمنون   | صه            | ضَالِّينَ      | ٢٧٧٩ |
| ١٠٧       | المؤمنون   | صه            | ظَالِمُونَ     | ٢٧٨٠ |
| ١٠٨       | المؤمنون   | صه            | تُكَلِّمُونِ   | ٢٧٨١ |
| ١٠٩       | المؤمنون   | ج.صلي.لا      | الرَّاحِمِينَ  | ٢٧٨٢ |
| ١١٠       | المؤمنون   | صه            | تَضْحَكُونَ    | ٢٧٨٣ |
| ١١١       | المؤمنون   | صه            | الْفَارِئُونَ  | ٢٧٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١١٢       | المؤمنون   | صه            | سِينَيْنَ       | ٢٧٨٥ |
| ١١٣       | المؤمنون   | صه            | الْعَادِيْنَ    | ٢٧٨٦ |
| ١١٤       | المؤمنون   | صه            | تَعْلَمُوْنَ    | ٢٧٨٧ |
| ١١٥       | المؤمنون   | صه            | تُرْجَعُوْنَ    | ٢٧٨٨ |
| ١١٦       | المؤمنون   | صه            | الْكَرِيْمَ     | ٢٧٨٩ |
| ١١٧       | المؤمنون   | صه            | الْكُفَّارُوْنَ | ٢٧٩٠ |
| ١١٨       | المؤمنون   | صه            | الْرَّحِيْمَ    | ٢٧٩١ |
| ١         | النور      | صه            | تَذَكَّرُوْنَ   | ٢٧٩٢ |
| ٢         | النور      | صه            | الْمُؤْمِنِيْنَ | ٢٧٩٣ |
| ٣         | النور      | ط             | الْمُؤْمِنِيْنَ | ٢٧٩٤ |
| ٤         | النور      | لا            | الْفَسِقُوْنَ   | ٢٧٩٥ |
| ٥         | النور      | صه            | رَّحِيْمٌ       | ٢٧٩٦ |
| ٦         | النور      | صه لا         | الصَّدِيقِيْنَ  | ٢٧٩٧ |
| ٧         | النور      | صه            | الْكَذِيْبِيْنَ | ٢٧٩٨ |
| ٨         | النور      | ط بلا         | الْكَذِيْبِيْنَ | ٢٧٩٩ |
| ٩         | النور      | صه            | الصَّدِيقِيْنَ  | ٢٨٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٠        | النور      | صه            | حَكِيمٌ        | ٢٨٠١ |
| ١١        | النور      | صه            | عَظِيمٌ        | ٢٨٠٢ |
| ١٢        | النور      | صه            | مُبِينٌ        | ٢٨٠٣ |
| ١٣        | النور      | صه            | الْكَذَّابُونَ | ٢٨٠٤ |
| ١٤        | النور      | ج. صلي. لا    | عَظِيمٌ        | ٢٨٠٥ |
| ١٥        | النور      | صه            | عَظِيمٌ        | ٢٨٠٦ |
| ١٦        | النور      | صه            | عَظِيمٌ        | ٢٨٠٧ |
| ١٧        | النور      | ج             | مُؤْمِنِينَ    | ٢٨٠٨ |
| ١٨        | النور      | صه            | حَكِيمٌ        | ٢٨٠٩ |
| ١٩        | النور      | صه            | تَعْلَمُونَ    | ٢٨١٠ |
| ٢٠        | النور      | صه            | رَّحِيمٌ       | ٢٨١١ |
| ٢١        | النور      | صه            | عَلِيمٌ        | ٢٨١٢ |
| ٢٢        | النور      | صه            | رَّحِيمٌ       | ٢٨١٣ |
| ٢٣        | النور      | لا            | عَظِيمٌ        | ٢٨١٤ |
| ٢٤        | النور      | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٢٨١٥ |
| ٢٥        | النور      | صه            | الْمُبِينُ     | ٢٨١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | ت    | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ |
|-----------------|------|------------------------|-------------------------------------|
| كَرِيمٌ         | ٢٨١٧ | صه                     | النور ٢٦                            |
| تَذَكَّرُونَ    | ٢٨١٨ | صه                     | النور ٢٧                            |
| عَلِيمٌ         | ٢٨١٩ | صه                     | النور ٢٨                            |
| تَكُنُّمُونَ    | ٢٨٢٠ | صه                     | النور ٢٩                            |
| يَصْنَعُونَ     | ٢٨٢١ | صه                     | النور ٣٠                            |
| تُفْلِحُونَ     | ٢٨٢٢ | صه                     | النور ٣١                            |
| عَلِيمٌ         | ٢٨٢٣ | صه                     | النور ٣٢                            |
| رَحِيمٌ         | ٢٨٢٤ | صه                     | النور ٣٣                            |
| لِلْمُتَّقِينَ  | ٢٨٢٥ | صه                     | النور ٣٤                            |
| عَلِيمٌ         | ٢٨٢٦ | صه لا                  | النور ٣٥                            |
| وَالْأَصَالِ    | ٢٨٢٧ | ط.لا                   | النور ٣٦                            |
| وَالْأَبْصَرُ   | ٢٨٢٨ | ق.لا                   | النور ٣٧                            |
| حِسَابٍ         | ٢٨٢٩ | صه                     | النور ٣٨                            |
| الْحِسَابِ      | ٢٨٣٠ | صه لا                  | النور ٣٩                            |
| نُورٍ           | ٢٨٣١ | صه                     | النور ٤٠                            |
| يَفْعَلُونَ     | ٢٨٣٢ | صه                     | النور ٤١                            |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| ت  | رأس الآية        | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|----|------------------|---------------|----------------------|
| ٤٢ | الْمَصِيرُ       | صه            | النور                |
| ٤٣ | بِالْأَبْصَرِ    | ط             | النور                |
| ٤٤ | الْأَبْصَرِ      | صه            | النور                |
| ٤٥ | قَدِيرُ          | صه            | النور                |
| ٤٦ | مُسْتَقِيمٍ      | صه            | النور                |
| ٤٧ | بِالْمُؤْمِنِينَ | صه            | النور                |
| ٤٨ | مُعْرِضُونَ      | صه            | النور                |
| ٤٩ | مُذْعِنِينَ      | ط             | النور                |
| ٥٠ | الظَّالِمُونَ    | ج             | النور                |
| ٥١ | الْمُفْلِحُونَ   | صه            | النور                |
| ٥٢ | الْفَارِئُونَ    | صه            | النور                |
| ٥٣ | تَعْمَلُونَ      | صه            | النور                |
| ٥٤ | الْمُبِينُ       | صه            | النور                |
| ٥٥ | الْفَسِيقُونَ    | صه            | النور                |
| ٥٦ | تُرْحَمُونَ      | صه            | النور                |
| ٥٧ | الْمَصِيرُ       | صه            | النور                |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٥٨        | النور      | صه            | حَكِيمٌ     | ٢٨٤٩ |
| ٥٩        | النور      | صه            | حَكِيمٌ     | ٢٨٥٠ |
| ٦٠        | النور      | صه            | عَلِيمٌ     | ٢٨٥١ |
| ٦١        | النور      | صه            | تَعْقِلُونَ | ٢٨٥٢ |
| ٦٢        | النور      | صه            | رَّحِيمٌ    | ٢٨٥٣ |
| ٦٣        | النور      | صه            | أَلِيمٌ     | ٢٨٥٤ |
| ٦٤        | النور      | صه            | عَلِيمٌ     | ٢٨٥٥ |
| ١         | الفرقان    | صه.لا         | نَذِيرًا    | ٢٨٥٦ |
| ٢         | الفرقان    | صه            | تَقْدِيرًا  | ٢٨٥٧ |
| ٣         | الفرقان    | صه            | نُشُورًا    | ٢٨٥٨ |
| ٤         | الفرقان    | ث.ج.لا        | وَزُورًا    | ٢٨٥٩ |
| ٥         | الفرقان    | صه            | وَأَصِيلًا  | ٢٨٦٠ |
| ٦         | الفرقان    | ط             | رَّحِيمًا   | ٢٨٦١ |
| ٧         | الفرقان    | لا            | نَذِيرًا    | ٢٨٦٢ |
| ٨         | الفرقان    | صه            | مَسْحُورًا  | ٢٨٦٣ |
| ٩         | الفرقان    | صه            | سَيِّلًا    | ٢٨٦٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ١٠        | الفرقان    | صه            | قُصُورًا   | ٢٨٦٥ |
| ١١        | الفرقان    | ج.لا          | سَعِيرًا   | ٢٨٦٦ |
| ١٢        | الفرقان    | صه            | وَزَفِيرًا | ٢٨٦٧ |
| ١٣        | الفرقان    | ط             | ثُبُورًا   | ٢٨٦٨ |
| ١٤        | الفرقان    | صه            | كَثِيرًا   | ٢٨٦٩ |
| ١٥        | الفرقان    | صه            | وَمَصِيرًا | ٢٨٧٠ |
| ١٦        | الفرقان    | صه            | مَسْؤُلًا  | ٢٨٧١ |
| ١٧        | الفرقان    | ط             | السَّبِيل  | ٢٨٧٢ |
| ١٨        | الفرقان    | صه            | بُورًا     | ٢٨٧٣ |
| ١٩        | الفرقان    | صه            | كِيرًا     | ٢٨٧٤ |
| ٢٠        | الفرقان    | صه            | بَصِيرًا   | ٢٨٧٥ |
| ٢١        | الفرقان    | صه            | كَبِيرًا   | ٢٨٧٦ |
| ٢٢        | الفرقان    | صه            | مَحْجُورًا | ٢٨٧٧ |
| ٢٣        | الفرقان    | صه.لا         | مَنْثُورًا | ٢٨٧٨ |
| ٢٤        | الفرقان    | صه            | مَقِيلًا   | ٢٨٧٩ |
| ٢٥        | الفرقان    | صه            | تَنْزِيلًا | ٢٨٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٢٦        | الفرقان    | صه            | عَسِيرًا   | ٢٨٨١ |
| ٢٧        | الفرقان    | لا            | سَيِّلًا   | ٢٨٨٢ |
| ٢٨        | الفرقان    | لا            | خَلِيلًا   | ٢٨٨٣ |
| ٢٩        | الفرقان    | صه            | خَدُولًا   | ٢٨٨٤ |
| ٣٠        | الفرقان    | صه            | مَهْجُورًا | ٢٨٨٥ |
| ٣١        | الفرقان    | صه            | وَنَصِيرًا | ٢٨٨٦ |
| ٣٢        | الفرقان    | صه            | تَرْتِيلًا | ٢٨٨٧ |
| ٣٣        | الفرقان    | ط             | تَفْسِيرًا | ٢٨٨٨ |
| ٣٤        | الفرقان    | صه            | سَيِّلًا   | ٢٨٨٩ |
| ٣٥        | الفرقان    | ج. صلي        | وَزِيرًا   | ٢٨٩٠ |
| ٣٦        | الفرقان    | ط             | تَدْمِيرًا | ٢٨٩١ |
| ٣٧        | الفرقان    | ج. صلي        | أَلِيمًا   | ٢٨٩٢ |
| ٣٨        | الفرقان    | صه            | كَثِيرًا   | ٢٨٩٣ |
| ٣٩        | الفرقان    | صه            | تَتْبِيرًا | ٢٨٩٤ |
| ٤٠        | الفرقان    | صه            | نُشُورًا   | ٢٨٩٥ |
| ٤١        | الفرقان    | لا            | رَسُولًا   | ٢٨٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٤٢        | الفرقان    | صه            | سِيَّلًا   | ٢٨٩٧ |
| ٤٣        | الفرقان    | صه لا         | وَكِيلًا   | ٢٨٩٨ |
| ٤٤        | الفرقان    | صه            | سِيَّلًا   | ٢٨٩٩ |
| ٤٥        | الفرقان    | لا            | دَلِيلًا   | ٢٩٠٠ |
| ٤٦        | الفرقان    | صه            | يَسِيرًا   | ٢٩٠١ |
| ٤٧        | الفرقان    | صه            | نُشُورًا   | ٢٩٠٢ |
| ٤٨        | الفرقان    | لا            | ظُهُورًا   | ٢٩٠٣ |
| ٤٩        | الفرقان    | صه            | كَثِيرًا   | ٢٩٠٤ |
| ٥٠        | الفرقان    | صه            | كُفُورًا   | ٢٩٠٥ |
| ٥١        | الفرقان    | ز.صلي         | نَذِيرًا   | ٢٩٠٦ |
| ٥٢        | الفرقان    | صه            | كَبِيرًا   | ٢٩٠٧ |
| ٥٣        | الفرقان    | صه            | مَحْجُورًا | ٢٩٠٨ |
| ٥٤        | الفرقان    | صه            | قَدِيرًا   | ٢٩٠٩ |
| ٥٥        | الفرقان    | صه            | ظَاهِيرًا  | ٢٩١٠ |
| ٥٦        | الفرقان    | صه            | وَنَذِيرًا | ٢٩١١ |
| ٥٧        | الفرقان    | صه            | سِيَّلًا   | ٢٩١٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٥٨        | الفرقان    | ث.ج.لا        | خَيْرًا      | ٢٩١٣ |
| ٥٩        | الفرقان    | ج             | خَيْرًا      | ٢٩١٤ |
| ٦٠        | الفرقان    | صه            | نُفُورًا     | ٢٩١٥ |
| ٦١        | الفرقان    | صه            | مُنْيِرًا    | ٢٩١٦ |
| ٦٢        | الفرقان    | صه            | شُكُورًا     | ٢٩١٧ |
| ٦٣        | الفرقان    | صه            | سَلَامًا     | ٢٩١٨ |
| ٦٤        | الفرقان    | صه            | وَقِيمًا     | ٢٩١٩ |
| ٦٥        | الفرقان    | صلٍي          | غَرَامًا     | ٢٩٢٠ |
| ٦٦        | الفرقان    | صه            | وَمُقَامًا   | ٢٩٢١ |
| ٦٧        | الفرقان    | صه            | قَوَاماً     | ٢٩٢٢ |
| ٦٨        | الفرقان    | ط.لا          | أَثَاماً     | ٢٩٢٣ |
| ٦٩        | الفرقان    | صلٍي.ق.لا     | مُهَانًا     | ٢٩٢٤ |
| ٧٠        | الفرقان    | صه            | رَحِيمًا     | ٢٩٢٥ |
| ٧١        | الفرقان    | صه            | مَتَابًا     | ٢٩٢٦ |
| ٧٢        | الفرقان    | صه            | كِرامًا      | ٢٩٢٧ |
| ٧٣        | الفرقان    | صه            | وَعُمَيَانًا | ٢٩٢٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧٤        | الفرقان    | صه            | إماماً          | ٢٩٢٩ |
| ٧٥        | الفرقان    | لا            | وَسَلَماً       | ٢٩٣٠ |
| ٧٦        | الفرقان    | صه            | وَمُقَاماً      | ٢٩٣١ |
| ٧٧        | الفرقان    | صه لا         | لِزَاماً        | ٢٩٣٢ |
| ١         | الشعراء    | صه            | طسم             | ٢٩٣٣ |
| ٢         | الشعراء    | صه            | الْمُبِين       | ٢٩٣٤ |
| ٣         | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ     | ٢٩٣٥ |
| ٤         | الشعراء    | صه            | خَاضِعِينَ      | ٢٩٣٦ |
| ٥         | الشعراء    | صه            | مُعْرِضِينَ     | ٢٩٣٧ |
| ٦         | الشعراء    | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ٢٩٣٨ |
| ٧         | الشعراء    | صه            | كَرِيرٍ         | ٢٩٣٩ |
| ٨         | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ     | ٢٩٤٠ |
| ٩         | الشعراء    | صه            | الرَّحِيمُ      | ٢٩٤١ |
| ١٠        | الشعراء    | لا            | الظَّالِمِينَ   | ٢٩٤٢ |
| ١١        | الشعراء    | ط             | يَتَّقُونَ      | ٢٩٤٣ |
| ١٢        | الشعراء    | ط بلا         | يُكَذِّبُونِ    | ٢٩٤٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٣        | الشعراء    | لا            | هَرُونَ        | ٢٩٤٥ |
| ١٤        | الشعراء    | ج             | يَقْتُلُونِ    | ٢٩٤٦ |
| ١٥        | الشعراء    | صه            | مُسْتَمِعُونَ  | ٢٩٤٧ |
| ١٦        | الشعراء    | لا            | الْعَالَمِينَ  | ٢٩٤٨ |
| ١٧        | الشعراء    | ط             | إِسْرَاعِيلَ   | ٢٩٤٩ |
| ١٨        | الشعراء    | طـلا          | سِنِينَ        | ٢٩٥٠ |
| ١٩        | الشعراء    | صه            | الْكَفَرِينَ   | ٢٩٥١ |
| ٢٠        | الشعراء    | ط             | الضَّالِّينَ   | ٢٩٥٢ |
| ٢١        | الشعراء    | صه            | الْمُرْسَلِينَ | ٢٩٥٣ |
| ٢٢        | الشعراء    | ط             | إِسْرَاعِيلَ   | ٢٩٥٤ |
| ٢٣        | الشعراء    | ط             | الْعَالَمِينَ  | ٢٩٥٥ |
| ٢٤        | الشعراء    | صه            | مُوقِنِينَ     | ٢٩٥٦ |
| ٢٥        | الشعراء    | صه            | تَسْتَمِعُونَ  | ٢٩٥٧ |
| ٢٦        | الشعراء    | ط             | الْأَوَّلِينَ  | ٢٩٥٨ |
| ٢٧        | الشعراء    | صه            | لَمَجْنُونٌ    | ٢٩٥٩ |
| ٢٨        | الشعراء    | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٢٩٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٩        | الشعراء    | صه            | الْمَسْجُونِينَ | ٢٩٦١ |
| ٣٠        | الشعراء    | ج.لا          | مُّبِينٍ        | ٢٩٦٢ |
| ٣١        | الشعراء    | صه            | الْصَّدِيقِينَ  | ٢٩٦٣ |
| ٣٢        | الشعراء    | ج.صلي.لا      | مُّبِينٌ        | ٢٩٦٤ |
| ٣٣        | الشعراء    | صه            | لِلنَّاظِرِينَ  | ٢٩٦٥ |
| ٣٤        | الشعراء    | لا            | عَلِيمٌ         | ٢٩٦٦ |
| ٣٥        | الشعراء    | صه.لا         | تَأْمُرُونَ     | ٢٩٦٧ |
| ٣٦        | الشعراء    | لا            | حَشِيرِينَ      | ٢٩٦٨ |
| ٣٧        | الشعراء    | صه            | عَلِيمٍ         | ٢٩٦٩ |
| ٣٨        | الشعراء    | صه.لا         | مَعْلُومٍ       | ٢٩٧٠ |
| ٣٩        | الشعراء    | لا            | مُجْتَمِعُونَ   | ٢٩٧١ |
| ٤٠        | الشعراء    | صه            | الْغَلِيلِينَ   | ٢٩٧٢ |
| ٤١        | الشعراء    | صه            | الْغَلِيلِينَ   | ٢٩٧٣ |
| ٤٢        | الشعراء    | صه            | الْمُقَرَّبِينَ | ٢٩٧٤ |
| ٤٣        | الشعراء    | صه            | مُلْقُونَ       | ٢٩٧٥ |
| ٤٤        | الشعراء    | صه            | الْغَلِيلُونَ   | ٢٩٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤٥        | الشعراء    | ج.صلي         | يَا فِكُونَ    | ٢٩٧٧ |
| ٤٦        | الشعراء    | صه.لا         | سَاجِدِينَ     | ٢٩٧٨ |
| ٤٧        | الشعراء    | لا            | الْعَالَمِينَ  | ٢٩٧٩ |
| ٤٨        | الشعراء    | صه            | وَهَرُونَ      | ٢٩٨٠ |
| ٤٩        | الشعراء    | ج             | أَجْمَعِينَ    | ٢٩٨١ |
| ٥٠        | الشعراء    | ج             | مُنَقَّلِبُونَ | ٢٩٨٢ |
| ٥١        | الشعراء    | ط             | الْمُؤْمِنِينَ | ٢٩٨٣ |
| ٥٢        | الشعراء    | صه            | مُتَّبِعُونَ   | ٢٩٨٤ |
| ٥٣        | الشعراء    | ج             | حَشِيرِينَ     | ٢٩٨٥ |
| ٥٤        | الشعراء    | لا            | قَلِيلُونَ     | ٢٩٨٦ |
| ٥٥        | الشعراء    | لا            | لَغَآيُظُونَ   | ٢٩٨٧ |
| ٥٦        | الشعراء    | ط             | حَذِرُونَ      | ٢٩٨٨ |
| ٥٧        | الشعراء    | لا            | وَعُيُونِ      | ٢٩٨٩ |
| ٥٨        | الشعراء    | صه.لا         | كَرِيمِ        | ٢٩٩٠ |
| ٥٩        | الشعراء    | ج.ط.لا        | إِسْرَاعِيلَ   | ٢٩٩١ |
| ٦٠        | الشعراء    | صه            | مُشْرِقِينَ    | ٢٩٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦١        | الشعراء    | ج             | لَمُدْرَكُونَ  | ٢٩٩٣ |
| ٦٢        | الشعراء    | صه            | سَيَهْدِينَ    | ٢٩٩٤ |
| ٦٣        | الشعراء    | ج             | الْعَظِيمُ     | ٢٩٩٥ |
| ٦٤        | الشعراء    | ج             | الْآخَرِينَ    | ٢٩٩٦ |
| ٦٥        | الشعراء    | ج.لا          | أَجْمَعِينَ    | ٢٩٩٧ |
| ٦٦        | الشعراء    | ط             | الْآخَرِينَ    | ٢٩٩٨ |
| ٦٧        | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٢٩٩٩ |
| ٦٨        | الشعراء    | صه            | الرَّحِيمُ     | ٣٠٠٠ |
| ٦٩        | الشعراء    | لام           | إِبْرَاهِيمَ   | ٣٠٠١ |
| ٧٠        | الشعراء    | صه            | تَعْبُدُونَ    | ٣٠٠٢ |
| ٧١        | الشعراء    | صه            | عَكِيفِينَ     | ٣٠٠٣ |
| ٧٢        | الشعراء    | لا            | تَدْعُونَ      | ٣٠٠٤ |
| ٧٣        | الشعراء    | صه            | يَضْرُونَ      | ٣٠٠٥ |
| ٧٤        | الشعراء    | صه            | يَفْعَلُونَ    | ٣٠٠٦ |
| ٧٥        | الشعراء    | لا            | تَعْبُدُونَ    | ٣٠٠٧ |
| ٧٦        | الشعراء    | ز.صلي.لا      | الْأَقْدَمُونَ | ٣٠٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ      | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ | ت  |
|----------------------|-------------------------|-------------------------------------|----|
| الْعَالَمِينَ ٣٠٠٩   | لَا                     | الشِّعْرَاءُ ٧٧                     | ٧٧ |
| يَهْدِينَ ٣٠١٠       | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٧٨                     | ٧٨ |
| وَيَسِّقِينَ ٣٠١١    | لَا                     | الشِّعْرَاءُ ٧٩                     | ٧٩ |
| يَشْفِينَ ٣٠١٢       | ضَلَا                   | الشِّعْرَاءُ ٨٠                     | ٨٠ |
| يُحْبِينَ ٣٠١٣       | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٨١                     | ٨١ |
| الْدِينِ ٣٠١٤        | ط                       | الشِّعْرَاءُ ٨٢                     | ٨٢ |
| بِالصَّالِحِينَ ٣٠١٥ | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٨٣                     | ٨٣ |
| الْآخِرِينَ ٣٠١٦     | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٨٤                     | ٨٤ |
| النَّعِيمَ ٣٠١٧      | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٨٥                     | ٨٥ |
| الضَّالِّينَ ٣٠١٨    | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٨٦                     | ٨٦ |
| يُبَعَثُونَ ٣٠١٩     | لَا                     | الشِّعْرَاءُ ٨٧                     | ٨٧ |
| بَنُونَ ٣٠٢٠         | لَا                     | الشِّعْرَاءُ ٨٨                     | ٨٨ |
| سَلِيمٍ ٣٠٢١         | ط                       | الشِّعْرَاءُ ٨٩                     | ٨٩ |
| لِلْمُتَّقِينَ ٣٠٢٢  | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٩٠                     | ٩٠ |
| لِلْغَاوِينَ ٣٠٢٣    | صَهْ لَا                | الشِّعْرَاءُ ٩١                     | ٩١ |
| تَعْبُدُونَ ٣٠٢٤     | لَا                     | الشِّعْرَاءُ ٩٢                     | ٩٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٩٣        | الشعراء    | ط             | يَنْتَصِرُونَ  | ٣٠٢٥ |
| ٩٤        | الشعراء    | لا            | وَالْغَاوُونَ  | ٣٠٢٦ |
| ٩٥        | الشعراء    | ط             | أَجَمَعُونَ    | ٣٠٢٧ |
| ٩٦        | الشعراء    | لا            | يَخْتَصِمُونَ  | ٣٠٢٨ |
| ٩٧        | الشعراء    | لا            | مُّبِينٍ       | ٣٠٢٩ |
| ٩٨        | الشعراء    | صه لا         | الْعَالَمِينَ  | ٣٠٣٠ |
| ٩٩        | الشعراء    | صه            | الْمُجْرِمُونَ | ٣٠٣١ |
| ١٠٠       | الشعراء    | لا            | شَفِيعَيْنَ    | ٣٠٣٢ |
| ١٠١       | الشعراء    | صه            | حَمِيمٍ        | ٣٠٣٣ |
| ١٠٢       | الشعراء    | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٠٣٤ |
| ١٠٣       | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٣٠٣٥ |
| ١٠٤       | الشعراء    | صه            | الرَّحِيمُ     | ٣٠٣٦ |
| ١٠٥       | الشعراء    | ج. صلي. لا    | الْمُرْسَلِينَ | ٣٠٣٧ |
| ١٠٦       | الشعراء    | ج. لا         | تَتَقُونَ      | ٣٠٣٨ |
| ١٠٧       | الشعراء    | صه لا         | أَمِينٌ        | ٣٠٣٩ |
| ١٠٨       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيْعُونِ  | ٣٠٤٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٠٩       | الشعراء    | ج             | الْعَالَمِينَ   | ٣٠٤١ |
| ١١٠       | الشعراء    | ط             | وَأَطِيعُونِ    | ٣٠٤٢ |
| ١١١       | الشعراء    | ط             | الْأَرْذَلُونَ  | ٣٠٤٣ |
| ١١٢       | الشعراء    | ج             | يَعْمَلُونَ     | ٣٠٤٤ |
| ١١٣       | الشعراء    | ج             | تَشْعُرُونَ     | ٣٠٤٥ |
| ١١٤       | الشعراء    | ج.لا          | الْمُؤْمِنِينَ  | ٣٠٤٦ |
| ١١٥       | الشعراء    | ط             | مُّبِينٌ        | ٣٠٤٧ |
| ١١٦       | الشعراء    | ط             | الْمَرْجُومِينَ | ٣٠٤٨ |
| ١١٧       | الشعراء    | ج.صلي.لا      | كَذَّبُونَ      | ٣٠٤٩ |
| ١١٨       | الشعراء    | صه            | الْمُؤْمِنِينَ  | ٣٠٥٠ |
| ١١٩       | الشعراء    | ج             | الْمَسْحُونِ    | ٣٠٥١ |
| ١٢٠       | الشعراء    | ط             | الْبَاقِينَ     | ٣٠٥٢ |
| ١٢١       | الشعراء    | صه            | مُّؤْمِنِينَ    | ٣٠٥٣ |
| ١٢٢       | الشعراء    | صه            | الرَّحِيمُ      | ٣٠٥٤ |
| ١٢٣       | الشعراء    | ج.صلي.لا      | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٠٥٥ |
| ١٢٤       | الشعراء    | ج.لا          | تَتَّقُونَ      | ٣٠٥٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٢٥       | الشعراء    | صه.لا         | أَمِينُ        | ٣٠٥٧ |
| ١٢٦       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيعُونِ   | ٣٠٥٨ |
| ١٢٧       | الشعراء    | ط             | الْعَالَمِينَ  | ٣٠٥٩ |
| ١٢٨       | الشعراء    | لا            | تَعْبُثُونَ    | ٣٠٦٠ |
| ١٢٩       | الشعراء    | ج.لا          | تَخْلُدُونَ    | ٣٠٦١ |
| ١٣٠       | الشعراء    | ج             | جَارِينَ       | ٣٠٦٢ |
| ١٣١       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيعُونِ   | ٣٠٦٣ |
| ١٣٢       | الشعراء    | ج.لا          | تَعْلَمُونَ    | ٣٠٦٤ |
| ١٣٣       | الشعراء    | ج.لا          | وَبَنِينَ      | ٣٠٦٥ |
| ١٣٤       | الشعراء    | ج             | وَعُيُونِ      | ٣٠٦٦ |
| ١٣٥       | الشعراء    | ط             | عَظِيمٍ        | ٣٠٦٧ |
| ١٣٦       | الشعراء    | لا            | الْوَاعِظِينَ  | ٣٠٦٨ |
| ١٣٧       | الشعراء    | لا            | الْأَوَّلِينَ  | ٣٠٦٩ |
| ١٣٨       | الشعراء    | ج             | بِمُعَذَّبِينَ | ٣٠٧٠ |
| ١٣٩       | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٣٠٧١ |
| ١٤٠       | الشعراء    | صه            | الْرَّحِيمُ    | ٣٠٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٤١       | الشعراء    | ج.صلي.لا      | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٠٧٣ |
| ١٤٢       | الشعراء    | ج.لا          | تَتَّقُونَ      | ٣٠٧٤ |
| ١٤٣       | الشعراء    | صه.لا         | أَمِينٌ         | ٣٠٧٥ |
| ١٤٤       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيعُونِ    | ٣٠٧٦ |
| ١٤٥       | الشعراء    | ط             | الْعَالَمِينَ   | ٣٠٧٧ |
| ١٤٦       | الشعراء    | لا            | ءَامِينِينَ     | ٣٠٧٨ |
| ١٤٧       | الشعراء    | لا            | وَعُيُونِ       | ٣٠٧٩ |
| ١٤٨       | الشعراء    | ج.لا          | هَضِيمٌ         | ٣٠٨٠ |
| ١٤٩       | الشعراء    | ج             | فَرِهِينَ       | ٣٠٨١ |
| ١٥٠       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيعُونِ    | ٣٠٨٢ |
| ١٥١       | الشعراء    | لا            | الْمُسْرِفِينَ  | ٣٠٨٣ |
| ١٥٢       | الشعراء    | صه            | يُصْلِحُونَ     | ٣٠٨٤ |
| ١٥٣       | الشعراء    | ج.لا          | الْمُسَحَّرِينَ | ٣٠٨٥ |
| ١٥٤       | الشعراء    | صه            | الصَّدِيقِينَ   | ٣٠٨٦ |
| ١٥٥       | الشعراء    | ج             | مَعْلُومٍ       | ٣٠٨٧ |
| ١٥٦       | الشعراء    | صه            | عَظِيمٍ         | ٣٠٨٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٥٧       | الشعراء    | لا            | نَادِمِينَ     | ٣٠٨٩ |
| ١٥٨       | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ    | ٣٠٩٠ |
| ١٥٩       | الشعراء    | صه            | الْرَّحِيمُ    | ٣٠٩١ |
| ١٦٠       | الشعراء    | ج.صلي.لا      | الْمُرْسَلِينَ | ٣٠٩٢ |
| ١٦١       | الشعراء    | ج.لا          | تَتَقَوَّنَ    | ٣٠٩٣ |
| ١٦٢       | الشعراء    | صه.لا         | أَمِينٌ        | ٣٠٩٤ |
| ١٦٣       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيعُونِ   | ٣٠٩٥ |
| ١٦٤       | الشعراء    | ط             | الْعَالَمِينَ  | ٣٠٩٦ |
| ١٦٥       | الشعراء    | لا            | الْعَالَمِينَ  | ٣٠٩٧ |
| ١٦٦       | الشعراء    | صه            | عَادُونَ       | ٣٠٩٨ |
| ١٦٧       | الشعراء    | صه            | الْمُخْرِجِينَ | ٣٠٩٩ |
| ١٦٨       | الشعراء    | ط             | الْقَالِينَ    | ٣١٠٠ |
| ١٦٩       | الشعراء    | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٣١٠١ |
| ١٧٠       | الشعراء    | لا            | أَجْمَعِينَ    | ٣١٠٢ |
| ١٧١       | الشعراء    | ج.لا          | الْغَابِرِينَ  | ٣١٠٣ |
| ١٧٢       | الشعراء    | ج             | الْآخَرِينَ    | ٣١٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٧٣       | الشعراء    | صه            | الْمُنَذِّرِينَ | ٣١٠٥ |
| ١٧٤       | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ     | ٣١٠٦ |
| ١٧٥       | الشعراء    | صه            | الْرَّحِيمُ     | ٣١٠٧ |
| ١٧٦       | الشعراء    | ج.صلي.لا      | الْمُرْسَلِينَ  | ٣١٠٨ |
| ١٧٧       | الشعراء    | ج.لا          | تَتَقَوَّنَ     | ٣١٠٩ |
| ١٧٨       | الشعراء    | صه.لا         | أَمِينٌ         | ٣١١٠ |
| ١٧٩       | الشعراء    | ج             | وَأَطِيعُونِ    | ٣١١١ |
| ١٨٠       | الشعراء    | ط             | الْعَالَمِينَ   | ٣١١٢ |
| ١٨١       | الشعراء    | ج             | الْمُخْسِرِينَ  | ٣١١٣ |
| ١٨٢       | الشعراء    | ج             | الْمُسْتَقِيمُ  | ٣١١٤ |
| ١٨٣       | الشعراء    | ج             | مُفْسِدِينَ     | ٣١١٥ |
| ١٨٤       | الشعراء    | ط             | الْأَوَّلِينَ   | ٣١١٦ |
| ١٨٥       | الشعراء    | لا            | الْمُسَحَّرِينَ | ٣١١٧ |
| ١٨٦       | الشعراء    | ج.لا          | الْكَذِيبِينَ   | ٣١١٨ |
| ١٨٧       | الشعراء    | ط             | الْصَّادِقِينَ  | ٣١١٩ |
| ١٨٨       | الشعراء    | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٣١٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٨٩       | الشعراء    | ط             | عَظِيمٍ         | ٣١٢١ |
| ١٩٠       | الشعراء    | صه            | مُؤْمِنِينَ     | ٣١٢٢ |
| ١٩١       | الشعراء    | صه            | الرَّحِيمُ      | ٣١٢٣ |
| ١٩٢       | الشعراء    | ط             | الْعَالَمِينَ   | ٣١٢٤ |
| ١٩٣       | الشعراء    | لا            | الْأَمِينُ      | ٣١٢٥ |
| ١٩٤       | الشعراء    | لا            | الْمُنْذِرِينَ  | ٣١٢٦ |
| ١٩٥       | الشعراء    | ط             | مُّبِينٍ        | ٣١٢٧ |
| ١٩٦       | الشعراء    | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ٣١٢٨ |
| ١٩٧       | الشعراء    | ط             | إِسْرَاعِيلَ    | ٣١٢٩ |
| ١٩٨       | الشعراء    | لا            | الْأَعْجَمِينَ  | ٣١٣٠ |
| ١٩٩       | الشعراء    | ط             | مُؤْمِنِينَ     | ٣١٣١ |
| ٢٠٠       | الشعراء    | ط بلا         | الْمُجْرِمِينَ  | ٣١٣٢ |
| ٢٠١       | الشعراء    | لا            | الْأَلِيمَ      | ٣١٣٣ |
| ٢٠٢       | الشعراء    | لا            | يَشْعُرُونَ     | ٣١٣٤ |
| ٢٠٣       | الشعراء    | ط             | مُنَظَّرُونَ    | ٣١٣٥ |
| ٢٠٤       | الشعراء    | صه            | يَسْتَعْجِلُونَ | ٣١٣٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٠٥       | الشعراء    | لا            | سِينِينَ        | ٣١٣٧ |
| ٢٠٦       | الشعراء    | لا            | يُوعَدُونَ      | ٣١٣٨ |
| ٢٠٧       | الشعراء    | ط             | يُمَتَّعُونَ    | ٣١٣٩ |
| ٢٠٨       | الشعراء    | ث. صلي. ق. لا | مُنْذِرُونَ     | ٣١٤٠ |
| ٢٠٩       | الشعراء    | صه            | ظَالِمِينَ      | ٣١٤١ |
| ٢١٠       | الشعراء    | لا            | الشَّيَاطِينُ   | ٣١٤٢ |
| ٢١١       | الشعراء    | ط             | يَسْتَطِعُونَ   | ٣١٤٣ |
| ٢١٢       | الشعراء    | ط             | لَمَعْزُولُونَ  | ٣١٤٤ |
| ٢١٣       | الشعراء    | ج             | الْمُعَذَّبِينَ | ٣١٤٥ |
| ٢١٤       | الشعراء    | لا            | الْأَقْرَبِينَ  | ٣١٤٦ |
| ٢١٥       | الشعراء    | ج             | الْمُؤْمِنِينَ  | ٣١٤٧ |
| ٢١٦       | الشعراء    | ج             | تَعْمَلُونَ     | ٣١٤٨ |
| ٢١٧       | الشعراء    | لا            | الرَّحِيمُ      | ٣١٤٩ |
| ٢١٨       | الشعراء    | لا            | تَقُومُ         | ٣١٥٠ |
| ٢١٩       | الشعراء    | صه            | السَّاجِدِينَ   | ٣١٥١ |
| ٢٢٠       | الشعراء    | صه            | الْعَلِيمُ      | ٣١٥٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٢١       | الشعراء    | ط بلا         | الشَّيَاطِينُ   | ٣١٥٣ |
| ٢٢٢       | الشعراء    | لا            | أَثِيمٌ         | ٣١٥٤ |
| ٢٢٣       | الشعراء    | ط             | كَذِبُونَ       | ٣١٥٥ |
| ٢٢٤       | الشعراء    | ط             | الْغَاعُونَ     | ٣١٥٦ |
| ٢٢٥       | الشعراء    | لا            | يَهِيمُونَ      | ٣١٥٧ |
| ٢٢٦       | الشعراء    | صه لا         | يَفْعَلُونَ     | ٣١٥٨ |
| ٢٢٧       | الشعراء    | صه            | يَنْقَلِبُونَ   | ٣١٥٩ |
| ١         | النمل      | صه لا         | مُبِينٍ         | ٣١٦٠ |
| ٢         | النمل      | لا            | لِلْمُؤْمِنِينَ | ٣١٦١ |
| ٣         | النمل      | صه            | يُوقِنُونَ      | ٣١٦٢ |
| ٤         | النمل      | ط             | يَعْمَهُونَ     | ٣١٦٣ |
| ٥         | النمل      | صه            | الْأَخْسَرُونَ  | ٣١٦٤ |
| ٦         | النمل      | صه            | عَلِيهِمْ       | ٣١٦٥ |
| ٧         | النمل      | صه            | تَضَطَّلُونَ    | ٣١٦٦ |
| ٨         | النمل      | صه            | الْعَالَمِينَ   | ٣١٦٧ |
| ٩         | النمل      | لا            | الْحَكِيمُ      | ٣١٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٠        | النمل      | صلي           | الْمُرْسَلُونَ | ٣١٦٩ |
| ١١        | النمل      | صه            | رَحِيمٌ        | ٣١٧٠ |
| ١٢        | النمل      | صه            | فَاسِقِينَ     | ٣١٧١ |
| ١٣        | النمل      | ج             | مُّبِينٌ       | ٣١٧٢ |
| ١٤        | النمل      | صه            | الْمُفْسِدِينَ | ٣١٧٣ |
| ١٥        | النمل      | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣١٧٤ |
| ١٦        | النمل      | صه            | الْمُبِينُ     | ٣١٧٥ |
| ١٧        | النمل      | صه            | يُوزَاعُونَ    | ٣١٧٦ |
| ١٨        | النمل      | صه            | يَشْعُرُونَ    | ٣١٧٧ |
| ١٩        | النمل      | صه            | الصَّالِحِينَ  | ٣١٧٨ |
| ٢٠        | النمل      | صه            | الْغَائِبِينَ  | ٣١٧٩ |
| ٢١        | النمل      | صه            | مُّبِينٍ       | ٣١٨٠ |
| ٢٢        | النمل      | صه            | يَقِينٍ        | ٣١٨١ |
| ٢٣        | النمل      | صه            | عَظِيمٌ        | ٣١٨٢ |
| ٢٤        | النمل      | لا            | يَهْتَدُونَ    | ٣١٨٣ |
| ٢٥        | النمل      | صه            | تُعلِّنُونَ    | ٣١٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢٦        | النمل      | صه            | الْعَظِيمُ     | ٣١٨٥ |
| ٢٧        | النمل      | صه            | الْكَذِيبُ     | ٣١٨٦ |
| ٢٨        | النمل      | صه            | يَرْجِعُونَ    | ٣١٨٧ |
| ٢٩        | النمل      | لا            | كَرِيمٌ        | ٣١٨٨ |
| ٣٠        | النمل      | لا            | الرَّحِيمُ     | ٣١٨٩ |
| ٣١        | النمل      | صه            | مُسْلِمِينَ    | ٣١٩٠ |
| ٣٢        | النمل      | صه            | تَشَهِّدُونِ   | ٣١٩١ |
| ٣٣        | النمل      | صه            | تَأْمُرِينَ    | ٣١٩٢ |
| ٣٤        | النمل      | صه            | يَفْعَلُونَ    | ٣١٩٣ |
| ٣٥        | النمل      | صه            | الْمُرْسَلُونَ | ٣١٩٤ |
| ٣٦        | النمل      | صه            | تَفَرَّحُونَ   | ٣١٩٥ |
| ٣٧        | النمل      | صه            | صَغِيرُونَ     | ٣١٩٦ |
| ٣٨        | النمل      | صه            | مُسْلِمِينَ    | ٣١٩٧ |
| ٣٩        | النمل      | صه            | أَمِينُ        | ٣١٩٨ |
| ٤٠        | النمل      | صه            | كَرِيمٌ        | ٣١٩٩ |
| ٤١        | النمل      | صه            | يَهْتَدُونَ    | ٣٢٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤٢        | النمل      | صه            | مُسْلِمِينَ    | ٣٢٠١ |
| ٤٣        | النمل      | صه            | كَفِرِينَ      | ٣٢٠٢ |
| ٤٤        | النمل      | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٣٢٠٣ |
| ٤٥        | النمل      | صه            | يَخْتَصِمُونَ  | ٣٢٠٤ |
| ٤٦        | النمل      | صه            | تُرْحَمُونَ    | ٣٢٠٥ |
| ٤٧        | النمل      | صه            | تُفَتَّهُونَ   | ٣٢٠٦ |
| ٤٨        | النمل      | صه            | يُصْلِحُونَ    | ٣٢٠٧ |
| ٤٩        | النمل      | صه            | لَصَدِيقُونَ   | ٣٢٠٨ |
| ٥٠        | النمل      | صه            | يَشْعُرُونَ    | ٣٢٠٩ |
| ٥١        | النمل      | صه            | أَجْمَعِينَ    | ٣٢١٠ |
| ٥٢        | النمل      | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٣٢١١ |
| ٥٣        | النمل      | صه            | يَتَّقُونَ     | ٣٢١٢ |
| ٥٤        | النمل      | صه            | تُبَصِّرُونَ   | ٣٢١٣ |
| ٥٥        | النمل      | صه            | تَجْهَلُونَ    | ٣٢١٤ |
| ٥٦        | النمل      | صه            | يَتَطَهَّرُونَ | ٣٢١٥ |
| ٥٧        | النمل      | صه            | الْغَيْرِينَ   | ٣٢١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٥٨        | النمل      | صه            | الْمُنْذَرِينَ  | ٣٢١٧ |
| ٥٩        | النمل      | ط             | يُشْرِكُونَ     | ٣٢١٨ |
| ٦٠        | النمل      | ط             | يَعْدِلُونَ     | ٣٢١٩ |
| ٦١        | النمل      | ط             | يَعْلَمُونَ     | ٣٢٢٠ |
| ٦٢        | النمل      | ط             | تَذَكَّرُونَ    | ٣٢٢١ |
| ٦٣        | النمل      | ط             | يُشْرِكُونَ     | ٣٢٢٢ |
| ٦٤        | النمل      | صه            | صَدِيقِينَ      | ٣٢٢٣ |
| ٦٥        | النمل      | ط             | يُبَعَثُونَ     | ٣٢٢٤ |
| ٦٦        | النمل      | صه            | عَمُونَ         | ٣٢٢٥ |
| ٦٧        | النمل      | صه            | لَمُخْرَجُونَ   | ٣٢٢٦ |
| ٦٨        | النمل      | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ٣٢٢٧ |
| ٦٩        | النمل      | صه            | الْمُجْرِمِينَ  | ٣٢٢٨ |
| ٧٠        | النمل      | صه            | يَمْكُرُونَ     | ٣٢٢٩ |
| ٧١        | النمل      | صه            | صَدِيقِينَ      | ٣٢٣٠ |
| ٧٢        | النمل      | صه            | تَسْتَعْجِلُونَ | ٣٢٣١ |
| ٧٣        | النمل      | صه            | يَشْكُرُونَ     | ٣٢٣٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧٤        | النمل      | صه            | يُعْلِنُونَ     | ٣٢٣٣ |
| ٧٥        | النمل      | صه            | مُّبِينٍ        | ٣٢٣٤ |
| ٧٦        | النمل      | صه            | يَخْتَلِفُونَ   | ٣٢٣٥ |
| ٧٧        | النمل      | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ | ٣٢٣٦ |
| ٧٨        | النمل      | ج.لا          | الْعَلِيمُ      | ٣٢٣٧ |
| ٧٩        | النمل      | صه            | الْمُبِينِ      | ٣٢٣٨ |
| ٨٠        | النمل      | صه            | مُدَبِّرِينَ    | ٣٢٣٩ |
| ٨١        | النمل      | صه            | مُسْلِمُونَ     | ٣٢٤٠ |
| ٨٢        | النمل      | صه            | يُوقِنُونَ      | ٣٢٤١ |
| ٨٣        | النمل      | صه            | يُوزَعُونَ      | ٣٢٤٢ |
| ٨٤        | النمل      | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٣٢٤٣ |
| ٨٥        | النمل      | صه            | يَنْطِقُونَ     | ٣٢٤٤ |
| ٨٦        | النمل      | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ٣٢٤٥ |
| ٨٧        | النمل      | ط             | دَاهِرِينَ      | ٣٢٤٦ |
| ٨٨        | النمل      | صه            | تَفْعَلُونَ     | ٣٢٤٧ |
| ٨٩        | النمل      | ج             | ءَامِنُونَ      | ٣٢٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٩٠        | النمل      | صه.لا         | تَعْمَلُونَ    | ٣٢٤٩ |
| ٩١        | النمل      | لا            | الْمُسْلِمِينَ | ٣٢٥٠ |
| ٩٢        | النمل      | صه            | الْمُنْذِرِينَ | ٣٢٥١ |
| ٩٣        | النمل      | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٣٢٥٢ |
| ١         | القصص      | صه            | طسَم           | ٣٢٥٣ |
| ٢         | القصص      | صه            | الْمُبِينَ     | ٣٢٥٤ |
| ٣         | القصص      | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٣٢٥٥ |
| ٤         | القصص      | صه            | الْمُفْسِدِينَ | ٣٢٥٦ |
| ٥         | القصص      | لا            | الْوَرِثِينَ   | ٣٢٥٧ |
| ٦         | القصص      | صه            | يَحْذَرُونَ    | ٣٢٥٨ |
| ٧         | القصص      | صه            | الْمُرْسَلِينَ | ٣٢٥٩ |
| ٨         | القصص      | صه            | خَاطِئِينَ     | ٣٢٦٠ |
| ٩         | القصص      | صه            | يَشْعُرُونَ    | ٣٢٦١ |
| ١٠        | القصص      | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٢٦٢ |
| ١١        | القصص      | صه.لا         | يَشْعُرُونَ    | ٣٢٦٣ |
| ١٢        | القصص      | صه            | نَاصِحُونَ     | ٣٢٦٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٣        | القصص      | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٢٦٥ |
| ١٤        | القصص      | صه            | الْمُحْسِنِينَ  | ٣٢٦٦ |
| ١٥        | القصص      | صه            | مُبِينٌ         | ٣٢٦٧ |
| ١٦        | القصص      | صه            | الْرَّحِيمُ     | ٣٢٦٨ |
| ١٧        | القصص      | صه            | لِلْمُجْرِمِينَ | ٣٢٦٩ |
| ١٨        | القصص      | صه            | مُبِينٌ         | ٣٢٧٠ |
| ١٩        | القصص      | صه            | الْمُضْلِحِينَ  | ٣٢٧١ |
| ٢٠        | القصص      | صه            | الْنَّاصِحِينَ  | ٣٢٧٢ |
| ٢١        | القصص      | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٣٢٧٣ |
| ٢٢        | القصص      | صه            | السَّبِيلُ      | ٣٢٧٤ |
| ٢٣        | القصص      | صه            | كَبِيرٌ         | ٣٢٧٥ |
| ٢٤        | القصص      | صه            | فَقِيرٌ         | ٣٢٧٦ |
| ٢٥        | القصص      | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٣٢٧٧ |
| ٢٦        | القصص      | صه            | الْأَمِينُ      | ٣٢٧٨ |
| ٢٧        | القصص      | صه            | الصَّالِحِينَ   | ٣٢٧٩ |
| ٢٨        | القصص      | صه            | وَكِيلٌ         | ٣٢٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٩        | القصص      | صه            | تَصْطَلُونَ     | ٣٢٨١ |
| ٣٠        | القصص      | لا            | الْعَالَمِينَ   | ٣٢٨٢ |
| ٣١        | القصص      | صه            | الْأَمِينَ      | ٣٢٨٣ |
| ٣٢        | القصص      | صه            | فَسِقِينَ       | ٣٢٨٤ |
| ٣٣        | القصص      | ط.لا          | يَقْتُلُونِ     | ٣٢٨٥ |
| ٣٤        | القصص      | صه            | يُكَذِّبُونِ    | ٣٢٨٦ |
| ٣٥        | القصص      | صه            | الْغَلِبُونَ    | ٣٢٨٧ |
| ٣٦        | القصص      | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ٣٢٨٨ |
| ٣٧        | القصص      | صه            | الظَّالِمُونَ   | ٣٢٨٩ |
| ٣٨        | القصص      | صه            | الْكَذِيلِينَ   | ٣٢٩٠ |
| ٣٩        | القصص      | صه            | يُرْجَعُونَ     | ٣٢٩١ |
| ٤٠        | القصص      | ط             | الظَّالِمِينَ   | ٣٢٩٢ |
| ٤١        | القصص      | صه            | يُنَصَّرُونَ    | ٣٢٩٣ |
| ٤٢        | القصص      | صه            | الْمَقْبُوحِينَ | ٣٢٩٤ |
| ٤٣        | القصص      | صه            | يَتَذَكَّرُونَ  | ٣٢٩٥ |
| ٤٤        | القصص      | صه.لا         | الشَّهِيدِينَ   | ٣٢٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٤٥        | القصص      | صه            | مُرْسِلِينَ      | ٣٢٩٧ |
| ٤٦        | القصص      | ط             | يَتَذَكَّرُونَ   | ٣٢٩٨ |
| ٤٧        | القصص      | ط             | الْمُؤْمِنِينَ   | ٣٢٩٩ |
| ٤٨        | القصص      | صه            | كَافِرُونَ       | ٣٣٠٠ |
| ٤٩        | القصص      | صه            | صَدِيقِينَ       | ٣٣٠١ |
| ٥٠        | القصص      | صه            | الظَّالِمِينَ    | ٣٣٠٢ |
| ٥١        | القصص      | ط             | يَتَذَكَّرُونَ   | ٣٣٠٣ |
| ٥٢        | القصص      | صه            | يُؤْمِنُونَ      | ٣٣٠٤ |
| ٥٣        | القصص      | صه            | مُسْلِمِينَ      | ٣٣٠٥ |
| ٥٤        | القصص      | صه            | يُنْفِقُونَ      | ٣٣٠٦ |
| ٥٥        | القصص      | صه            | الْجَاهِلِينَ    | ٣٣٠٧ |
| ٥٦        | القصص      | صه            | بِالْمُهَتَدِينَ | ٣٣٠٨ |
| ٥٧        | القصص      | صه            | يَعْلَمُونَ      | ٣٣٠٩ |
| ٥٨        | القصص      | صه            | الْوَارِثِينَ    | ٣٣١٠ |
| ٥٩        | القصص      | صه            | ظَالِمُونَ       | ٣٣١١ |
| ٦٠        | القصص      | صه            | تَعْقِلُونَ      | ٣٣١٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٦١        | القصص      | صه            | الْمُحَضَّرِينَ | ٣٣١٣ |
| ٦٢        | القصص      | صه            | تَرْجُمُونَ     | ٣٣١٤ |
| ٦٣        | القصص      | صه            | يَعْبُدُونَ     | ٣٣١٥ |
| ٦٤        | القصص      | صه            | يَهْتَدُونَ     | ٣٣١٦ |
| ٦٥        | القصص      | صه            | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٣١٧ |
| ٦٦        | القصص      | صه            | يَتَسَاءَلُونَ  | ٣٣١٨ |
| ٦٧        | القصص      | صه            | الْمُفْلِحِينَ  | ٣٣١٩ |
| ٦٨        | القصص      | صه            | يُشْرِكُونَ     | ٣٣٢٠ |
| ٦٩        | القصص      | صه            | يُعْلِنُونَ     | ٣٣٢١ |
| ٧٠        | القصص      | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٣٣٢٢ |
| ٧١        | القصص      | صه            | تَسْمَعُونَ     | ٣٣٢٣ |
| ٧٢        | القصص      | صه            | تُبَصِّرُونَ    | ٣٣٢٤ |
| ٧٣        | القصص      | صه            | تَشْكِرُونَ     | ٣٣٢٥ |
| ٧٤        | القصص      | صه            | تَرْجُمُونَ     | ٣٣٢٦ |
| ٧٥        | القصص      | صه            | يَفْتَرُونَ     | ٣٣٢٧ |
| ٧٦        | القصص      | صه            | الْفَرِحِينَ    | ٣٣٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٧٧        | القصص      | صه            | آلْمُفْسِدِينَ    | ٣٣٢٩ |
| ٧٨        | القصص      | صه            | آلْمُجْرِمُونَ    | ٣٣٣٠ |
| ٧٩        | القصص      | صه            | عَظِيمٍ           | ٣٣٣١ |
| ٨٠        | القصص      | صه            | آلَّصَابِرُونَ    | ٣٣٣٢ |
| ٨١        | القصص      | صه            | آلَّمُنْتَصِرِينَ | ٣٣٣٣ |
| ٨٢        | القصص      | صه            | آلَّكَافِرُونَ    | ٣٣٣٤ |
| ٨٣        | القصص      | صه            | لِلْمُتَّقِينَ    | ٣٣٣٥ |
| ٨٤        | القصص      | صه            | يَعْمَلُونَ       | ٣٣٣٦ |
| ٨٥        | القصص      | صه            | مُبِينٍ           | ٣٣٣٧ |
| ٨٦        | القصص      | ط             | لِلْكَافِرِينَ    | ٣٣٣٨ |
| ٨٧        | القصص      | ج             | آلَّمُشْرِكِينَ   | ٣٣٣٩ |
| ٨٨        | القصص      | صه            | تُرْجَعُونَ       | ٣٣٤٠ |
| ١         | العنكبوت   | ج             | آلَّمَ            | ٣٣٤١ |
| ٢         | العنكبوت   | صه            | يُفْتَنُونَ       | ٣٣٤٢ |
| ٣         | العنكبوت   | صه            | آلَّكَذِيبِينَ    | ٣٣٤٣ |
| ٤         | العنكبوت   | صه            | يَحْكُمُونَ       | ٣٣٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٥         | العنكبوت   | صه            | الْعَلِيمُ      | ٣٣٤٥ |
| ٦         | العنكبوت   | صه            | الْعَالَمِينَ   | ٣٣٤٦ |
| ٧         | العنكبوت   | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٣٣٤٧ |
| ٨         | العنكبوت   | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٣٣٤٨ |
| ٩         | العنكبوت   | صه            | الصَّلِحِينَ    | ٣٣٤٩ |
| ١٠        | العنكبوت   | صه            | الْعَالَمِينَ   | ٣٣٥٠ |
| ١١        | العنكبوت   | صه            | الْمُنَافِقِينَ | ٣٣٥١ |
| ١٢        | العنكبوت   | صه            | لَكَذِبُونَ     | ٣٣٥٢ |
| ١٣        | العنكبوت   | صه            | يَفْتَرُونَ     | ٣٣٥٣ |
| ١٤        | العنكبوت   | صه            | ظَالِمُونَ      | ٣٣٥٤ |
| ١٥        | العنكبوت   | صه            | لِلْعَالَمِينَ  | ٣٣٥٥ |
| ١٦        | العنكبوت   | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٣٣٥٦ |
| ١٧        | العنكبوت   | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٣٣٥٧ |
| ١٨        | العنكبوت   | صه            | الْمُبِينُ      | ٣٣٥٨ |
| ١٩        | العنكبوت   | صه            | يَسِيرٌ         | ٣٣٥٩ |
| ٢٠        | العنكبوت   | ج             | قَدِيرٌ         | ٣٣٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ | ت    |
|-----------------|-------------------------|-------------------------------------|------|
| تُقْلِبُونَ     | صه                      | العنكبوت ٢١                         | ٣٣٦١ |
| نَصِيرٌ         | صه                      | العنكبوت ٢٢                         | ٣٣٦٢ |
| أَلَيْمٌ        | صه                      | العنكبوت ٢٣                         | ٣٣٦٣ |
| يُؤْمِنُونَ     | صه                      | العنكبوت ٢٤                         | ٣٣٦٤ |
| نَاصِرِينَ      | ق.لا                    | العنكبوت ٢٥                         | ٣٣٦٥ |
| الْحَكِيمُ      | صه                      | العنكبوت ٢٦                         | ٣٣٦٦ |
| الصَّالِحِينَ   | صه                      | العنكبوت ٢٧                         | ٣٣٦٧ |
| الْعَالَمِينَ   | ط.لا                    | العنكبوت ٢٨                         | ٣٣٦٨ |
| الصَّدِيقِينَ   | صه                      | العنكبوت ٢٩                         | ٣٣٦٩ |
| الْمُفْسِدِينَ  | صه                      | العنكبوت ٣٠                         | ٣٣٧٠ |
| ظَالِمِينَ      | ج.صلي                   | العنكبوت ٣١                         | ٣٣٧١ |
| الْغَابِرِينَ   | صه                      | العنكبوت ٣٢                         | ٣٣٧٢ |
| الْغَابِرِينَ   | صه                      | العنكبوت ٣٣                         | ٣٣٧٣ |
| يَفْسُقُونَ     | صه                      | العنكبوت ٣٤                         | ٣٣٧٤ |
| يَعْقِلُونَ     | صه                      | العنكبوت ٣٥                         | ٣٣٧٥ |
| مُفْسِدِينَ     | ض                       | العنكبوت ٣٦                         | ٣٣٧٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٧        | العنكبوت   | ز             | جَاثِمِينَ      | ٣٣٧٧ |
| ٣٨        | العنكبوت   | صه لا         | مُسْتَبْصِرِينَ | ٣٣٧٨ |
| ٣٩        | العنكبوت   | ج.صلي         | سَبِقِينَ       | ٣٣٧٩ |
| ٤٠        | العنكبوت   | صه            | يَظْلِمُونَ     | ٣٣٨٠ |
| ٤١        | العنكبوت   | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٣٨١ |
| ٤٢        | العنكبوت   | صه            | الْحَكِيمُ      | ٣٣٨٢ |
| ٤٣        | العنكبوت   | صه            | الْعَالِمُونَ   | ٣٣٨٣ |
| ٤٤        | العنكبوت   | صه            | لِلْمُؤْمِنِينَ | ٣٣٨٤ |
| ٤٥        | العنكبوت   | صه            | تَصْنَعُونَ     | ٣٣٨٥ |
| ٤٦        | العنكبوت   | صه            | مُسْلِمُونَ     | ٣٣٨٦ |
| ٤٧        | العنكبوت   | صه            | الْكَفَرُونَ    | ٣٣٨٧ |
| ٤٨        | العنكبوت   | صه            | الْمُبْطِلُونَ  | ٣٣٨٨ |
| ٤٩        | العنكبوت   | صه            | الْظَّالِمُونَ  | ٣٣٨٩ |
| ٥٠        | العنكبوت   | صه            | مُّبِينٌ        | ٣٣٩٠ |
| ٥١        | العنكبوت   | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ٣٣٩١ |
| ٥٢        | العنكبوت   | صه            | الْحَسِرُونَ    | ٣٣٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٥٣        | العنكبوت   | صه            | يَشْعُرُونَ     | ٣٣٩٣ |
| ٥٤        | العنكبوت   | صه لا         | بِالْكَافِرِينَ | ٣٣٩٤ |
| ٥٥        | العنكبوت   | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٣٣٩٥ |
| ٥٦        | العنكبوت   | صه            | فَاعْبُدُونِ    | ٣٣٩٦ |
| ٥٧        | العنكبوت   | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٣٣٩٧ |
| ٥٨        | العنكبوت   | صلي           | الْعَمِيلِينَ   | ٣٣٩٨ |
| ٥٩        | العنكبوت   | صه            | يَتَوَكَّلُونَ  | ٣٣٩٩ |
| ٦٠        | العنكبوت   | صه            | الْعَلِيمُ      | ٣٤٠٠ |
| ٦١        | العنكبوت   | صه            | يُؤْفَكُونَ     | ٣٤٠١ |
| ٦٢        | العنكبوت   | صه            | عَلِيمُ         | ٣٤٠٢ |
| ٦٣        | العنكبوت   | صه            | يَعْقِلُونَ     | ٣٤٠٣ |
| ٦٤        | العنكبوت   | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٤٠٤ |
| ٦٥        | العنكبوت   | لا            | يُشْرِكُونَ     | ٣٤٠٥ |
| ٦٦        | العنكبوت   | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٤٠٦ |
| ٦٧        | العنكبوت   | صه            | يَكُفِرُونَ     | ٣٤٠٧ |
| ٦٨        | العنكبوت   | صه            | لِّلْكَافِرِينَ | ٣٤٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٦٩        | العنكبوت   | صه            | آلْمُحَسِّنِينَ | ٣٤٠٩ |
| ١         | الروم      | ج             | آلْمَ           | ٣٤١٠ |
| ٢         | الروم      | لا            | آلْرُومُ        | ٣٤١١ |
| ٣         | الروم      | لا            | سَيَغْلِبُونَ   | ٣٤١٢ |
| ٤         | الروم      | لا            | آلْمُؤْمِنُونَ  | ٣٤١٣ |
| ٥         | الروم      | صه لا         | آلْرَحِيمُ      | ٣٤١٤ |
| ٦         | الروم      | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٤١٥ |
| ٧         | الروم      | صه            | غَافِلُونَ      | ٣٤١٦ |
| ٨         | الروم      | صه            | لَكَافِرُونَ    | ٣٤١٧ |
| ٩         | الروم      | ط             | يَظْلِمُونَ     | ٣٤١٨ |
| ١٠        | الروم      | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ٣٤١٩ |
| ١١        | الروم      | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٣٤٢٠ |
| ١٢        | الروم      | لا            | آلْمُجْرِمُونَ  | ٣٤٢١ |
| ١٣        | الروم      | صه            | كَافِرِينَ      | ٣٤٢٢ |
| ١٤        | الروم      | صه            | يَتَفَرَّقُونَ  | ٣٤٢٣ |
| ١٥        | الروم      | صه            | يُحَبِّرُونَ    | ٣٤٢٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| ت    | رأس الآية      | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |  |
|------|----------------|---------------|----------------------|--|
| ٣٤٢٥ | مُحَضِّرُونَ   | صه            | الروم ١٦             |  |
| ٣٤٢٦ | تُصْبِحُونَ    | لا            | الروم ١٧             |  |
| ٣٤٢٧ | تُظْهِرُونَ    | صه            | الروم ١٨             |  |
| ٣٤٢٨ | تُخْرِجُونَ    | صه            | الروم ١٩             |  |
| ٣٤٢٩ | تَنْتَشِرُونَ  | صه            | الروم ٢٠             |  |
| ٣٤٣٠ | يَتَفَكَّرُونَ | صه            | الروم ٢١             |  |
| ٣٤٣١ | لِلْعَالَمِينَ | صه            | الروم ٢٢             |  |
| ٣٤٣٢ | يَسْمَعُونَ    | صه            | الروم ٢٣             |  |
| ٣٤٣٣ | يَعْقِلُونَ    | صه            | الروم ٢٤             |  |
| ٣٤٣٤ | تُخْرِجُونَ    | صه            | الروم ٢٥             |  |
| ٣٤٣٥ | قَنِيتُونَ     | صه            | الروم ٢٦             |  |
| ٣٤٣٦ | الْحَكِيمُ     | صه            | الروم ٢٧             |  |
| ٣٤٣٧ | يَعْقِلُونَ    | صه            | الروم ٢٨             |  |
| ٣٤٣٨ | نَاصِرِينَ     | صه            | الروم ٢٩             |  |
| ٣٤٣٩ | يَعْلَمُونَ    | ق.لا          | الروم ٣٠             |  |
| ٣٤٤٠ | الْمُشْرِكِينَ | لا            | الروم ٣١             |  |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية      | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|----------------|------|---------------|----------------------|
| فَرِحُونَ      | ٣٤٤١ | صه            | الروم ٣٢             |
| يُشْرِكُونَ    | ٣٤٤٢ | صه.لا         | الروم ٣٣             |
| تَعْلَمُونَ    | ٣٤٤٣ | صه            | الروم ٣٤             |
| يُشْرِكُونَ    | ٣٤٤٤ | صه            | الروم ٣٥             |
| يَقْنَطُونَ    | ٣٤٤٥ | صه            | الروم ٣٦             |
| يُؤْمِنُونَ    | ٣٤٤٦ | صه            | الروم ٣٧             |
| الْمُفْلِحُونَ | ٣٤٤٧ | صه            | الروم ٣٨             |
| الْمُضْعِفُونَ | ٣٤٤٨ | صه            | الروم ٣٩             |
| يُشْرِكُونَ    | ٣٤٤٩ | صه            | الروم ٤٠             |
| يَرْجِعُونَ    | ٣٤٥٠ | صه            | الروم ٤١             |
| مُشْرِكِينَ    | ٣٤٥١ | صه            | الروم ٤٢             |
| يَصَدَّعُونَ   | ٣٤٥٢ | صه            | الروم ٤٣             |
| يَمْهَدُونَ    | ٣٤٥٣ | لا            | الروم ٤٤             |
| الْكَافِرِينَ  | ٣٤٥٤ | صه            | الروم ٤٥             |
| تَشَكُّرُونَ   | ٣٤٥٥ | صه            | الروم ٤٦             |
| الْمُؤْمِنِينَ | ٣٤٥٦ | صه            | الروم ٤٧             |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤٨        | الروم      | ج             | يَسْتَبْشِرُونَ | ٣٤٥٧ |
| ٤٩        | الروم      | صه            | لَمُبْلِسِينَ   | ٣٤٥٨ |
| ٥٠        | الروم      | صه            | قَدِيرٌ         | ٣٤٥٩ |
| ٥١        | الروم      | صه            | يَكُفِرُونَ     | ٣٤٦٠ |
| ٥٢        | الروم      | صه            | مُدَبِّرِينَ    | ٣٤٦١ |
| ٥٣        | الروم      | صه            | مُسْلِمُونَ     | ٣٤٦٢ |
| ٥٤        | الروم      | صه            | الْقَدِيرُ      | ٣٤٦٣ |
| ٥٥        | الروم      | صه            | يُؤْفَكُونَ     | ٣٤٦٤ |
| ٥٦        | الروم      | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٣٤٦٥ |
| ٥٧        | الروم      | صه            | يُسْتَعْتَبُونَ | ٣٤٦٦ |
| ٥٨        | الروم      | صه            | مُبْطِلُونَ     | ٣٤٦٧ |
| ٥٩        | الروم      | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٤٦٨ |
| ٦٠        | الروم      | صه            | يُوقِنُونَ      | ٣٤٦٩ |
| ١         | لقمان      | ج             | الْآمَ          | ٣٤٧٠ |
| ٢         | لقمان      | لا            | الْحَكِيمٌ      | ٣٤٧١ |
| ٣         | لقمان      | لا            | لِلْمُحْسِنِينَ | ٣٤٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤         | لقمان      | ط             | يُوقنُونَ      | ٣٤٧٣ |
| ٥         | لقمان      | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ٣٤٧٤ |
| ٦         | لقمان      | صه            | مُّهِينٌ       | ٣٤٧٥ |
| ٧         | لقمان      | صه            | أَلِيمٌ        | ٣٤٧٦ |
| ٨         | لقمان      | لا            | النَّعِيم      | ٣٤٧٧ |
| ٩         | لقمان      | صه            | الْحَكِيمُ     | ٣٤٧٨ |
| ١٠        | لقمان      | صه            | كَرِيمٌ        | ٣٤٧٩ |
| ١١        | لقمان      | صه            | مُبِينٍ        | ٣٤٨٠ |
| ١٢        | لقمان      | صه            | حَمِيدٌ        | ٣٤٨١ |
| ١٣        | لقمان      | صه            | عَظِيمٌ        | ٣٤٨٢ |
| ١٤        | لقمان      | صه            | الْمَصِيرُ     | ٣٤٨٣ |
| ١٥        | لقمان      | صه لا         | تَعْمَلُونَ    | ٣٤٨٤ |
| ١٦        | لقمان      | صه            | خَبِيرٌ        | ٣٤٨٥ |
| ١٧        | لقمان      | ج             | الْأُمُورِ     | ٣٤٨٦ |
| ١٨        | لقمان      | ج             | فَخُورٍ        | ٣٤٨٧ |
| ١٩        | لقمان      | ط             | الْحَمِيرٌ     | ٣٤٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|---------------|-----------|---|
| ٢٠        | لقمان      | صه         | مُنِيرٌ       | ٣٤٨٩      |   |
| ٢١        | لقمان      | صه         | السَّعِيرٌ    | ٣٤٩٠      |   |
| ٢٢        | لقمان      | صه         | الْأُمُورِ    | ٣٤٩١      |   |
| ٢٣        | لقمان      | صه         | الْصُّدُورِ   | ٣٤٩٢      |   |
| ٢٤        | لقمان      | صه         | غَلِيظٍ       | ٣٤٩٣      |   |
| ٢٥        | لقمان      | صه         | يَعْلَمُونَ   | ٣٤٩٤      |   |
| ٢٦        | لقمان      | صه         | الْحَمِيدُ    | ٣٤٩٥      |   |
| ٢٧        | لقمان      | صه         | حَكِيمٌ       | ٣٤٩٦      |   |
| ٢٨        | لقمان      | صه         | بَصِيرٌ       | ٣٤٩٧      |   |
| ٢٩        | لقمان      | صه         | خَبِيرٌ       | ٣٤٩٨      |   |
| ٣٠        | لقمان      | صه         | الْكَبِيرُ    | ٣٤٩٩      |   |
| ٣١        | لقمان      | صه         | شَكُورٍ       | ٣٥٠٠      |   |
| ٣٢        | لقمان      | صه         | كَفُورٍ       | ٣٥٠١      |   |
| ٣٣        | لقمان      | صه         | الْغَرُورُ    | ٣٥٠٢      |   |
| ٣٤        | لقمان      | صه         | خَبِيرٌ       | ٣٥٠٣      |   |
| ١         | السجدة     | ج          | آلَمْ         | ٣٥٠٤      |   |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢         | السجدة     | ط             | الْعَالَمِينَ   | ٣٥٠٥ |
| ٣         | السجدة     | صه            | يَهْتَدُونَ     | ٣٥٠٦ |
| ٤         | السجدة     | صه            | تَتَذَكَّرُونَ  | ٣٥٠٧ |
| ٥         | السجدة     | صه            | تَعُدُّونَ      | ٣٥٠٨ |
| ٦         | السجدة     | صه لا         | الرَّحِيمُ      | ٣٥٠٩ |
| ٧         | السجدة     | ج             | طِينٌ           | ٣٥١٠ |
| ٨         | السجدة     | ج             | مَّهِينٌ        | ٣٥١١ |
| ٩         | السجدة     | صه            | تَشْكُرُونَ     | ٣٥١٢ |
| ١٠        | السجدة     | صه            | كَفِرُونَ       | ٣٥١٣ |
| ١١        | السجدة     | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٣٥١٤ |
| ١٢        | السجدة     | صه            | مُوقِنُونَ      | ٣٥١٥ |
| ١٣        | السجدة     | صه            | أَجْمَعِينَ     | ٣٥١٦ |
| ١٤        | السجدة     | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٣٥١٧ |
| ١٥        | السجدة     | صه            | يَسْتَكْبِرُونَ | ٣٥١٨ |
| ١٦        | السجدة     | صه            | يُنِفِّقُونَ    | ٣٥١٩ |
| ١٧        | السجدة     | صه لا         | يَعْمَلُونَ     | ٣٥٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٨        | السجدة     | صه            | يَسْتَوْنَ    | ٣٥٢١ |
| ١٩        | السجدة     | صه            | يَعْمَلُونَ   | ٣٥٢٢ |
| ٢٠        | السجدة     | صه            | تُكَذِّبُونَ  | ٣٥٢٣ |
| ٢١        | السجدة     | صه            | يَرْجِعُونَ   | ٣٥٢٤ |
| ٢٢        | السجدة     | صه            | مُنْتَقِمُونَ | ٣٥٢٥ |
| ٢٣        | السجدة     | ج             | إِسْرَاعِيلَ  | ٣٥٢٦ |
| ٢٤        | السجدة     | صه            | يُوقِنُونَ    | ٣٥٢٧ |
| ٢٥        | السجدة     | صه            | يَخْتَلِفُونَ | ٣٥٢٨ |
| ٢٦        | السجدة     | صه            | يَسْمَعُونَ   | ٣٥٢٩ |
| ٢٧        | السجدة     | صه            | يُبَصِّرُونَ  | ٣٥٣٠ |
| ٢٨        | السجدة     | صه            | صَدِيقِينَ    | ٣٥٣١ |
| ٢٩        | السجدة     | صه            | يُنَظِّرُونَ  | ٣٥٣٢ |
| ٣٠        | السجدة     | صه            | مُنْتَظِرُونَ | ٣٥٣٣ |
| ١         | الاحزاب    | صه.لا         | حَكِيمًا      | ٣٥٣٤ |
| ٢         | الاحزاب    | صه.لا         | خَيْرًا       | ٣٥٣٥ |
| ٣         | الاحزاب    | صه            | وَكِيلًا      | ٣٥٣٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٤         | الاحزاب    | صه            | آل سَبِيلَ   | ٣٥٣٧ |
| ٥         | الاحزاب    | صه            | رَحِيمًا     | ٣٥٣٨ |
| ٦         | الاحزاب    | صه            | مَسْطُورًا   | ٣٥٣٩ |
| ٧         | الاحزاب    | ق.لا          | غَلِيظًا     | ٣٥٤٠ |
| ٨         | الاحزاب    | صه            | أَلِيمًا     | ٣٥٤١ |
| ٩         | الاحزاب    | ج             | بَصِيرًا     | ٣٥٤٢ |
| ١٠        | الاحزاب    | صه            | الْظُّنُونَا | ٣٥٤٣ |
| ١١        | الاحزاب    | صه            | شَدِيدًا     | ٣٥٤٤ |
| ١٢        | الاحزاب    | صه            | غُرُورًا     | ٣٥٤٥ |
| ١٣        | الاحزاب    | صه            | فِرَارًا     | ٣٥٤٦ |
| ١٤        | الاحزاب    | صه            | يَسِيرًا     | ٣٥٤٧ |
| ١٥        | الاحزاب    | صه            | مَسْؤُلًا    | ٣٥٤٨ |
| ١٦        | الاحزاب    | صه            | قَلِيلًا     | ٣٥٤٩ |
| ١٧        | الاحزاب    | صه            | نَصِيرًا     | ٣٥٥٠ |
| ١٨        | الاحزاب    | لا            | قَلِيلًا     | ٣٥٥١ |
| ١٩        | الاحزاب    | صه            | يَسِيرًا     | ٣٥٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢٠        | الاحزاب    | صه            | قَلِيلًا     | ٣٥٥٣ |
| ٢١        | الاحزاب    | ط             | كَثِيرًا     | ٣٥٥٤ |
| ٢٢        | الاحزاب    | ط             | وَتَسْلِيمًا | ٣٥٥٥ |
| ٢٣        | الاحزاب    | ط.لا          | تَبْدِيلًا   | ٣٥٥٦ |
| ٢٤        | الاحزاب    | ج             | رَحِيمًا     | ٣٥٥٧ |
| ٢٥        | الاحزاب    | ج             | عَرِيزًا     | ٣٥٥٨ |
| ٢٦        | الاحزاب    | ج             | فَرِيقًا     | ٣٥٥٩ |
| ٢٧        | الاحزاب    | صه            | قَدِيرًا     | ٣٥٦٠ |
| ٢٨        | الاحزاب    | صه            | جَمِيلًا     | ٣٥٦١ |
| ٢٩        | الاحزاب    | صه            | عَظِيمًا     | ٣٥٦٢ |
| ٣٠        | الاحزاب    | صه            | يَسِيرًا     | ٣٥٦٣ |
| ٣١        | الاحزاب    | صه            | كَرِيمًا     | ٣٥٦٤ |
| ٣٢        | الاحزاب    | ج.لا          | مَعْرُوفًا   | ٣٥٦٥ |
| ٣٣        | الاحزاب    | ج             | تَطْهِيرًا   | ٣٥٦٦ |
| ٣٤        | الاحزاب    | صه            | خَيْرًا      | ٣٥٦٧ |
| ٣٥        | الاحزاب    | صه.لا         | عَظِيمًا     | ٣٥٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية  | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية |
|------------|------|---------------|---------------------|
| مُبِينًا   | ٣٥٦٩ | ط             | الاحزاب ٣٦          |
| مَفْعُولًا | ٣٥٧٠ | صه            | الاحزاب ٣٧          |
| مَقْدُورًا | ٣٥٧١ | ز.لا          | الاحزاب ٣٨          |
| حَسِيبًا   | ٣٥٧٢ | صه            | الاحزاب ٣٩          |
| عَلِيمًا   | ٣٥٧٣ | صه            | الاحزاب ٤٠          |
| كَثِيرًا   | ٣٥٧٤ | لا            | الاحزاب ٤١          |
| وَأَصِيلًا | ٣٥٧٥ | صه            | الاحزاب ٤٢          |
| رَحِيمًا   | ٣٥٧٦ | صه            | الاحزاب ٤٣          |
| كَرِيمًا   | ٣٥٧٧ | صه            | الاحزاب ٤٤          |
| وَنَذِيرًا | ٣٥٧٨ | لا            | الاحزاب ٤٥          |
| مُنِيرًا   | ٣٥٧٩ | صه            | الاحزاب ٤٦          |
| كَبِيرًا   | ٣٥٨٠ | صه            | الاحزاب ٤٧          |
| وَكِيلًا   | ٣٥٨١ | صه            | الاحزاب ٤٨          |
| جَمِيلًا   | ٣٥٨٢ | صه            | الاحزاب ٤٩          |
| رَحِيمًا   | ٣٥٨٣ | صه            | الاحزاب ٥٠          |
| حَلِيمًا   | ٣٥٨٤ | صه            | الاحزاب ٥١          |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٥٢        | الاحزاب    | صه            | رَّقِيبًا   | ٣٥٨٥ |
| ٥٣        | الاحزاب    | صه            | عَظِيمًا    | ٣٥٨٦ |
| ٥٤        | الاحزاب    | صه            | عَلِيمًا    | ٣٥٨٧ |
| ٥٥        | الاحزاب    | صه            | شَهِيدًا    | ٣٥٨٨ |
| ٥٦        | الاحزاب    | صه            | تَسْلِيمًا  | ٣٥٨٩ |
| ٥٧        | الاحزاب    | صه            | مُّهِينًا   | ٣٥٩٠ |
| ٥٨        | الاحزاب    | صه            | مُّبِينًا   | ٣٥٩١ |
| ٥٩        | الاحزاب    | صه            | رَّحِيمًا   | ٣٥٩٢ |
| ٦٠        | الاحزاب    | ث.ج.صلی.لا    | قَلِيلًا    | ٣٥٩٣ |
| ٦١        | الاحزاب    | صه            | تَقْتِيلًا  | ٣٥٩٤ |
| ٦٢        | الاحزاب    | صه            | تَبْدِيلًا  | ٣٥٩٥ |
| ٦٣        | الاحزاب    | صه            | قَرِيبًا    | ٣٥٩٦ |
| ٦٤        | الاحزاب    | لا            | سَعِيرًا    | ٣٥٩٧ |
| ٦٥        | الاحزاب    | ج             | نَصِيرًا    | ٣٥٩٨ |
| ٦٦        | الاحزاب    | صه            | الرَّسُولًا | ٣٥٩٩ |
| ٦٧        | الاحزاب    | صه            | السَّيِّلًا | ٣٦٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٦٨        | الاحزاب    | صه            | كِبِيرًا   | ٣٦٠١ |
| ٦٩        | الاحزاب    | ط             | وَجِيهًا   | ٣٦٠٢ |
| ٧٠        | الاحزاب    | لا            | سَدِيدًا   | ٣٦٠٣ |
| ٧١        | الاحزاب    | صه            | عَظِيمًا   | ٣٦٠٤ |
| ٧٢        | الاحزاب    | لا            | جَهُولًا   | ٣٦٠٥ |
| ٧٣        | الاحزاب    | صه لا         | رَحِيمًا   | ٣٦٠٦ |
| ١         | سبأ        | صه            | الْحَمْيْر | ٣٦٠٧ |
| ٢         | سبأ        | صه            | الْغَفُورُ | ٣٦٠٨ |
| ٣         | سبأ        | ق.لا          | مُبِينٍ    | ٣٦٠٩ |
| ٤         | سبأ        | صه            | كَرِيمٌ    | ٣٦١٠ |
| ٥         | سبأ        | ق             | الْأَلِيمُ | ٣٦١١ |
| ٦         | سبأ        | صه            | الْحَمِيدٌ | ٣٦١٢ |
| ٧         | سبأ        | ج             | جَدِيدٌ    | ٣٦١٣ |
| ٨         | سبأ        | صه            | الْبَعِيدٌ | ٣٦١٤ |
| ٩         | سبأ        | صه            | مُنِيبٌ    | ٣٦١٥ |
| ١٠        | سبأ        | لا            | الْحَدِيدَ | ٣٦١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١١        | سبأ        | صه            | بَصِيرٌ        | ٣٦١٧ |
| ١٢        | سبأ        | صه            | السَّعِيرٍ     | ٣٦١٨ |
| ١٣        | سبأ        | صه            | الشَّكُورُ     | ٣٦١٩ |
| ١٤        | سبأ        | ط             | الْمُهِينِ     | ٣٦٢٠ |
| ١٥        | سبأ        | صه            | غَفُورٌ        | ٣٦٢١ |
| ١٦        | سبأ        | صه            | قَلِيلٍ        | ٣٦٢٢ |
| ١٧        | سبأ        | صه            | الْكَفُورَ     | ٣٦٢٣ |
| ١٨        | سبأ        | صه            | ءَامِينَ       | ٣٦٢٤ |
| ١٩        | سبأ        | صه            | شَكُورٍ        | ٣٦٢٥ |
| ٢٠        | سبأ        | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٦٢٦ |
| ٢١        | سبأ        | صه لا         | حَفِظُ         | ٣٦٢٧ |
| ٢٢        | سبأ        | صه            | ظَاهِرٍ        | ٣٦٢٨ |
| ٢٣        | سبأ        | صه            | الْكَبِيرُ     | ٣٦٢٩ |
| ٢٤        | سبأ        | صه            | مُبِينٍ        | ٣٦٣٠ |
| ٢٥        | سبأ        | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٣٦٣١ |
| ٢٦        | سبأ        | صه            | الْعَلِيمُ     | ٣٦٣٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٧        | سباء       | صه            | الْحَكِيمُ      | ٣٦٣٣ |
| ٢٨        | سباء       | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٦٣٤ |
| ٢٩        | سباء       | صه            | صَدِيقِينَ      | ٣٦٣٥ |
| ٣٠        | سباء       | صه            | تَسْتَقْدِمُونَ | ٣٦٣٦ |
| ٣١        | سباء       | صه            | مُؤْمِنِينَ     | ٣٦٣٧ |
| ٣٢        | سباء       | صه            | مُجْرِمِينَ     | ٣٦٣٨ |
| ٣٣        | سباء       | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٣٦٣٩ |
| ٣٤        | سباء       | صه            | كَفِرُونَ       | ٣٦٤٠ |
| ٣٥        | سباء       | صه            | بِمُعَذَّبِينَ  | ٣٦٤١ |
| ٣٦        | سباء       | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٦٤٢ |
| ٣٧        | سباء       | صه            | عَامِنُونَ      | ٣٦٤٣ |
| ٣٨        | سباء       | صه            | مُخَضِّرُونَ    | ٣٦٤٤ |
| ٣٩        | سباء       | صه            | الرَّازِقِينَ   | ٣٦٤٥ |
| ٤٠        | سباء       | صه            | يَعْبُدُونَ     | ٣٦٤٦ |
| ٤١        | سباء       | صه            | مُؤْمِنُونَ     | ٣٦٤٧ |
| ٤٢        | سباء       | صه            | تُكَذِّبُونَ    | ٣٦٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٤٣        | سبأ        | صه            | مُبِينٌ     | ٣٦٤٩ |
| ٤٤        | سبأ        | ط             | نَّذِيرٍ    | ٣٦٥٠ |
| ٤٥        | سبأ        | صه            | نَّكِيرٍ    | ٣٦٥١ |
| ٤٦        | سبأ        | صه            | شَدِيدٍ     | ٣٦٥٢ |
| ٤٧        | سبأ        | صه            | شَهِيدٌ     | ٣٦٥٣ |
| ٤٨        | سبأ        | صه            | الْغُيُوبٍ  | ٣٦٥٤ |
| ٤٩        | سبأ        | صه            | يُعِيدُ     | ٣٦٥٥ |
| ٥٠        | سبأ        | صه            | قَرِيبٌ     | ٣٦٥٦ |
| ٥١        | سبأ        | صه لا         | قَرِيبٌ     | ٣٦٥٧ |
| ٥٢        | سبأ        | ج. صلي. لا    | بَعِيدٍ     | ٣٦٥٨ |
| ٥٣        | سبأ        | صه            | بَعِيدٍ     | ٣٦٥٩ |
| ٥٤        | سبأ        | صه            | مُرِيبٌ     | ٣٦٦٠ |
| ١         | فاطر       | صه            | قَدِيرٌ     | ٣٦٦١ |
| ٢         | فاطر       | صه            | الْحَكِيمُ  | ٣٦٦٢ |
| ٣         | فاطر       | صه            | تُؤْفَكُونَ | ٣٦٦٣ |
| ٤         | فاطر       | صه            | الْأُمُورُ  | ٣٦٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٥         | فاطر       | صه            | الْغَرُورُ   | ٣٦٦٥ |
| ٦         | فاطر       | ط             | الْسَّعِيرِ  | ٣٦٦٦ |
| ٧         | فاطر       | صه            | كَبِيرٌ      | ٣٦٦٧ |
| ٨         | فاطر       | صه            | يَصْنَعُونَ  | ٣٦٦٨ |
| ٩         | فاطر       | صه            | الْنُّشُورُ  | ٣٦٦٩ |
| ١٠        | فاطر       | صه            | يَبُورُ      | ٣٦٧٠ |
| ١١        | فاطر       | صه            | يَسِيرُ      | ٣٦٧١ |
| ١٢        | فاطر       | صه            | تَشْكُرُونَ  | ٣٦٧٢ |
| ١٣        | فاطر       | ط             | قَطْمِيرٍ    | ٣٦٧٣ |
| ١٤        | فاطر       | ط             | خَبِيرٍ      | ٣٦٧٤ |
| ١٥        | فاطر       | صه            | الْحَمِيدُ   | ٣٦٧٥ |
| ١٦        | فاطر       | ج             | جَدِيدٍ      | ٣٦٧٦ |
| ١٧        | فاطر       | صه            | بَعْزِيزٍ    | ٣٦٧٧ |
| ١٨        | فاطر       | صه            | الْمَصِيرُ   | ٣٦٧٨ |
| ١٩        | فاطر       | لا            | وَالْبَصِيرُ | ٣٦٧٩ |
| ٢٠        | فاطر       | لا            | الْنُّورُ    | ٣٦٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٢١        | فاطر       | ج             | الْحُرُورُ | ٣٦٨١ |
| ٢٢        | فاطر       | ج             | الْقُبُورِ | ٣٦٨٢ |
| ٢٣        | فاطر       | صه            | نَذِيرٌ    | ٣٦٨٣ |
| ٢٤        | فاطر       | صه            | نَذِيرٌ    | ٣٦٨٤ |
| ٢٥        | فاطر       | لا            | الْمُنِيرِ | ٣٦٨٥ |
| ٢٦        | فاطر       | صه            | نَكِيرٍ    | ٣٦٨٦ |
| ٢٧        | فاطر       | صه            | سُودٌ      | ٣٦٨٧ |
| ٢٨        | فاطر       | صه            | غَفُورٌ    | ٣٦٨٨ |
| ٢٩        | فاطر       | لا            | تَبُورَ    | ٣٦٨٩ |
| ٣٠        | فاطر       | صه            | شَكُورٌ    | ٣٦٩٠ |
| ٣١        | فاطر       | صه            | بَصِيرٌ    | ٣٦٩١ |
| ٣٢        | فاطر       | ط             | الْكَبِيرُ | ٣٦٩٢ |
| ٣٣        | فاطر       | صه            | حَرِيرٌ    | ٣٦٩٣ |
| ٣٤        | فاطر       | صه لا         | شَكُورٌ    | ٣٦٩٤ |
| ٣٥        | فاطر       | صه            | لُغُوبٌ    | ٣٦٩٥ |
| ٣٦        | فاطر       | ج             | كَفُورٍ    | ٣٦٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣٧        | فاطر       | صه            | نَّصِيرٌ       | ٣٦٩٧ |
| ٣٨        | فاطر       | صه            | الْصُّدُورِ    | ٣٦٩٨ |
| ٣٩        | فاطر       | صه            | خَسَارًا       | ٣٦٩٩ |
| ٤٠        | فاطر       | صه            | غُرُورًا       | ٣٧٠٠ |
| ٤١        | فاطر       | صه            | غَفُورًا       | ٣٧٠١ |
| ٤٢        | فاطر       | صه لا         | نُفُورًا       | ٣٧٠٢ |
| ٤٣        | فاطر       | صه            | تَحْوِيلًا     | ٣٧٠٣ |
| ٤٤        | فاطر       | صه            | قَدِيرًا       | ٣٧٠٤ |
| ٤٥        | فاطر       | صه            | بَصِيرًا       | ٣٧٠٥ |
| ١         | يس         | ج             | يَس            | ٣٧٠٦ |
| ٢         | يس         | لا            | الْحَكِيم      | ٣٧٠٧ |
| ٣         | يس         | لا            | الْمُرْسَلِينَ | ٣٧٠٨ |
| ٤         | يس         | ط             | مُسْتَقِيمٍ    | ٣٧٠٩ |
| ٥         | يس         | لا            | الْرَّحِيم     | ٣٧١٠ |
| ٦         | يس         | صه            | غَافِلُونَ     | ٣٧١١ |
| ٧         | يس         | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٣٧١٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٨         | يس         | صه            | مُّقْمَحُونَ   | ٣٧١٣ |
| ٩         | يس         | صه            | يُبَصِّرُونَ   | ٣٧١٤ |
| ١٠        | يس         | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٣٧١٥ |
| ١١        | يس         | صه            | كَرِيمٌ        | ٣٧١٦ |
| ١٢        | يس         | صه            | مُّبِينٍ       | ٣٧١٧ |
| ١٣        | يس         | ج.لا          | الْمُرْسَلُونَ | ٣٧١٨ |
| ١٤        | يس         | صه            | مُرْسَلُونَ    | ٣٧١٩ |
| ١٥        | يس         | صه            | تَكَذِّبُونَ   | ٣٧٢٠ |
| ١٦        | يس         | لا            | لَمُرْسَلُونَ  | ٣٧٢١ |
| ١٧        | يس         | صه            | الْمُبِينُ     | ٣٧٢٢ |
| ١٨        | يس         | صه            | الْأَلِيمُ     | ٣٧٢٣ |
| ١٩        | يس         | صه            | مُسْرِفُونَ    | ٣٧٢٤ |
| ٢٠        | يس         | لا            | الْمُرْسَلِينَ | ٣٧٢٥ |
| ٢١        | يس         | صه            | مُهَتَّدُونَ   | ٣٧٢٦ |
| ٢٢        | يس         | صه            | تُرْجَعُونَ    | ٣٧٢٧ |
| ٢٣        | يس         | ج             | يُنْقِذُونَ    | ٣٧٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢٤        | يس         | صه            | مُبِينٌ         | ٣٧٢٩ |
| ٢٥        | يس         | ط             | فَاسْمَاعُونِ   | ٣٧٣٠ |
| ٢٦        | يس         | لا            | يَعْلَمُونَ     | ٣٧٣١ |
| ٢٧        | يس         | صه            | الْمُكَرَّمِينَ | ٣٧٣٢ |
| ٢٨        | يس         | صه            | مُنْزَلِينَ     | ٣٧٣٣ |
| ٢٩        | يس         | صه            | خَلِيدُونَ      | ٣٧٣٤ |
| ٣٠        | يس         | ط             | يَسْتَهِزِئُونَ | ٣٧٣٥ |
| ٣١        | يس         | ط             | يَرْجِعُونَ     | ٣٧٣٦ |
| ٣٢        | يس         | صه            | مُحَضَّرُونَ    | ٣٧٣٧ |
| ٣٣        | يس         | صه            | يَا كُلُونَ     | ٣٧٣٨ |
| ٣٤        | يس         | لا            | الْعُيُونِ      | ٣٧٣٩ |
| ٣٥        | يس         | صه            | يَشْكُرُونَ     | ٣٧٤٠ |
| ٣٦        | يس         | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٧٤١ |
| ٣٧        | يس         | صه لا         | مُظْلِمُونَ     | ٣٧٤٢ |
| ٣٨        | يس         | ط             | الْعَلِيمِ      | ٣٧٤٣ |
| ٣٩        | يس         | صه            | الْقَدِيمِ      | ٣٧٤٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤٠        | يس         | صه            | يَسْبِحُونَ    | ٣٧٤٥ |
| ٤١        | يس         | لا            | الْمَشْحُونِ   | ٣٧٤٦ |
| ٤٢        | يس         | صه            | يَرَكُبُونَ    | ٣٧٤٧ |
| ٤٣        | يس         | لا            | يُنَقَّذُونَ   | ٣٧٤٨ |
| ٤٤        | يس         | صه            | حِينِ          | ٣٧٤٩ |
| ٤٥        | يس         | صه            | تُرْحَمُونَ    | ٣٧٥٠ |
| ٤٦        | يس         | صه            | مُعْرِضِينَ    | ٣٧٥١ |
| ٤٧        | يس         | صه            | مُبِينِ        | ٣٧٥٢ |
| ٤٨        | يس         | صه            | صَدِيقِينَ     | ٣٧٥٣ |
| ٤٩        | يس         | صه            | يَخِصِّصُونَ   | ٣٧٥٤ |
| ٥٠        | يس         | صه            | يَرْجِعُونَ    | ٣٧٥٥ |
| ٥١        | يس         | صه            | يَنْسِلُونَ    | ٣٧٥٦ |
| ٥٢        | يس         | صه            | الْمُرْسَلُونَ | ٣٧٥٧ |
| ٥٣        | يس         | صه            | مُحْضَرُونَ    | ٣٧٥٨ |
| ٥٤        | يس         | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٣٧٥٩ |
| ٥٥        | يس         | ج. لا         | فَلَكِهُونَ    | ٣٧٦٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٥٦        | يس         | صه            | مُتَّكِئُونَ   | ٣٧٦١ |
| ٥٧        | يس         | ج. صلي. لا    | يَدْعُونَ      | ٣٧٦٢ |
| ٥٨        | يس         | صه            | رَّحِيمٍ       | ٣٧٦٣ |
| ٥٩        | يس         | صه            | الْمُجْرِمُونَ | ٣٧٦٤ |
| ٦٠        | يس         | لا            | مُّبِينٌ       | ٣٧٦٥ |
| ٦١        | يس         | صه            | مُسْتَقِيمٌ    | ٣٧٦٦ |
| ٦٢        | يس         | صه            | تَعْقِلُونَ    | ٣٧٦٧ |
| ٦٣        | يس         | لا            | تُوعَدُونَ     | ٣٧٦٨ |
| ٦٤        | يس         | صه            | تَكَفَّرُونَ   | ٣٧٦٩ |
| ٦٥        | يس         | صه            | يَكْسِبُونَ    | ٣٧٧٠ |
| ٦٦        | يس         | صه            | يُبَصِّرُونَ   | ٣٧٧١ |
| ٦٧        | يس         | صه            | يَرْجِعُونَ    | ٣٧٧٢ |
| ٦٨        | يس         | صه            | يَعْقِلُونَ    | ٣٧٧٣ |
| ٦٩        | يس         | لا            | مُّبِينٌ       | ٣٧٧٤ |
| ٧٠        | يس         | صه            | الْكَافِرِينَ  | ٣٧٧٥ |
| ٧١        | يس         | صه            | مَلِكُونَ      | ٣٧٧٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٧٢        | يس         | صه            | يَأْكُلُونَ  | ٣٧٧٧ |
| ٧٣        | يس         | صه            | يَشْكُرُونَ  | ٣٧٧٨ |
| ٧٤        | يس         | طلا           | يُنَصَّرُونَ | ٣٧٧٩ |
| ٧٥        | يس         | صه            | مُحَضِّرُونَ | ٣٧٨٠ |
| ٧٦        | يس         | صه            | يُعَلِّمُونَ | ٣٧٨١ |
| ٧٧        | يس         | صه            | مُبِينٌ      | ٣٧٨٢ |
| ٧٨        | يس         | صه            | رَمِيمٌ      | ٣٧٨٣ |
| ٧٩        | يس         | صه لا         | عَلِيمٌ      | ٣٧٨٤ |
| ٨٠        | يس         | صه            | تُوقِدُونَ   | ٣٧٨٥ |
| ٨١        | يس         | صه            | الْعَلِيمُ   | ٣٧٨٦ |
| ٨٢        | يس         | صه            | فَيَكُونُ    | ٣٧٨٧ |
| ٨٣        | يس         | صه            | تُرْجَعُونَ  | ٣٧٨٨ |
| ١         | الصفات     | لا            | صَفَّا       | ٣٧٨٩ |
| ٢         | الصفات     | لا            | زَجْرًا      | ٣٧٩٠ |
| ٣         | الصفات     | لا            | ذِكْرًا      | ٣٧٩١ |
| ٤         | الصفات     | ط             | لَوَاحِدٌ    | ٣٧٩٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٥         | الصفات     | ط             | الْمَشَرِقِ     | ٣٧٩٣ |
| ٦         | الصفات     | صه.لا         | الْكَوَافِيرِ   | ٣٧٩٤ |
| ٧         | الصفات     | ج             | مَارِدٍ         | ٣٧٩٥ |
| ٨         | الصفات     | ض.صلي         | جَانِبٍ         | ٣٧٩٦ |
| ٩         | الصفات     | لا            | وَاصِبُ         | ٣٧٩٧ |
| ١٠        | الصفات     | ج.لا          | ثَاقِبٌ         | ٣٧٩٨ |
| ١١        | الصفات     | ض             | لَازِبٌ         | ٣٧٩٩ |
| ١٢        | الصفات     | ض             | وَيَسْخَرُونَ   | ٣٨٠٠ |
| ١٣        | الصفات     | ض             | يَذْكُرُونَ     | ٣٨٠١ |
| ١٤        | الصفات     | ض             | يَسْتَسْخِرُونَ | ٣٨٠٢ |
| ١٥        | الصفات     | ج.صلي.لا      | مُبِينٌ         | ٣٨٠٣ |
| ١٦        | الصفات     | لا            | لَمَبْعُوثُونَ  | ٣٨٠٤ |
| ١٧        | الصفات     | ط             | الْأَوَّلُونَ   | ٣٨٠٥ |
| ١٨        | الصفات     | ج.لا          | دَاخِرُونَ      | ٣٨٠٦ |
| ١٩        | الصفات     | صه            | يَنْظُرُونَ     | ٣٨٠٧ |
| ٢٠        | الصفات     | صه            | الْدِينِ        | ٣٨٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٢١        | الصفات     | صه            | تُكَذِّبُونَ     | ٣٨٠٩ |
| ٢٢        | الصفات     | لا            | يَعْبُدُونَ      | ٣٨١٠ |
| ٢٣        | الصفات     | صه لا         | الْجَحِيمُ       | ٣٨١١ |
| ٢٤        | الصفات     | صه لا         | مَسْئُولُونَ     | ٣٨١٢ |
| ٢٥        | الصفات     | صه            | تَنَاصَرُونَ     | ٣٨١٣ |
| ٢٦        | الصفات     | صه            | مُسْتَسِلُونَ    | ٣٨١٤ |
| ٢٧        | الصفات     | صه            | يَتَسَاءَلُونَ   | ٣٨١٥ |
| ٢٨        | الصفات     | صه            | الْيَمِينُ       | ٣٨١٦ |
| ٢٩        | الصفات     | ج             | مُؤْمِنِينَ      | ٣٨١٧ |
| ٣٠        | الصفات     | صه            | طَغِينَ          | ٣٨١٨ |
| ٣١        | الصفات     | لا            | لَذَّاءِقُونَ    | ٣٨١٩ |
| ٣٢        | الصفات     | صه            | غُرِيبَنَ        | ٣٨٢٠ |
| ٣٣        | الصفات     | صه            | مُشْرِكُونَ      | ٣٨٢١ |
| ٣٤        | الصفات     | صه            | بِالْمُجْرِمِينَ | ٣٨٢٢ |
| ٣٥        | الصفات     | لا            | يَسْتَكْبِرُونَ  | ٣٨٢٣ |
| ٣٦        | الصفات     | ط             | مَجْنُونٌ        | ٣٨٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٧        | الصفات     | صه            | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٨٢٥ |
| ٣٨        | الصفات     | ج             | الْأَلَيْمَ     | ٣٨٢٦ |
| ٣٩        | الصفات     | لا            | تَعْمَلُونَ     | ٣٨٢٧ |
| ٤٠        | الصفات     | صه            | الْمُخْلَصِينَ  | ٣٨٢٨ |
| ٤١        | الصفات     | لا            | مَعْلُومٌ       | ٣٨٢٩ |
| ٤٢        | الصفات     | لا            | مُكَرَّمُونَ    | ٣٨٣٠ |
| ٤٣        | الصفات     | لا            | النَّعِيمِ      | ٣٨٣١ |
| ٤٤        | الصفات     | صه            | مُتَقَبِّلِينَ  | ٣٨٣٢ |
| ٤٥        | الصفات     | لا            | مَعِينٍ         | ٣٨٣٣ |
| ٤٦        | الصفات     | ج. صلي. لا    | لِلشَّرِّيْنَ   | ٣٨٣٤ |
| ٤٧        | الصفات     | صه            | يُنَزَّفُونَ    | ٣٨٣٥ |
| ٤٨        | الصفات     | لا            | عِينٌ           | ٣٨٣٦ |
| ٤٩        | الصفات     | صه            | مَكْنُونٌ       | ٣٨٣٧ |
| ٥٠        | الصفات     | صه            | يَتَسَاءَلُونَ  | ٣٨٣٨ |
| ٥١        | الصفات     | لا            | قَرِينٌ         | ٣٨٣٩ |
| ٥٢        | الصفات     | لا            | الْمُصَدِّقِينَ | ٣٨٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٥٣        | الصفات     | صه            | لَمَدِينُونَ   | ٣٨٤١ |
| ٥٤        | الصفات     | لا            | مُطَّلِعُونَ   | ٣٨٤٢ |
| ٥٥        | الصفات     | صه            | الْجَحِيمُ     | ٣٨٤٣ |
| ٥٦        | الصفات     | لا            | لَتُرْدِينَ    | ٣٨٤٤ |
| ٥٧        | الصفات     | صه            | الْمُحْضَرِينَ | ٣٨٤٥ |
| ٥٨        | الصفات     | لا            | بِمَيَّتِينَ   | ٣٨٤٦ |
| ٥٩        | الصفات     | صه            | بِمُعَذَّبِينَ | ٣٨٤٧ |
| ٦٠        | الصفات     | صه            | الْعَظِيمُ     | ٣٨٤٨ |
| ٦١        | الصفات     | صه            | الْعَمِلُونَ   | ٣٨٤٩ |
| ٦٢        | الصفات     | صه            | الْزَّقُومُ    | ٣٨٥٠ |
| ٦٣        | الصفات     | صه            | لِلظَّالِمِينَ | ٣٨٥١ |
| ٦٤        | الصفات     | لا            | الْجَحِيمُ     | ٣٨٥٢ |
| ٦٥        | الصفات     | صه لا         | الشَّيَاطِينُ  | ٣٨٥٣ |
| ٦٦        | الصفات     | ط بلا         | الْبُطُونَ     | ٣٨٥٤ |
| ٦٧        | الصفات     | ج لا          | حَمِيمٍ        | ٣٨٥٥ |
| ٦٨        | الصفات     | صه            | الْجَحِيمُ     | ٣٨٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦٩        | الصفات     | لا            | ضَالِّينَ      | ٣٨٥٧ |
| ٧٠        | الصفات     | صه            | يُهْرَعُونَ    | ٣٨٥٨ |
| ٧١        | الصفات     | صه لا         | الْأَوَّلِينَ  | ٣٨٥٩ |
| ٧٢        | الصفات     | صه            | مُنْذِرِينَ    | ٣٨٦٠ |
| ٧٣        | الصفات     | لا            | الْمُنْذِرِينَ | ٣٨٦١ |
| ٧٤        | الصفات     | صه            | الْمُخْلَصِينَ | ٣٨٦٢ |
| ٧٥        | الصفات     | ز.صلي         | الْمُجِيبُونَ  | ٣٨٦٣ |
| ٧٦        | الصفات     | ز.صلي         | الْعَظِيمُ     | ٣٨٦٤ |
| ٧٧        | الصفات     | ز.صلي         | الْبَاقِينَ    | ٣٨٦٥ |
| ٧٨        | الصفات     | ز.صلي         | الْآخِرِينَ    | ٣٨٦٦ |
| ٧٩        | الصفات     | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٣٨٦٧ |
| ٨٠        | الصفات     | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ٣٨٦٨ |
| ٨١        | الصفات     | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٨٦٩ |
| ٨٢        | الصفات     | صه            | الْآخَرِينَ    | ٣٨٧٠ |
| ٨٣        | الصفات     | لام           | لَإِبْرَاهِيمَ | ٣٨٧١ |
| ٨٤        | الصفات     | لا            | سَلِيمٍ        | ٣٨٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٨٥        | الصفات     | ج             | تَعْبُدُونَ    | ٣٨٧٣ |
| ٨٦        | الصفات     | ط             | تُرِيدُونَ     | ٣٨٧٤ |
| ٨٧        | الصفات     | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٣٨٧٥ |
| ٨٨        | الصفات     | لا            | النُّجُومُ     | ٣٨٧٦ |
| ٨٩        | الصفات     | لا            | سَقِيمٌ        | ٣٨٧٧ |
| ٩٠        | الصفات     | صه            | مُدَبِّرِينَ   | ٣٨٧٨ |
| ٩١        | الصفات     | ج.لا          | تَأْكُلُونَ    | ٣٨٧٩ |
| ٩٢        | الصفات     | صه            | تَنْطِقُونَ    | ٣٨٨٠ |
| ٩٣        | الصفات     | لا            | بِالْيَمِينِ   | ٣٨٨١ |
| ٩٤        | الصفات     | صه            | يَرِفُونَ      | ٣٨٨٢ |
| ٩٥        | الصفات     | لا            | تَنْحِتُونَ    | ٣٨٨٣ |
| ٩٦        | الصفات     | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٣٨٨٤ |
| ٩٧        | الصفات     | لا            | الْجَحِيمُ     | ٣٨٨٥ |
| ٩٨        | الصفات     | صه            | الْأَسْفَلِينَ | ٣٨٨٦ |
| ٩٩        | الصفات     | صه            | سَيَهْدِينَ    | ٣٨٨٧ |
| ١٠٠       | الصفات     | صه            | الْصَّالِحِينَ | ٣٨٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٠١       | الصفات     | صه            | حَلِيمٍ        | ٣٨٨٩ |
| ١٠٢       | الصفات     | صه            | الْصَّابِرِينَ | ٣٨٩٠ |
| ١٠٣       | الصفات     | ج.لا          | لِلْجَبَينِ    | ٣٨٩١ |
| ١٠٤       | الصفات     | لا            | يَأَبْرَاهِيمُ | ٣٨٩٢ |
| ١٠٥       | الصفات     | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ٣٨٩٣ |
| ١٠٦       | الصفات     | صه            | الْمُبِينُ     | ٣٨٩٤ |
| ١٠٧       | الصفات     | صه.لا         | عَظِيمٍ        | ٣٨٩٥ |
| ١٠٨       | الصفات     | صلي           | الْآخِرِينَ    | ٣٨٩٦ |
| ١٠٩       | الصفات     | ط             | إِبْرَاهِيمَ   | ٣٨٩٧ |
| ١١٠       | الصفات     | صه            | الْمُحْسِنِينَ | ٣٨٩٨ |
| ١١١       | الصفات     | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٨٩٩ |
| ١١٢       | الصفات     | صه.لا         | الْصَّالِحِينَ | ٣٩٠٠ |
| ١١٣       | الصفات     | صه            | مُبِينٌ        | ٣٩٠١ |
| ١١٤       | الصفات     | ج.لا          | وَهَرُونَ      | ٣٩٠٢ |
| ١١٥       | الصفات     | ج.لا          | الْعَظِيمُ     | ٣٩٠٣ |
| ١١٦       | الصفات     | ج             | الْغَلِيبِينَ  | ٣٩٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١١٧       | الصفات     | ج             | الْمُسْتَبِينَ | ٣٩٠٥ |
| ١١٨       | الصفات     | ج             | الْمُسْتَقِيمَ | ٣٩٠٦ |
| ١١٩       | الصفات     | صه لا         | الْآخِرِينَ    | ٣٩٠٧ |
| ١٢٠       | الصفات     | صه            | وَهُرُونَ      | ٣٩٠٨ |
| ١٢١       | الصفات     | صه لا         | الْمُحْسِنِينَ | ٣٩٠٩ |
| ١٢٢       | الصفات     | صه            | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٩١٠ |
| ١٢٣       | الصفات     | ط بلا         | الْمُرْسَلِينَ | ٣٩١١ |
| ١٢٤       | الصفات     | لا            | تَتَّقُونَ     | ٣٩١٢ |
| ١٢٥       | الصفات     | ط بلا         | الْخَلِيقِينَ  | ٣٩١٣ |
| ١٢٦       | الصفات     | صه            | الْأَوَّلِينَ  | ٣٩١٤ |
| ١٢٧       | الصفات     | صه لا         | لَمُحْضَرُونَ  | ٣٩١٥ |
| ١٢٨       | الصفات     | صه لا         | الْمُخْلَصِينَ | ٣٩١٦ |
| ١٢٩       | الصفات     | صه لا         | الْآخِرِينَ    | ٣٩١٧ |
| ١٣٠       | الصفات     | صه            | يَا سِينَ      | ٣٩١٨ |
| ١٣١       | الصفات     | ط             | الْمُحْسِنِينَ | ٣٩١٩ |
| ١٣٢       | الصفات     | صه لا         | الْمُؤْمِنِينَ | ٣٩٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٣٣       | الصفات     | ط. لا         | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٩٢١ |
| ١٣٤       | الصفات     | لا            | أَجَمَعِينَ     | ٣٩٢٢ |
| ١٣٥       | الصفات     | لا            | الْغَبِيرِينَ   | ٣٩٢٣ |
| ١٣٦       | الصفات     | ص.ه. لا       | الْآخَرِينَ     | ٣٩٢٤ |
| ١٣٧       | الصفات     | لا            | مُضْبِحِينَ     | ٣٩٢٥ |
| ١٣٨       | الصفات     | صه            | تَعْقِلُونَ     | ٣٩٢٦ |
| ١٣٩       | الصفات     | ط. لا         | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٩٢٧ |
| ١٤٠       | الصفات     | لا            | الْمَشْحُونَ    | ٣٩٢٨ |
| ١٤١       | الصفات     | ج. لا         | الْمُدْحَضِينَ  | ٣٩٢٩ |
| ١٤٢       | الصفات     | صه            | مُلِيمٌ         | ٣٩٣٠ |
| ١٤٣       | الصفات     | لا            | الْمُسَيِّحِينَ | ٣٩٣١ |
| ١٤٤       | الصفات     | ج             | يُبَعْثُونَ     | ٣٩٣٢ |
| ١٤٥       | الصفات     | ج             | سَقِيمٌ         | ٣٩٣٣ |
| ١٤٦       | الصفات     | ج             | يَقْطِينِ       | ٣٩٣٤ |
| ١٤٧       | الصفات     | ج             | يَزِيدُونَ      | ٣٩٣٥ |
| ١٤٨       | الصفات     | ط             | جِينِ           | ٣٩٣٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٤٩       | الصفات     | صه.لا         | آلْبَنُونَ     | ٣٩٣٧ |
| ١٥٠       | الصفات     | ط             | شَهِدُونَ      | ٣٩٣٨ |
| ١٥١       | الصفات     | لا            | لَيَقُولُونَ   | ٣٩٣٩ |
| ١٥٢       | الصفات     | صه            | لَكَذِبُونَ    | ٣٩٤٠ |
| ١٥٣       | الصفات     | ط             | آلْبَنِينَ     | ٣٩٤١ |
| ١٥٤       | الصفات     | صه            | تَحْكُمُونَ    | ٣٩٤٢ |
| ١٥٥       | الصفات     | ج             | تَذَكَّرُونَ   | ٣٩٤٣ |
| ١٥٦       | الصفات     | لا            | مُّبِينٌ       | ٣٩٤٤ |
| ١٥٧       | الصفات     | صه            | صَدِيقِينَ     | ٣٩٤٥ |
| ١٥٨       | الصفات     | صه.لا         | لَمُحْضَرُونَ  | ٣٩٤٦ |
| ١٥٩       | الصفات     | صه.لا         | يَصِفُونَ      | ٣٩٤٧ |
| ١٦٠       | الصفات     | صه            | الْمُخْلَصِينَ | ٣٩٤٨ |
| ١٦١       | الصفات     | لا            | تَعْبُدُونَ    | ٣٩٤٩ |
| ١٦٢       | الصفات     | صه.لا         | بِقَاتِينَ     | ٣٩٥٠ |
| ١٦٣       | الصفات     | صه.لا         | الْجَحِيمَ     | ٣٩٥١ |
| ١٦٤       | الصفات     | صه.لا         | مَعْلُومٌ      | ٣٩٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٦٥       | الصفات     | ج.لا          | الصَّافُونَ     | ٣٩٥٣ |
| ١٦٦       | الصفات     | ج             | الْمُسَبِّحُونَ | ٣٩٥٤ |
| ١٦٧       | الصفات     | لا            | لَيَقُولُونَ    | ٣٩٥٥ |
| ١٦٨       | الصفات     | لا            | الْأَوَّلِينَ   | ٣٩٥٦ |
| ١٦٩       | الصفات     | صه            | الْمُخْلَصِينَ  | ٣٩٥٧ |
| ١٧٠       | الصفات     | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٣٩٥٨ |
| ١٧١       | الصفات     | ج.صلي.لا      | الْمُرْسَلِينَ  | ٣٩٥٩ |
| ١٧٢       | الصفات     | ض.لا          | الْمَنْصُورُونَ | ٣٩٦٠ |
| ١٧٣       | الصفات     | صه            | الْغَالِبُونَ   | ٣٩٦١ |
| ١٧٤       | الصفات     | صه.لا         | جِينِ           | ٣٩٦٢ |
| ١٧٥       | الصفات     | صه            | يُبَصِّرُونَ    | ٣٩٦٣ |
| ١٧٦       | الصفات     | صه            | يَسْتَعْجِلُونَ | ٣٩٦٤ |
| ١٧٧       | الصفات     | صه            | الْمُنْذَرِينَ  | ٣٩٦٥ |
| ١٧٨       | الصفات     | صه.لا         | جِينِ           | ٣٩٦٦ |
| ١٧٩       | الصفات     | صه            | يُبَصِّرُونَ    | ٣٩٦٧ |
| ١٨٠       | الصفات     | ج             | يَصِفُونَ       | ٣٩٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٨١       | الصفات     | ج             | الْمُرْسَلِينَ | ٣٩٦٩ |
| ١٨٢       | الصفات     | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٣٩٧٠ |
| ١         | ص          | ط.لا          | الْذِكْرِ      | ٣٩٧١ |
| ٢         | ص          | صه            | وَشَقَاقٍ      | ٣٩٧٢ |
| ٣         | ص          | صه            | مَنَاصِ        | ٣٩٧٣ |
| ٤         | ص          | ج.صلي.لا      | كَذَابٌ        | ٣٩٧٤ |
| ٥         | ص          | صه            | عُجَابٌ        | ٣٩٧٥ |
| ٦         | ص          | ج.صلي.لا      | يُرَادُ        | ٣٩٧٦ |
| ٧         | ص          | ج.صلي.لا      | أَخْتِلَقْ     | ٣٩٧٧ |
| ٨         | ص          | ط.لا          | عَذَابٍ        | ٣٩٧٨ |
| ٩         | ص          | ج.لا          | الْوَهَابٍ     | ٣٩٧٩ |
| ١٠        | ص          | صه            | الْأَسْبَابِ   | ٣٩٨٠ |
| ١١        | ص          | صه            | الْأَحْزَابِ   | ٣٩٨١ |
| ١٢        | ص          | لا            | الْأَوْتَادِ   | ٣٩٨٢ |
| ١٣        | ص          | صه            | الْأَحْزَابُ   | ٣٩٨٣ |
| ١٤        | ص          | صه            | عِقَابٍ        | ٣٩٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٥        | ص          | صه            | فَوَاقِ        | ٣٩٨٥ |
| ١٦        | ص          | صه            | الْحِسَابِ     | ٣٩٨٦ |
| ١٧        | ص          | صه            | أَوَابُ        | ٣٩٨٧ |
| ١٨        | ص          | لا            | وَالْإِشْرَاقِ | ٣٩٨٨ |
| ١٩        | ص          | صه.لا         | أَوَابُ        | ٣٩٨٩ |
| ٢٠        | ص          | صه.لا         | الْخِطَابِ     | ٣٩٩٠ |
| ٢١        | ص          | لا            | الْمِحرَابَ    | ٣٩٩١ |
| ٢٢        | ص          | صه.لا         | الْصِّرَاطِ    | ٣٩٩٢ |
| ٢٣        | ص          | صه            | الْخِطَابِ     | ٣٩٩٣ |
| ٢٤        | ص          | صه.لا         | وَأَنَابَ      | ٣٩٩٤ |
| ٢٥        | ص          | صه            | مَئَابٌ        | ٣٩٩٥ |
| ٢٦        | ص          | صه.لا         | الْحِسَابِ     | ٣٩٩٦ |
| ٢٧        | ص          | ط             | الْتَّارِ      | ٣٩٩٧ |
| ٢٨        | ص          | صه            | كَالْفُجَارِ   | ٣٩٩٨ |
| ٢٩        | ص          | صه            | الْأَلْبَابِ   | ٣٩٩٩ |
| ٣٠        | ص          | ض.ط           | أَوَابُ        | ٤٠٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣١        | ص          | لا            | الْجِيَادُ     | ٤٠٠١ |
| ٣٢        | ص          | قف وقفه       | بِالْحِجَابِ   | ٤٠٠٢ |
| ٣٣        | ص          | صه            | وَالْأَعْنَاقِ | ٤٠٠٣ |
| ٣٤        | ص          | صه            | أَنَابَ        | ٤٠٠٤ |
| ٣٥        | ص          | صه            | الْوَهَابُ     | ٤٠٠٥ |
| ٣٦        | ص          | لا            | أَصَابَ        | ٤٠٠٦ |
| ٣٧        | ص          | لا            | وَغَوَّاصِ     | ٤٠٠٧ |
| ٣٨        | ص          | صه            | الْأَصْفَادِ   | ٤٠٠٨ |
| ٣٩        | ص          | صه            | حِسَابٌ        | ٤٠٠٩ |
| ٤٠        | ص          | صه            | مَعَابٍ        | ٤٠١٠ |
| ٤١        | ص          | ط             | وَعَذَابٍ      | ٤٠١١ |
| ٤٢        | ص          | صه لا         | وَشَرَابٌ      | ٤٠١٢ |
| ٤٣        | ص          | صه            | الْأَلْبَابِ   | ٤٠١٣ |
| ٤٤        | ص          | صه            | أَوَابُ        | ٤٠١٤ |
| ٤٥        | ص          | صه            | وَالْأَبْصَرِ  | ٤٠١٥ |
| ٤٦        | ص          | ج             | الْدَّارِ      | ٤٠١٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ | ت    |
|-----------------|-------------------------|-------------------------------------|------|
| الْأَخْيَارِ    | ط                       | ص                                   | ٤٠١٧ |
| الْأَخْيَارِ    | ط                       | ص                                   | ٤٠١٨ |
| مَعَابٍ         | لا                      | ص                                   | ٤٠١٩ |
| الْأَبَابِ      | ج.لا                    | ص                                   | ٤٠٢٠ |
| وَشَرَابٍ       | صه                      | ص                                   | ٤٠٢١ |
| أَثْرَابٍ       | صه                      | ص                                   | ٤٠٢٢ |
| الْحِسَابِ      | صه                      | ص                                   | ٤٠٢٣ |
| نَفَادٍ         | ج.صلبي                  | ص                                   | ٤٠٢٤ |
| مَعَابٍ         | لا                      | ص                                   | ٤٠٢٥ |
| الْمِهَادُ      | صه                      | ص                                   | ٤٠٢٦ |
| وَغَسَاقُ       | لا                      | ص                                   | ٤٠٢٧ |
| أَزْوَاجٌ       | ط بلا                   | ص                                   | ٤٠٢٨ |
| الْتَّارِ       | صه                      | ص                                   | ٤٠٢٩ |
| الْقَرَارُ      | صه                      | ص                                   | ٤٠٣٠ |
| الْتَّارِ       | صه                      | ص                                   | ٤٠٣١ |
| الْأَشْرَارِ    | ط                       | ص                                   | ٤٠٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٦٣        | ص          | صه            | الْأَبْصَرُ   | ٤٠٣٣ |
| ٦٤        | ص          | صه            | الْنَّارِ     | ٤٠٣٤ |
| ٦٥        | ص          | ج             | الْقَهَّارُ   | ٤٠٣٥ |
| ٦٦        | ص          | صه            | الْغَفَّرُ    | ٤٠٣٦ |
| ٦٧        | ص          | لا            | عَظِيمٌ       | ٤٠٣٧ |
| ٦٨        | ص          | صه            | مُعْرِضُونَ   | ٤٠٣٨ |
| ٦٩        | ص          | صه            | يَخْتَصِمُونَ | ٤٠٣٩ |
| ٧٠        | ص          | صه            | مُبِينٌ       | ٤٠٤٠ |
| ٧١        | ص          | لا            | طِينٍ         | ٤٠٤١ |
| ٧٢        | ص          | صه            | سَاجِدِينَ    | ٤٠٤٢ |
| ٧٣        | ص          | لا            | أَجْمَعُونَ   | ٤٠٤٣ |
| ٧٤        | ص          | صه            | الْكَفِرِينَ  | ٤٠٤٤ |
| ٧٥        | ص          | صه            | الْعَالِيَنَ  | ٤٠٤٥ |
| ٧٦        | ص          | صه            | طِينٍ         | ٤٠٤٦ |
| ٧٧        | ص          | ج. صلي. لا    | رَجِيمٌ       | ٤٠٤٧ |
| ٧٨        | ص          | صه            | الْدِينِ      | ٤٠٤٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٧٩        | ص          | صهـ لا        | يُبَعْثُونَ       | ٤٠٤٩ |
| ٨٠        | ص          | لا            | الْمُنْظَرِينَ    | ٤٠٥٠ |
| ٨١        | ص          | صهـ           | الْمَعْلُومَ      | ٤٠٥١ |
| ٨٢        | ص          | صهـ لا        | أَجْمَعِينَ       | ٤٠٥٢ |
| ٨٣        | ص          | صهـ           | الْمُخْلَصِينَ    | ٤٠٥٣ |
| ٨٤        | ص          | جـ            | أَقْوَلُ          | ٤٠٥٤ |
| ٨٥        | ص          | صهـ           | أَجْمَعِينَ       | ٤٠٥٥ |
| ٨٦        | ص          | صهـ           | الْمُتَكَلِّفِينَ | ٤٠٥٦ |
| ٨٧        | ص          | صهـ           | لِلْعَالَمِينَ    | ٤٠٥٧ |
| ٨٨        | ص          | صهـ           | حِينٍ             | ٤٠٥٨ |
| ١         | الزمر      | صهـ لا        | الْحَكِيمُ        | ٤٠٥٩ |
| ٢         | الزمر      | طـ            | الَّذِينَ         | ٤٠٦٠ |
| ٣         | الزمر      | صهـ           | كَفَّارُ          | ٤٠٦١ |
| ٤         | الزمر      | صهـ           | الْقَهَّارُ       | ٤٠٦٢ |
| ٥         | الزمر      | صهـ           | الْغَفَّارُ       | ٤٠٦٣ |
| ٦         | الزمر      | صهـ           | تُصْرِفُونَ       | ٤٠٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٧         | الزمر      | صه            | الْصُّدُورِ    | ٤٠٦٥ |
| ٨         | الزمر      | صه            | الْتَّارِ      | ٤٠٦٦ |
| ٩         | الزمر      | صه            | الْأَلْبَابِ   | ٤٠٦٧ |
| ١٠        | الزمر      | صه.لا         | حِسَابٍ        | ٤٠٦٨ |
| ١١        | الزمر      | لا            | الْدِينَ       | ٤٠٦٩ |
| ١٢        | الزمر      | صه            | الْمُسْلِمِينَ | ٤٠٧٠ |
| ١٣        | الزمر      | صه            | عَظِيمٍ        | ٤٠٧١ |
| ١٤        | الزمر      | صه.لا         | دِينِي         | ٤٠٧٢ |
| ١٥        | الزمر      | صه.لا         | الْمُبِينُ     | ٤٠٧٣ |
| ١٦        | الزمر      | صه            | فَاتَّقُونَ    | ٤٠٧٤ |
| ١٧        | الزمر      | لا            | عِبَادِ        | ٤٠٧٥ |
| ١٨        | الزمر      | صه            | الْأَلْبَابِ   | ٤٠٧٦ |
| ١٩        | الزمر      | ج             | الْتَّارِ      | ٤٠٧٧ |
| ٢٠        | الزمر      | صه            | الْمِيعَادَ    | ٤٠٧٨ |
| ٢١        | الزمر      | صه            | الْأَلْبَابِ   | ٤٠٧٩ |
| ٢٢        | الزمر      | صه            | مُّبِينٍ       | ٤٠٨٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| ت    | رأس الآية         | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_ الآية |    |
|------|-------------------|---------------|-----------------------|----|
| ٤٠٨١ | هادِ              | صه            | الزمر                 | ٢٣ |
| ٤٠٨٢ | تَكُسِبُونَ       | صه            | الزمر                 | ٢٤ |
| ٤٠٨٣ | يَشْعُرُونَ       | صه            | الزمر                 | ٢٥ |
| ٤٠٨٤ | يَعْلَمُونَ       | ط             | الزمر                 | ٢٦ |
| ٤٠٨٥ | يَتَذَكَّرُونَ    | ج.لا          | الزمر                 | ٢٧ |
| ٤٠٨٦ | يَتَّقُونَ        | صه            | الزمر                 | ٢٨ |
| ٤٠٨٧ | يَعْلَمُونَ       | صه            | الزمر                 | ٢٩ |
| ٤٠٨٨ | مَيِّتُونَ        | ز.لا          | الزمر                 | ٣٠ |
| ٤٠٨٩ | تَخْتَصِمُونَ     | صه            | الزمر                 | ٣١ |
| ٤٠٩٠ | لِلْكَافِرِينَ    | صه            | الزمر                 | ٣٢ |
| ٤٠٩١ | الْمُتَّقُونَ     | صه            | الزمر                 | ٣٣ |
| ٤٠٩٢ | الْمُحْسِنِينَ    | ج.صلي.ط.لا    | الزمر                 | ٣٤ |
| ٤٠٩٣ | يَعْمَلُونَ       | صه            | الزمر                 | ٣٥ |
| ٤٠٩٤ | هادِ              | ج             | الزمر                 | ٣٦ |
| ٤٠٩٥ | أَنْتِقَامٍ       | صه            | الزمر                 | ٣٧ |
| ٤٠٩٦ | الْمُتَوَكِّلُونَ | صه.لا         | الزمر                 | ٣٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ  | تَ   | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ |
|------------------|------|-------------------------|-------------------------------------|
| تَعْلَمُونَ      | ٤٠٩٧ | لَا                     | الزُّمُرٌ ٣٩                        |
| مُّقِيمٌ         | ٤٠٩٨ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٠                        |
| بِوَكِيلٍ        | ٤٠٩٩ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤١                        |
| يَتَفَكَّرُونَ   | ٤١٠٠ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٢                        |
| يَعْقِلُونَ      | ٤١٠١ | صَهْ لَا                | الزُّمُرٌ ٤٣                        |
| تُرْجَعُونَ      | ٤١٠٢ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٤                        |
| يَسْتَبَشِّرُونَ | ٤١٠٣ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٥                        |
| يَخْتَلِفُونَ    | ٤١٠٤ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٦                        |
| يَحْتَسِبُونَ    | ٤١٠٥ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٧                        |
| يَسْتَهْزِئُونَ  | ٤١٠٦ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٨                        |
| يَعْلَمُونَ      | ٤١٠٧ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٤٩                        |
| يَكُسِّبُونَ     | ٤١٠٨ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٥٠                        |
| بِمُعْجِزِينَ    | ٤١٠٩ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٥١                        |
| يُؤْمِنُونَ      | ٤١١٠ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٥٢                        |
| الْرَّحِيمُ      | ٤١١١ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٥٣                        |
| تُنَصَّرُونَ     | ٤١١٢ | صَهْ                    | الزُّمُرٌ ٥٤                        |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية          | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------------|------|
| ٥٥        | الزمر      | لا            | شُعُرونَ           | ٤١١٣ |
| ٥٦        | الزمر      | لا            | السَّخِرِينَ       | ٤١١٤ |
| ٥٧        | الزمر      | لا            | الْمُتَّقِينَ      | ٤١١٥ |
| ٥٨        | الزمر      | صه            | الْمُحْسِنِينَ     | ٤١١٦ |
| ٥٩        | الزمر      | صه            | الْكَفِرِينَ       | ٤١١٧ |
| ٦٠        | الزمر      | صه            | لِلْمُتَكَبِّرِينَ | ٤١١٨ |
| ٦١        | الزمر      | صه            | يَحْزُنُونَ        | ٤١١٩ |
| ٦٢        | الزمر      | صه            | وَكِيلٌ            | ٤١٢٠ |
| ٦٣        | الزمر      | صه            | الْخَاسِرُونَ      | ٤١٢١ |
| ٦٤        | الزمر      | صه            | الْجَاهِلُونَ      | ٤١٢٢ |
| ٦٥        | الزمر      | صه            | الْخَاسِرِينَ      | ٤١٢٣ |
| ٦٦        | الزمر      | صه            | الْشَّاكِرِينَ     | ٤١٢٤ |
| ٦٧        | الزمر      | صه            | يُشْرِكُونَ        | ٤١٢٥ |
| ٦٨        | الزمر      | صه            | يَنْظُرُونَ        | ٤١٢٦ |
| ٦٩        | الزمر      | صه            | يُظْلَمُونَ        | ٤١٢٧ |
| ٧٠        | الزمر      | صه            | يَفْعَلُونَ        | ٤١٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية | علامات_المصحف     | اسم_السورة رقم_الآية | ت        |
|-----------|-------------------|----------------------|----------|
| ٤١٢٩      | الْكَفِرِينَ      | صه                   | ٧١ الزمر |
| ٤١٣٠      | الْمُتَكَبِّرِينَ | صه                   | ٧٢ الزمر |
| ٤١٣١      | خَلِيلِينَ        | صه.لا                | ٧٣ الزمر |
| ٤١٣٢      | الْعَمِيلِينَ     | صه                   | ٧٤ الزمر |
| ٤١٣٣      | الْعَالَمِينَ     | صه                   | ٧٥ الزمر |
| ٤١٣٤      | حَمَ              | ج                    | ١ غافر   |
| ٤١٣٥      | الْعَلِيمُ        | لا                   | ٢ غافر   |
| ٤١٣٦      | الْمَصِيرُ        | صه                   | ٣ غافر   |
| ٤١٣٧      | الْبَلَدِ         | صه                   | ٤ غافر   |
| ٤١٣٨      | عِقَابٍ           | صه                   | ٥ غافر   |
| ٤١٣٩      | الْثَارِ          | م                    | ٦ غافر   |
| ٤١٤٠      | الْجَحِيمُ        | صه                   | ٧ غافر   |
| ٤١٤١      | الْحَكِيمُ        | ج.لا                 | ٨ غافر   |
| ٤١٤٢      | الْعَظِيمُ        | صه.لا                | ٩ غافر   |
| ٤١٤٣      | فَتَكْفُرُونَ     | صه                   | ١٠ غافر  |
| ٤١٤٤      | سَبِيلٍ           | صه                   | ١١ غافر  |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية      | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية |
|----------------|------|---------------|----------------------|
| الْكَبِيرٌ     | ٤١٤٥ | صه            | غافر ١٢              |
| يُنِيبُ        | ٤١٤٦ | صه.لا         | غافر ١٣              |
| الْكُفَّارُونَ | ٤١٤٧ | صه.لا         | غافر ١٤              |
| الْتَّلَاقِ    | ٤١٤٨ | لا            | غافر ١٥              |
| الْقَهَّارِ    | ٤١٤٩ | صه            | غافر ١٦              |
| الْحِسَابِ     | ٤١٥٠ | صه            | غافر ١٧              |
| يُطَاعُ        | ٤١٥١ | ط             | غافر ١٨              |
| الْصُّدُورُ    | ٤١٥٢ | صه            | غافر ١٩              |
| الْبَصِيرُ     | ٤١٥٣ | صه            | غافر ٢٠              |
| وَاقِ          | ٤١٥٤ | صه            | غافر ٢١              |
| الْعِقَابِ     | ٤١٥٥ | صه            | غافر ٢٢              |
| مُبِينٍ        | ٤١٥٦ | لا            | غافر ٢٣              |
| كَذَابٌ        | ٤١٥٧ | صه            | غافر ٢٤              |
| ضَلَالٍ        | ٤١٥٨ | صه            | غافر ٢٥              |
| الْفَسَادَ     | ٤١٥٩ | صه.لا         | غافر ٢٦              |
| الْحِسَابِ     | ٤١٦٠ | صه            | غافر ٢٧              |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢٨        | غافر       | صه            | كَذَابٌ      | ٤١٦١ |
| ٢٩        | غافر       | صه            | الْرَّشَادِ  | ٤١٦٢ |
| ٣٠        | غافر       | لا            | الْأَحْزَابِ | ٤١٦٣ |
| ٣١        | غافر       | صه            | لِلْعِبَادِ  | ٤١٦٤ |
| ٣٢        | غافر       | لا            | الْتَّنَادِ  | ٤١٦٥ |
| ٣٣        | غافر       | صه            | هَادِ        | ٤١٦٦ |
| ٣٤        | غافر       | ج. صلي        | مُرْتَابٌ    | ٤١٦٧ |
| ٣٥        | غافر       | صه            | جَبَارٍ      | ٤١٦٨ |
| ٣٦        | غافر       | لا            | الْأَسْبَابِ | ٤١٦٩ |
| ٣٧        | غافر       | صه لا         | تَبَابٍ      | ٤١٧٠ |
| ٣٨        | غافر       | ج             | الْرَّشَادِ  | ٤١٧١ |
| ٣٩        | غافر       | صه            | الْقَرَارِ   | ٤١٧٢ |
| ٤٠        | غافر       | ج             | حِسَابٍ      | ٤١٧٣ |
| ٤١        | غافر       | ط             | الْنَّارِ    | ٤١٧٤ |
| ٤٢        | غافر       | صه            | الْغَفَّارِ  | ٤١٧٥ |
| ٤٣        | غافر       | صه            | الْنَّارِ    | ٤١٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤٤        | غافر       | صه            | بِالْعِبَادِ   | ٤١٧٧ |
| ٤٥        | غافر       | ج             | الْعَذَابِ     | ٤١٧٨ |
| ٤٦        | غافر       | صه            | الْعَذَابِ     | ٤١٧٩ |
| ٤٧        | غافر       | صه            | الْنَّارِ      | ٤١٨٠ |
| ٤٨        | غافر       | صه            | الْعِبَادِ     | ٤١٨١ |
| ٤٩        | غافر       | صه            | الْعَذَابِ     | ٤١٨٢ |
| ٥٠        | غافر       | صه            | ضَلَلٌ         | ٤١٨٣ |
| ٥١        | غافر       | لا            | الْأَشْهَدُ    | ٤١٨٤ |
| ٥٢        | غافر       | صه            | الْدَّارِ      | ٤١٨٥ |
| ٥٣        | غافر       | لا            | الْكِتَابِ     | ٤١٨٦ |
| ٥٤        | غافر       | صه            | الْأَلْبَابِ   | ٤١٨٧ |
| ٥٥        | غافر       | صه            | وَالْإِبْكَارِ | ٤١٨٨ |
| ٥٦        | غافر       | صه            | الْبَصِيرُ     | ٤١٨٩ |
| ٥٧        | غافر       | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٤١٩٠ |
| ٥٨        | غافر       | صه            | تَتَذَكَّرُونَ | ٤١٩١ |
| ٥٩        | غافر       | صه            | يُؤْمِنُونَ    | ٤١٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| ت    | رأس الآية     | علامات المصاحف | اسم السورة رقم الآية |  |
|------|---------------|----------------|----------------------|--|
| ٤١٩٣ | دَآخِرِينَ    | ط              | غافر ٦٠              |  |
| ٤١٩٤ | يَشْكُرُونَ   | صه             | غافر ٦١              |  |
| ٤١٩٥ | تُؤْفَكُونَ   | صه             | غافر ٦٢              |  |
| ٤١٩٦ | يَجْحَدُونَ   | صه             | غافر ٦٣              |  |
| ٤١٩٧ | الْعَالَمِينَ | صه             | غافر ٦٤              |  |
| ٤١٩٨ | الْعَالَمِينَ | صه             | غافر ٦٥              |  |
| ٤١٩٩ | الْعَالَمِينَ | صه             | غافر ٦٦              |  |
| ٤٢٠٠ | تَعْقِلُونَ   | صه             | غافر ٦٧              |  |
| ٤٢٠١ | فَيَكُونُ     | صه             | غافر ٦٨              |  |
| ٤٢٠٢ | يُصْرَفُونَ   | ث.ج.صلي        | غافر ٦٩              |  |
| ٤٢٠٣ | يَعْلَمُونَ   | لا             | غافر ٧٠              |  |
| ٤٢٠٤ | يُسْحَبُونَ   | لا             | غافر ٧١              |  |
| ٤٢٠٥ | يُسْجَرُونَ   | ج              | غافر ٧٢              |  |
| ٤٢٠٦ | تُشْرِكُونَ   | لا             | غافر ٧٣              |  |
| ٤٢٠٧ | الْكَافِرِينَ | صه             | غافر ٧٤              |  |
| ٤٢٠٨ | تَمَرِحُونَ   | ج.ط            | غافر ٧٥              |  |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٧٦        | غافر       | صه            | الْمُتَكَبِّرِينَ | ٤٢٠٩ |
| ٧٧        | غافر       | صه            | يُرْجَعُونَ       | ٤٢١٠ |
| ٧٨        | غافر       | صه            | الْمُبْطَلُونَ    | ٤٢١١ |
| ٧٩        | غافر       | ز             | تَأْكُلُونَ       | ٤٢١٢ |
| ٨٠        | غافر       | ط             | تُحَمِّلُونَ      | ٤٢١٣ |
| ٨١        | غافر       | صه            | تُنَكِّرُونَ      | ٤٢١٤ |
| ٨٢        | غافر       | صه            | يَكُسِّبُونَ      | ٤٢١٥ |
| ٨٣        | غافر       | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ   | ٤٢١٦ |
| ٨٤        | غافر       | صه            | مُشْرِكِينَ       | ٤٢١٧ |
| ٨٥        | غافر       | صه            | الْكَافِرُونَ     | ٤٢١٨ |
| ١         | فصلت       | ج             | حـ                | ٤٢١٩ |
| ٢         | فصلت       | ج.لا          | الرَّحِيم         | ٤٢٢٠ |
| ٣         | فصلت       | لا            | يَعْلَمُونَ       | ٤٢٢١ |
| ٤         | فصلت       | صه            | يَسْمَعُونَ       | ٤٢٢٢ |
| ٥         | فصلت       | صه            | عَمِلُونَ         | ٤٢٢٣ |
| ٦         | فصلت       | لا            | لِلْمُشْرِكِينَ   | ٤٢٢٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧         | فصلت       | صه            | كَفِرُونَ       | ٤٢٢٥ |
| ٨         | فصلت       | صه            | مَمْنُونِ       | ٤٢٢٦ |
| ٩         | فصلت       | ج             | الْعَالَمِينَ   | ٤٢٢٧ |
| ١٠        | فصلت       | صه            | لِلّسَّاءِلِينَ | ٤٢٢٨ |
| ١١        | فصلت       | صه            | طَآءِعِينَ      | ٤٢٢٩ |
| ١٢        | فصلت       | صه            | الْعَلِيم       | ٤٢٣٠ |
| ١٣        | فصلت       | ط.لا          | وَثَمُودَ       | ٤٢٣١ |
| ١٤        | فصلت       | صه            | كَفِرُونَ       | ٤٢٣٢ |
| ١٥        | فصلت       | صه            | يَجْحَدُونَ     | ٤٢٣٣ |
| ١٦        | فصلت       | صه            | يُنَصَّرُونَ    | ٤٢٣٤ |
| ١٧        | فصلت       | ج             | يَكُسِبُونَ     | ٤٢٣٥ |
| ١٨        | فصلت       | صه            | يَتَّقُونَ      | ٤٢٣٦ |
| ١٩        | فصلت       | صه.لا         | يُوزَعُونَ      | ٤٢٣٧ |
| ٢٠        | فصلت       | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٤٢٣٨ |
| ٢١        | فصلت       | صه            | تُرْجَعُونَ     | ٤٢٣٩ |
| ٢٢        | فصلت       | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٤٢٤٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | ت    | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ |
|-----------------|------|-------------------------|-------------------------------------|
| أَخْسِرِينَ     | ٤٢٤١ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٣                         |
| أَمْعَتَبِينَ   | ٤٢٤٢ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٤                         |
| خَسِيرِينَ      | ٤٢٤٣ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٥                         |
| تَغْلِبُونَ     | ٤٢٤٤ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٦                         |
| يَعْمَلُونَ     | ٤٢٤٥ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٧                         |
| يَجْحَدُونَ     | ٤٢٤٦ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٨                         |
| الْأَسْفَلِينَ  | ٤٢٤٧ | صَه                     | فَصْلَتْ ٢٩                         |
| تُوعَدُونَ      | ٤٢٤٨ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٠                         |
| تَدَّعُونَ      | ٤٢٤٩ | طِلَا                   | فَصْلَتْ ٣١                         |
| رَّحِيمٍ        | ٤٢٥٠ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٢                         |
| الْمُسْلِمِينَ  | ٤٢٥١ | صَهْ لَا                | فَصْلَتْ ٣٣                         |
| حَمِيمٌ         | ٤٢٥٢ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٤                         |
| عَظِيمٍ         | ٤٢٥٣ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٥                         |
| الْعَلِيمُ      | ٤٢٥٤ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٦                         |
| تَعْبُدُونَ     | ٤٢٥٥ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٧                         |
| يَسْئُمُونَ     | ٤٢٥٦ | صَه                     | فَصْلَتْ ٣٨                         |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٣٩        | فصلت       | صه            | قَدِيرٌ     | ٤٢٥٧ |
| ٤٠        | فصلت       | صه            | بَصِيرٌ     | ٤٢٥٨ |
| ٤١        | فصلت       | لا            | عَزِيزٌ     | ٤٢٥٩ |
| ٤٢        | فصلت       | صه            | حَمِيدٍ     | ٤٢٦٠ |
| ٤٣        | فصلت       | صه            | الْيَمِ     | ٤٢٦١ |
| ٤٤        | فصلت       | صه            | بَعِيدٍ     | ٤٢٦٢ |
| ٤٥        | فصلت       | صه            | مُرِيبٌ     | ٤٢٦٣ |
| ٤٦        | فصلت       | صه            | لِلْعَبِيدِ | ٤٢٦٤ |
| ٤٧        | فصلت       | ج             | شَهِيدٍ     | ٤٢٦٥ |
| ٤٨        | فصلت       | صه            | مَحِيصٌ     | ٤٢٦٦ |
| ٤٩        | فصلت       | طلا           | قَنُوطٌ     | ٤٢٦٧ |
| ٥٠        | فصلت       | صه            | غَلِظٌ      | ٤٢٦٨ |
| ٥١        | فصلت       | صه            | عَرِيضٌ     | ٤٢٦٩ |
| ٥٢        | فصلت       | صه            | بَعِيدٍ     | ٤٢٧٠ |
| ٥٣        | فصلت       | صه            | شَهِيدٌ     | ٤٢٧١ |
| ٥٤        | فصلت       | صه            | مُحِيطٌ     | ٤٢٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ١         | الشوري     | ج.لا          | حـ         | ٤٢٧٣ |
| ٢         | الشوري     | قف            | عـسـقـ     | ٤٢٧٤ |
| ٣         | الشوري     | صـهـ          | الـحـكـيمـ | ٤٢٧٥ |
| ٤         | الشوري     | صـهـ          | الـعـظـيمـ | ٤٢٧٦ |
| ٥         | الشوري     | صـهـ          | الـرـحـيمـ | ٤٢٧٧ |
| ٦         | الشوري     | صـهـ          | بـوـكـيلـ  | ٤٢٧٨ |
| ٧         | الشوري     | صـهـ          | الـسـعـيرـ | ٤٢٧٩ |
| ٨         | الشوري     | صـهـ          | نـصـيرـ    | ٤٢٨٠ |
| ٩         | الشوري     | صـهـ          | قـدـيرـ    | ٤٢٨١ |
| ١٠        | الشوري     | صـهـ          | أـنـيـبـ   | ٤٢٨٢ |
| ١١        | الشوري     | صـهـ          | الـبـصـيرـ | ٤٢٨٣ |
| ١٢        | الشوري     | صـهـ          | عـلـيـمـ   | ٤٢٨٤ |
| ١٣        | الشوري     | صـهـ          | يـنـيـبـ   | ٤٢٨٥ |
| ١٤        | الشوري     | صـهـ          | مـرـيـبـ   | ٤٢٨٦ |
| ١٥        | الشوري     | طـ            | الـمـصـيرـ | ٤٢٨٧ |
| ١٦        | الشوري     | صـهـ          | شـدـيدـ    | ٤٢٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٧        | الشوري     | صه            | قریبٌ         | ٤٢٨٩ |
| ١٨        | الشوري     | صه            | بعیدٍ         | ٤٢٩٠ |
| ١٩        | الشوري     | صه            | الْعَزِيزُ    | ٤٢٩١ |
| ٢٠        | الشوري     | صه            | نَصِيبٌ       | ٤٢٩٢ |
| ٢١        | الشوري     | صه            | الْإِيمُون    | ٤٢٩٣ |
| ٢٢        | الشوري     | صه            | الْكَبِيرُ    | ٤٢٩٤ |
| ٢٣        | الشوري     | صه            | شَكُورٌ       | ٤٢٩٥ |
| ٢٤        | الشوري     | صه            | الْصُّدُورِ   | ٤٢٩٦ |
| ٢٥        | الشوري     | صه لا         | تَفَعَّلُونَ  | ٤٢٩٧ |
| ٢٦        | الشوري     | صه لا         | شَدِيدٌ       | ٤٢٩٨ |
| ٢٧        | الشوري     | صه            | بَصِيرٌ       | ٤٢٩٩ |
| ٢٨        | الشوري     | صه            | الْحَمِيدُ    | ٤٣٠٠ |
| ٢٩        | الشوري     | صه            | قَدِيرٌ       | ٤٣٠١ |
| ٣٠        | الشوري     | ط             | كَثِيرٌ       | ٤٣٠٢ |
| ٣١        | الشوري     | صه            | نَصِيرٌ       | ٤٣٠٣ |
| ٣٢        | الشوري     | ط             | كَالْأَعْلَمُ | ٤٣٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣٣        | الشوري     | لا            | شُكُورٍ        | ٤٣٠٥ |
| ٣٤        | الشوري     | ز             | كَثِيرٍ        | ٤٣٠٦ |
| ٣٥        | الشوري     | صه            | مَحِيصٍ        | ٤٣٠٧ |
| ٣٦        | الشوري     | ج             | يَتَوَكَّلُونَ | ٤٣٠٨ |
| ٣٧        | الشوري     | ج             | يَغْفِرُونَ    | ٤٣٠٩ |
| ٣٨        | الشوري     | ج             | يُنْفِقُونَ    | ٤٣١٠ |
| ٣٩        | الشوري     | صه            | يَنْتَصِرُونَ  | ٤٣١١ |
| ٤٠        | الشوري     | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٤٣١٢ |
| ٤١        | الشوري     | ط             | سَبِيلٍ        | ٤٣١٣ |
| ٤٢        | الشوري     | صه            | أَلِيمٌ        | ٤٣١٤ |
| ٤٣        | الشوري     | صه            | الْأَمُورِ     | ٤٣١٥ |
| ٤٤        | الشوري     | ج.ط           | سَبِيلٍ        | ٤٣١٦ |
| ٤٥        | الشوري     | صه            | مُّقِيمٍ       | ٤٣١٧ |
| ٤٦        | الشوري     | ط             | سَبِيلٍ        | ٤٣١٨ |
| ٤٧        | الشوري     | صه            | نَّكِيرٍ       | ٤٣١٩ |
| ٤٨        | الشوري     | صه            | كَفُورٌ        | ٤٣٢٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤٩        | الشوري     | لا            | الذُّكُورَ      | ٤٣٢١ |
| ٥٠        | الشوري     | صه            | قَدِيرُ         | ٤٣٢٢ |
| ٥١        | الشوري     | صه            | حَكِيمٌ         | ٤٣٢٣ |
| ٥٢        | الشوري     | لا            | مُسْتَقِيمٍ     | ٤٣٢٤ |
| ٥٣        | الشوري     | صه            | الْأُمُورُ      | ٤٣٢٥ |
| ١         | الزخرف     | ث.ج           | حَمَ            | ٤٣٢٦ |
| ٢         | الزخرف     | ث.لا          | الْمُبِينِ      | ٤٣٢٧ |
| ٣         | الزخرف     | ج             | تَعْقِلُونَ     | ٤٣٢٨ |
| ٤         | الزخرف     | ط             | حَكِيمٌ         | ٤٣٢٩ |
| ٥         | الزخرف     | صه            | مُسْرِفِينَ     | ٤٣٣٠ |
| ٦         | الزخرف     | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ٤٣٣١ |
| ٧         | الزخرف     | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ٤٣٣٢ |
| ٨         | الزخرف     | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ٤٣٣٣ |
| ٩         | الزخرف     | صه.لا         | الْعَلِيمُ      | ٤٣٣٤ |
| ١٠        | الزخرف     | ج             | تَهْتَدُونَ     | ٤٣٣٥ |
| ١١        | الزخرف     | صه            | تُخْرَجُونَ     | ٤٣٣٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٢        | الزخرف     | لا            | تَرْكُبُونَ     | ٤٣٣٧ |
| ١٣        | الزخرف     | لا            | مُقْرِنِينَ     | ٤٣٣٨ |
| ١٤        | الزخرف     | صه            | لَمُنَقْلِبُونَ | ٤٣٣٩ |
| ١٥        | الزخرف     | ط             | مُّيِّنٌ        | ٤٣٤٠ |
| ١٦        | الزخرف     | صه            | بِالْبَنِينَ    | ٤٣٤١ |
| ١٧        | الزخرف     | صه            | كَظِيمٌ         | ٤٣٤٢ |
| ١٨        | الزخرف     | صه            | مُّيِّنٍ        | ٤٣٤٣ |
| ١٩        | الزخرف     | صه            | وَيُسْأَلُونَ   | ٤٣٤٤ |
| ٢٠        | الزخرف     | ط             | يَخْرُصُونَ     | ٤٣٤٥ |
| ٢١        | الزخرف     | صه            | مُسْتَمِسِكُونَ | ٤٣٤٦ |
| ٢٢        | الزخرف     | صه            | مُهَتَّدُونَ    | ٤٣٤٧ |
| ٢٣        | الزخرف     | صه            | مُقْتَدُونَ     | ٤٣٤٨ |
| ٢٤        | الزخرف     | صه            | كَفِرُونَ       | ٤٣٤٩ |
| ٢٥        | الزخرف     | صه            | الْمُكَذِّبِينَ | ٤٣٥٠ |
| ٢٦        | الزخرف     | لا            | تَعْبُدُونَ     | ٤٣٥١ |
| ٢٧        | الزخرف     | صه            | سَيَهْدِينَ     | ٤٣٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢٨        | الزخرف     | صه            | يَرْجِعُونَ    | ٤٣٥٣ |
| ٢٩        | الزخرف     | صه            | مُّبِينٌ       | ٤٣٥٤ |
| ٣٠        | الزخرف     | صه            | كَفِرُونَ      | ٤٣٥٥ |
| ٣١        | الزخرف     | صه            | عَظِيمٍ        | ٤٣٥٦ |
| ٣٢        | الزخرف     | صه            | يَجْمَعُونَ    | ٤٣٥٧ |
| ٣٣        | الزخرف     | لا            | يَظْهَرُونَ    | ٤٣٥٨ |
| ٣٤        | الزخرف     | لا            | يَتَكَبَّرُونَ | ٤٣٥٩ |
| ٣٥        | الزخرف     | صه            | لِلْمُتَّقِينَ | ٤٣٦٠ |
| ٣٦        | الزخرف     | صه            | قَرِينٌ        | ٤٣٦١ |
| ٣٧        | الزخرف     | صه            | مُهَتَّدُونَ   | ٤٣٦٢ |
| ٣٨        | الزخرف     | صه            | الْقَرِينُ     | ٤٣٦٣ |
| ٣٩        | الزخرف     | صه            | مُشَتَّرِكُونَ | ٤٣٦٤ |
| ٤٠        | الزخرف     | صه            | مُّبِينٌ       | ٤٣٦٥ |
| ٤١        | الزخرف     | لا            | مُنْتَقِمُونَ  | ٤٣٦٦ |
| ٤٢        | الزخرف     | صه            | مُقتَدِرُونَ   | ٤٣٦٧ |
| ٤٣        | الزخرف     | صه            | مُسْتَقِيمٍ    | ٤٣٦٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٤٤        | الزخرف     | صه            | تُسْأَلُونَ   | ٤٣٦٩ |
| ٤٥        | الزخرف     | صه            | يُعَبِّدُونَ  | ٤٣٧٠ |
| ٤٦        | الزخرف     | صه            | الْعَالَمِينَ | ٤٣٧١ |
| ٤٧        | الزخرف     | صه            | يَضْحَكُونَ   | ٤٣٧٢ |
| ٤٨        | الزخرف     | صه            | يَرْجِعُونَ   | ٤٣٧٣ |
| ٤٩        | الزخرف     | صه            | لَمُهْتَدُونَ | ٤٣٧٤ |
| ٥٠        | الزخرف     | صه            | يَنْكُثُونَ   | ٤٣٧٥ |
| ٥١        | الزخرف     | ط             | تُبْصِرُونَ   | ٤٣٧٦ |
| ٥٢        | الزخرف     | صه            | يُبِينُ       | ٤٣٧٧ |
| ٥٣        | الزخرف     | صه            | مُقْتَرِنِينَ | ٤٣٧٨ |
| ٥٤        | الزخرف     | صه            | فَاسِقِينَ    | ٤٣٧٩ |
| ٥٥        | الزخرف     | لا            | أَجْمَعِينَ   | ٤٣٨٠ |
| ٥٦        | الزخرف     | صه            | لِلْأَخْرِينَ | ٤٣٨١ |
| ٥٧        | الزخرف     | صه            | يَصِدُّونَ    | ٤٣٨٢ |
| ٥٨        | الزخرف     | صه            | خَصِمُونَ     | ٤٣٨٣ |
| ٥٩        | الزخرف     | ط             | إِسْرَاعِيلَ  | ٤٣٨٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٦٠        | الزخرف     | صه            | يَخْلُفُونَ   | ٤٣٨٥ |
| ٦١        | الزخرف     | صه            | مُسْتَقِيمٌ   | ٤٣٨٦ |
| ٦٢        | الزخرف     | صه            | مُبِينٌ       | ٤٣٨٧ |
| ٦٣        | الزخرف     | صه            | وَأَطِيعُونِ  | ٤٣٨٨ |
| ٦٤        | الزخرف     | صه            | مُسْتَقِيمٌ   | ٤٣٨٩ |
| ٦٥        | الزخرف     | صه            | أَلَيْمٌ      | ٤٣٩٠ |
| ٦٦        | الزخرف     | صه            | يَشْعُرُونَ   | ٤٣٩١ |
| ٦٧        | الزخرف     | ط             | الْمُتَّقِينَ | ٤٣٩٢ |
| ٦٨        | الزخرف     | ج             | تَحْرَنُونَ   | ٤٣٩٣ |
| ٦٩        | الزخرف     | ج.لا          | مُسْلِمِينَ   | ٤٣٩٤ |
| ٧٠        | الزخرف     | صه            | تُحَبِّرُونَ  | ٤٣٩٥ |
| ٧١        | الزخرف     | ج             | خَالِدُونَ    | ٤٣٩٦ |
| ٧٢        | الزخرف     | صه            | تَعْمَلُونَ   | ٤٣٩٧ |
| ٧٣        | الزخرف     | صه            | تَأْكُلُونَ   | ٤٣٩٨ |
| ٧٤        | الزخرف     | ج.صلي.لا      | خَالِدُونَ    | ٤٣٩٩ |
| ٧٥        | الزخرف     | ج             | مُبْلِسُونَ   | ٤٤٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٧٦        | الزخرف     | صه            | الظَّالِمِينَ  | ٤٤٠١ |
| ٧٧        | الزخرف     | صه            | مَّا كِتَبُونَ | ٤٤٠٢ |
| ٧٨        | الزخرف     | صه            | كَرِهُونَ      | ٤٤٠٣ |
| ٧٩        | الزخرف     | ج             | مُبْرِمُونَ    | ٤٤٠٤ |
| ٨٠        | الزخرف     | صه            | يَكْتُبُونَ    | ٤٤٠٥ |
| ٨١        | الزخرف     | صه            | الْعَبِيدِينَ  | ٤٤٠٦ |
| ٨٢        | الزخرف     | صه            | يَصِفُونَ      | ٤٤٠٧ |
| ٨٣        | الزخرف     | صه            | يُوعَدُونَ     | ٤٤٠٨ |
| ٨٤        | الزخرف     | صه            | الْعَلِيمُ     | ٤٤٠٩ |
| ٨٥        | الزخرف     | صه            | تُرْجَعُونَ    | ٤٤١٠ |
| ٨٦        | الزخرف     | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٤٤١١ |
| ٨٧        | الزخرف     | صه لا         | يُؤْفَكُونَ    | ٤٤١٢ |
| ٨٨        | الزخرف     | م             | يُؤْمِنُونَ    | ٤٤١٣ |
| ٨٩        | الزخرف     | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٤٤١٤ |
| ١         | الدخان     | ث.ج.لا        | حـ             | ٤٤١٥ |
| ٢         | الدخان     | ث.لا          | الْمُبِينِ     | ٤٤١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٣         | الدخان     | ط             | مُنذِّرينَ    | ٤٤١٧ |
| ٤         | الدخان     | لا            | حَكِيمٌ       | ٤٤١٨ |
| ٥         | الدخان     | ج.لا          | مُرْسِلِينَ   | ٤٤١٩ |
| ٦         | الدخان     | ط.لا          | الْعَلِيمُ    | ٤٤٢٠ |
| ٧         | الدخان     | صه            | مُوقِنِينَ    | ٤٤٢١ |
| ٨         | الدخان     | صه            | الْأَوَّلِينَ | ٤٤٢٢ |
| ٩         | الدخان     | صه            | يَلْعَبُونَ   | ٤٤٢٣ |
| ١٠        | الدخان     | لا            | مُبِينٍ       | ٤٤٢٤ |
| ١١        | الدخان     | صه            | أَلَيْمٌ      | ٤٤٢٥ |
| ١٢        | الدخان     | صه            | مُؤْمِنُونَ   | ٤٤٢٦ |
| ١٣        | الدخان     | لا            | مُبِينٍ       | ٤٤٢٧ |
| ١٤        | الدخان     | لام           | مَجْنُونٌ     | ٤٤٢٨ |
| ١٥        | الدخان     | م             | عَاهِدُونَ    | ٤٤٢٩ |
| ١٦        | الدخان     | صه            | مُنتَقِمُونَ  | ٤٤٣٠ |
| ١٧        | الدخان     | لا            | كَرِيمٌ       | ٤٤٣١ |
| ١٨        | الدخان     | ج.لا          | أَمِينٌ       | ٤٤٣٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٩        | الدخان     | ج.لا          | مُبِينٌ        | ٤٤٣٣ |
| ٢٠        | الدخان     | ز.لا          | تَرْجُمُونِ    | ٤٤٣٤ |
| ٢١        | الدخان     | صه            | فَاعْتَزِلُونِ | ٤٤٣٥ |
| ٢٢        | الدخان     | صه            | مُجْرِمُونَ    | ٤٤٣٦ |
| ٢٣        | الدخان     | لا            | مُتَّبِعُونَ   | ٤٤٣٧ |
| ٢٤        | الدخان     | صه            | مُغَرَّقُونَ   | ٤٤٣٨ |
| ٢٥        | الدخان     | لا            | وَعُيُونِ      | ٤٤٣٩ |
| ٢٦        | الدخان     | لا            | كَرِيمِ        | ٤٤٤٠ |
| ٢٧        | الدخان     | صه.لا         | فَكِيهِنَ      | ٤٤٤١ |
| ٢٨        | الدخان     | صه            | ءَاخَرِينَ     | ٤٤٤٢ |
| ٢٩        | الدخان     | صه            | مُنْظَرِينَ    | ٤٤٤٣ |
| ٣٠        | الدخان     | لا            | الْمُهِينِ     | ٤٤٤٤ |
| ٣١        | الدخان     | صه            | الْمُسْرِفِينَ | ٤٤٤٥ |
| ٣٢        | الدخان     | ج.لا          | الْعَالَمِينَ  | ٤٤٤٦ |
| ٣٣        | الدخان     | صه            | مُبِينٌ        | ٤٤٤٧ |
| ٣٤        | الدخان     | لا            | لَيَقُولُونَ   | ٤٤٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الْآيَةِ | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُ الْآيَةِ | ت    |
|-----------------|------------------------|-------------------------------------|------|
| بِمُنْشَرِينَ   | لَا                    | الْدُخَانُ ٣٥                       | ٤٤٤٩ |
| صَدِيقِينَ      | صَه                    | الْدُخَانُ ٣٦                       | ٤٤٥٠ |
| مُجْرِمِينَ     | صَه                    | الْدُخَانُ ٣٧                       | ٤٤٥١ |
| لَاعِينَ        | صَه                    | الْدُخَانُ ٣٨                       | ٤٤٥٢ |
| يَعْلَمُونَ     | صَه                    | الْدُخَانُ ٣٩                       | ٤٤٥٣ |
| أَجْمَعِينَ     | لَا                    | الْدُخَانُ ٤٠                       | ٤٤٥٤ |
| يُنَصَّرُونَ    | لَا                    | الْدُخَانُ ٤١                       | ٤٤٥٥ |
| الرَّحِيمُ      | صَه                    | الْدُخَانُ ٤٢                       | ٤٤٥٦ |
| الزَّقْوُمُ     | لَا                    | الْدُخَانُ ٤٣                       | ٤٤٥٧ |
| الْأَثِيمُ      | ث. ج. صَلِي. لَا       | الْدُخَانُ ٤٤                       | ٤٤٥٨ |
| الْبُطُونُ      | لَا                    | الْدُخَانُ ٤٥                       | ٤٤٥٩ |
| الْحَمِيمُ      | صَه                    | الْدُخَانُ ٤٦                       | ٤٤٦٠ |
| الْجَحِيمُ      | ج. صَلِي. ق. لَا       | الْدُخَانُ ٤٧                       | ٤٤٦١ |
| الْحَمِيمُ      | ج. ط. لَا              | الْدُخَانُ ٤٨                       | ٤٤٦٢ |
| الْكَرِيمُ      | صَه                    | الْدُخَانُ ٤٩                       | ٤٤٦٣ |
| تَمَرُّونَ      | صَه                    | الْدُخَانُ ٥٠                       | ٤٤٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٥١        | الدخان     | لا            | أَمِينٍ         | ٤٤٦٥ |
| ٥٢        | الدخان     | ج.لا          | وَعُيُونٍ       | ٤٤٦٦ |
| ٥٣        | الدخان     | ج.لا          | مُتَقَبِّلِينَ  | ٤٤٦٧ |
| ٥٤        | الدخان     | ط             | عِينٍ           | ٤٤٦٨ |
| ٥٥        | الدخان     | صه.لا         | ءَامِينَ        | ٤٤٦٩ |
| ٥٦        | الدخان     | لا            | الْجَحِيمُ      | ٤٤٧٠ |
| ٥٧        | الدخان     | صه            | الْعَظِيمُ      | ٤٤٧١ |
| ٥٨        | الدخان     | صه            | يَتَذَكَّرُونَ  | ٤٤٧٢ |
| ٥٩        | الدخان     | صه            | مُرْتَقِبُونَ   | ٤٤٧٣ |
| ١         | الجاثية    | ج.لا          | حَمْ            | ٤٤٧٤ |
| ٢         | الجاثية    | صه            | الْحَكِيمُ      | ٤٤٧٥ |
| ٣         | الجاثية    | ط             | لِلْمُؤْمِنِينَ | ٤٤٧٦ |
| ٤         | الجاثية    | لا            | يُوقِنُونَ      | ٤٤٧٧ |
| ٥         | الجاثية    | صه            | يَعْقِلُونَ     | ٤٤٧٨ |
| ٦         | الجاثية    | صه            | يُؤْمِنُونَ     | ٤٤٧٩ |
| ٧         | الجاثية    | لا            | أَثِيمٍ         | ٤٤٨٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٨         | الجاثية    | صه            | أَلِيمٍ        | ٤٤٨١ |
| ٩         | الجاثية    | ط             | مُهِينٌ        | ٤٤٨٢ |
| ١٠        | الجاثية    | ط             | عَظِيمٌ        | ٤٤٨٣ |
| ١١        | الجاثية    | صه            | أَلِيمٌ        | ٤٤٨٤ |
| ١٢        | الجاثية    | ج             | تَشْكُرُونَ    | ٤٤٨٥ |
| ١٣        | الجاثية    | ج             | يَتَفَكَّرُونَ | ٤٤٨٦ |
| ١٤        | الجاثية    | صه            | يَكُسِبُونَ    | ٤٤٨٧ |
| ١٥        | الجاثية    | صه            | تُرْجَعُونَ    | ٤٤٨٨ |
| ١٦        | الجاثية    | ج.لا          | الْعَالَمِينَ  | ٤٤٨٩ |
| ١٧        | الجاثية    | صه            | يَخْتَلِفُونَ  | ٤٤٩٠ |
| ١٨        | الجاثية    | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٤٤٩١ |
| ١٩        | الجاثية    | صه            | الْمُتَّقِينَ  | ٤٤٩٢ |
| ٢٠        | الجاثية    | صه            | يُوقِنُونَ     | ٤٤٩٣ |
| ٢١        | الجاثية    | صه            | يَحْكُمُونَ    | ٤٤٩٤ |
| ٢٢        | الجاثية    | صه            | يُظْلَمُونَ    | ٤٤٩٥ |
| ٢٣        | الجاثية    | صه            | تَذَكَّرُونَ   | ٤٤٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٢٤        | الجاثية    | صه            | يَظْنُونَ         | ٤٤٩٧ |
| ٢٥        | الجاثية    | صه            | صَدِيقِينَ        | ٤٤٩٨ |
| ٢٦        | الجاثية    | صه            | يَعْلَمُونَ       | ٤٤٩٩ |
| ٢٧        | الجاثية    | صه لا         | الْمُبْطَلُونَ    | ٤٥٠٠ |
| ٢٨        | الجاثية    | صه            | تَعْمَلُونَ       | ٤٥٠١ |
| ٢٩        | الجاثية    | صه            | تَعْمَلُونَ       | ٤٥٠٢ |
| ٣٠        | الجاثية    | صه            | الْمُبِينُ        | ٤٥٠٣ |
| ٣١        | الجاثية    | صه            | مُجْرِمِينَ       | ٤٥٠٤ |
| ٣٢        | الجاثية    | صه            | بِمُسْتَيْقِنِينَ | ٤٥٠٥ |
| ٣٣        | الجاثية    | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ   | ٤٥٠٦ |
| ٣٤        | الجاثية    | صه            | نَاصِرِينَ        | ٤٥٠٧ |
| ٣٥        | الجاثية    | صه            | يُسْتَعْتَبُونَ   | ٤٥٠٨ |
| ٣٦        | الجاثية    | صه            | الْعَالَمِينَ     | ٤٥٠٩ |
| ٣٧        | الجاثية    | صه            | الْحَكِيمُ        | ٤٥١٠ |
| ١         | الاحقاف    | ج             | حَمَ              | ٤٥١١ |
| ٢         | الاحقاف    | صه            | الْحَكِيمُ        | ٤٥١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رُسُم الآية | الآية           | رقم السورة | اسم المصحف | علامات المصحف | رُسُم الآية |
|-------------|-----------------|------------|------------|---------------|-------------|
| ٤٥١٣        | مُعْرِضُونَ     | صه         | الاحقاف    | ٣             |             |
| ٤٥١٤        | صَدِيقِينَ      | صه         | الاحقاف    | ٤             |             |
| ٤٥١٥        | غَافِلُونَ      | صه         | الاحقاف    | ٥             |             |
| ٤٥١٦        | كَفِيرِينَ      | صه         | الاحقاف    | ٦             |             |
| ٤٥١٧        | مُّبِينٌ        | ط          | الاحقاف    | ٧             |             |
| ٤٥١٨        | الرَّحِيمُ      | صه         | الاحقاف    | ٨             |             |
| ٤٥١٩        | مُّبِينٌ        | صه         | الاحقاف    | ٩             |             |
| ٤٥٢٠        | الظَّالِمِينَ   | صه         | الاحقاف    | ١٠            |             |
| ٤٥٢١        | قَدِيمُ         | صه         | الاحقاف    | ١١            |             |
| ٤٥٢٢        | لِلْمُحْسِنِينَ | ج          | الاحقاف    | ١٢            |             |
| ٤٥٢٣        | يَخْرُنُونَ     | ج          | الاحقاف    | ١٣            |             |
| ٤٥٢٤        | يَعْمَلُونَ     | صه         | الاحقاف    | ١٤            |             |
| ٤٥٢٥        | الْمُسْلِمِينَ  | صه         | الاحقاف    | ١٥            |             |
| ٤٥٢٦        | يُوعَدُونَ      | صه         | الاحقاف    | ١٦            |             |
| ٤٥٢٧        | الْأَوَّلِينَ   | صه         | الاحقاف    | ١٧            |             |
| ٤٥٢٨        | خَسِيرِينَ      | صه         | الاحقاف    | ١٨            |             |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٩        | الاحقاف    | صه            | يُظْلَمُونَ     | ٤٥٢٩ |
| ٢٠        | الاحقاف    | صه            | تَفْسُقُونَ     | ٤٥٣٠ |
| ٢١        | الاحقاف    | صه            | عَظِيمٍ         | ٤٥٣١ |
| ٢٢        | الاحقاف    | صه            | الْصَّادِقِينَ  | ٤٥٣٢ |
| ٢٣        | الاحقاف    | صه            | تَجْهَلُونَ     | ٤٥٣٣ |
| ٢٤        | الاحقاف    | صه لا         | أَلَيْمٌ        | ٤٥٣٤ |
| ٢٥        | الاحقاف    | صه            | الْمُجْرِمِينَ  | ٤٥٣٥ |
| ٢٦        | الاحقاف    | صه            | يَسْتَهْزِئُونَ | ٤٥٣٦ |
| ٢٧        | الاحقاف    | صه            | يَرْجِعُونَ     | ٤٥٣٧ |
| ٢٨        | الاحقاف    | صه            | يَفْتَرُونَ     | ٤٥٣٨ |
| ٢٩        | الاحقاف    | صه            | مُنْذِرِينَ     | ٤٥٣٩ |
| ٣٠        | الاحقاف    | صه لا         | مُسْتَقِيمٍ     | ٤٥٤٠ |
| ٣١        | الاحقاف    | صه            | أَلَيْمٌ        | ٤٥٤١ |
| ٣٢        | الاحقاف    | صه            | مُبِينٍ         | ٤٥٤٢ |
| ٣٣        | الاحقاف    | صه            | قَدِيرٌ         | ٤٥٤٣ |
| ٣٤        | الاحقاف    | صه            | تَكُفِّرُونَ    | ٤٥٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٣٥        | الاحقاف    | صه            | الفَسِقُونَ   | ٤٥٤٥ |
| ١         | محمد       | صه            | أَعْمَلَهُمْ  | ٤٥٤٦ |
| ٢         | محمد       | صه            | بَالْهُمْ     | ٤٥٤٧ |
| ٣         | محمد       | صه            | أَمْثَلَهُمْ  | ٤٥٤٨ |
| ٤         | محمد       | صه            | أَعْمَلَهُمْ  | ٤٥٤٩ |
| ٥         | محمد       | ج.لا          | بَالْهُمْ     | ٤٥٥٠ |
| ٦         | محمد       | صه            | لَهُمْ        | ٤٥٥١ |
| ٧         | محمد       | صه            | أَقْدَامَكُمْ | ٤٥٥٢ |
| ٨         | محمد       | صه            | أَعْمَلَهُمْ  | ٤٥٥٣ |
| ٩         | محمد       | صه            | أَعْمَلَهُمْ  | ٤٥٥٤ |
| ١٠        | محمد       | صه            | أَمْثَلَهَا   | ٤٥٥٥ |
| ١١        | محمد       | صه            | لَهُمْ        | ٤٥٥٦ |
| ١٢        | محمد       | صه            | لَهُمْ        | ٤٥٥٧ |
| ١٣        | محمد       | صه            | لَهُمْ        | ٤٥٥٨ |
| ١٤        | محمد       | صه            | أَهْوَاءَهُمْ | ٤٥٥٩ |
| ١٥        | محمد       | صه            | أَمْعَاءَهُمْ | ٤٥٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٦        | محمد       | صه            | أَهْوَاءُهُمْ  | ٤٥٦١ |
| ١٧        | محمد       | صه            | تَقُولُهُمْ    | ٤٥٦٢ |
| ١٨        | محمد       | صه            | ذِكْرَهُمْ     | ٤٥٦٣ |
| ١٩        | محمد       | صه            | وَمَثَوْلَكُمْ | ٤٥٦٤ |
| ٢٠        | محمد       | ج             | لَهُمْ         | ٤٥٦٥ |
| ٢١        | محمد       | ج             | لَّهُمْ        | ٤٥٦٦ |
| ٢٢        | محمد       | صه            | أَرْحَامَكُمْ  | ٤٥٦٧ |
| ٢٣        | محمد       | صه لا         | أَبْصَرَهُمْ   | ٤٥٦٨ |
| ٢٤        | محمد       | صه            | أَقْفَالُهَا   | ٤٥٦٩ |
| ٢٥        | محمد       | صه            | لَهُمْ         | ٤٥٧٠ |
| ٢٦        | محمد       | صه            | إِسْرَارَهُمْ  | ٤٥٧١ |
| ٢٧        | محمد       | صه            | وَأَدَبَرَهُمْ | ٤٥٧٢ |
| ٢٨        | محمد       | صه            | أَعْمَلَهُمْ   | ٤٥٧٣ |
| ٢٩        | محمد       | صه            | أَضْغَنَهُمْ   | ٤٥٧٤ |
| ٣٠        | محمد       | صه            | أَعْمَلَكُمْ   | ٤٥٧٥ |
| ٣١        | محمد       | صه            | أَخْبَارَكُمْ  | ٤٥٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٣٢        | محمد       | صه            | أَعْمَلُهُمْ  | ٤٥٧٧ |
| ٣٣        | محمد       | صه            | أَعْمَلَكُمْ  | ٤٥٧٨ |
| ٣٤        | محمد       | صه            | لَهُمْ        | ٤٥٧٩ |
| ٣٥        | محمد       | صه لا         | أَعْمَلَكُمْ  | ٤٥٨٠ |
| ٣٦        | محمد       | صه لا         | أَمْوَالَكُمْ | ٤٥٨١ |
| ٣٧        | محمد       | صه            | أَضْغَنَكُمْ  | ٤٥٨٢ |
| ٣٨        | محمد       | صه            | أَمْثَلَكُمْ  | ٤٥٨٣ |
| ١         | الفتح      | لا            | مُبِينًا      | ٤٥٨٤ |
| ٢         | الفتح      | لا            | مُسْتَقِيمًا  | ٤٥٨٥ |
| ٣         | الفتح      | صه            | عَزِيزًا      | ٤٥٨٦ |
| ٤         | الفتح      | لا            | حَكِيمًا      | ٤٥٨٧ |
| ٥         | الفتح      | لا            | عَظِيمًا      | ٤٥٨٨ |
| ٦         | الفتح      | صه            | مَصِيرًا      | ٤٥٨٩ |
| ٧         | الفتح      | صه            | حَكِيمًا      | ٤٥٩٠ |
| ٨         | الفتح      | لا            | وَنَذِيرًا    | ٤٥٩١ |
| ٩         | الفتح      | صه            | وَأَصِيلًا    | ٤٥٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٠        | الفتح      | صه            | عَظِيمًا     | ٤٥٩٣ |
| ١١        | الفتح      | صه            | خَيْرًا      | ٤٥٩٤ |
| ١٢        | الفتح      | صه            | بُورًا       | ٤٥٩٥ |
| ١٣        | الفتح      | صه            | سَعِيرًا     | ٤٥٩٦ |
| ١٤        | الفتح      | صه            | رَحِيمًا     | ٤٥٩٧ |
| ١٥        | الفتح      | صه            | قَلِيلًا     | ٤٥٩٨ |
| ١٦        | الفتح      | صه            | أَلِيمًا     | ٤٥٩٩ |
| ١٧        | الفتح      | صه            | أَلِيمًا     | ٤٦٠٠ |
| ١٨        | الفتح      | لا            | قَرِيبًا     | ٤٦٠١ |
| ١٩        | الفتح      | صه            | حَكِيمًا     | ٤٦٠٢ |
| ٢٠        | الفتح      | صه لا         | مُسْتَقِيمًا | ٤٦٠٣ |
| ٢١        | الفتح      | صه            | قَدِيرًا     | ٤٦٠٤ |
| ٢٢        | الفتح      | صه            | نَصِيرًا     | ٤٦٠٥ |
| ٢٣        | الفتح      | صه            | تَبْدِيلًا   | ٤٦٠٦ |
| ٢٤        | الفتح      | صه            | بَصِيرًا     | ٤٦٠٧ |
| ٢٥        | الفتح      | صه            | أَلِيمًا     | ٤٦٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢٦        | الفتح      | صه            | عَلِيًّا       | ٤٦٠٩ |
| ٢٧        | الفتح      | صه            | قَرِيبًا       | ٤٦١٠ |
| ٢٨        | الفتح      | ط             | شَهِيدًا       | ٤٦١١ |
| ٢٩        | الفتح      | صه            | عَظِيمًا       | ٤٦١٢ |
| ١         | الجرات     | صه            | عَلِيٌّ        | ٤٦١٣ |
| ٢         | الجرات     | صه            | تَشْعُرونَ     | ٤٦١٤ |
| ٣         | الجرات     | صه            | عَظِيمٌ        | ٤٦١٥ |
| ٤         | الجرات     | صه            | يَعْقِلُونَ    | ٤٦١٦ |
| ٥         | الجرات     | صه            | رَّحِيمٌ       | ٤٦١٧ |
| ٦         | الجرات     | صه            | نَّادِمِينَ    | ٤٦١٨ |
| ٧         | الجرات     | لا            | الرَّاشِدُونَ  | ٤٦١٩ |
| ٨         | الجرات     | صه            | حَكِيمٌ        | ٤٦٢٠ |
| ٩         | الجرات     | صه            | الْمُقْسِطِينَ | ٤٦٢١ |
| ١٠        | الجرات     | صه            | تُرْحَمُونَ    | ٤٦٢٢ |
| ١١        | الجرات     | صه            | الظَّالِمُونَ  | ٤٦٢٣ |
| ١٢        | الجرات     | صه            | رَّحِيمٌ       | ٤٦٢٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٣        | الجرات     | صه            | خَيْرٌ        | ٤٦٢٥ |
| ١٤        | الجرات     | صه            | رَحِيمٌ       | ٤٦٢٦ |
| ١٥        | الجرات     | صه            | الْصَّدِقُونَ | ٤٦٢٧ |
| ١٦        | الجرات     | صه            | عَلِيمٌ       | ٤٦٢٨ |
| ١٧        | الجرات     | صه            | صَدِيقَيْنَ   | ٤٦٢٩ |
| ١٨        | الجرات     | صه            | تَعْمَلُونَ   | ٤٦٣٠ |
| ١         | ق          | ج.لا          | الْمَحِيدِ    | ٤٦٣١ |
| ٢         | ق          | ج.لا          | عَجِيبٌ       | ٤٦٣٢ |
| ٣         | ق          | صه            | بَعِيدُ       | ٤٦٣٣ |
| ٤         | ق          | صه            | حَفِيظٌ       | ٤٦٣٤ |
| ٥         | ق          | صه            | مَرِيجٌ       | ٤٦٣٥ |
| ٦         | ق          | صه            | فُرُوجٌ       | ٤٦٣٦ |
| ٧         | ق          | لا            | بَهِيجٌ       | ٤٦٣٧ |
| ٨         | ق          | صه            | مُنِيبٌ       | ٤٦٣٨ |
| ٩         | ق          | لا            | الْحَصِيدِ    | ٤٦٣٩ |
| ١٠        | ق          | لا            | نَضِيدٌ       | ٤٦٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ١١        | ق          | صه            | الْخُرُوجُ  | ٤٦٤١ |
| ١٢        | ق          | لا            | وَثَمُودٌ   | ٤٦٤٢ |
| ١٣        | ق          | لا            | لُوطٍ       | ٤٦٤٣ |
| ١٤        | ق          | صه            | وَعِيدٍ     | ٤٦٤٤ |
| ١٥        | ق          | صه            | جَدِيدٍ     | ٤٦٤٥ |
| ١٦        | ق          | صه            | الْوَرِيدُ  | ٤٦٤٦ |
| ١٧        | ق          | صه            | قَعِيدُ     | ٤٦٤٧ |
| ١٨        | ق          | صه            | عَتِيدُ     | ٤٦٤٨ |
| ١٩        | ق          | صه            | تَحِيدُ     | ٤٦٤٩ |
| ٢٠        | ق          | صه            | الْوَعِيدُ  | ٤٦٥٠ |
| ٢١        | ق          | صه            | وَشَهِيدُ   | ٤٦٥١ |
| ٢٢        | ق          | صه            | حَدِيدٌ     | ٤٦٥٢ |
| ٢٣        | ق          | ط             | عَتِيدٌ     | ٤٦٥٣ |
| ٢٤        | ق          | لا            | عَنِيدٍ     | ٤٦٥٤ |
| ٢٥        | ق          | لا            | مُرِيبٌ     | ٤٦٥٥ |
| ٢٦        | ق          | صه            | الْشَّدِيدُ | ٤٦٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢٧        | ق          | صه            | بعيدٍ        | ٤٦٥٧ |
| ٢٨        | ق          | صه            | بِالْوَعِيدِ | ٤٦٥٨ |
| ٢٩        | ق          | صه            | لِلْعَيْدِ   | ٤٦٥٩ |
| ٣٠        | ق          | صه            | مَزِيدٍ      | ٤٦٦٠ |
| ٣١        | ق          | صه            | بعيدٍ        | ٤٦٦١ |
| ٣٢        | ق          | ج             | حَفِيظٌ      | ٤٦٦٢ |
| ٣٣        | ق          | لا            | مُنِيبٌ      | ٤٦٦٣ |
| ٣٤        | ق          | صه            | الْخُلُودُ   | ٤٦٦٤ |
| ٣٥        | ق          | صه            | مَزِيدُ      | ٤٦٦٥ |
| ٣٦        | ق          | صه            | مَحِيصٌ      | ٤٦٦٦ |
| ٣٧        | ق          | صه            | شَهِيدٌ      | ٤٦٦٧ |
| ٣٨        | ق          | صه            | لُغُوبٌ      | ٤٦٦٨ |
| ٣٩        | ق          | ج             | الْغُرُوبُ   | ٤٦٦٩ |
| ٤٠        | ق          | صه            | السُّجُودُ   | ٤٦٧٠ |
| ٤١        | ق          | لا            | قَرِيبٌ      | ٤٦٧١ |
| ٤٢        | ق          | صه            | الْخُروجُ    | ٤٦٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٤٣        | ق          | صه.لا         | الْمَصِيرُ    | ٤٦٧٣ |
| ٤٤        | ق          | صه            | يَسِيرُ       | ٤٦٧٤ |
| ٤٥        | ق          | صه            | وَعِيدٍ       | ٤٦٧٥ |
| ١         | الذاريات   | لا            | ذَرُوا        | ٤٦٧٦ |
| ٢         | الذاريات   | لا            | وِقْرًا       | ٤٦٧٧ |
| ٣         | الذاريات   | لا            | يُسَرًا       | ٤٦٧٨ |
| ٤         | الذاريات   | لا            | أَمْرًا       | ٤٦٧٩ |
| ٥         | الذاريات   | لا            | لَصَادِقٌ     | ٤٦٨٠ |
| ٦         | الذاريات   | ط             | لَوَاقِعٌ     | ٤٦٨١ |
| ٧         | الذاريات   | لا            | الْحُبُكِ     | ٤٦٨٢ |
| ٨         | الذاريات   | لا            | مُخْتَلِفٍ    | ٤٦٨٣ |
| ٩         | الذاريات   | ط             | أُفِكَ        | ٤٦٨٤ |
| ١٠        | الذاريات   | لا            | الْحَرَاصُونَ | ٤٦٨٥ |
| ١١        | الذاريات   | صه.لا         | سَاهُونَ      | ٤٦٨٦ |
| ١٢        | الذاريات   | ط.لا          | الْدِينِ      | ٤٦٨٧ |
| ١٣        | الذاريات   | صه            | يُفَتَّنُونَ  | ٤٦٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٤        | الذاريات   | صه            | تَسْتَعِجِلُونَ | ٤٦٨٩ |
| ١٥        | الذاريات   | لا            | وَعُيُونٍ       | ٤٦٩٠ |
| ١٦        | الذاريات   | ط             | مُحْسِنِينَ     | ٤٦٩١ |
| ١٧        | الذاريات   | صه            | يَهْجَعُونَ     | ٤٦٩٢ |
| ١٨        | الذاريات   | صه            | يَسْتَغْفِرُونَ | ٤٦٩٣ |
| ١٩        | الذاريات   | صه            | وَالْمَحْرُومِ  | ٤٦٩٤ |
| ٢٠        | الذاريات   | صه لا         | لِلْمُوقِنِينَ  | ٤٦٩٥ |
| ٢١        | الذاريات   | صه            | تُبَصِّرُونَ    | ٤٦٩٦ |
| ٢٢        | الذاريات   | لا            | تُوعَدُونَ      | ٤٦٩٧ |
| ٢٣        | الذاريات   | صه            | تَنْطِقُونَ     | ٤٦٩٨ |
| ٢٤        | الذاريات   | لام           | الْمُكَرَّمِينَ | ٤٦٩٩ |
| ٢٥        | الذاريات   | ج             | مُنَكِّرُونَ    | ٤٧٠٠ |
| ٢٦        | الذاريات   | لا            | سَمِينٍ         | ٤٧٠١ |
| ٢٧        | الذاريات   | ز             | تَأْكُلُونَ     | ٤٧٠٢ |
| ٢٨        | الذاريات   | صه            | عَلِيمٍ         | ٤٧٠٣ |
| ٢٩        | الذاريات   | صه            | عَقِيمٌ         | ٤٧٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٠        | الذاريات   | صه            | الْعَلِيمُ      | ٤٧٠٥ |
| ٣١        | الذاريات   | صه            | الْمُرْسَلُونَ  | ٤٧٠٦ |
| ٣٢        | الذاريات   | لا            | مُجْرِمِينَ     | ٤٧٠٧ |
| ٣٣        | الذاريات   | لا            | طِينٌ           | ٤٧٠٨ |
| ٣٤        | الذاريات   | صه            | لِلْمُسْرِفِينَ | ٤٧٠٩ |
| ٣٥        | الذاريات   | ج.لا          | الْمُؤْمِنِينَ  | ٤٧١٠ |
| ٣٦        | الذاريات   | ج.لا          | الْمُسْلِمِينَ  | ٤٧١١ |
| ٣٧        | الذاريات   | ط             | الْأَلَّيمَ     | ٤٧١٢ |
| ٣٨        | الذاريات   | لا            | مُبِينٍ         | ٤٧١٣ |
| ٣٩        | الذاريات   | صه            | مَجْنُونٌ       | ٤٧١٤ |
| ٤٠        | الذاريات   | ط             | مُلِيمٌ         | ٤٧١٥ |
| ٤١        | الذاريات   | ج.لا          | الْعَقِيمَ      | ٤٧١٦ |
| ٤٢        | الذاريات   | ط             | كَالْرَّمِيمِ   | ٤٧١٧ |
| ٤٣        | الذاريات   | لا            | حِينِ           | ٤٧١٨ |
| ٤٤        | الذاريات   | صه            | يَنْظُرُونَ     | ٤٧١٩ |
| ٤٥        | الذاريات   | صه.لا         | مُنْتَصِرِينَ   | ٤٧٢٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رُسُم الآية | علامات المصحف | اسم السورة رقم الآية | ت                    |
|-------------|---------------|----------------------|----------------------|
| ٤٦          | صه            | الذاريات             | فَسِقِينَ ٤٧٢١       |
| ٤٧          | صه            | الذاريات             | لَمُوسِعُونَ ٤٧٢٢    |
| ٤٨          | صه            | الذاريات             | اَلْمَهِدُونَ ٤٧٢٣   |
| ٤٩          | صه            | الذاريات             | تَذَكَّرُونَ ٤٧٢٤    |
| ٥٠          | ج             | الذاريات             | مُبِينٌ ٤٧٢٥         |
| ٥١          | ج             | الذاريات             | مُبِينٌ ٤٧٢٦         |
| ٥٢          | ج             | الذاريات             | مَجْنُونٌ ٤٧٢٧       |
| ٥٣          | ج             | الذاريات             | ظَاغُونَ ٤٧٢٨        |
| ٥٤          | ز.ق.لا        | الذاريات             | بِمَلُومٍ ٤٧٢٩       |
| ٥٥          | صه            | الذاريات             | اَلْمُؤْمِنِينَ ٤٧٣٠ |
| ٥٦          | صه            | الذاريات             | لِيَعْبُدُونِ ٤٧٣١   |
| ٥٧          | صه            | الذاريات             | يُطِعِمُونِ ٤٧٣٢     |
| ٥٨          | صه            | الذاريات             | اَلْمَتِينُ ٤٧٣٣     |
| ٥٩          | صه            | الذاريات             | يَسْتَعْجِلُونِ ٤٧٣٤ |
| ٦٠          | صه            | الذاريات             | يُوعَدُونَ ٤٧٣٥      |
| ١           | لا            | الطور                | وَالْطُورِ ٤٧٣٦      |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٢         | الطور      | لا            | مَسْطُورٍ        | ٤٧٣٧ |
| ٣         | الطور      | لا            | مَنْشُورٍ        | ٤٧٣٨ |
| ٤         | الطور      | لا            | الْمَعْمُورِ     | ٤٧٣٩ |
| ٥         | الطور      | لا            | الْمَرْفُوعُ     | ٤٧٤٠ |
| ٦         | الطور      | لا            | الْمَسْجُورِ     | ٤٧٤١ |
| ٧         | الطور      | صه لا         | لَوَاقِعٌ        | ٤٧٤٢ |
| ٨         | الطور      | صه لا         | دَافِعٌ          | ٤٧٤٣ |
| ٩         | الطور      | لا            | مَوْرًا          | ٤٧٤٤ |
| ١٠        | الطور      | ط             | سَيِّرًا         | ٤٧٤٥ |
| ١١        | الطور      | لا            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٤٧٤٦ |
| ١٢        | الطور      | م             | يَلْعَبُونَ      | ٤٧٤٧ |
| ١٣        | الطور      | ط             | دَعَّا           | ٤٧٤٨ |
| ١٤        | الطور      | صه            | تُكَذِّبُونَ     | ٤٧٤٩ |
| ١٥        | الطور      | ج             | تُبْصِرُونَ      | ٤٧٥٠ |
| ١٦        | الطور      | صه            | تَعْمَلُونَ      | ٤٧٥١ |
| ١٧        | الطور      | لا            | وَنَعِيمٍ        | ٤٧٥٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ١٨        | الطور      | صه            | الْجَحِيمُ        | ٤٧٥٣ |
| ١٩        | الطور      | لا            | تَعْمَلُونَ       | ٤٧٥٤ |
| ٢٠        | الطور      | صه            | عِينٍ             | ٤٧٥٥ |
| ٢١        | الطور      | صه            | رَهِينٌ           | ٤٧٥٦ |
| ٢٢        | الطور      | لا            | يَشَّهُونَ        | ٤٧٥٧ |
| ٢٣        | الطور      | صه            | تَأْثِيمٌ         | ٤٧٥٨ |
| ٢٤        | الطور      | صه            | مَكْنُونٌ         | ٤٧٥٩ |
| ٢٥        | الطور      | صه            | يَسْأَلُونَ       | ٤٧٦٠ |
| ٢٦        | الطور      | لا            | مُشْفِقِينَ       | ٤٧٦١ |
| ٢٧        | الطور      | صه لا         | الْسَّمُومُ       | ٤٧٦٢ |
| ٢٨        | الطور      | صه            | الْرَّحِيمُ       | ٤٧٦٣ |
| ٢٩        | الطور      | ط             | مَجْنُونٍ         | ٤٧٦٤ |
| ٣٠        | الطور      | صه            | الْمَنْوِنُ       | ٤٧٦٥ |
| ٣١        | الطور      | ط             | الْمُتَرَبِّصِينَ | ٤٧٦٦ |
| ٣٢        | الطور      | ج             | ظَاغُونَ          | ٤٧٦٧ |
| ٣٣        | الطور      | ج             | يُؤْمِنُونَ       | ٤٧٦٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٣٤        | الطور      | ط             | صَدِيقِينَ       | ٤٧٦٩ |
| ٣٥        | الطور      | ط             | الْخَلِقُونَ     | ٤٧٧٠ |
| ٣٦        | الطور      | ط             | يُوقِنُونَ       | ٤٧٧١ |
| ٣٧        | الطور      | ط             | الْمُصَيْطِرُونَ | ٤٧٧٢ |
| ٣٨        | الطور      | ط             | مُّبِينٍ         | ٤٧٧٣ |
| ٣٩        | الطور      | ط             | الْبَئْنَوْنَ    | ٤٧٧٤ |
| ٤٠        | الطور      | ط             | مُّثَقَّلُونَ    | ٤٧٧٥ |
| ٤١        | الطور      | ط             | يَكْتُبُونَ      | ٤٧٧٦ |
| ٤٢        | الطور      | ط             | الْمَكِيدُونَ    | ٤٧٧٧ |
| ٤٣        | الطور      | صه            | يُشْرِكُونَ      | ٤٧٧٨ |
| ٤٤        | الطور      | صه            | مَّرْكُومٌ       | ٤٧٧٩ |
| ٤٥        | الطور      | لا            | يُصْعَقُونَ      | ٤٧٨٠ |
| ٤٦        | الطور      | ط             | يُنَصَّرُونَ     | ٤٧٨١ |
| ٤٧        | الطور      | صه            | يَعْلَمُونَ      | ٤٧٨٢ |
| ٤٨        | الطور      | صه لا         | تَقُومُ          | ٤٧٨٣ |
| ٤٩        | الطور      | صه            | الْنُّجُومُ      | ٤٧٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١         | النجم      | لا            | هَوَىٰ         | ٤٧٨٥ |
| ٢         | النجم      | ج.لا          | غَوَىٰ         | ٤٧٨٦ |
| ٣         | النجم      | ط.لا          | اَلْهَوَىٰ     | ٤٧٨٧ |
| ٤         | النجم      | صه.لا         | يُوَحِّىٰ      | ٤٧٨٨ |
| ٥         | النجم      | لا            | اَلْقُوَىٰ     | ٤٧٨٩ |
| ٦         | النجم      | لا            | فَاسْتَوَىٰ    | ٤٧٩٠ |
| ٧         | النجم      | ط             | اَلْأَعْلَىٰ   | ٤٧٩١ |
| ٨         | النجم      | لا            | فَتَدَلَّىٰ    | ٤٧٩٢ |
| ٩         | النجم      | ج             | اَذْنَىٰ       | ٤٧٩٣ |
| ١٠        | النجم      | ط             | اَوْحَىٰ       | ٤٧٩٤ |
| ١١        | النجم      | صه            | رَأَىٰ         | ٤٧٩٥ |
| ١٢        | النجم      | صه            | يَرَىٰ         | ٤٧٩٦ |
| ١٣        | النجم      | لا            | اُخْرَىٰ       | ٤٧٩٧ |
| ١٤        | النجم      | لا            | اَلْمُنْتَهَىٰ | ٤٧٩٨ |
| ١٥        | النجم      | ط.لا          | اَلْمَأْوَىٰ   | ٤٧٩٩ |
| ١٦        | النجم      | صه.لا         | يَغْشَىٰ       | ٤٨٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٧        | النجم      | صه            | طَعْنَى       | ٤٨٠١ |
| ١٨        | النجم      | صه لا         | الْكُبْرَى    | ٤٨٠٢ |
| ١٩        | النجم      | لا            | وَالْعَزِيزَى | ٤٨٠٣ |
| ٢٠        | النجم      | لا            | الْأُخْرَى    | ٤٨٠٤ |
| ٢١        | النجم      | صه            | الْأُنْثَى    | ٤٨٠٥ |
| ٢٢        | النجم      | صه            | ضِيَّزَى      | ٤٨٠٦ |
| ٢٣        | النجم      | ط             | الْهُدَى      | ٤٨٠٧ |
| ٢٤        | النجم      | ز.صلي         | تَمَنَّى      | ٤٨٠٨ |
| ٢٥        | النجم      | صه            | وَالْأُولَى   | ٤٨٠٩ |
| ٢٦        | النجم      | صه            | وَيَرْضَى     | ٤٨١٠ |
| ٢٧        | النجم      | صه            | الْأُنْثَى    | ٤٨١١ |
| ٢٨        | النجم      | ج             | شَيْعَا       | ٤٨١٢ |
| ٢٩        | النجم      | ط             | الْدُّنْيَا   | ٤٨١٣ |
| ٣٠        | النجم      | صه            | أَهْتَدَى     | ٤٨١٤ |
| ٣١        | النجم      | ج             | بِالْحُسْنَى  | ٤٨١٥ |
| ٣٢        | النجم      | صه            | أَتَقَى       | ٤٨١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٣٣        | النجم      | لا            | تَوَلَّ      | ٤٨١٧ |
| ٣٤        | النجم      | لا            | وَأَكْدَى    | ٤٨١٨ |
| ٣٥        | النجم      | صه            | يَرَى        | ٤٨١٩ |
| ٣٦        | النجم      | لا            | مُوسَى       | ٤٨٢٠ |
| ٣٧        | النجم      | لا            | وَفِي        | ٤٨٢١ |
| ٣٨        | النجم      | صه لا         | أُخْرَى      | ٤٨٢٢ |
| ٣٩        | النجم      | صه لا         | سَعَى        | ٤٨٢٣ |
| ٤٠        | النجم      | ض             | يُرَى        | ٤٨٢٤ |
| ٤١        | النجم      | صه لا         | الْأَوْفَى   | ٤٨٢٥ |
| ٤٢        | النجم      | صه لا         | الْمُنْتَهَى | ٤٨٢٦ |
| ٤٣        | النجم      | صه لا         | وَأَبْكَى    | ٤٨٢٧ |
| ٤٤        | النجم      | صه لا         | وَاحْيَا     | ٤٨٢٨ |
| ٤٥        | النجم      | لا            | وَالْأُنْثَى | ٤٨٢٩ |
| ٤٦        | النجم      | ض             | تُمَنَّى     | ٤٨٣٠ |
| ٤٧        | النجم      | صه لا         | الْأُخْرَى   | ٤٨٣١ |
| ٤٨        | النجم      | صه لا         | وَأَقْنَى    | ٤٨٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٤٩        | النجم      | صه.لا         | الشّعرى      | ٤٨٣٣ |
| ٥٠        | النجم      | لا            | الأُولى      | ٤٨٣٤ |
| ٥١        | النجم      | لا            | أبْقَى       | ٤٨٣٥ |
| ٥٢        | النجم      | ط.لا          | وَأَطْعَمَ   | ٤٨٣٦ |
| ٥٣        | النجم      | صه.لا         | أهْوَى       | ٤٨٣٧ |
| ٥٤        | النجم      | ج             | غَثَّى       | ٤٨٣٨ |
| ٥٥        | النجم      | صه            | تَتَمَارَى   | ٤٨٣٩ |
| ٥٦        | النجم      | صه            | الأُولى      | ٤٨٤٠ |
| ٥٧        | النجم      | ج             | الْأَزْفَةُ  | ٤٨٤١ |
| ٥٨        | النجم      | ط             | كَاشِفَةٌ    | ٤٨٤٢ |
| ٥٩        | النجم      | لا            | تَعْجَبُونَ  | ٤٨٤٣ |
| ٦٠        | النجم      | لا            | تَبْكُونَ    | ٤٨٤٤ |
| ٦١        | النجم      | صه            | سَمِدُونَ    | ٤٨٤٥ |
| ٦٢        | النجم      | صه            | وَأَعْبُدُوا | ٤٨٤٦ |
| ١         | القمر      | صه            | الْقَمَرُ    | ٤٨٤٧ |
| ٢         | القمر      | صه            | مُسْتَمِرٌ   | ٤٨٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٣         | القمر      | صه            | مُسْتَقِرٌ   | ٤٨٤٩ |
| ٤         | القمر      | صه.لا         | مُزْدَجَرٌ   | ٤٨٥٠ |
| ٥         | القمر      | صه.لا         | النَّذْرُ    | ٤٨٥١ |
| ٦         | القمر      | لا            | نُكَرٌ       | ٤٨٥٢ |
| ٧         | القمر      | لا            | مُنَشِّرٌ    | ٤٨٥٣ |
| ٨         | القمر      | صه            | عَسِرٌ       | ٤٨٥٤ |
| ٩         | القمر      | صه            | وَأَزْدْجَرَ | ٤٨٥٥ |
| ١٠        | القمر      | صه            | فَانْتَصَرُ  | ٤٨٥٦ |
| ١١        | القمر      | ز.صلي         | مُنْهَمِرٍ   | ٤٨٥٧ |
| ١٢        | القمر      | ج             | قُدِرَ       | ٤٨٥٨ |
| ١٣        | القمر      | صه.لا         | وَدُسِرٍ     | ٤٨٥٩ |
| ١٤        | القمر      | صه            | كُفِرَ       | ٤٨٦٠ |
| ١٥        | القمر      | صه.لا         | مُدَّكِرٍ    | ٤٨٦١ |
| ١٦        | القمر      | صه            | وَنُذْرٍ     | ٤٨٦٢ |
| ١٧        | القمر      | صه            | مُدَّكِرٍ    | ٤٨٦٣ |
| ١٨        | القمر      | صه            | وَنُذْرٍ     | ٤٨٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٩        | القمر      | لا            | مُسْتَمِّرٌ   | ٤٨٦٥ |
| ٢٠        | القمر      | صه            | مُنْقَعِرٍ    | ٤٨٦٦ |
| ٢١        | القمر      | صه            | وَنُذْرٍ      | ٤٨٦٧ |
| ٢٢        | القمر      | صه            | مُدَّكِّرٍ    | ٤٨٦٨ |
| ٢٣        | القمر      | صه            | بِالنُّذْرِ   | ٤٨٦٩ |
| ٢٤        | القمر      | لا            | وَسُعْرٍ      | ٤٨٧٠ |
| ٢٥        | القمر      | صه            | أَشِرُّ       | ٤٨٧١ |
| ٢٦        | القمر      | صه            | الْأَشِرُّ    | ٤٨٧٢ |
| ٢٧        | القمر      | ز             | وَاصْطَبِرْ   | ٤٨٧٣ |
| ٢٨        | القمر      | صه            | مُخْتَضِرٌ    | ٤٨٧٤ |
| ٢٩        | القمر      | صه            | فَعَقَرَ      | ٤٨٧٥ |
| ٣٠        | القمر      | صه            | وَنُذْرٍ      | ٤٨٧٦ |
| ٣١        | القمر      | صه            | الْمُحْتَظِرِ | ٤٨٧٧ |
| ٣٢        | القمر      | صه            | مُدَّكِّرٍ    | ٤٨٧٨ |
| ٣٣        | القمر      | صه            | بِالنُّذْرِ   | ٤٨٧٩ |
| ٣٤        | القمر      | صه لا         | بِسَحَرٍ      | ٤٨٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|------------|-------------|------|
| ٣٥        | القمر      | صه         | شَكَرٌ      | ٤٨٨١ |
| ٣٦        | القمر      | صه         | بِالنُّدْرِ | ٤٨٨٢ |
| ٣٧        | القمر      | صه         | وَنُدْرٍ    | ٤٨٨٣ |
| ٣٨        | القمر      | ج          | مُسْتَقِرٌ  | ٤٨٨٤ |
| ٣٩        | القمر      | صه         | وَنُدْرٍ    | ٤٨٨٥ |
| ٤٠        | القمر      | صه         | مَدَكِيرٍ   | ٤٨٨٦ |
| ٤١        | القمر      | ج          | النُّدْرُ   | ٤٨٨٧ |
| ٤٢        | القمر      | صه         | مُقْتَدِيرٍ | ٤٨٨٨ |
| ٤٣        | القمر      | ج.لا       | الرَّبُّرِ  | ٤٨٨٩ |
| ٤٤        | القمر      | صه         | مُنْتَصِرٌ  | ٤٨٩٠ |
| ٤٥        | القمر      | صه         | الدُّبُرٌ   | ٤٨٩١ |
| ٤٦        | القمر      | صه         | وَأَمَرٌ    | ٤٨٩٢ |
| ٤٧        | القمر      | لام        | وَسْعٌ      | ٤٨٩٣ |
| ٤٨        | القمر      | صه         | سَقَرٌ      | ٤٨٩٤ |
| ٤٩        | القمر      | صه         | بِقَدَرٍ    | ٤٨٩٥ |
| ٥٠        | القمر      | صه         | بِالْبَصَرِ | ٤٨٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٥١        | القمر      | صه            | مَدَّكِيرٌ   | ٤٨٩٧ |
| ٥٢        | القمر      | صه            | الْزُّبُرِ   | ٤٨٩٨ |
| ٥٣        | القمر      | صه            | مُسْتَطَرٌ   | ٤٨٩٩ |
| ٥٤        | القمر      | لا            | وَنَهَرٍ     | ٤٩٠٠ |
| ٥٥        | القمر      | صه            | مُقْتَدِرٌ   | ٤٩٠١ |
| ١         | الرحمن     | لا            | الرَّحْمَنُ  | ٤٩٠٢ |
| ٢         | الرحمن     | ط             | الْقُرْءَانَ | ٤٩٠٣ |
| ٣         | الرحمن     | لا            | الإِنْسَنَ   | ٤٩٠٤ |
| ٤         | الرحمن     | صه            | الْبَيَانَ   | ٤٩٠٥ |
| ٥         | الرحمن     | ض             | بِحُسْبَانٍ  | ٤٩٠٦ |
| ٦         | الرحمن     | صه            | يَسْجُدَانِ  | ٤٩٠٧ |
| ٧         | الرحمن     | لا            | الْمِيزَانَ  | ٤٩٠٨ |
| ٨         | الرحمن     | لا            | الْمِيزَانَ  | ٤٩٠٩ |
| ٩         | الرحمن     | صه            | الْمِيزَانَ  | ٤٩١٠ |
| ١٠        | الرحمن     | لا            | لِلْأَنَامِ  | ٤٩١١ |
| ١١        | الرحمن     | صلٰي لا       | الْأَكْمَامِ | ٤٩١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية      | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية |
|----------------|------|---------------|---------------------|
| وَالرَّيْحَانُ | ٤٩١٣ | ج             | الرحمن              |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩١٤ | صه            | الرحمن              |
| كَالْفَخَارِ   | ٤٩١٥ | لا            | الرحمن              |
| نَارِ          | ٤٩١٦ | ج             | الرحمن              |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩١٧ | صه            | الرحمن              |
| الْمَغْرِبِينِ | ٤٩١٨ | ج             | الرحمن              |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩١٩ | صه            | الرحمن              |
| يَلْتَقِيَانِ  | ٤٩٢٠ | لا            | الرحمن              |
| يَبْغِيَانِ    | ٤٩٢١ | ج             | الرحمن              |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٢٢ | ط             | الرحمن              |
| وَالْمَرْجَانُ | ٤٩٢٣ | ج.لا          | الرحمن              |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٢٤ | ج.لا          | الرحمن              |
| كَالْأَعْلَمِ  | ٤٩٢٥ | ج.لا          | الرحمن              |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٢٦ | صه            | الرحمن              |
| فَانِ          | ٤٩٢٧ | ج.صلي.لا      | الرحمن              |
| وَالْإِكْرَامُ | ٤٩٢٨ | ج             | الرحمن              |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢٨        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٢٩ |
| ٢٩        | الرحمن     | ج             | شَاءْنِ        | ٤٩٣٠ |
| ٣٠        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٣١ |
| ٣١        | الرحمن     | ج             | الثَّقَلَانِ   | ٤٩٣٢ |
| ٣٢        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٣٣ |
| ٣٣        | الرحمن     | ج             | بِسْلَطَنِ     | ٤٩٣٤ |
| ٣٤        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٣٥ |
| ٣٥        | الرحمن     | ج             | تَنَتَّصِرَانِ | ٤٩٣٦ |
| ٣٦        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٣٧ |
| ٣٧        | الرحمن     | ج.لا          | كَالْدِهَانِ   | ٤٩٣٨ |
| ٣٨        | الرحمن     | صه.لا         | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٣٩ |
| ٣٩        | الرحمن     | ج             | جَآنُ          | ٤٩٤٠ |
| ٤٠        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٤١ |
| ٤١        | الرحمن     | ج             | وَالْأَقْدَامِ | ٤٩٤٢ |
| ٤٢        | الرحمن     | صه            | ٌتَكَذِّبَانِ  | ٤٩٤٣ |
| ٤٣        | الرحمن     | لام           | الْمُجْرِمُونَ | ٤٩٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية      | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_آلية | الرَّحْمَن |
|----------------|------|---------------|---------------------|------------|
| ءَانِ          | ٤٩٤٥ | ج             | ٤٤                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٤٦ | صه            | ٤٥                  | الرَّحْمَن |
| جَنَّتَانِ     | ٤٩٤٧ | ج.لا          | ٤٦                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٤٨ | لا            | ٤٧                  | الرَّحْمَن |
| أَفْنَانِ      | ٤٩٤٩ | ج             | ٤٨                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٥٠ | صه            | ٤٩                  | الرَّحْمَن |
| تَجْرِيَانِ    | ٤٩٥١ | ج             | ٥٠                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٥٢ | صه            | ٥١                  | الرَّحْمَن |
| زَوْجَانِ      | ٤٩٥٣ | ج             | ٥٢                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٥٤ | صه            | ٥٣                  | الرَّحْمَن |
| دَانِ          | ٤٩٥٥ | ج             | ٥٤                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٥٦ | صه            | ٥٥                  | الرَّحْمَن |
| جَآنُ          | ٤٩٥٧ | ج             | ٥٦                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٥٨ | ج             | ٥٧                  | الرَّحْمَن |
| وَالْمَرْجَانُ | ٤٩٥٩ | ج             | ٥٨                  | الرَّحْمَن |
| تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٦٠ | صه            | ٥٩                  | الرَّحْمَن |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦٠        | الرحمن     | ج             | الإحسانُ       | ٤٩٦١ |
| ٦١        | الرحمن     | صه لا         | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٦٢ |
| ٦٢        | الرحمن     | ج لا          | جَنَّاتٍ       | ٤٩٦٣ |
| ٦٣        | الرحمن     | لا            | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٦٤ |
| ٦٤        | الرحمن     | ج             | مُدْهَامَاتٍ   | ٤٩٦٥ |
| ٦٥        | الرحمن     | ج             | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٦٦ |
| ٦٦        | الرحمن     | ج             | نَضَّا خَتَانِ | ٤٩٦٧ |
| ٦٧        | الرحمن     | ج             | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٦٨ |
| ٦٨        | الرحمن     | ج             | وَرْمَانُ      | ٤٩٦٩ |
| ٦٩        | الرحمن     | ج             | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٧٠ |
| ٧٠        | الرحمن     | ج             | حِسَانُ        | ٤٩٧١ |
| ٧١        | الرحمن     | ج             | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٧٢ |
| ٧٢        | الرحمن     | ج             | الْخِيَامُ     | ٤٩٧٣ |
| ٧٣        | الرحمن     | ج             | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٧٤ |
| ٧٤        | الرحمن     | ج             | جَآنُ          | ٤٩٧٥ |
| ٧٥        | الرحمن     | ج             | تُكَذِّبَانِ   | ٤٩٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧٦        | الرحمن     | ج             | حسانٍ           | ٤٩٧٧ |
| ٧٧        | الرحمن     | ط             | تُكَذِّبَانِ    | ٤٩٧٨ |
| ٧٨        | الرحمن     | صه            | وَالْإِكْرَامِ  | ٤٩٧٩ |
| ١         | الواقعة    | لا            | الْوَاقِعَةُ    | ٤٩٨٠ |
| ٢         | الواقعة    | م             | كَاذِبَةٌ       | ٤٩٨١ |
| ٣         | الواقعة    | لا            | رَأِفَعَةٌ      | ٤٩٨٢ |
| ٤         | الواقعة    | لا            | رَجَّا          | ٤٩٨٣ |
| ٥         | الواقعة    | لا            | بَسَّا          | ٤٩٨٤ |
| ٦         | الواقعة    | لا            | مُنْبَثَّا      | ٤٩٨٥ |
| ٧         | الواقعة    | ط             | ثَلَاثَةً       | ٤٩٨٦ |
| ٨         | الواقعة    | ط.لا          | الْمَيْمَنَةِ   | ٤٩٨٧ |
| ٩         | الواقعة    | ط             | الْمَشْءَمَةِ   | ٤٩٨٨ |
| ١٠        | الواقعة    | ج.لا          | السَّيِّقُونَ   | ٤٩٨٩ |
| ١١        | الواقعة    | ج.لا          | الْمُقَرَّبُونَ | ٤٩٩٠ |
| ١٢        | الواقعة    | صه            | النَّعِيم       | ٤٩٩١ |
| ١٣        | الواقعة    | لا            | الْأَوَّلِينَ   | ٤٩٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٤        | الواقعة    | ط. بلا        | آلآخرين        | ٤٩٩٣ |
| ١٥        | الواقعة    | لا            | مَوْضُونَةٍ    | ٤٩٩٤ |
| ١٦        | الواقعة    | صه            | مُتَقَبِّلِينَ | ٤٩٩٥ |
| ١٧        | الواقعة    | لا            | مُخْلَدُونَ    | ٤٩٩٦ |
| ١٨        | الواقعة    | لا            | مَعِينٍ        | ٤٩٩٧ |
| ١٩        | الواقعة    | لا            | يُنْزِفُونَ    | ٤٩٩٨ |
| ٢٠        | الواقعة    | لا            | يَتَحَيَّرُونَ | ٤٩٩٩ |
| ٢١        | الواقعة    | ط. بلا        | يَشَتَّهُونَ   | ٥٠٠٠ |
| ٢٢        | الواقعة    | لا            | عِينٌ          | ٥٠٠١ |
| ٢٣        | الواقعة    | ج. لا         | الْمَكْنُونُ   | ٥٠٠٢ |
| ٢٤        | الواقعة    | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٥٠٠٣ |
| ٢٥        | الواقعة    | صه. لا        | تَأْثِيمًا     | ٥٠٠٤ |
| ٢٦        | الواقعة    | صه            | سَلَامًا       | ٥٠٠٥ |
| ٢٧        | الواقعة    | ط             | الْيَمِينِ     | ٥٠٠٦ |
| ٢٨        | الواقعة    | لا            | مَخْضُودٍ      | ٥٠٠٧ |
| ٢٩        | الواقعة    | لا            | مَنْضُودٍ      | ٥٠٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٣٠        | الواقعة    | لا            | مَمْدُودٍ     | ٥٠٠٩ |
| ٣١        | الواقعة    | لا            | مَسْكُوبٍ     | ٥٠١٠ |
| ٣٢        | الواقعة    | لا            | كَثِيرَةٌ     | ٥٠١١ |
| ٣٣        | الواقعة    | لا            | مَمْنُوعَةٌ   | ٥٠١٢ |
| ٣٤        | الواقعة    | ط             | مَرْفُوعَةٌ   | ٥٠١٣ |
| ٣٥        | الواقعة    | لا            | إِنْشَاءً     | ٥٠١٤ |
| ٣٦        | الواقعة    | لا            | أَبْكَارًا    | ٥٠١٥ |
| ٣٧        | الواقعة    | لا            | أَتْرَابًا    | ٥٠١٦ |
| ٣٨        | الواقعة    | ط             | الْيَمِينِ    | ٥٠١٧ |
| ٣٩        | الواقعة    | لا            | الْأَوَّلِينَ | ٥٠١٨ |
| ٤٠        | الواقعة    | ط بلا         | الْآخِرِينَ   | ٥٠١٩ |
| ٤١        | الواقعة    | ط بلا         | الشِّمَالِ    | ٥٠٢٠ |
| ٤٢        | الواقعة    | لا            | وَحَمِيمٍ     | ٥٠٢١ |
| ٤٣        | الواقعة    | لا            | يَحْمُومٍ     | ٥٠٢٢ |
| ٤٤        | الواقعة    | صه            | كَرِيمٍ       | ٥٠٢٣ |
| ٤٥        | الواقعة    | ج. صلي        | مُتَرَفِّينَ  | ٥٠٢٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٤٦        | الواقعة    | ج             | الْعَظِيمُ       | ٥٠٢٥ |
| ٤٧        | الواقعة    | لا            | لَمْ يَعُوْثُنَّ | ٥٠٢٦ |
| ٤٨        | الواقعة    | صه            | الْأَوَّلُونَ    | ٥٠٢٧ |
| ٤٩        | الواقعة    | لا            | وَالآخِرِينَ     | ٥٠٢٨ |
| ٥٠        | الواقعة    | صه            | مَعْلُومٍ        | ٥٠٢٩ |
| ٥١        | الواقعة    | لا            | الْمُكَذِّبُونَ  | ٥٠٣٠ |
| ٥٢        | الواقعة    | لا            | زَقُومٍ          | ٥٠٣١ |
| ٥٣        | الواقعة    | ج.لا          | الْبُطْوُنَ      | ٥٠٣٢ |
| ٥٤        | الواقعة    | ج.لا          | الْحَمِيمُ       | ٥٠٣٣ |
| ٥٥        | الواقعة    | ط             | الْهَمِيمُ       | ٥٠٣٤ |
| ٥٦        | الواقعة    | ط             | الْدِينِ         | ٥٠٣٥ |
| ٥٧        | الواقعة    | صه            | تَصَدِّقُونَ     | ٥٠٣٦ |
| ٥٨        | الواقعة    | ط.لا          | تُمْنُونَ        | ٥٠٣٧ |
| ٥٩        | الواقعة    | صه            | الْخَالِقُونَ    | ٥٠٣٨ |
| ٦٠        | الواقعة    | لا            | بِمَسْبُوقَيْنَ  | ٥٠٣٩ |
| ٦١        | الواقعة    | صه            | تَعْلَمُونَ      | ٥٠٤٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦٢        | الواقعة    | صه            | تَذَكَّرُونَ   | ٥٠٤١ |
| ٦٣        | الواقعة    | ط.لا          | تَحْرُثُونَ    | ٥٠٤٢ |
| ٦٤        | الواقعة    | صه            | الْزَّارِعُونَ | ٥٠٤٣ |
| ٦٥        | الواقعة    | لا            | تَفَكَّهُونَ   | ٥٠٤٤ |
| ٦٦        | الواقعة    | لا            | لَمُغْرَمُونَ  | ٥٠٤٥ |
| ٦٧        | الواقعة    | صه            | مَحْرُومُونَ   | ٥٠٤٦ |
| ٦٨        | الواقعة    | ط.لا          | تَشَرَّبُونَ   | ٥٠٤٧ |
| ٦٩        | الواقعة    | صه            | الْمُنْزَلُونَ | ٥٠٤٨ |
| ٧٠        | الواقعة    | صه            | تَشَكُّرُونَ   | ٥٠٤٩ |
| ٧١        | الواقعة    | ط.لا          | تُورُونَ       | ٥٠٥٠ |
| ٧٢        | الواقعة    | صه            | الْمُنْشَئُونَ | ٥٠٥١ |
| ٧٣        | الواقعة    | ج             | لِلْمُقْوِينَ  | ٥٠٥٢ |
| ٧٤        | الواقعة    | صه            | الْعَظِيمِ     | ٥٠٥٣ |
| ٧٥        | الواقعة    | لا            | الْتُّجُومِ    | ٥٠٥٤ |
| ٧٦        | الواقعة    | لا            | عَظِيمٌ        | ٥٠٥٥ |
| ٧٧        | الواقعة    | لا            | كَرِيمٌ        | ٥٠٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧٨        | الواقعة    | لا            | مَكُنُونٌ       | ٥٠٥٧ |
| ٧٩        | الواقعة    | ط             | الْمُظَهَّرُونَ | ٥٠٥٨ |
| ٨٠        | الواقعة    | صه            | الْعَالَمِينَ   | ٥٠٥٩ |
| ٨١        | الواقعة    | لا            | مُدْهِنُونَ     | ٥٠٦٠ |
| ٨٢        | الواقعة    | صه            | تُكَدِّبُونَ    | ٥٠٦١ |
| ٨٣        | الواقعة    | لا            | الْخَلْقُومَ    | ٥٠٦٢ |
| ٨٤        | الواقعة    | لا            | تَنْظُرُونَ     | ٥٠٦٣ |
| ٨٥        | الواقعة    | لا            | تُبَصِّرُونَ    | ٥٠٦٤ |
| ٨٦        | الواقعة    | لا            | مَدِينِينَ      | ٥٠٦٥ |
| ٨٧        | الواقعة    | صه            | صَدِيقِينَ      | ٥٠٦٦ |
| ٨٨        | الواقعة    | لا            | الْمُقَرَّبِينَ | ٥٠٦٧ |
| ٨٩        | الواقعة    | صه            | نَعِيمٍ         | ٥٠٦٨ |
| ٩٠        | الواقعة    | لا            | الْيَمِينَ      | ٥٠٦٩ |
| ٩١        | الواقعة    | ط             | الْيَمِينَ      | ٥٠٧٠ |
| ٩٢        | الواقعة    | لا            | الْضَّالِّينَ   | ٥٠٧١ |
| ٩٣        | الواقعة    | لا            | حَمِيمٍ         | ٥٠٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٩٤        | الواقعة    | صه            | جَحِيمٌ      | ٥٠٧٣ |
| ٩٥        | الواقعة    | ج             | الْيَقِينِ   | ٥٠٧٤ |
| ٩٦        | الواقعة    | صه            | الْعَظِيمُ   | ٥٠٧٥ |
| ١         | ال الحديد  | صه            | الْحَكِيمُ   | ٥٠٧٦ |
| ٢         | ال الحديد  | صه            | قَدِيرٌ      | ٥٠٧٧ |
| ٣         | ال الحديد  | صه            | عَلِيمٌ      | ٥٠٧٨ |
| ٤         | ال الحديد  | صه            | بَصِيرٌ      | ٥٠٧٩ |
| ٥         | ال الحديد  | صه            | الْأَمْوَارُ | ٥٠٨٠ |
| ٦         | ال الحديد  | صه            | الْصُّدُورِ  | ٥٠٨١ |
| ٧         | ال الحديد  | صه            | كَبِيرٌ      | ٥٠٨٢ |
| ٨         | ال الحديد  | صه            | مُؤْمِنِينَ  | ٥٠٨٣ |
| ٩         | ال الحديد  | صه            | رَّحِيمٌ     | ٥٠٨٤ |
| ١٠        | ال الحديد  | صه            | خَبِيرٌ      | ٥٠٨٥ |
| ١١        | ال الحديد  | ج             | كَرِيمٌ      | ٥٠٨٦ |
| ١٢        | ال الحديد  | ج             | الْعَظِيمُ   | ٥٠٨٧ |
| ١٣        | ال الحديد  | ط             | الْعَذَابُ   | ٥٠٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ١٤        | الحديد     | صه.لا         | الْغَرُورُ  | ٥٠٨٩ |
| ١٥        | الحديد     | صه            | الْمَصِيرُ  | ٥٠٩٠ |
| ١٦        | الحديد     | صه            | فَسِقُونَ   | ٥٠٩١ |
| ١٧        | الحديد     | صه            | تَعْقِلُونَ | ٥٠٩٢ |
| ١٨        | الحديد     | صه            | كَرِيمٌ     | ٥٠٩٣ |
| ١٩        | الحديد     | صه            | الْجَحِيمُ  | ٥٠٩٤ |
| ٢٠        | الحديد     | صه            | الْغُرُورِ  | ٥٠٩٥ |
| ٢١        | الحديد     | صه            | الْعَظِيمُ  | ٥٠٩٦ |
| ٢٢        | الحديد     | ج.صلي.لا      | يَسِيرُ     | ٥٠٩٧ |
| ٢٣        | الحديد     | صه.لا         | فَخُورٌ     | ٥٠٩٨ |
| ٢٤        | الحديد     | صه            | الْحَمِيدُ  | ٥٠٩٩ |
| ٢٥        | الحديد     | صه            | عَزِيزٌ     | ٥١٠٠ |
| ٢٦        | الحديد     | صه            | فَسِقُونَ   | ٥١٠١ |
| ٢٧        | الحديد     | صه.لا         | فَسِقُونَ   | ٥١٠٢ |
| ٢٨        | الحديد     | ج.لا          | رَّحِيمٌ    | ٥١٠٣ |
| ٢٩        | الحديد     | صه            | الْعَظِيمُ  | ٥١٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١         | المجادلة   | صه            | بَصِيرٌ        | ٥١٠٥ |
| ٢         | المجادلة   | صه            | غَفُورٌ        | ٥١٠٦ |
| ٣         | المجادلة   | صه            | خَبِيرٌ        | ٥١٠٧ |
| ٤         | المجادلة   | صه            | أَلِيمٌ        | ٥١٠٨ |
| ٥         | المجادلة   | ج             | مُّهِينٌ       | ٥١٠٩ |
| ٦         | المجادلة   | صه            | شَهِيدٌ        | ٥١١٠ |
| ٧         | المجادلة   | صه            | عَالِيمٌ       | ٥١١١ |
| ٨         | المجادلة   | صه            | الْمَصِيرُ     | ٥١١٢ |
| ٩         | المجادلة   | صه            | تُحَشِّرونَ    | ٥١١٣ |
| ١٠        | المجادلة   | صه            | الْمُؤْمِنُونَ | ٥١١٤ |
| ١١        | المجادلة   | صه            | خَبِيرٌ        | ٥١١٥ |
| ١٢        | المجادلة   | صه            | رَّحِيمٌ       | ٥١١٦ |
| ١٣        | المجادلة   | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٥١١٧ |
| ١٤        | المجادلة   | صه            | يَعْلَمُونَ    | ٥١١٨ |
| ١٥        | المجادلة   | صه            | يَعْمَلُونَ    | ٥١١٩ |
| ١٦        | المجادلة   | صه            | مُّهِينٌ       | ٥١٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٧        | المجادلة   | صه            | خَلِدُونَ      | ٥١٢١ |
| ١٨        | المجادلة   | صه            | الْكَذِبُونَ   | ٥١٢٢ |
| ١٩        | المجادلة   | صه            | الْخَسِرُونَ   | ٥١٢٣ |
| ٢٠        | المجادلة   | صه            | الْأَذَلِينَ   | ٥١٢٤ |
| ٢١        | المجادلة   | صه            | غَرِيزٌ        | ٥١٢٥ |
| ٢٢        | المجادلة   | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ٥١٢٦ |
| ١         | الحشر      | صه            | الْحَكِيمُ     | ٥١٢٧ |
| ٢         | الحشر      | صه            | الْأَبْصَرِ    | ٥١٢٨ |
| ٣         | الحشر      | صه            | النَّارِ       | ٥١٢٩ |
| ٤         | الحشر      | صه            | الْعِقَابِ     | ٥١٣٠ |
| ٥         | الحشر      | صه            | الْفَسِيقِينَ  | ٥١٣١ |
| ٦         | الحشر      | صه            | قَدِيرٌ        | ٥١٣٢ |
| ٧         | الحشر      | م             | الْعِقَابِ     | ٥١٣٣ |
| ٨         | الحشر      | ج             | الصَّادِقُونَ  | ٥١٣٤ |
| ٩         | الحشر      | ج             | الْمُفْلِحُونَ | ٥١٣٥ |
| ١٠        | الحشر      | صه            | رَّحِيمٌ       | ٥١٣٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف رقم الآية | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|-------------------------|-----------|---|
| ١١        | الحشر      | صه         | لَكَذِبُونَ             | ٥١٣٧      |   |
| ١٢        | الحشر      | صه         | يُنَصَّرُونَ            | ٥١٣٨      |   |
| ١٣        | الحشر      | صه         | يَفْقَهُونَ             | ٥١٣٩      |   |
| ١٤        | الحشر      | ج          | يَعْقِلُونَ             | ٥١٤٠      |   |
| ١٥        | الحشر      | ج          | إِلَيْمٌ                | ٥١٤١      |   |
| ١٦        | الحشر      | صه         | الْعَالَمِينَ           | ٥١٤٢      |   |
| ١٧        | الحشر      | صه         | الظَّالِمِينَ           | ٥١٤٣      |   |
| ١٨        | الحشر      | صه         | تَعْمَلُونَ             | ٥١٤٤      |   |
| ١٩        | الحشر      | صه         | الْفَسِقُونَ            | ٥١٤٥      |   |
| ٢٠        | الحشر      | صه         | الْفَآئِزُونَ           | ٥١٤٦      |   |
| ٢١        | الحشر      | صه         | يَتَفَكَّرُونَ          | ٥١٤٧      |   |
| ٢٢        | الحشر      | صه         | الرَّحِيمُ              | ٥١٤٨      |   |
| ٢٣        | الحشر      | صه         | يُشْرِكُونَ             | ٥١٤٩      |   |
| ٢٤        | الحشر      | صه         | الْحَكِيمُ              | ٥١٥٠      |   |
| ١         | المتحنة    | صه         | السَّبِيلِ              | ٥١٥١      |   |
| ٢         | المتحنة    | ط          | تَكُفِّرُونَ            | ٥١٥٢      |   |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣         | المتحنة    | صه            | بَصِيرٌ        | ٥١٥٣ |
| ٤         | المتحنة    | صه            | الْمَصِيرُ     | ٥١٥٤ |
| ٥         | المتحنة    | صه            | الْحَكِيمُ     | ٥١٥٥ |
| ٦         | المتحنة    | صه            | الْحَمِيدُ     | ٥١٥٦ |
| ٧         | المتحنة    | صه            | رَّحِيمُ       | ٥١٥٧ |
| ٨         | المتحنة    | صه            | الْمُقْسِطِينَ | ٥١٥٨ |
| ٩         | المتحنة    | صه            | الظَّالِمُونَ  | ٥١٥٩ |
| ١٠        | المتحنة    | صه            | حَكِيمٌ        | ٥١٦٠ |
| ١١        | المتحنة    | صه            | مُؤْمِنُونَ    | ٥١٦١ |
| ١٢        | المتحنة    | صه            | رَّحِيمُ       | ٥١٦٢ |
| ١٣        | المتحنة    | صه            | الْقُبُورِ     | ٥١٦٣ |
| ١         | الصف       | صه            | الْحَكِيمُ     | ٥١٦٤ |
| ٢         | الصف       | صه            | تَفْعَلُونَ    | ٥١٦٥ |
| ٣         | الصف       | صه            | تَفْعَلُونَ    | ٥١٦٦ |
| ٤         | الصف       | ج             | مَرْصُوصٌ      | ٥١٦٧ |
| ٥         | الصف       | صه            | الْفَاسِقِينَ  | ٥١٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٦         | الصف       | صه            | مُبِينٌ         | ٥١٦٩ |
| ٧         | الصف       | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٥١٧٠ |
| ٨         | الصف       | صه            | الْكَافِرُونَ   | ٥١٧١ |
| ٩         | الصف       | صه            | الْمُشْرِكُونَ  | ٥١٧٢ |
| ١٠        | الصف       | لا            | إِلَيْهِ        | ٥١٧٣ |
| ١١        | الصف       | لا            | تَعْلَمُونَ     | ٥١٧٤ |
| ١٢        | الصف       | صه لا         | الْعَظِيمُ      | ٥١٧٥ |
| ١٣        | الصف       | صه            | الْمُؤْمِنِينَ  | ٥١٧٦ |
| ١٤        | الصف       | صه            | ظَاهِرِينَ      | ٥١٧٧ |
| ١         | الجمعة     | صه            | الْحَكِيمُ      | ٥١٧٨ |
| ٢         | الجمعة     | لا            | مُبِينٌ         | ٥١٧٩ |
| ٣         | الجمعة     | صه            | الْحَكِيمُ      | ٥١٨٠ |
| ٤         | الجمعة     | صه            | الْعَظِيمُ      | ٥١٨١ |
| ٥         | الجمعة     | صه            | الظَّالِمِينَ   | ٥١٨٢ |
| ٦         | الجمعة     | صه            | صَدِيقِينَ      | ٥١٨٣ |
| ٧         | الجمعة     | صه            | بِالظَّالِمِينَ | ٥١٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٨         | الجمعة     | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٥١٨٥ |
| ٩         | الجمعة     | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٥١٨٦ |
| ١٠        | الجمعة     | صه لا         | تُفْلِحُونَ     | ٥١٨٧ |
| ١١        | الجمعة     | صه            | الرَّازِقِينَ   | ٥١٨٨ |
| ١         | المنافقون  | ج             | لَكَذِبُونَ     | ٥١٨٩ |
| ٢         | المنافقون  | صه            | يَعْمَلُونَ     | ٥١٩٠ |
| ٣         | المنافقون  | صه            | يَفْقَهُونَ     | ٥١٩١ |
| ٤         | المنافقون  | ط             | يُؤْفَكُونَ     | ٥١٩٢ |
| ٥         | المنافقون  | صه            | مُسْتَكْبِرُونَ | ٥١٩٣ |
| ٦         | المنافقون  | صه            | الْفَسِيقِينَ   | ٥١٩٤ |
| ٧         | المنافقون  | صه            | يَفْقَهُونَ     | ٥١٩٥ |
| ٨         | المنافقون  | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٥١٩٦ |
| ٩         | المنافقون  | صه            | الْخَسِرُونَ    | ٥١٩٧ |
| ١٠        | المنافقون  | صه            | الصَّالِحِينَ   | ٥١٩٨ |
| ١١        | المنافقون  | صه            | تَعْمَلُونَ     | ٥١٩٩ |
| ١         | التغابن    | صه            | قَدِيرٌ         | ٥٢٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢         | التغابن    | صه            | بَصِيرٌ        | ٥٢٠١ |
| ٣         | التغابن    | صه            | الْمَصِيرُ     | ٥٢٠٢ |
| ٤         | التغابن    | صه            | الْصُّدُورِ    | ٥٢٠٣ |
| ٥         | التغابن    | صه            | الْأَيْمُ      | ٥٢٠٤ |
| ٦         | التغابن    | صه            | حَمِيدٌ        | ٥٢٠٥ |
| ٧         | التغابن    | صه            | يَسِيرٌ        | ٥٢٠٦ |
| ٨         | التغابن    | صه            | خَيْرٌ         | ٥٢٠٧ |
| ٩         | التغابن    | صه            | الْعَظِيمُ     | ٥٢٠٨ |
| ١٠        | التغابن    | صه            | الْمَصِيرُ     | ٥٢٠٩ |
| ١١        | التغابن    | صه            | عَلِيمٌ        | ٥٢١٠ |
| ١٢        | التغابن    | صه            | الْمُبِينُ     | ٥٢١١ |
| ١٣        | التغابن    | صه            | الْمُؤْمِنُونَ | ٥٢١٢ |
| ١٤        | التغابن    | صه            | رَّحِيمٌ       | ٥٢١٣ |
| ١٥        | التغابن    | صه            | عَظِيمٌ        | ٥٢١٤ |
| ١٦        | التغابن    | صه            | الْمُفْلِحُونَ | ٥٢١٥ |
| ١٧        | التغابن    | صه لا         | حَلِيمٌ        | ٥٢١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ١٨        | النّجاشي   | صه            | الْحَكِيمُ | ٥٢١٧ |
| ١         | الطلاق     | ط             | أَمْرًا    | ٥٢١٨ |
| ٢         | الطلاق     | لا            | مَخْرَجًا  | ٥٢١٩ |
| ٣         | الطلاق     | صه            | قَدْرًا    | ٥٢٢٠ |
| ٤         | الطلاق     | صه            | يُسْرًا    | ٥٢٢١ |
| ٥         | الطلاق     | صه            | أَجْرًا    | ٥٢٢٢ |
| ٦         | الطلاق     | ط.لا          | أُخْرَى    | ٥٢٢٣ |
| ٧         | الطلاق     | صه            | يُسْرًا    | ٥٢٢٤ |
| ٨         | الطلاق     | لا            | نُكْرًا    | ٥٢٢٥ |
| ٩         | الطلاق     | صه            | خُسْرًا    | ٥٢٢٦ |
| ١٠        | الطلاق     | صه.لا         | ذِكْرًا    | ٥٢٢٧ |
| ١١        | الطلاق     | صه            | رِزْقًا    | ٥٢٢٨ |
| ١٢        | الطلاق     | صه.لا         | عِلْمًا    | ٥٢٢٩ |
| ١         | الحریم     | صه            | رَّحِيمُ   | ٥٢٣٠ |
| ٢         | الحریم     | صه            | الْحَكِيمُ | ٥٢٣١ |
| ٣         | الحریم     | صه            | الْحَبِيرُ | ٥٢٣٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤         | التحريم    | صه            | ظَهِيرٌ        | ٥٢٣٣ |
| ٥         | التحريم    | صه            | وَأَبْكَارًا   | ٥٢٣٤ |
| ٦         | التحريم    | صه            | يُؤْمِرونَ     | ٥٢٣٥ |
| ٧         | التحريم    | صه            | تَعْمَلُونَ    | ٥٢٣٦ |
| ٨         | التحريم    | صه            | قَدِيرٌ        | ٥٢٣٧ |
| ٩         | التحريم    | صه            | الْمَصِيرُ     | ٥٢٣٨ |
| ١٠        | التحريم    | صه            | الذَّخِيلَينَ  | ٥٢٣٩ |
| ١١        | التحريم    | صه لا         | الظَّالِمِينَ  | ٥٢٤٠ |
| ١٢        | التحريم    | صه            | الْقَاتِنَيْنَ | ٥٢٤١ |
| ١         | الملك      | صه لا         | قَدِيرٌ        | ٥٢٤٢ |
| ٢         | الملك      | صه لا         | الغَفُورُ      | ٥٢٤٣ |
| ٣         | الملك      | صه            | فُطُورٍ        | ٥٢٤٤ |
| ٤         | الملك      | صه            | حَسِيرٌ        | ٥٢٤٥ |
| ٥         | الملك      | صه            | السَّعِيرُ     | ٥٢٤٦ |
| ٦         | الملك      | صه            | الْمَصِيرُ     | ٥٢٤٧ |
| ٧         | الملك      | لا            | تَفُورٌ        | ٥٢٤٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٨         | الملك      | صه            | نَذِيرٌ      | ٥٢٤٩ |
| ٩         | الملك      | صه            | كَبِيرٍ      | ٥٢٥٠ |
| ١٠        | الملك      | صه            | الْسَّعِيرِ  | ٥٢٥١ |
| ١١        | الملك      | صه            | الْسَّعِيرِ  | ٥٢٥٢ |
| ١٢        | الملك      | صه            | كَبِيرٍ      | ٥٢٥٣ |
| ١٣        | الملك      | ط             | الْصُّدُورِ  | ٥٢٥٤ |
| ١٤        | الملك      | صه            | الْحَمْيْرُ  | ٥٢٥٥ |
| ١٥        | الملك      | صه            | الْنُّشُورُ  | ٥٢٥٦ |
| ١٦        | الملك      | صه لا         | تَمُورُ      | ٥٢٥٧ |
| ١٧        | الملك      | صه            | نَذِيرٍ      | ٥٢٥٨ |
| ١٨        | الملك      | صه            | كَبِيرٍ      | ٥٢٥٩ |
| ١٩        | الملك      | صه لا         | بَصِيرٌ      | ٥٢٦٠ |
| ٢٠        | الملك      | ج             | غُرُورٍ      | ٥٢٦١ |
| ٢١        | الملك      | صه            | وَنْفُورٍ    | ٥٢٦٢ |
| ٢٢        | الملك      | صه            | مُسْتَقِيمٍ  | ٥٢٦٣ |
| ٢٣        | الملك      | صه            | تَشَكُّرُونَ | ٥٢٦٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٢٤        | الملك      | صه            | تُحَشِّرُونَ      | ٥٢٦٥ |
| ٢٥        | الملك      | صه            | صَدِيقِينَ        | ٥٢٦٦ |
| ٢٦        | الملك      | صه            | مُبِينٌ           | ٥٢٦٧ |
| ٢٧        | الملك      | صه            | تَدَعُونَ         | ٥٢٦٨ |
| ٢٨        | الملك      | صه            | إِلَيْهِ          | ٥٢٦٩ |
| ٢٩        | الملك      | صه            | مُبِينٍ           | ٥٢٧٠ |
| ٣٠        | الملك      | صه            | مَعِينٍ           | ٥٢٧١ |
| ١         | القلم      | لا            | يَسْطُرُونَ       | ٥٢٧٢ |
| ٢         | القلم      | ج.لا          | بِمَجْنُونٍ       | ٥٢٧٣ |
| ٣         | القلم      | ج.لا          | مَمْنُونٍ         | ٥٢٧٤ |
| ٤         | القلم      | صه            | عَظِيمٍ           | ٥٢٧٥ |
| ٥         | القلم      | لا            | وَيُبَصِّرُونَ    | ٥٢٧٦ |
| ٦         | القلم      | صه            | الْمَفْتُونُ      | ٥٢٧٧ |
| ٧         | القلم      | صه            | بِالْمُهَتَّدِينَ | ٥٢٧٨ |
| ٨         | القلم      | صه            | الْمُكَذِّبِينَ   | ٥٢٧٩ |
| ٩         | القلم      | صه            | فَيُدْهِنُونَ     | ٥٢٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ١٠        | القلم      | لا            | مَّهِينٍ        | ٥٢٨١ |
| ١١        | القلم      | لا            | بِنَمِيمٍ       | ٥٢٨٢ |
| ١٢        | القلم      | لا            | أَثِيمٍ         | ٥٢٨٣ |
| ١٣        | القلم      | ط.لا          | زَيْمٍ          | ٥٢٨٤ |
| ١٤        | القلم      | ط.لا          | وَبَنِينَ       | ٥٢٨٥ |
| ١٥        | القلم      | صه            | الْأَوَّلِينَ   | ٥٢٨٦ |
| ١٦        | القلم      | صه            | الْحُرْطُوم     | ٥٢٨٧ |
| ١٧        | القلم      | لا            | مُصْبِحِينَ     | ٥٢٨٨ |
| ١٨        | القلم      | صه            | يَسْتَشْنُونَ   | ٥٢٨٩ |
| ١٩        | القلم      | لا            | نَّاَيْمُونَ    | ٥٢٩٠ |
| ٢٠        | القلم      | صه.لا         | كَالصَّرِيم     | ٥٢٩١ |
| ٢١        | القلم      | لا            | مُصْبِحِينَ     | ٥٢٩٢ |
| ٢٢        | القلم      | صه            | صَرِمِينَ       | ٥٢٩٣ |
| ٢٣        | القلم      | لا            | يَتَخَافَّتُونَ | ٥٢٩٤ |
| ٢٤        | القلم      | صه.لا         | مِسْكِينُونَ    | ٥٢٩٥ |
| ٢٥        | القلم      | صه            | قَدِيرِينَ      | ٥٢٩٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٢٦        | القلم      | لا            | لَضَّالُّونَ     | ٥٢٩٧ |
| ٢٧        | القلم      | صه            | مَحْرُومُونَ     | ٥٢٩٨ |
| ٢٨        | القلم      | صه            | تُسَبِّحُونَ     | ٥٢٩٩ |
| ٢٩        | القلم      | صه            | ظَالِمِينَ       | ٥٣٠٠ |
| ٣٠        | القلم      | صه لا         | يَتَلَوَّمُونَ   | ٥٣٠١ |
| ٣١        | القلم      | لا            | طَغِيَّنَ        | ٥٣٠٢ |
| ٣٢        | القلم      | صه            | رَاغِبُونَ       | ٥٣٠٣ |
| ٣٣        | القلم      | صه            | يَعْلَمُونَ      | ٥٣٠٤ |
| ٣٤        | القلم      | صه            | الْنَّعِيمِ      | ٥٣٠٥ |
| ٣٥        | القلم      | ط             | كَالْمُجْرِمِينَ | ٥٣٠٦ |
| ٣٦        | القلم      | ج             | تَحْكُمُونَ      | ٥٣٠٧ |
| ٣٧        | القلم      | لا            | تَدْرُسُونَ      | ٥٣٠٨ |
| ٣٨        | القلم      | ج             | تَخْيَرُونَ      | ٥٣٠٩ |
| ٣٩        | القلم      | ج             | تَحْكُمُونَ      | ٥٣١٠ |
| ٤٠        | القلم      | ث.ج           | رَعِيمُ          | ٥٣١١ |
| ٤١        | القلم      | صه            | صَدِيقِينَ       | ٥٣١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤٢        | القلم      | صه.لا         | يَسْتَطِيعُونَ  | ٥٣١٣ |
| ٤٣        | القلم      | صه            | سَالِمُونَ      | ٥٣١٤ |
| ٤٤        | القلم      | لا            | يَعْلَمُونَ     | ٥٣١٥ |
| ٤٥        | القلم      | صه            | مَتَّيْنٌ       | ٥٣١٦ |
| ٤٦        | القلم      | ج             | مُشَقْلُونَ     | ٥٣١٧ |
| ٤٧        | القلم      | صه            | يَكْتُبُونَ     | ٥٣١٨ |
| ٤٨        | القلم      | ط             | مَكْظُومٌ       | ٥٣١٩ |
| ٤٩        | القلم      | صه            | مَذْمُومٌ       | ٥٣٢٠ |
| ٥٠        | القلم      | صه            | الصَّالِحِينَ   | ٥٣٢١ |
| ٥١        | القلم      | م             | لَمَجْنُونٌ     | ٥٣٢٢ |
| ٥٢        | القلم      | صه            | لِلْعَالَمِينَ  | ٥٣٢٣ |
| ١         | الحقة      | لا            | الْحَقَّةُ      | ٥٣٢٤ |
| ٢         | الحقة      | ج             | الْحَقَّةُ      | ٥٣٢٥ |
| ٣         | الحقة      | ط             | الْحَقَّةُ      | ٥٣٢٦ |
| ٤         | الحقة      | صه            | بِالْقَارِعَةِ  | ٥٣٢٧ |
| ٥         | الحقة      | صه            | بِالْطَّاغِيَةِ | ٥٣٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٦         | الحقة      | لا            | عَاتِيَةٌ      | ٥٣٢٩ |
| ٧         | الحقة      | ج             | خَاوِيَةٌ      | ٥٣٣٠ |
| ٨         | الحقة      | صه            | بَاقِيَةٌ      | ٥٣٣١ |
| ٩         | الحقة      | ج.لا          | بِالْخَاطِئَةِ | ٥٣٣٢ |
| ١٠        | الحقة      | صه            | رَّابِيَةً     | ٥٣٣٣ |
| ١١        | الحقة      | لا            | الْجُنَاحِيَةِ | ٥٣٣٤ |
| ١٢        | الحقة      | صه            | وَاعِيَةٌ      | ٥٣٣٥ |
| ١٣        | الحقة      | لا            | وَاحِدَةٌ      | ٥٣٣٦ |
| ١٤        | الحقة      | لا            | وَاحِدَةً      | ٥٣٣٧ |
| ١٥        | الحقة      | لا            | الْوَاقِعَةُ   | ٥٣٣٨ |
| ١٦        | الحقة      | لا            | وَاهِيَةٌ      | ٥٣٣٩ |
| ١٧        | الحقة      | ط.لا          | ثَمَنِيَةٌ     | ٥٣٤٠ |
| ١٨        | الحقة      | صه            | خَافِيَةٌ      | ٥٣٤١ |
| ١٩        | الحقة      | ج             | كِتَابِيَةٌ    | ٥٣٤٢ |
| ٢٠        | الحقة      | ج             | حِسَابِيَةٌ    | ٥٣٤٣ |
| ٢١        | الحقة      | لا            | رَاضِيَةٌ      | ٥٣٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ٢٢        | الحقة      | لا            | عَالِيَةٌ     | ٥٣٤٥ |
| ٢٣        | الحقة      | صه            | دَانِيَةٌ     | ٥٣٤٦ |
| ٢٤        | الحقة      | صه            | أَخْالِيَةٌ   | ٥٣٤٧ |
| ٢٥        | الحقة      | ج.لا          | كِتَبِيَةٌ    | ٥٣٤٨ |
| ٢٦        | الحقة      | ج             | حِسَابِيَةٌ   | ٥٣٤٩ |
| ٢٧        | الحقة      | ج.لا          | الْقَاضِيَةَ  | ٥٣٥٠ |
| ٢٨        | الحقة      | ج.س           | مَالِيَةٌ     | ٥٣٥١ |
| ٢٩        | الحقة      | ج             | سُلْطَانِيَةٌ | ٥٣٥٢ |
| ٣٠        | الحقة      | لا            | فَغُلُوْهُ    | ٥٣٥٣ |
| ٣١        | الحقة      | لا            | صَلُوْهُ      | ٥٣٥٤ |
| ٣٢        | الحقة      | ط             | فَأَسْلُكُوهُ | ٥٣٥٥ |
| ٣٣        | الحقة      | لا            | الْعَظِيمُ    | ٥٣٥٦ |
| ٣٤        | الحقة      | ط             | الْمِسْكِينُ  | ٥٣٥٧ |
| ٣٥        | الحقة      | لا            | حَمِيمُ       | ٥٣٥٨ |
| ٣٦        | الحقة      | لا            | غِسْلِينِ     | ٥٣٥٩ |
| ٣٧        | الحقة      | صه            | الْحَاطِئُونَ | ٥٣٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣٨        | الحقة      | لا            | تُبَصِّرُونَ   | ٥٣٦١ |
| ٣٩        | الحقة      | لا            | تُبَصِّرُونَ   | ٥٣٦٢ |
| ٤٠        | الحقة      | ج.لا          | كَرِيمٍ        | ٥٣٦٣ |
| ٤١        | الحقة      | لا            | تُؤْمِنُونَ    | ٥٣٦٤ |
| ٤٢        | الحقة      | ط             | تَذَكَّرُونَ   | ٥٣٦٥ |
| ٤٣        | الحقة      | صه            | الْعَالَمِينَ  | ٥٣٦٦ |
| ٤٤        | الحقة      | لا            | الْأَقَوِيلِ   | ٥٣٦٧ |
| ٤٥        | الحقة      | لا            | بِالْيَمِينِ   | ٥٣٦٨ |
| ٤٦        | الحقة      | ز.صلي.لا      | الْوَتَيْنَ    | ٥٣٦٩ |
| ٤٧        | الحقة      | صه            | حَاجِزِينَ     | ٥٣٧٠ |
| ٤٨        | الحقة      | صه            | لِلْمُتَّقِينَ | ٥٣٧١ |
| ٤٩        | الحقة      | صه            | مُكَذِّبِينَ   | ٥٣٧٢ |
| ٥٠        | الحقة      | صه            | الْكَفِرِينَ   | ٥٣٧٣ |
| ٥١        | الحقة      | صه.لا         | الْيَقِينِ     | ٥٣٧٤ |
| ٥٢        | الحقة      | صه            | الْعَظِيمِ     | ٥٣٧٥ |
| ١         | المعارج    | لا            | وَاقِعٌ        | ٥٣٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢         | المعارج    | لا            | دَافِعٌ      | ٥٣٧٧ |
| ٣         | المعارج    | ط             | الْمَعَارِجُ | ٥٣٧٨ |
| ٤         | المعارج    | ج             | سَنَةٌ       | ٥٣٧٩ |
| ٥         | المعارج    | صه            | جَمِيلًا     | ٥٣٨٠ |
| ٦         | المعارج    | لا            | بَعِيدًا     | ٥٣٨١ |
| ٧         | المعارج    | ط             | قَرِيبًا     | ٥٣٨٢ |
| ٨         | المعارج    | لا            | كَالْمُهَلِّ | ٥٣٨٣ |
| ٩         | المعارج    | لا            | كَالْعِهْنِ  | ٥٣٨٤ |
| ١٠        | المعارج    | ج. صلي. لا    | حَمِيمًا     | ٥٣٨٥ |
| ١١        | المعارج    | لا            | بِينِيهِ     | ٥٣٨٦ |
| ١٢        | المعارج    | لا            | وَأَخِيهِ    | ٥٣٨٧ |
| ١٣        | المعارج    | لا            | تُؤْيِه      | ٥٣٨٨ |
| ١٤        | المعارج    | لا            | يُنْجِيهِ    | ٥٣٨٩ |
| ١٥        | المعارج    | ج. لا         | لَظِي        | ٥٣٩٠ |
| ١٦        | المعارج    | ج. صلي. لا    | لِلشَّوَى    | ٥٣٩١ |
| ١٧        | المعارج    | لا            | وَتَوَلَّ    | ٥٣٩٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٨        | المعارج    | صه            | فَأَوْعَى      | ٥٣٩٣ |
| ١٩        | المعارج    | لا            | هَلُوعًا       | ٥٣٩٤ |
| ٢٠        | المعارج    | لا            | جَرُوعًا       | ٥٣٩٥ |
| ٢١        | المعارج    | لا            | مَنْوِعًا      | ٥٣٩٦ |
| ٢٢        | المعارج    | لا            | الْمُصَلِّينَ  | ٥٣٩٧ |
| ٢٣        | المعارج    | ض.صلي.لا      | دَآءِيُونَ     | ٥٣٩٨ |
| ٢٤        | المعارج    | صلي.لا        | مَعْلُومٌ      | ٥٣٩٩ |
| ٢٥        | المعارج    | ض.صلي.لا      | وَالْمَخْرُومُ | ٥٤٠٠ |
| ٢٦        | المعارج    | ض.صلي.لا      | الَّذِينَ      | ٥٤٠١ |
| ٢٧        | المعارج    | ج.لا          | مُشْفِقُونَ    | ٥٤٠٢ |
| ٢٨        | المعارج    | ج             | مَأْمُونٍ      | ٥٤٠٣ |
| ٢٩        | المعارج    | لا            | حَافِظُونَ     | ٥٤٠٤ |
| ٣٠        | المعارج    | ج             | مَلُومِينَ     | ٥٤٠٥ |
| ٣١        | المعارج    | ج.ض           | الْعَادُونَ    | ٥٤٠٦ |
| ٣٢        | المعارج    | ض.صلي.لا      | رَاعُونَ       | ٥٤٠٧ |
| ٣٣        | المعارج    | ض.صلي.لا      | قَائِمُونَ     | ٥٤٠٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٣٤        | المعارج    | ط بلا         | يُحَافِظُونَ    | ٥٤٠٩ |
| ٣٥        | المعارج    | ط             | مُكْرَمُونَ     | ٥٤١٠ |
| ٣٦        | المعارج    | لا            | مُهْطِعِينَ     | ٥٤١١ |
| ٣٧        | المعارج    | صه            | عِزِيزَنَ       | ٥٤١٢ |
| ٣٨        | المعارج    | لا            | نَعِيمٍ         | ٥٤١٣ |
| ٣٩        | المعارج    | صه            | يَعْلَمُونَ     | ٥٤١٤ |
| ٤٠        | المعارج    | لا            | لَقَدِيرُونَ    | ٥٤١٥ |
| ٤١        | المعارج    | صه            | بِمَسْبُوقَيْنَ | ٥٤١٦ |
| ٤٢        | المعارج    | لا            | يُوعَدُونَ      | ٥٤١٧ |
| ٤٣        | المعارج    | لا            | يُوْفِضُونَ     | ٥٤١٨ |
| ٤٤        | المعارج    | صه            | يُوعَدُونَ      | ٥٤١٩ |
| ١         | نوح        | صه            | أَلَيْمٌ        | ٥٤٢٠ |
| ٢         | نوح        | لا            | مُّبِينٌ        | ٥٤٢١ |
| ٣         | نوح        | لا            | وَأَطِيعُونِ    | ٥٤٢٢ |
| ٤         | نوح        | صه            | تَعْلَمُونَ     | ٥٤٢٣ |
| ٥         | نوح        | لا            | وَنَهَارًا      | ٥٤٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | اسم السورة | علامات المصحف  | رأس الآية | ت |
|-----------|------------|------------|----------------|-----------|---|
| ٦         | نوح        | صه         | فِرَارًا       | ٥٤٢٥      |   |
| ٧         | نوح        | ج          | أُسْتِكْبَارًا | ٥٤٢٦      |   |
| ٨         | نوح        | صه.لا      | جِهَارًا       | ٥٤٢٧      |   |
| ٩         | نوح        | لا         | إِسْرَارًا     | ٥٤٢٨      |   |
| ١٠        | نوح        | لا         | غَفَارًا       | ٥٤٢٩      |   |
| ١١        | نوح        | لا         | مِدْرَارًا     | ٥٤٣٠      |   |
| ١٢        | نوح        | ط          | أَنْهَرًا      | ٥٤٣١      |   |
| ١٣        | نوح        | ج.لا       | وَقَارًا       | ٥٤٣٢      |   |
| ١٤        | نوح        | صه         | أَطْوَارًا     | ٥٤٣٣      |   |
| ١٥        | نوح        | لا         | طِبَاقًا       | ٥٤٣٤      |   |
| ١٦        | نوح        | صه         | سِرَاجًا       | ٥٤٣٥      |   |
| ١٧        | نوح        | لا         | نَبَاتًا       | ٥٤٣٦      |   |
| ١٨        | نوح        | صه         | إِخْرَاجًا     | ٥٤٣٧      |   |
| ١٩        | نوح        | لا         | بِسَاطًا       | ٥٤٣٨      |   |
| ٢٠        | نوح        | صه         | فِجَاجًا       | ٥٤٣٩      |   |
| ٢١        | نوح        | ج.لا       | خَسَارًا       | ٥٤٤٠      |   |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٢٢        | نوح        | ج             | كُبَارًا   | ٥٤٤١ |
| ٢٣        | نوح        | ج             | وَنَسْرًا  | ٥٤٤٢ |
| ٢٤        | نوح        | صه            | ضَلَالًا   | ٥٤٤٣ |
| ٢٥        | نوح        | صه            | أَنْصَارًا | ٥٤٤٤ |
| ٢٦        | نوح        | صه            | دِيَارًا   | ٥٤٤٥ |
| ٢٧        | نوح        | صه            | كَفَارًا   | ٥٤٤٦ |
| ٢٨        | نوح        | صه            | تَبَارًا   | ٥٤٤٧ |
| ١         | الجن       | لا            | عَجَبًا    | ٥٤٤٨ |
| ٢         | الجن       | ج.لا          | أَحَدًا    | ٥٤٤٩ |
| ٣         | الجن       | ج.لا          | وَلَدًا    | ٥٤٥٠ |
| ٤         | الجن       | صه.لا         | شَطَطًا    | ٥٤٥١ |
| ٥         | الجن       | صه.لا         | كَذِبًا    | ٥٤٥٢ |
| ٦         | الجن       | ج.لا          | رَهْقًا    | ٥٤٥٣ |
| ٧         | الجن       | ج.لا          | أَحَدًا    | ٥٤٥٤ |
| ٨         | الجن       | ج.لا          | وَشُهْبَا  | ٥٤٥٥ |
| ٩         | الجن       | ج.لا          | رَّصَدًا   | ٥٤٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ١٠        | الجن       | ج.لا          | رَشَدًا     | ٥٤٥٧ |
| ١١        | الجن       | ج.لا          | قِدَّا      | ٥٤٥٨ |
| ١٢        | الجن       | ج.لا          | هَرَبَا     | ٥٤٥٩ |
| ١٣        | الجن       | ج.لا          | رَهَقَا     | ٥٤٦٠ |
| ١٤        | الجن       | صه            | رَشَدًا     | ٥٤٦١ |
| ١٥        | الجن       | صه.لا         | حَطَبَا     | ٥٤٦٢ |
| ١٦        | الجن       | لا            | غَدَقَا     | ٥٤٦٣ |
| ١٧        | الجن       | صه.لا         | صَعَدَا     | ٥٤٦٤ |
| ١٨        | الجن       | صه.لا         | أَحَدَا     | ٥٤٦٥ |
| ١٩        | الجن       | ط             | لِبَدَا     | ٥٤٦٦ |
| ٢٠        | الجن       | صه            | أَحَدَا     | ٥٤٦٧ |
| ٢١        | الجن       | صه            | رَشَدًا     | ٥٤٦٨ |
| ٢٢        | الجن       | لا            | مُلْتَحَدًا | ٥٤٦٩ |
| ٢٣        | الجن       | ط             | أَبَدًا     | ٥٤٧٠ |
| ٢٤        | الجن       | صه            | عَدَدًا     | ٥٤٧١ |
| ٢٥        | الجن       | صه            | أَمَدًا     | ٥٤٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢٦        | الجن       | لا            | أَحَدًا      | ٥٤٧٣ |
| ٢٧        | الجن       | لا            | رَصَدًا      | ٥٤٧٤ |
| ٢٨        | الجن       | صه            | عَدَدًا      | ٥٤٧٥ |
| ١         | المزمل     | لا            | الْمُزَمِّلُ | ٥٤٧٦ |
| ٢         | المزمل     | لا            | قَلِيلًا     | ٥٤٧٧ |
| ٣         | المزمل     | لا            | قَلِيلًا     | ٥٤٧٨ |
| ٤         | المزمل     | ط             | تَرْتِيلًا   | ٥٤٧٩ |
| ٥         | المزمل     | ط             | ثَقِيلًا     | ٥٤٨٠ |
| ٦         | المزمل     | ط             | قِيلًا       | ٥٤٨١ |
| ٧         | المزمل     | ط             | طَويلاً      | ٥٤٨٢ |
| ٨         | المزمل     | ط بلا         | تَبْتِيلًا   | ٥٤٨٣ |
| ٩         | المزمل     | صه            | وَكِيلًا     | ٥٤٨٤ |
| ١٠        | المزمل     | صه            | جَمِيلًا     | ٥٤٨٥ |
| ١١        | المزمل     | صه            | قَلِيلًا     | ٥٤٨٦ |
| ١٢        | المزمل     | لا            | وَجَحِيمًا   | ٥٤٨٧ |
| ١٣        | المزمل     | ق.لا          | أَيْمًا      | ٥٤٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٤        | المزمول    | صه            | مَهِيلًا     | ٥٤٨٩ |
| ١٥        | المزمول    | ط.لا          | رَسُولاً     | ٥٤٩٠ |
| ١٦        | المزمول    | ط             | وَبِيلًا     | ٥٤٩١ |
| ١٧        | المزمول    | صلي.ق.لا      | شِيبَا       | ٥٤٩٢ |
| ١٨        | المزمول    | صه            | مَفْعُولاً   | ٥٤٩٣ |
| ١٩        | المزمول    | صه            | سَبِيلًا     | ٥٤٩٤ |
| ٢٠        | المزمول    | صه            | رَّحِيمٌ     | ٥٤٩٥ |
| ١         | المدثر     | لا            | الْمُدَثَّرُ | ٥٤٩٦ |
| ٢         | المدثر     | ض.لا          | فَأَنذِرْ    | ٥٤٩٧ |
| ٣         | المدثر     | ض.لا          | فَكَبِيرٌ    | ٥٤٩٨ |
| ٤         | المدثر     | ض.لا          | فَظَهِيرٌ    | ٥٤٩٩ |
| ٥         | المدثر     | ض.لا          | فَاهْجُرْ    | ٥٥٠٠ |
| ٦         | المدثر     | ض.لا          | تَسْكُنْرُ   | ٥٥٠١ |
| ٧         | المدثر     | ط             | فَاصْبِرْ    | ٥٥٠٢ |
| ٨         | المدثر     | لا            | الْثَاقُورِ  | ٥٥٠٣ |
| ٩         | المدثر     | لا            | عَسِيرٌ      | ٥٥٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١٠        | المدثر     | صه            | يَسِيرٍ        | ٥٥٠٥ |
| ١١        | المدثر     | لا            | وَحِيدًا       | ٥٥٠٦ |
| ١٢        | المدثر     | لا            | مَمْدُودًا     | ٥٥٠٧ |
| ١٣        | المدثر     | لا            | شُهُودًا       | ٥٥٠٨ |
| ١٤        | المدثر     | لا            | تَمَهِيدًا     | ٥٥٠٩ |
| ١٥        | المدثر     | ق.لا          | أَزِيدَ        | ٥٥١٠ |
| ١٦        | المدثر     | ط             | عَيْدًا        | ٥٥١١ |
| ١٧        | المدثر     | ط             | صَعُودًا       | ٥٥١٢ |
| ١٨        | المدثر     | لا            | وَقَدَرَ       | ٥٥١٣ |
| ١٩        | المدثر     | لا            | قَدَرَ         | ٥٥١٤ |
| ٢٠        | المدثر     | لا            | قَدَرَ         | ٥٥١٥ |
| ٢١        | المدثر     | لا            | نَظَرَ         | ٥٥١٦ |
| ٢٢        | المدثر     | لا            | وَبَسَرَ       | ٥٥١٧ |
| ٢٣        | المدثر     | لا            | وَأَسْتَكْبَرَ | ٥٥١٨ |
| ٢٤        | المدثر     | لا            | يُؤْثِرُ       | ٥٥١٩ |
| ٢٥        | المدثر     | ط             | الْبَشَرِ      | ٥٥٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٢٦        | المدثر     | صه            | سَقَرَ         | ٥٥٢١ |
| ٢٧        | المدثر     | ط             | سَقَرُ         | ٥٥٢٢ |
| ٢٨        | المدثر     | ج             | تَذْرُ         | ٥٥٢٣ |
| ٢٩        | المدثر     | ج.صلي         | لِّلْبَشَرِ    | ٥٥٢٤ |
| ٣٠        | المدثر     | ط.لا          | عَشَرَ         | ٥٥٢٥ |
| ٣١        | المدثر     | ط             | لِّلْبَشَرِ    | ٥٥٢٦ |
| ٣٢        | المدثر     | لا            | وَالْقَمَرِ    | ٥٥٢٧ |
| ٣٣        | المدثر     | لا            | أَذْرَ         | ٥٥٢٨ |
| ٣٤        | المدثر     | لا            | أَسْفَرَ       | ٥٥٢٩ |
| ٣٥        | المدثر     | لا            | الْكُبَرِ      | ٥٥٣٠ |
| ٣٦        | المدثر     | لا            | لِّلْبَشَرِ    | ٥٥٣١ |
| ٣٧        | المدثر     | ط             | يَتَأَخَّرَ    | ٥٥٣٢ |
| ٣٨        | المدثر     | لا            | رَهِينَةً      | ٥٥٣٣ |
| ٣٩        | المدثر     | ث.ط           | الْيَمِينِ     | ٥٥٣٤ |
| ٤٠        | المدثر     | لا            | يَتَسَاءَلُونَ | ٥٥٣٥ |
| ٤١        | المدثر     | لا            | الْمُجْرِمِينَ | ٥٥٣٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٤٢        | المدثر     | صه            | سَقَرَ         | ٥٥٣٧ |
| ٤٣        | المدثر     | لا            | الْمُصَلِّينَ  | ٥٥٣٨ |
| ٤٤        | المدثر     | لا            | الْمِسْكِينَ   | ٥٥٣٩ |
| ٤٥        | المدثر     | لا            | الْحَاضِرِينَ  | ٥٥٤٠ |
| ٤٦        | المدثر     | لا            | الَّذِينَ      | ٥٥٤١ |
| ٤٧        | المدثر     | ط             | الْيَقِينُ     | ٥٥٤٢ |
| ٤٨        | المدثر     | ط             | الشَّفِيعَيْنَ | ٥٥٤٣ |
| ٤٩        | المدثر     | لا            | مُعْرِضِينَ    | ٥٥٤٤ |
| ٥٠        | المدثر     | لا            | مُسْتَنِفَرٌ   | ٥٥٤٥ |
| ٥١        | المدثر     | ط             | قَسْوَرَةٍ     | ٥٥٤٦ |
| ٥٢        | المدثر     | صه لا         | مُنَشَّرَةً    | ٥٥٤٧ |
| ٥٣        | المدثر     | ط             | الْآخِرَةُ     | ٥٥٤٨ |
| ٥٤        | المدثر     | ج             | تَذْكِرَةٌ     | ٥٥٤٩ |
| ٥٥        | المدثر     | ط             | ذَكَرُهُ       | ٥٥٥٠ |
| ٥٦        | المدثر     | صه            | الْمَغْفِرَةُ  | ٥٥٥١ |
| ١         | القيامة    | لا            | الْقِيَامَةُ   | ٥٥٥٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٢         | القيامة    | ط             | الْلَّوَامَةِ   | ٥٥٥٣ |
| ٣         | القيامة    | ط.لا          | عِظَامَهُ و     | ٥٥٥٤ |
| ٤         | القيامة    | صه            | بَنَانَهُ و     | ٥٥٥٥ |
| ٥         | القيامة    | ج             | أَمَامَهُ و     | ٥٥٥٦ |
| ٦         | القيامة    | ط.لا          | الْقِيَامَةِ    | ٥٥٥٧ |
| ٧         | القيامة    | لا            | الْبَصَرُ       | ٥٥٥٨ |
| ٨         | القيامة    | لا            | الْقَمَرُ       | ٥٥٥٩ |
| ٩         | القيامة    | لا            | وَالْقَمَرُ     | ٥٥٦٠ |
| ١٠        | القيامة    | ج.لا          | الْمَفَرُ       | ٥٥٦١ |
| ١١        | القيامة    | ج.ط           | وَزَرَ          | ٥٥٦٢ |
| ١٢        | القيامة    | ط             | الْمُسْتَقَرُ   | ٥٥٦٣ |
| ١٣        | القيامة    | ط             | وَآخَرَ         | ٥٥٦٤ |
| ١٤        | القيامة    | لا            | بَصِيرَةٌ       | ٥٥٦٥ |
| ١٥        | القيامة    | ط             | مَعَاذِيرَهُ و  | ٥٥٦٦ |
| ١٦        | القيامة    | ط             | بِهِ            | ٥٥٦٧ |
| ١٧        | القيامة    | ج.صلي         | وَقُرْءَانَهُ و | ٥٥٦٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٨        | القيامة    | ج.لا          | قُرْءَانَهُ و | ٥٥٦٩ |
| ١٩        | القيامة    | ط             | بَيَانَهُ و   | ٥٥٧٠ |
| ٢٠        | القيامة    | لا            | الْعَاجِلَةَ  | ٥٥٧١ |
| ٢١        | القيامة    | ط             | الْآخِرَةَ    | ٥٥٧٢ |
| ٢٢        | القيامة    | لا            | نَاضِرَةٌ     | ٥٥٧٣ |
| ٢٣        | القيامة    | ج             | نَاظِرَةٌ     | ٥٥٧٤ |
| ٢٤        | القيامة    | لا            | بَاسِرَةٌ     | ٥٥٧٥ |
| ٢٥        | القيامة    | ط             | فَاقِرَةٌ     | ٥٥٧٦ |
| ٢٦        | القيامة    | لا            | الْتَّرَاقِ   | ٥٥٧٧ |
| ٢٧        | القيامة    | لا            | رَاقِ         | ٥٥٧٨ |
| ٢٨        | القيامة    | لا            | الْفِرَاقُ    | ٥٥٧٩ |
| ٢٩        | القيامة    | لا            | بِالسَّاقِ    | ٥٥٨٠ |
| ٣٠        | القيامة    | ط             | الْمَسَاقُ    | ٥٥٨١ |
| ٣١        | القيامة    | صه.لا         | صَلَّ         | ٥٥٨٢ |
| ٣٢        | القيامة    | صه.لا         | وَتَوَلَّ     | ٥٥٨٣ |
| ٣٣        | القيامة    | ط             | يَتَمَطَّى    | ٥٥٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٣٤        | القيامة    | لا            | فَأَوْلَى    | ٥٥٨٥ |
| ٣٥        | القيامة    | ط             | فَأَوْلَى    | ٥٥٨٦ |
| ٣٦        | القيامة    | ط             | سُدًى        | ٥٥٨٧ |
| ٣٧        | القيامة    | لا            | يُمْنَى      | ٥٥٨٨ |
| ٣٨        | القيامة    | لا            | فَسَوَى      | ٥٥٨٩ |
| ٣٩        | القيامة    | ط             | وَالْأُنْثَى | ٥٥٩٠ |
| ٤٠        | القيامة    | صه            | الْمَوْتَىٰ  | ٥٥٩١ |
| ١         | الانسان    | صه            | مَذْكُورًا   | ٥٥٩٢ |
| ٢         | الانسان    | صه            | بَصِيرًا     | ٥٥٩٣ |
| ٣         | الانسان    | صه            | كُفُورًا     | ٥٥٩٤ |
| ٤         | الانسان    | صه            | وَسَعِيرًا   | ٥٥٩٥ |
| ٥         | الانسان    | ج.لا          | كَافُورًا    | ٥٥٩٦ |
| ٦         | الانسان    | صه.لا         | تَفْجِيرًا   | ٥٥٩٧ |
| ٧         | الانسان    | صه            | مُسْتَطِيرًا | ٥٥٩٨ |
| ٨         | الانسان    | لا            | وَأَسِيرًا   | ٥٥٩٩ |
| ٩         | الانسان    | صه            | شُكُورًا     | ٥٦٠٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٠        | الانسان    | صه            | قَمْطَرِيرًا | ٥٦٠١ |
| ١١        | الانسان    | ج             | وَسُرُورًا   | ٥٦٠٢ |
| ١٢        | الانسان    | لا            | وَحَرِيرًا   | ٥٦٠٣ |
| ١٣        | الانسان    | ج.لا          | زَمْهَرِيرًا | ٥٦٠٤ |
| ١٤        | الانسان    | صه            | تَذْلِيلًا   | ٥٦٠٥ |
| ١٥        | الانسان    | صه.لا         | قَوَارِيرًا  | ٥٦٠٦ |
| ١٦        | الانسان    | صه            | تَقْدِيرًا   | ٥٦٠٧ |
| ١٧        | الانسان    | ج.لا          | زَنْجِيلًا   | ٥٦٠٨ |
| ١٨        | الانسان    | صه            | سَلْسِيلًا   | ٥٦٠٩ |
| ١٩        | الانسان    | صه            | مَنْثُورًا   | ٥٦١٠ |
| ٢٠        | الانسان    | لا            | كَبِيرًا     | ٥٦١١ |
| ٢١        | الانسان    | صه            | ظَهُورًا     | ٥٦١٢ |
| ٢٢        | الانسان    | صه            | مَشْكُورًا   | ٥٦١٣ |
| ٢٣        | الانسان    | ج             | تَنْزِيلًا   | ٥٦١٤ |
| ٢٤        | الانسان    | ج             | كُفُورًا     | ٥٦١٥ |
| ٢٥        | الانسان    | ج.صلي         | وَأَصِيلًا   | ٥٦١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------|------|
| ٢٦        | الانسان    | صه            | طويلاً    | ٥٦١٧ |
| ٢٧        | الانسان    | صه            | ثقيلاً    | ٥٦١٨ |
| ٢٨        | الانسان    | صه            | تبديلاً   | ٥٦١٩ |
| ٢٩        | الانسان    | صه            | سيلاً     | ٥٦٢٠ |
| ٣٠        | الانسان    | صلي           | حكيماً    | ٥٦٢١ |
| ٣١        | الانسان    | صه            | أليماً    | ٥٦٢٢ |
| ١         | المرسلات   | لا            | عُرْفًا   | ٥٦٢٣ |
| ٢         | المرسلات   | لا            | عَصْفًا   | ٥٦٢٤ |
| ٣         | المرسلات   | لا            | نَشَرًا   | ٥٦٢٥ |
| ٤         | المرسلات   | لا            | فَرْقًا   | ٥٦٢٦ |
| ٥         | المرسلات   | لا            | ذِكْرًا   | ٥٦٢٧ |
| ٦         | المرسلات   | لا            | نُذْرًا   | ٥٦٢٨ |
| ٧         | المرسلات   | ط             | لَوَاقْعٌ | ٥٦٢٩ |
| ٨         | المرسلات   | لا            | طُمِسْتُ  | ٥٦٣٠ |
| ٩         | المرسلات   | لا            | فُرِجَتُ  | ٥٦٣١ |
| ١٠        | المرسلات   | لا            | نُسِفَتُ  | ٥٦٣٢ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ١١        | المرسلات   | ط بلا         | أَقِّتُ          | ٥٦٣٣ |
| ١٢        | المرسلات   | ط بلا         | أُجِّلْتُ        | ٥٦٣٤ |
| ١٣        | المرسلات   | ج             | الْفَضْلِ        | ٥٦٣٥ |
| ١٤        | المرسلات   | ط             | الْفَضْلِ        | ٥٦٣٦ |
| ١٥        | المرسلات   | صه            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٣٧ |
| ١٦        | المرسلات   | ط             | الْأَوَّلَيْنَ   | ٥٦٣٨ |
| ١٧        | المرسلات   | صه            | الْآخِرِينَ      | ٥٦٣٩ |
| ١٨        | المرسلات   | صه            | بِالْمُجْرِمِينَ | ٥٦٤٠ |
| ١٩        | المرسلات   | صه            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٤١ |
| ٢٠        | المرسلات   | لا            | مَّهِينِ         | ٥٦٤٢ |
| ٢١        | المرسلات   | لا            | مَّكِينِ         | ٥٦٤٣ |
| ٢٢        | المرسلات   | لا            | مَعْلُومٍ        | ٥٦٤٤ |
| ٢٣        | المرسلات   | صه            | الْقَادِرُونَ    | ٥٦٤٥ |
| ٢٤        | المرسلات   | صه            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٤٦ |
| ٢٥        | المرسلات   | لا            | كِفَاتًا         | ٥٦٤٧ |
| ٢٦        | المرسلات   | لا            | وَأَمَوَاتًا     | ٥٦٤٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------------|------|
| ٢٧        | المرسلات   | ط             | فُرَاتًا          | ٥٦٤٩ |
| ٢٨        | المرسلات   | صه            | لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٥٠ |
| ٢٩        | المرسلات   | ج.لا          | تُكَذِّبُونَ      | ٥٦٥١ |
| ٣٠        | المرسلات   | لا            | شَعِبٌ            | ٥٦٥٢ |
| ٣١        | المرسلات   | ط             | اللَّهَبِ         | ٥٦٥٣ |
| ٣٢        | المرسلات   | ج.لا          | كَالْقَصْرِ       | ٥٦٥٤ |
| ٣٣        | المرسلات   | ط.لا          | صُفْرُ            | ٥٦٥٥ |
| ٣٤        | المرسلات   | صه            | لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٥٦ |
| ٣٥        | المرسلات   | لا            | يَنْطِقُونَ       | ٥٦٥٧ |
| ٣٦        | المرسلات   | صه            | فَيَعْتَذِرُونَ   | ٥٦٥٨ |
| ٣٧        | المرسلات   | صه            | لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٥٩ |
| ٣٨        | المرسلات   | لا            | وَالْأَوَّلِينَ   | ٥٦٦٠ |
| ٣٩        | المرسلات   | صه            | فَكِيدُونِ        | ٥٦٦١ |
| ٤٠        | المرسلات   | صه            | لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٦٢ |
| ٤١        | المرسلات   | لا            | وَعُيُونِ         | ٥٦٦٣ |
| ٤٢        | المرسلات   | ط             | يَشَهُونَ         | ٥٦٦٤ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٤٣        | المرسلات   | صه            | تَعْمَلُونَ      | ٥٦٦٥ |
| ٤٤        | المرسلات   | صه            | الْمُحْسِنِينَ   | ٥٦٦٦ |
| ٤٥        | المرسلات   | صه            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٦٧ |
| ٤٦        | المرسلات   | صه            | مُجْرِمُونَ      | ٥٦٦٨ |
| ٤٧        | المرسلات   | صه            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٦٩ |
| ٤٨        | المرسلات   | صه            | يَرَكُونَ        | ٥٦٧٠ |
| ٤٩        | المرسلات   | صه            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٦٧١ |
| ٥٠        | المرسلات   | صه            | يُؤْمِنُونَ      | ٥٦٧٢ |
| ١         | النَّبَأ   | ج.لا          | يَتَسَاءَلُونَ   | ٥٦٧٣ |
| ٢         | النَّبَأ   | لا            | الْعَظِيمُ       | ٥٦٧٤ |
| ٣         | النَّبَأ   | ط             | مُخْتَلِفُونَ    | ٥٦٧٥ |
| ٤         | النَّبَأ   | لا            | سَيَعْلَمُونَ    | ٥٦٧٦ |
| ٥         | النَّبَأ   | صه            | سَيَعْلَمُونَ    | ٥٦٧٧ |
| ٦         | النَّبَأ   | لا            | مِهَادًا         | ٥٦٧٨ |
| ٧         | النَّبَأ   | ض.لا          | أَوْتَادًا       | ٥٦٧٩ |
| ٨         | النَّبَأ   | لا            | أَزْوَاجًا       | ٥٦٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية  | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------|------|
| ٩         | النَّبِيُّ | لا            | سُبَّاتًا  | ٥٦٨١ |
| ١٠        | النَّبِيُّ | لا            | لِبَاسًا   | ٥٦٨٢ |
| ١١        | النَّبِيُّ | ض.لا          | مَعَاشًا   | ٥٦٨٣ |
| ١٢        | النَّبِيُّ | لا            | شِدَادًا   | ٥٦٨٤ |
| ١٣        | النَّبِيُّ | ض.لا          | وَهَاجًَا  | ٥٦٨٥ |
| ١٤        | النَّبِيُّ | لا            | ثَجَاجًا   | ٥٦٨٦ |
| ١٥        | النَّبِيُّ | لا            | وَنَبَاتًا | ٥٦٨٧ |
| ١٦        | النَّبِيُّ | ط             | أَلْفَافًا | ٥٦٨٨ |
| ١٧        | النَّبِيُّ | لا            | مِيقَاتًا  | ٥٦٨٩ |
| ١٨        | النَّبِيُّ | لا            | أَفْوَاجًا | ٥٦٩٠ |
| ١٩        | النَّبِيُّ | لا            | أَبُوابًا  | ٥٦٩١ |
| ٢٠        | النَّبِيُّ | ط             | سَرَابًا   | ٥٦٩٢ |
| ٢١        | النَّبِيُّ | ض.لا          | مِرْصَادًا | ٥٦٩٣ |
| ٢٢        | النَّبِيُّ | لا            | مَئَابًا   | ٥٦٩٤ |
| ٢٣        | النَّبِيُّ | ج             | أَحْقَابًا | ٥٦٩٥ |
| ٢٤        | النَّبِيُّ | لا            | شَرَابًا   | ٥٦٩٦ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢٥        | النَّبِيُّ | لا            | وَغَسَاقًا   | ٥٦٩٧ |
| ٢٦        | النَّبِيُّ | ط             | وِفَاقًا     | ٥٦٩٨ |
| ٢٧        | النَّبِيُّ | لا            | حِسَابًا     | ٥٦٩٩ |
| ٢٨        | النَّبِيُّ | ط             | كِذَابًا     | ٥٧٠٠ |
| ٢٩        | النَّبِيُّ | صه لا         | كِتَابًا     | ٥٧٠١ |
| ٣٠        | النَّبِيُّ | صه            | عَذَابًا     | ٥٧٠٢ |
| ٣١        | النَّبِيُّ | لا            | مَفَازًا     | ٥٧٠٣ |
| ٣٢        | النَّبِيُّ | لا            | وَأَعْنَابًا | ٥٧٠٤ |
| ٣٣        | النَّبِيُّ | لا            | أَثْرَابًا   | ٥٧٠٥ |
| ٣٤        | النَّبِيُّ | ط بلا         | دِهَاقًا     | ٥٧٠٦ |
| ٣٥        | النَّبِيُّ | ج             | كِذَابًا     | ٥٧٠٧ |
| ٣٦        | النَّبِيُّ | ط بلا         | حِسَابًا     | ٥٧٠٨ |
| ٣٧        | النَّبِيُّ | ج. لا         | خِطَابًا     | ٥٧٠٩ |
| ٣٨        | النَّبِيُّ | صه            | صَوَابًا     | ٥٧١٠ |
| ٣٩        | النَّبِيُّ | صه            | مَعَابًا     | ٥٧١١ |
| ٤٠        | النَّبِيُّ | صه            | ثُرَابًا     | ٥٧١٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ١         | النازعات   | لا            | غَرْقاً        | ٥٧١٣ |
| ٢         | النازعات   | لا            | نَشَطاً        | ٥٧١٤ |
| ٣         | النازعات   | لا            | سَبِحَا        | ٥٧١٥ |
| ٤         | النازعات   | لا            | سَبُقَا        | ٥٧١٦ |
| ٥         | النازعات   | لام           | أَمْرًا        | ٥٧١٧ |
| ٦         | النازعات   | لا            | الرَّاجِفَةُ   | ٥٧١٨ |
| ٧         | النازعات   | ط             | الرَّادِفَةُ   | ٥٧١٩ |
| ٨         | النازعات   | لا            | وَاجِفَةً      | ٥٧٢٠ |
| ٩         | النازعات   | م             | خَشِعَةً       | ٥٧٢١ |
| ١٠        | النازعات   | ط بلا         | الْحَافِرَةُ   | ٥٧٢٢ |
| ١١        | النازعات   | ط             | نَخِرَةً       | ٥٧٢٣ |
| ١٢        | النازعات   | لام           | خَاسِرَةً      | ٥٧٢٤ |
| ١٣        | النازعات   | لا            | وَاحِدَةً      | ٥٧٢٥ |
| ١٤        | النازعات   | ط             | بِالسَّاهِرَةِ | ٥٧٢٦ |
| ١٥        | النازعات   | لام           | مُوسَى         | ٥٧٢٧ |
| ١٦        | النازعات   | ج             | طُوَّى         | ٥٧٢٨ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية     | ت    |
|-----------|------------|---------------|---------------|------|
| ١٧        | النازعات   | ز.صلي.لا      | طَعْنٍ        | ٥٧٢٩ |
| ١٨        | النازعات   | لا            | تَرَكَّى      | ٥٧٣٠ |
| ١٩        | النازعات   | ج             | فَتَخَشِّى    | ٥٧٣١ |
| ٢٠        | النازعات   | ز.صلي.لا      | الْكُبْرَى    | ٥٧٣٢ |
| ٢١        | النازعات   | ز.صلي.لا      | وَعَصَى       | ٥٧٣٣ |
| ٢٢        | النازعات   | ز.صلي.لا      | يَسْعَى       | ٥٧٣٤ |
| ٢٣        | النازعات   | ز.صلي.لا      | فَنَادَى      | ٥٧٣٥ |
| ٢٤        | النازعات   | ز.صلي.لا      | الْأَعْلَى    | ٥٧٣٦ |
| ٢٥        | النازعات   | ط             | وَالْأُولَى   | ٥٧٣٧ |
| ٢٦        | النازعات   | ط             | يَخْشَى       | ٥٧٣٨ |
| ٢٧        | النازعات   | قف.لا.وقفة    | بَنَدَهَا     | ٥٧٣٩ |
| ٢٨        | النازعات   | لا            | فَسَوَّنَهَا  | ٥٧٤٠ |
| ٢٩        | النازعات   | ض             | صُحِّنَهَا    | ٥٧٤١ |
| ٣٠        | النازعات   | ط.لا          | دَحِّنَهَا    | ٥٧٤٢ |
| ٣١        | النازعات   | ض.لا          | وَمَرْعَنَهَا | ٥٧٤٣ |
| ٣٢        | النازعات   | لا            | أَرْسَلَهَا   | ٥٧٤٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية          | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------------|------|
| ٣٣        | النازعات   | ط             | وَلَا نَعْمِلُكُمْ | ٥٧٤٥ |
| ٣٤        | النازعات   | ز.صلي.لا      | الْكُبَرَى         | ٥٧٤٦ |
| ٣٥        | النازعات   | لا            | سَعَىٰ             | ٥٧٤٧ |
| ٣٦        | النازعات   | صه            | يَرَىٰ             | ٥٧٤٨ |
| ٣٧        | النازعات   | لا            | طَغَىٰ             | ٥٧٤٩ |
| ٣٨        | النازعات   | لا            | الْدُّنْيَا        | ٥٧٥٠ |
| ٣٩        | النازعات   | ط             | الْمَأْوَىٰ        | ٥٧٥١ |
| ٤٠        | النازعات   | لا            | الْهَوَىٰ          | ٥٧٥٢ |
| ٤١        | النازعات   | ط             | الْمَأْوَىٰ        | ٥٧٥٣ |
| ٤٢        | النازعات   | ط             | مُرْسَلَهَا        | ٥٧٥٤ |
| ٤٣        | النازعات   | ط             | ذِكْرَهَا          | ٥٧٥٥ |
| ٤٤        | النازعات   | ط             | مُنْتَهَهَا        | ٥٧٥٦ |
| ٤٥        | النازعات   | ط             | يَخْشَلَهَا        | ٥٧٥٧ |
| ٤٦        | النازعات   | صه            | ضُحَّلَهَا         | ٥٧٥٨ |
| ١         | عبس        | لا            | وَتَوَلَّ          | ٥٧٥٩ |
| ٢         | عبس        | ط             | الْأَعْمَىٰ        | ٥٧٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٣         | عبس        | لا            | يَرَى        | ٥٧٦١ |
| ٤         | عبس        | ط             | الذِّكْرِ    | ٥٧٦٢ |
| ٥         | عبس        | لا            | أَسْتَغْفِي  | ٥٧٦٣ |
| ٦         | عبس        | ط.لا          | تَصَدَّى     | ٥٧٦٤ |
| ٧         | عبس        | ط             | يَرَى        | ٥٧٦٥ |
| ٨         | عبس        | لا            | يَسْعَى      | ٥٧٦٦ |
| ٩         | عبس        | لا            | يَخْشَى      | ٥٧٦٧ |
| ١٠        | عبس        | ج.لا          | تَلَهَّى     | ٥٧٦٨ |
| ١١        | عبس        | ج             | تَذَكِّرَةٌ  | ٥٧٦٩ |
| ١٢        | عبس        | لام           | ذَكَرَهُ     | ٥٧٧٠ |
| ١٣        | عبس        | لا            | مُّكَرَّمَةٌ | ٥٧٧١ |
| ١٤        | عبس        | لا            | مُّطَهَّرَةٌ | ٥٧٧٢ |
| ١٥        | عبس        | لا            | سَفَرَةٌ     | ٥٧٧٣ |
| ١٦        | عبس        | ط             | بَرَّةٌ      | ٥٧٧٤ |
| ١٧        | عبس        | ط             | أَكْفَرَهُ   | ٥٧٧٥ |
| ١٨        | عبس        | ط             | خَلَقَهُ     | ٥٧٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية        | ت    | علامات_المصحف | اسم_السورة | رقم_الآية |
|------------------|------|---------------|------------|-----------|
| فَقَدَرَهُ و     | ٥٧٧٧ | لا            | عبس        | ١٩        |
| يَسِّرَهُ و      | ٥٧٧٨ | لا            | عبس        | ٢٠        |
| فَأَقْبَرَهُ و   | ٥٧٧٩ | صهـ لا        | عبس        | ٢١        |
| أَذْشَرَهُ و     | ٥٧٨٠ | طـ            | عبس        | ٢٢        |
| أَمْرَهُ و       | ٥٧٨١ | طـ            | عبس        | ٢٣        |
| طَعَامِهـ        | ٥٧٨٢ | صهـ لا        | عبس        | ٢٤        |
| صَبَّا           | ٥٧٨٣ | لا            | عبس        | ٢٥        |
| شَقَّا           | ٥٧٨٤ | لا            | عبس        | ٢٦        |
| حَبَّا           | ٥٧٨٥ | لا            | عبس        | ٢٧        |
| وَقَضَبَا        | ٥٧٨٦ | لا            | عبس        | ٢٨        |
| وَنَخَلَا        | ٥٧٨٧ | لا            | عبس        | ٢٩        |
| غُلْبَا          | ٥٧٨٨ | لا            | عبس        | ٣٠        |
| وَأَبَّا         | ٥٧٨٩ | لا            | عبس        | ٣١        |
| وَلَا نَعِمِكُمْ | ٥٧٩٠ | طـ            | عبس        | ٣٢        |
| الصَّاخَةُ       | ٥٧٩١ | زـ لا         | عبس        | ٣٣        |
| أَخِيهـ          | ٥٧٩٢ | لا            | عبس        | ٣٤        |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رؤس الآية      | ت    |
|-----------|------------|---------------|----------------|------|
| ٣٥        | عبس        | لا            | وَأَبِيهِ      | ٥٧٩٣ |
| ٣٦        | عبس        | ط.لا          | وَبَنِيهِ      | ٥٧٩٤ |
| ٣٧        | عبس        | ط             | يُغْنِيهِ      | ٥٧٩٥ |
| ٣٨        | عبس        | لا            | مُسْفِرَةٌ     | ٥٧٩٦ |
| ٣٩        | عبس        | ج             | مُسْتَبْشِرَةٌ | ٥٧٩٧ |
| ٤٠        | عبس        | لا            | غَبَرَةٌ       | ٥٧٩٨ |
| ٤١        | عبس        | ط             | قَتَرَةٌ       | ٥٧٩٩ |
| ٤٢        | عبس        | صه            | الْفَجَرَةُ    | ٥٨٠٠ |
| ١         | التكوير    | ض.لا          | كُورَتُ        | ٥٨٠١ |
| ٢         | التكوير    | ض.لا          | أَنْكَدَرَتُ   | ٥٨٠٢ |
| ٣         | التكوير    | ض.لا          | سُيرَتُ        | ٥٨٠٣ |
| ٤         | التكوير    | ض.لا          | عُطِّلَتُ      | ٥٨٠٤ |
| ٥         | التكوير    | ض.لا          | حُشِّرَتُ      | ٥٨٠٥ |
| ٦         | التكوير    | ض.لا          | سُجِّرَتُ      | ٥٨٠٦ |
| ٧         | التكوير    | ض.لا          | زُوّجَتُ       | ٥٨٠٧ |
| ٨         | التكوير    | ض.لا          | سُلِّتُ        | ٥٨٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٩         | التكوين    | ج.لا          | قُتِلتُ     | ٥٨٠٩ |
| ١٠        | التكوين    | ض.لا          | نُشِرتُ     | ٥٨١٠ |
| ١١        | التكوين    | ض.لا          | كُشِطَتُ    | ٥٨١١ |
| ١٢        | التكوين    | ض.لا          | سُعِرتُ     | ٥٨١٢ |
| ١٣        | التكوين    | ض.لا          | أُزْلِفَتُ  | ٥٨١٣ |
| ١٤        | التكوين    | ط             | أَحْضَرَتُ  | ٥٨١٤ |
| ١٥        | التكوين    | لا            | بِالْحُكْمِ | ٥٨١٥ |
| ١٦        | التكوين    | لا            | الْكُنْسِ   | ٥٨١٦ |
| ١٧        | التكوين    | لا            | عَسْعَسَ    | ٥٨١٧ |
| ١٨        | التكوين    | لا            | تَنَفَّسَ   | ٥٨١٨ |
| ١٩        | التكوين    | لا            | كَرِيمِ     | ٥٨١٩ |
| ٢٠        | التكوين    | لا            | مَكِينِ     | ٥٨٢٠ |
| ٢١        | التكوين    | ط             | أَمِينِ     | ٥٨٢١ |
| ٢٢        | التكوين    | ج             | بِمَجْنُونِ | ٥٨٢٢ |
| ٢٣        | التكوين    | ج             | الْمُبِينِ  | ٥٨٢٣ |
| ٢٤        | التكوين    | ج             | بِضَنِينِ   | ٥٨٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٢٥        | النکویر    | ج.لا          | رَّحِيمٌ     | ٥٨٢٥ |
| ٢٦        | النکویر    | ج.ط           | تَذَهَّبُونَ | ٥٨٢٦ |
| ٢٧        | النکویر    | لا            | لِّعَلَمِينَ | ٥٨٢٧ |
| ٢٨        | النکویر    | ط             | يَسْتَقِيمَ  | ٥٨٢٨ |
| ٢٩        | النکویر    | صه            | الْعَلَمِينَ | ٥٨٢٩ |
| ١         | الانفطار   | لا            | أَنْفَطَرَتْ | ٥٨٣٠ |
| ٢         | الانفطار   | لا            | أَنْتَشَرَتْ | ٥٨٣١ |
| ٣         | الانفطار   | لا            | فُجِّرَتْ    | ٥٨٣٢ |
| ٤         | الانفطار   | لا            | بُعْثَرَتْ   | ٥٨٣٣ |
| ٥         | الانفطار   | ط             | وَأَخَرَتْ   | ٥٨٣٤ |
| ٦         | الانفطار   | لا            | الْكَرِيم    | ٥٨٣٥ |
| ٧         | الانفطار   | لا            | فَعَدَلَكَ   | ٥٨٣٦ |
| ٨         | الانفطار   | ط.لا          | رَكَبَكَ     | ٥٨٣٧ |
| ٩         | الانفطار   | لا            | بِالْدِينِ   | ٥٨٣٨ |
| ١٠        | الانفطار   | لا            | لَحِظِينَ    | ٥٨٣٩ |
| ١١        | الانفطار   | لا            | كَاتِبِينَ   | ٥٨٤٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الآيَةِ   | عَلَاماتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ الْسُورَةِ وَرَقْمُهَا | ت    |
|------------------|------------------------|-------------------------------|------|
| تَفْعَلُونَ      | صه                     | الانفطار                      | ٥٨٤١ |
| نَعِيمٌ          | ج                      | الانفطار                      | ٥٨٤٢ |
| جَحِيمٌ          | ج.صلي.لا               | الانفطار                      | ٥٨٤٣ |
| الْدِينِ         | ج.لا                   | الانفطار                      | ٥٨٤٤ |
| بِغَايَبِينَ     | ط                      | الانفطار                      | ٥٨٤٥ |
| الْدِينِ         | لا                     | الانفطار                      | ٥٨٤٦ |
| الْدِينِ         | ط                      | الانفطار                      | ٥٨٤٧ |
| لِلَّهِ          | صه                     | الانفطار                      | ٥٨٤٨ |
| لِلْمُطَفِّفِينَ | لا                     | المطففين                      | ٥٨٤٩ |
| يَسْتَوْفُونَ    | ز.صلي.لا               | المطففين                      | ٥٨٥٠ |
| يُخْسِرُونَ      | ط                      | المطففين                      | ٥٨٥١ |
| مَبْعُوثُونَ     | لا                     | المطففين                      | ٥٨٥٢ |
| عَظِيمٌ          | لا                     | المطففين                      | ٥٨٥٣ |
| الْعَالَمِينَ    | ط                      | المطففين                      | ٥٨٥٤ |
| سِجِّينٌ         | ط                      | المطففين                      | ٥٨٥٥ |
| سِجِّينُ         | ط.لا                   | المطففين                      | ٥٨٥٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٩         | المطففين   | ط             | مَرْقُومٌ        | ٥٨٥٧ |
| ١٠        | المطففين   | لا            | لِلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٨ |
| ١١        | المطففين   | ط             | الَّذِينَ        | ٥٨٥٩ |
| ١٢        | المطففين   | لا            | أَثِيمٍ          | ٥٨٦٠ |
| ١٣        | المطففين   | ط             | الْأَوَّلِينَ    | ٥٨٦١ |
| ١٤        | المطففين   | صه            | يَكُسِبُونَ      | ٥٨٦٢ |
| ١٥        | المطففين   | ط             | لَمْ حَجُوْبُونَ | ٥٨٦٣ |
| ١٦        | المطففين   | ط             | الْجَحِيمُ       | ٥٨٦٤ |
| ١٧        | المطففين   | ط             | تُكَذِّبُونَ     | ٥٨٦٥ |
| ١٨        | المطففين   | ط             | عِلِّيَّينَ      | ٥٨٦٦ |
| ١٩        | المطففين   | ط.لا          | عِلِّيُّونَ      | ٥٨٦٧ |
| ٢٠        | المطففين   | لا            | مَرْقُومٌ        | ٥٨٦٨ |
| ٢١        | المطففين   | ط             | الْمُقَرَّبُونَ  | ٥٨٦٩ |
| ٢٢        | المطففين   | لا            | نَعِيمٍ          | ٥٨٧٠ |
| ٢٣        | المطففين   | لا            | يَنْظُرُونَ      | ٥٨٧١ |
| ٢٤        | المطففين   | ج.لا          | الْنَّعِيمُ      | ٥٨٧٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم السورة | اسم المصاحف | علامات المصاحف | رأس الآية         | ت    |
|-----------|------------|-------------|----------------|-------------------|------|
| ٢٥        | المطففين   |             | لا             | مَخْتُومٍ         | ٥٨٧٣ |
| ٢٦        | المطففين   |             | ط              | الْمُتَنَفِّسُونَ | ٥٨٧٤ |
| ٢٧        | المطففين   |             | لا             | تَسْنِيمٍ         | ٥٨٧٥ |
| ٢٨        | المطففين   |             | ط              | الْمُقَرَّبُونَ   | ٥٨٧٦ |
| ٢٩        | المطففين   |             | ز. صلي. لا     | يَضْحَكُونَ       | ٥٨٧٧ |
| ٣٠        | المطففين   |             | ز. صلي. لا     | يَتَغَامِزُونَ    | ٥٨٧٨ |
| ٣١        | المطففين   |             | ز. صلي. لا     | فَكِهِينَ         | ٥٨٧٩ |
| ٣٢        | المطففين   |             | لا             | لَضَالُونَ        | ٥٨٨٠ |
| ٣٣        | المطففين   |             | ط              | حَفِظِينَ         | ٥٨٨١ |
| ٣٤        | المطففين   |             | لا             | يَضْحَكُونَ       | ٥٨٨٢ |
| ٣٥        | المطففين   |             | ط. لا          | يَنْظُرُونَ       | ٥٨٨٣ |
| ٣٦        | المطففين   |             | صه             | يَفْعَلُونَ       | ٥٨٨٤ |
| ١         | الانشقاق   |             | لا             | أَنْشَقَتْ        | ٥٨٨٥ |
| ٢         | الانشقاق   |             | لا             | وَحْقَتْ          | ٥٨٨٦ |
| ٣         | الانشقاق   |             | لا             | مُدَّتْ           | ٥٨٨٧ |
| ٤         | الانشقاق   |             | لا             | وَتَحَلَّتْ       | ٥٨٨٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٥         | الانشقاق   | ط             | وَحْقَّتْ    | ٥٨٨٩ |
| ٦         | الانشقاق   | ج             | فَمُلَاقِيهِ | ٥٨٩٠ |
| ٧         | الانشقاق   | لا            | بِيمِينِهِ   | ٥٨٩١ |
| ٨         | الانشقاق   | لا            | يَسِيرًا     | ٥٨٩٢ |
| ٩         | الانشقاق   | ط             | مَسْرُورًا   | ٥٨٩٣ |
| ١٠        | الانشقاق   | لا            | ظَهِيرَةٍ    | ٥٨٩٤ |
| ١١        | الانشقاق   | لا            | ثُورَا       | ٥٨٩٥ |
| ١٢        | الانشقاق   | ط.لا          | سَعِيرًا     | ٥٨٩٦ |
| ١٣        | الانشقاق   | ط             | مَسْرُورًا   | ٥٨٩٧ |
| ١٤        | الانشقاق   | ث.ج.لا        | يَحْوَرَ     | ٥٨٩٨ |
| ١٥        | الانشقاق   | ط             | بَصِيرًا     | ٥٨٩٩ |
| ١٦        | الانشقاق   | لا            | بِالشَّفَقِ  | ٥٩٠٠ |
| ١٧        | الانشقاق   | لا            | وَسَقَ       | ٥٩٠١ |
| ١٨        | الانشقاق   | لا            | أَتَسَقَ     | ٥٩٠٢ |
| ١٩        | الانشقاق   | ط.لا          | طَبَقِ       | ٥٩٠٣ |
| ٢٠        | الانشقاق   | لا            | يُؤْمِنُونَ  | ٥٩٠٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية    | علامات المصحف | اسم السورة رقم الآية | ت    |
|--------------|---------------|----------------------|------|
| يَسْجُدُونَ  | ط             | الانشقاق ٢١          | ٥٩٠٥ |
| يُكَذِّبُونَ | ز.صلي.لا      | الانشقاق ٢٢          | ٥٩٠٦ |
| يُوْعُونَ    | ز.صلي         | الانشقاق ٢٣          | ٥٩٠٧ |
| أَلَيْمٌ     | صه.لا         | الانشقاق ٢٤          | ٥٩٠٨ |
| مَمْنُونٌ    | صه            | الانشقاق ٢٥          | ٥٩٠٩ |
| الْبُرُوج    | لا            | البروج ١             | ٥٩١٠ |
| الْمَوْعُودٌ | لا            | البروج ٢             | ٥٩١١ |
| وَمَشْهُورٍ  | ط.لا          | البروج ٣             | ٥٩١٢ |
| الْأَخْدُودٍ | لا            | البروج ٤             | ٥٩١٣ |
| الْوَقْدٌ    | لا            | البروج ٥             | ٥٩١٤ |
| قُوْدٌ       | لا            | البروج ٦             | ٥٩١٥ |
| شُهُودٌ      | ط             | البروج ٧             | ٥٩١٦ |
| الْحَمِيدٌ   | لا            | البروج ٨             | ٥٩١٧ |
| شَهِيدٌ      | ط             | البروج ٩             | ٥٩١٨ |
| الْخَرِيقٌ   | ط             | البروج ١٠            | ٥٩١٩ |
| الْكَبِيرٌ   | ط             | البروج ١١            | ٥٩٢٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٢        | البروج     | ط             | لَشَدِيدُ    | ٥٩٢١ |
| ١٣        | البروج     | ج             | وَرِيعِيدُ   | ٥٩٢٢ |
| ١٤        | البروج     | لا            | الْوَدُودُ   | ٥٩٢٣ |
| ١٥        | البروج     | لا            | الْمَجِيدُ   | ٥٩٢٤ |
| ١٦        | البروج     | ط             | يُرِيدُ      | ٥٩٢٥ |
| ١٧        | البروج     | لا            | الْجَنُونِ   | ٥٩٢٦ |
| ١٨        | البروج     | ط             | وَثَمُودَ    | ٥٩٢٧ |
| ١٩        | البروج     | لا            | تَكْذِيبٍ    | ٥٩٢٨ |
| ٢٠        | البروج     | ج             | مُحِيطٌ      | ٥٩٢٩ |
| ٢١        | البروج     | لا            | مَحِيدُ      | ٥٩٣٠ |
| ٢٢        | البروج     | صه            | مَحْفُوظٌ    | ٥٩٣١ |
| ١         | الطارق     | لا            | وَالظَّارِقِ | ٥٩٣٢ |
| ٢         | الطارق     | لا            | الظَّارِقُ   | ٥٩٣٣ |
| ٣         | الطارق     | لا            | الثَّاقِبُ   | ٥٩٣٤ |
| ٤         | الطارق     | ط             | حَافِظُ      | ٥٩٣٥ |
| ٥         | الطارق     | ط             | خُلِقَ       | ٥٩٣٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٦         | الطارق     | لا            | دَافِقٍ         | ٥٩٣٧ |
| ٧         | الطارق     | ط             | وَالْتَّرَاءِبِ | ٥٩٣٨ |
| ٨         | الطارق     | ط.لا          | لَقَادِرُ       | ٥٩٣٩ |
| ٩         | الطارق     | لا            | السَّرَّايرُ    | ٥٩٤٠ |
| ١٠        | الطارق     | ط             | نَاصِرٍ         | ٥٩٤١ |
| ١١        | الطارق     | لا            | الرَّجْعُ       | ٥٩٤٢ |
| ١٢        | الطارق     | لا            | الصَّدْعُ       | ٥٩٤٣ |
| ١٣        | الطارق     | لا            | فَصْلٌ          | ٥٩٤٤ |
| ١٤        | الطارق     | ط             | بِالْهَزْلِ     | ٥٩٤٥ |
| ١٥        | الطارق     | لا            | كَيْدَا         | ٥٩٤٦ |
| ١٦        | الطارق     | ج.صلي         | كَيْدَا         | ٥٩٤٧ |
| ١٧        | الطارق     | صه            | رُوَيْدَا       | ٥٩٤٨ |
| ١         | الأعلى     | لا            | الْأَعْلَى      | ٥٩٤٩ |
| ٢         | الأعلى     | ض.لا          | فَسَوَى         | ٥٩٥٠ |
| ٣         | الأعلى     | ض.لا          | فَهَدَى         | ٥٩٥١ |
| ٤         | الأعلى     | ض.لا          | الْمَرْعَى      | ٥٩٥٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ٥         | الأعلى     | ط             | أَحْوَى      | ٥٩٥٣ |
| ٦         | الأعلى     | لا            | تَنَسَّى     | ٥٩٥٤ |
| ٧         | الأعلى     | ط             | يَخْفَى      | ٥٩٥٥ |
| ٨         | الأعلى     | ج.صلي         | لِلْيُسْرَىٰ | ٥٩٥٦ |
| ٩         | الأعلى     | ط             | الذِكْرَىٰ   | ٥٩٥٧ |
| ١٠        | الأعلى     | لا            | يَخْشَىٰ     | ٥٩٥٨ |
| ١١        | الأعلى     | لا            | الآثَقَىٰ    | ٥٩٥٩ |
| ١٢        | الأعلى     | ج.لا          | الْكُبُرَىٰ  | ٥٩٦٠ |
| ١٣        | الأعلى     | ط             | يَحْيَىٰ     | ٥٩٦١ |
| ١٤        | الأعلى     | لا            | تَرَكَىٰ     | ٥٩٦٢ |
| ١٥        | الأعلى     | ط             | فَصَلَىٰ     | ٥٩٦٣ |
| ١٦        | الأعلى     | ز.صلي.لا      | الدُّنْيَا   | ٥٩٦٤ |
| ١٧        | الأعلى     | ط             | وَأَبْقَىٰ   | ٥٩٦٥ |
| ١٨        | الأعلى     | لا            | الْأُولَىٰ   | ٥٩٦٦ |
| ١٩        | الأعلى     | صه            | وَمُوسَىٰ    | ٥٩٦٧ |
| ١         | الغاشية    | ط             | الْغَاشِيَةِ | ٥٩٦٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٢         | الغاشية    | لا            | خَشِعَةُ    | ٥٩٦٩ |
| ٣         | الغاشية    | لا            | نَاصِبَةُ   | ٥٩٧٠ |
| ٤         | الغاشية    | لا            | حَامِيَةً   | ٥٩٧١ |
| ٥         | الغاشية    | ط             | ءَانِيَةٌ   | ٥٩٧٢ |
| ٦         | الغاشية    | لا            | ضَرِيع      | ٥٩٧٣ |
| ٧         | الغاشية    | ط             | جُوع        | ٥٩٧٤ |
| ٨         | الغاشية    | لا            | نَاعِمَةُ   | ٥٩٧٥ |
| ٩         | الغاشية    | لا            | رَاضِيَةُ   | ٥٩٧٦ |
| ١٠        | الغاشية    | لا            | عَالِيَةٌ   | ٥٩٧٧ |
| ١١        | الغاشية    | ط             | لَغِيَةٌ    | ٥٩٧٨ |
| ١٢        | الغاشية    | م             | جَارِيَةٌ   | ٥٩٧٩ |
| ١٣        | الغاشية    | لا            | مَرْفُوعَةٌ | ٥٩٨٠ |
| ١٤        | الغاشية    | لا            | مَوْضُوعَةٌ | ٥٩٨١ |
| ١٥        | الغاشية    | لا            | مَصْفُوفَةٌ | ٥٩٨٢ |
| ١٦        | الغاشية    | ط             | مَبْثُوثَةٌ | ٥٩٨٣ |
| ١٧        | الغاشية    | قف. لا. وقفه  | خُلِقتُ     | ٥٩٨٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١٨        | الغاشية    | قف.لا.وقفة    | رُفِعْتُ     | ٥٩٨٥ |
| ١٩        | الغاشية    | قف.لا.وقفة    | نُصِبَتْ     | ٥٩٨٦ |
| ٢٠        | الغاشية    | قف.وقفة       | سُطِحَتْ     | ٥٩٨٧ |
| ٢١        | الغاشية    | ط             | مُذَكَّرٌ    | ٥٩٨٨ |
| ٢٢        | الغاشية    | صه.لا         | بِمُصَيْطِرٍ | ٥٩٨٩ |
| ٢٣        | الغاشية    | لا            | وَكَفَرَ     | ٥٩٩٠ |
| ٢٤        | الغاشية    | ط             | الْأَكْبَرَ  | ٥٩٩١ |
| ٢٥        | الغاشية    | لا            | إِيَّاهُمْ   | ٥٩٩٢ |
| ٢٦        | الغاشية    | صه            | حِسَابُهُمْ  | ٥٩٩٣ |
| ١         | الفجر      | لا            | وَالْفَجْرِ  | ٥٩٩٤ |
| ٢         | الفجر      | لا            | عَشْرٍ       | ٥٩٩٥ |
| ٣         | الفجر      | لا            | وَالْوَتْرِ  | ٥٩٩٦ |
| ٤         | الفجر      | ج.لا          | يَسِّرِ      | ٥٩٩٧ |
| ٥         | الفجر      | ط             | حِجْرٍ       | ٥٩٩٨ |
| ٦         | الفجر      | ض.لا          | بِعَادٍ      | ٥٩٩٩ |
| ٧         | الفجر      | ض.لا          | الْعِمَادِ   | ٦٠٠٠ |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية        | علامات_المصحف | اسم_السورة | رقم_الآية | ت    |
|------------------|---------------|------------|-----------|------|
| الْبِلَدِ        | ض.لا          | الفجر      | ٨         | ٦٠٠١ |
| بِالْوَادِ       | ض.لا          | الفجر      | ٩         | ٦٠٠٢ |
| الْأَوْتَادِ     | ض.لا          | الفجر      | ١٠        | ٦٠٠٣ |
| الْبِلَدِ        | ض.لا          | الفجر      | ١١        | ٦٠٠٤ |
| الْفَسَادَ       | ض.لا          | الفجر      | ١٢        | ٦٠٠٥ |
| عَذَابٌ          | ج.ض.ط.لا      | الفجر      | ١٣        | ٦٠٠٦ |
| لِبِالْمِرْصَادِ | ط             | الفجر      | ١٤        | ٦٠٠٧ |
| أَكْرَمَنِ       | ط.لا          | الفجر      | ١٥        | ٦٠٠٨ |
| أَهْنَنِ         | ج.لا          | الفجر      | ١٦        | ٦٠٠٩ |
| الْيَتَيمَ       | لا            | الفجر      | ١٧        | ٦٠١٠ |
| الْمِسْكِينِ     | لا            | الفجر      | ١٨        | ٦٠١١ |
| لَمَّا           | لا            | الفجر      | ١٩        | ٦٠١٢ |
| جَمَّا           | ط.لا          | الفجر      | ٢٠        | ٦٠١٣ |
| دَكَّا           | لا            | الفجر      | ٢١        | ٦٠١٤ |
| صَفَّا           | ج.لا          | الفجر      | ٢٢        | ٦٠١٥ |
| الْذِكْرَى       | ط             | الفجر      | ٢٣        | ٦٠١٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية      | ت    | علامات المصاحف | اسم السورة رقم الآية |    |
|----------------|------|----------------|----------------------|----|
| لِحَيَاٰتِي    | ٦٠١٧ | ج              | الفجر                | ٢٤ |
| أَحَدُ         | ٦٠١٨ | لا             | الفجر                | ٢٥ |
| أَحَدُ         | ٦٠١٩ | ط              | الفجر                | ٢٦ |
| الْمُطَمِّنَةُ | ٦٠٢٠ | صلي.ق.لا       | الفجر                | ٢٧ |
| مَرْضِيَّةً    | ٦٠٢١ | ج.لا           | الفجر                | ٢٨ |
| عِبَادِي       | ٦٠٢٢ | لا             | الفجر                | ٢٩ |
| جَنَّتِي       | ٦٠٢٣ | صه             | الفجر                | ٣٠ |
| الْبَلَدِ      | ٦٠٢٤ | لا             | البلد                | ١  |
| الْبَلَدِ      | ٦٠٢٥ | ج.لا           | البلد                | ٢  |
| وَلَدَ         | ٦٠٢٦ | لا             | البلد                | ٣  |
| كَبِدٍ         | ٦٠٢٧ | ط              | البلد                | ٤  |
| أَحَدُ         | ٦٠٢٨ | لام            | البلد                | ٥  |
| لُبَدًا        | ٦٠٢٩ | ط              | البلد                | ٦  |
| أَحَدُ         | ٦٠٣٠ | ط              | البلد                | ٧  |
| عَيْنَيْنِ     | ٦٠٣١ | لا             | البلد                | ٨  |
| وَشَفَتَيْنِ   | ٦٠٣٢ | لا             | البلد                | ٩  |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية       | ت    | علامات المصاحف | اسم السورة رقم الآية |
|-----------------|------|----------------|----------------------|
| الثَّجَدَيْنِ   | ٦٠٣٣ | ج              | البلد ١٠             |
| الْعَقَبَةُ     | ٦٠٣٤ | ز.صلي          | البلد ١١             |
| الْعَقَبَةُ     | ٦٠٣٥ | ط              | البلد ١٢             |
| رَقَبَةٌ        | ٦٠٣٦ | لا             | البلد ١٣             |
| مَسْغَبَةٌ      | ٦٠٣٧ | لا             | البلد ١٤             |
| مَقْرَبَةٌ      | ٦٠٣٨ | لا             | البلد ١٥             |
| مَتَرَبَةٌ      | ٦٠٣٩ | ط              | البلد ١٦             |
| بِالْمَرْحَمَةِ | ٦٠٤٠ | ط بلا          | البلد ١٧             |
| الْمَيْمَنَةِ   | ٦٠٤١ | ط              | البلد ١٨             |
| الْمَشْءَمَةِ   | ٦٠٤٢ | ط              | البلد ١٩             |
| مُؤْصَدَةٌ      | ٦٠٤٣ | صه.لا          | البلد ٢٠             |
| وَضْحَنَاهَا    | ٦٠٤٤ | ض.لا           | الشمس ١              |
| تَلَنَاهَا      | ٦٠٤٥ | ض.لا           | الشمس ٢              |
| جَلَّنَاهَا     | ٦٠٤٦ | ض.لا           | الشمس ٣              |
| يَغْشَنَاهَا    | ٦٠٤٧ | ض.لا           | الشمس ٤              |
| بَنَنَاهَا      | ٦٠٤٨ | ض.لا           | الشمس ٥              |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رأس الآية | علامات_المصحف | اسم_السورة رقم_الآية | ت        |
|-----------|---------------|----------------------|----------|
| ٦٠٤٩      | طَحَّنَهَا    | ض.لا                 | الشمس ٦  |
| ٦٠٥٠      | سَوَّنَهَا    | ض.لا                 | الشمس ٧  |
| ٦٠٥١      | وَتَقْوَنَهَا | ض.لا                 | الشمس ٨  |
| ٦٠٥٢      | زَكَّنَهَا    | ض.لا                 | الشمس ٩  |
| ٦٠٥٣      | دَسَّنَهَا    | ط                    | الشمس ١٠ |
| ٦٠٥٤      | بِطَغْوَنَهَا | ض.لا                 | الشمس ١١ |
| ٦٠٥٥      | أَشْقَنَهَا   | ض.لا                 | الشمس ١٢ |
| ٦٠٥٦      | وَسُقِيَّهَا  | ط.قف.لا              | الشمس ١٣ |
| ٦٠٥٧      | فَسَوَّنَهَا  | ض.لا                 | الشمس ١٤ |
| ٦٠٥٨      | عُقَبَّهَا    | صه                   | الشمس ١٥ |
| ٦٠٥٩      | يَغْشَى       | لا                   | الليل ١  |
| ٦٠٦٠      | تَجَلَّ       | لا                   | الليل ٢  |
| ٦٠٦١      | وَالْأُنْثَى  | لا                   | الليل ٣  |
| ٦٠٦٢      | لَشَّتَى      | ط.لا                 | الليل ٤  |
| ٦٠٦٣      | وَأَتَّقَى    | لا                   | الليل ٥  |
| ٦٠٦٤      | بِالْحُسْنَى  | لا                   | الليل ٦  |

# المصدر / مصحف ملكاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملكاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية        | ت    |
|-----------|------------|---------------|------------------|------|
| ٧         | الليل      | ط             | لِلْيُسْرَىٰ     | ٦٠٦٥ |
| ٨         | الليل      | لا            | وَأَسْتَغْفِنَىٰ | ٦٠٦٦ |
| ٩         | الليل      | لا            | بِالْحُسْنَىٰ    | ٦٠٦٧ |
| ١٠        | الليل      | ط             | لِلْعُسْرَىٰ     | ٦٠٦٨ |
| ١١        | الليل      | ط             | تَرَدَّىٰ        | ٦٠٦٩ |
| ١٢        | الليل      | ز.صلي.لا      | لَلْهُدَىٰ       | ٦٠٧٠ |
| ١٣        | الليل      | صه            | وَالْأُولَىٰ     | ٦٠٧١ |
| ١٤        | الليل      | ج.لا          | تَلَظَّىٰ        | ٦٠٧٢ |
| ١٥        | الليل      | لا            | الْأَشْقَىٰ      | ٦٠٧٣ |
| ١٦        | الليل      | ط             | وَتَوَلَّىٰ      | ٦٠٧٤ |
| ١٧        | الليل      | لا            | الْأَتْقَىٰ      | ٦٠٧٥ |
| ١٨        | الليل      | ج             | يَتَرَكَّىٰ      | ٦٠٧٦ |
| ١٩        | الليل      | لا            | تُجْزَىٰ         | ٦٠٧٧ |
| ٢٠        | الليل      | ج             | الْأَعْلَىٰ      | ٦٠٧٨ |
| ٢١        | الليل      | صه            | يَرْضَىٰ         | ٦٠٧٩ |
| ١         | الضحى      | لا            | وَالضُّحَىٰ      | ٦٠٨٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | اسم السورة | رقم الآية |
|-----------|------------|---------------|------------|-----------|
| ٢         | الضحى      | لا            | سجى        | ٦٠٨١      |
| ٣         | الضحى      | ط             | قلى        | ٦٠٨٢      |
| ٤         | الضحى      | ط             | الأولى     | ٦٠٨٣      |
| ٥         | الضحى      | ط             | فترضى      | ٦٠٨٤      |
| ٦         | الضحى      | ض.لا          | فَقاوَى    | ٦٠٨٥      |
| ٧         | الضحى      | ض.لا          | فَهَدَى    | ٦٠٨٦      |
| ٨         | الضحى      | ط             | فَأَغْنَى  | ٦٠٨٧      |
| ٩         | الضحى      | ط             | تَقْهَرْ   | ٦٠٨٨      |
| ١٠        | الضحى      | ط             | تَنَهَرْ   | ٦٠٨٩      |
| ١١        | الشرح      | صه            | فَحَدِثْ   | ٦٠٩٠      |
| ١         | الشرح      | لا            | صَدَرَكَ   | ٦٠٩١      |
| ٢         | الشرح      | لا            | وِزْرَكَ   | ٦٠٩٢      |
| ٣         | الشرح      | لا            | ظَهَرَكَ   | ٦٠٩٣      |
| ٤         | الشرح      | ط             | ذِكْرَكَ   | ٦٠٩٤      |
| ٥         | الشرح      | لا            | يُسْرَا    | ٦٠٩٥      |
| ٦         | الشرح      | ط             | يُسْرَا    | ٦٠٩٦      |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ ت | رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ عَلَاماتُ الْمَحَاجَفِ اسْمُ السُّورَةِ رَقْمُ الْآيَةِ | رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ عَلَاماتُ الْمَحَاجَفِ اسْمُ السُّورَةِ رَقْمُ الْآيَةِ | رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ صِفَاتُ الْمَحَاجَفِ | رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلٰى هٰمٰنْ سَلَّمَ صِفَاتُ الْمَحَاجَفِ |
|---|---|---|--|--|
| ٦٠٩٧  | فَانصَبْ  | لَا   | الشَّرْحُ  | ٧  |
| ٦٠٩٨  | فَارْغَبْ   | صَهْ  | الشَّرْحُ  | ٨  |
| ٦٠٩٩  | وَالزَّيْتُونِ  | لَا   | الْتَّيْنُ   | ١  |
| ٦١٠٠  | سِينِينَ  | لَا   | الْتَّيْنُ   | ٢  |
| ٦١٠١  | الْأَمِينِ  | لَا   | الْتَّيْنُ   | ٣  |
| ٦١٠٢  | تَقْوِيمِ   | ز. لَا  | الْتَّيْنُ   | ٤  |
| ٦١٠٣  | سَافِلِينَ  | لَا   | الْتَّيْنُ   | ٥  |
| ٦١٠٤  | مَمْنُونِ   | ط   | الْتَّيْنُ   | ٦  |
| ٦١٠٥  | بِالْدَّيْنِ  | ط   | الْتَّيْنُ   | ٧  |
| ٦١٠٦  | الْحَكِيمِينَ   | صَهْ  | الْتَّيْنُ   | ٨  |
| ٦١٠٧  | خَلَقَ  | ج   | الْعَلْقُ  | ١  |
| ٦١٠٨  | عَلَقِيٌّ   | ج   | الْعَلْقُ  | ٢  |
| ٦١٠٩  | الْأَكْرَمُ   | لَا   | الْعَلْقُ  | ٣  |
| ٦١١٠  | بِالْقَلْمِ   | لَا   | الْعَلْقُ  | ٤  |
| ٦١١١  | يَعْلَمُ  | ط   | الْعَلْقُ  | ٥  |
| ٦١١٢  | لَيْطَغَى   | لَا   | الْعَلْقُ  | ٦  |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٧         | العلق      | ط             | أَسْتَغْفِنَّ   | ٦١١٣ |
| ٨         | العلق      | ط             | أَرْجُعَنَّ     | ٦١١٤ |
| ٩         | العلق      | لا            | يَنْهَىٰ        | ٦١١٥ |
| ١٠        | العلق      | ط             | صَلَّىٰ         | ٦١١٦ |
| ١١        | العلق      | لا            | الْهُدَىٰ       | ٦١١٧ |
| ١٢        | العلق      | ط             | بِالْتَّقْوَىٰ  | ٦١١٨ |
| ١٣        | العلق      | ط.لا          | وَتَوَلَّىٰ     | ٦١١٩ |
| ١٤        | العلق      | ط             | يَرَىٰ          | ٦١٢٠ |
| ١٥        | العلق      | لا            | بِالثَّاْصِيَةِ | ٦١٢١ |
| ١٦        | العلق      | ج             | خَاطِئَةٍ       | ٦١٢٢ |
| ١٧        | العلق      | لا            | نَادِيَهُ وَ    | ٦١٢٣ |
| ١٨        | العلق      | صه.لا         | الْزَّبَانِيَةَ | ٦١٢٤ |
| ١٩        | العلق      | صه            | وَاقْتَرَبَ     | ٦١٢٥ |
| ١         | القدر      | ج.صلي         | الْقَدْرِ       | ٦١٢٦ |
| ٢         | القدر      | ط             | الْقَدْرِ       | ٦١٢٧ |
| ٣         | القدر      | ط             | شَهْرٍ          | ٦١٢٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية     | ت    | علامات المصاحف | اسم السورة رقم الآية |
|---------------|------|----------------|----------------------|
| أَمْرٍ        | ٦١٢٩ | ث.لا           | القدر ٤              |
| الفَجْرِ      | ٦١٣٠ | صه             | القدر ٥              |
| الْبَيِّنَةُ  | ٦١٣١ | صه.لا          | البينة ١             |
| مُظَاهَّةً    | ٦١٣٢ | لا             | البينة ٢             |
| قَيْمَةً      | ٦١٣٣ | ط              | البينة ٣             |
| الْبَيِّنَةُ  | ٦١٣٤ | ط              | البينة ٤             |
| الْقَيْمَةِ   | ٦١٣٥ | ط              | البينة ٥             |
| الْبَرِّيَّةِ | ٦١٣٦ | ط              | البينة ٦             |
| الْبَرِّيَّةِ | ٦١٣٧ | ط              | البينة ٧             |
| رَبَّهُ وَ    | ٦١٣٨ | صه             | البينة ٨             |
| زِلْزَالَهَا  | ٦١٣٩ | لا             | الزلزلة ١            |
| أَثْقَالَهَا  | ٦١٤٠ | لا             | الزلزلة ٢            |
| لَهَا         | ٦١٤١ | ج.لا           | الزلزلة ٣            |
| أَخْبَارَهَا  | ٦١٤٢ | لا             | الزلزلة ٤            |
| لَهَا         | ٦١٤٣ | ط              | الزلزلة ٥            |
| أَعْمَلُهُمْ  | ٦١٤٤ | ط              | الزلزلة ٦            |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية    | علامات المصحف | اسم السورة | رقم الآية | ت    |
|--------------|---------------|------------|-----------|------|
| يَرْهُو      | ط             | الزلزلة    | ٧         | ٦١٤٥ |
| يَرْهُو      | صه            | الزلزلة    | ٨         | ٦١٤٦ |
| ضَبْحًا      | لا            | العاديات   | ١         | ٦١٤٧ |
| قَدْحًا      | لا            | العاديات   | ٢         | ٦١٤٨ |
| صُبْحًا      | لا            | العاديات   | ٣         | ٦١٤٩ |
| نَقْعًا      | لا            | العاديات   | ٤         | ٦١٥٠ |
| جَمِيعًا     | لا            | العاديات   | ٥         | ٦١٥١ |
| لَكَنُودٌ    | ج.لا          | العاديات   | ٦         | ٦١٥٢ |
| لَشَهِيدٌ    | ج.لا          | العاديات   | ٧         | ٦١٥٣ |
| لَشَدِيدٌ    | ط             | العاديات   | ٨         | ٦١٥٤ |
| الْقُبُورِ   | لا            | العاديات   | ٩         | ٦١٥٥ |
| الْصُّدُورِ  | لا            | العاديات   | ١٠        | ٦١٥٦ |
| لَخَبِيرٌ    | صه            | العاديات   | ١١        | ٦١٥٧ |
| الْقَارِعَةُ | لا            | القارعه    | ١         | ٦١٥٨ |
| الْقَارِعَةُ | ج             | القارعه    | ٢         | ٦١٥٩ |
| الْقَارِعَةُ | ط             | القارعه    | ٣         | ٦١٦٠ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية       | ت    |
|-----------|------------|---------------|-----------------|------|
| ٤         | القارعه    | لا            | الْمَبُثُوتِ    | ٦١٦١ |
| ٥         | القارعه    | ط             | الْمَنْفُوشِ    | ٦١٦٢ |
| ٦         | القارعه    | لا            | مَوَازِينُهُ وَ | ٦١٦٣ |
| ٧         | القارعه    | ط             | رَاضِيَةٍ       | ٦١٦٤ |
| ٨         | القارعه    | لا            | مَوَازِينُهُ وَ | ٦١٦٥ |
| ٩         | القارعه    | ط             | هَاوِيَةٌ       | ٦١٦٦ |
| ١٠        | القارعه    | ط             | هِيَةٌ          | ٦١٦٧ |
| ١١        | القارعه    | صه            | حَامِيَةٌ       | ٦١٦٨ |
| ١         | التكاثر    | لا            | الْتَّكَاثُرُ   | ٦١٦٩ |
| ٢         | التكاثر    | ط             | الْمَقَابِرَ    | ٦١٧٠ |
| ٣         | التكاثر    | لا            | تَعْلَمُونَ     | ٦١٧١ |
| ٤         | التكاثر    | ط             | تَعْلَمُونَ     | ٦١٧٢ |
| ٥         | التكاثر    | ط             | الْيَقِينِ      | ٦١٧٣ |
| ٦         | التكاثر    | لا            | الْجَحِيمَ      | ٦١٧٤ |
| ٧         | التكاثر    | لا            | الْيَقِينِ      | ٦١٧٥ |
| ٨         | التكاثر    | صه            | الْنَّعِيمِ     | ٦١٧٦ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية    | ت    |
|-----------|------------|---------------|--------------|------|
| ١         | العصر      | لا            | وَالْعَصْرِ  | ٦١٧٧ |
| ٢         | العصر      | لا            | خُسْرٍ       | ٦١٧٨ |
| ٣         | العصر      | صه            | بِالصَّبَرِ  | ٦١٧٩ |
| ٤         | الهمزة     | لا            | لَمَزَةٌ     | ٦١٨٠ |
| ٥         | الهمزة     | لا            | وَعَدَدُهُ   | ٦١٨١ |
| ٦         | الهمزة     | ج.لا          | أَخْلَدَهُ   | ٦١٨٢ |
| ٧         | الهمزة     | ز.صلي         | الْحُظْمَةِ  | ٦١٨٣ |
| ٨         | الهمزة     | ط             | الْحُظْمَةُ  | ٦١٨٤ |
| ٩         | الهمزة     | لا            | الْمُوقَدَةُ | ٦١٨٥ |
| ١٠        | الهمزة     | ط             | الْأَعْدَةِ  | ٦١٨٦ |
| ١١        | الهمزة     | لا            | مُؤَصَّدَةٌ  | ٦١٨٧ |
| ١٢        | الهمزة     | صه            | مُمَدَّدَةٌ  | ٦١٨٨ |
| ١٣        | الفيل      | ط             | الْفِيلِ     | ٦١٨٩ |
| ١٤        | الفيل      | لا            | تَضْلِيلٍ    | ٦١٩٠ |
| ١٥        | الفيل      | لا            | أَبَايِيلَ   | ٦١٩١ |
| ١٦        | الفيل      | ض.لا          | سِجِيلٍ      | ٦١٩٢ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رأس الآية       | علامات_المصحف | اسم_السورة | رقم_الآية | ت    |
|-----------------|---------------|------------|-----------|------|
| مَأْكُولٍ       | صه            | الفيل      | ٥         | ٦١٩٣ |
| قُرَيْشٌ        | لا            | قریش       | ١         | ٦١٩٤ |
| وَالصَّيْفِ     | ج             | قریش       | ٢         | ٦١٩٥ |
| الْبَيْتِ       | لا            | قریش       | ٣         | ٦١٩٦ |
| خَوْفٍ          | صه            | قریش       | ٤         | ٦١٩٧ |
| بِالْدِينِ      | ط_لا          | المعون     | ١         | ٦١٩٨ |
| الْيَتِيمَ      | لا            | المعون     | ٢         | ٦١٩٩ |
| الْمِسْكِينِ    | ط             | المعون     | ٣         | ٦٢٠٠ |
| لِلْمُصَلِّيَنَ | لا            | المعون     | ٤         | ٦٢٠١ |
| سَاهُونَ        | لا            | المعون     | ٥         | ٦٢٠٢ |
| يُرَاءُونَ      | لا            | المعون     | ٦         | ٦٢٠٣ |
| الْمَاعُونَ     | صه            | المعون     | ٧         | ٦٢٠٤ |
| الْكَوْثَرَ     | ط_لا          | الكوثر     | ١         | ٦٢٠٥ |
| وَالْخَرْ       | ط_لا          | الكوثر     | ٢         | ٦٢٠٦ |
| الْأَبْتَرُ     | صه            | الكوثر     | ٣         | ٦٢٠٧ |
| الْكَفِرُونَ    | لا            | الكافرون   | ١         | ٦٢٠٨ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رَأْسُ الآيَةِ | عَلَامَاتُ الْمَصَاحِفِ | إِسْمُ السُّورَةِ وَرَقْمُهَا | ت    |
|----------------|-------------------------|-------------------------------|------|
| تَعْبُدُونَ    | لَا                     | الْكَافِرُونَ                 | ٦٢٠٩ |
| أَعْبُدُ       | ج                       | الْكَافِرُونَ                 | ٦٢١٠ |
| عَبَدْتُمْ     | لَا                     | الْكَافِرُونَ                 | ٦٢١١ |
| أَعْبُدُ       | ط                       | الْكَافِرُونَ                 | ٦٢١٢ |
| دِينِ          | صَه                     | الْكَافِرُونَ                 | ٦٢١٣ |
| وَالْفَتْحُ    | لَا                     | النَّصْرُ                     | ٦٢١٤ |
| أَفْوَاجًا     | لَا                     | النَّصْرُ                     | ٦٢١٥ |
| تَوَابًا       | صَه                     | النَّصْرُ                     | ٦٢١٦ |
| وَتَبَّ        | ط                       | الْمَسْدُ                     | ٦٢١٧ |
| كَسَبَ         | ط                       | الْمَسْدُ                     | ٦٢١٨ |
| لَهَبٍ         | ج. صَلِي. لَا           | الْمَسْدُ                     | ٦٢١٩ |
| الْحَطَبٍ      | ج. لَا                  | الْمَسْدُ                     | ٦٢٢٠ |
| مَسَدٍ         | صَه                     | الْمَسْدُ                     | ٦٢٢١ |
| أَحَدٌ         | ج                       | الْإِخْلَاصُ                  | ٦٢٢٢ |
| الْصَّمَدُ     | ج                       | الْإِخْلَاصُ                  | ٦٢٢٣ |
| يُولَدُ        | صَه. لَا                | الْإِخْلَاصُ                  | ٦٢٢٤ |

# المصدر / مصحف ملکاوي الحاسوبي

## علامات الوقف على رؤوس الآي من المصاحف

أعده / محمد يوسف ملکاوي

| رقم الآية | اسم المصحف | علامات المصحف | رأس الآية   | ت    |
|-----------|------------|---------------|-------------|------|
| ٤         | الخلاص     | صه            | أَحَدٌ      | ٦٢٢٥ |
| ١         | الفلق      | لا            | الْفَلَقِ   | ٦٢٢٦ |
| ٢         | الفلق      | لا            | خَلَقَ      | ٦٢٢٧ |
| ٣         | الفلق      | لا            | وَقَبَ      | ٦٢٢٨ |
| ٤         | الفلق      | لا            | الْعَقَدِ   | ٦٢٢٩ |
| ٥         | الفلق      | صه            | حَسَدَ      | ٦٢٣٠ |
| ١         | الناس      | لا            | النَّاسِ    | ٦٢٣١ |
| ٢         | الناس      | لا            | النَّاسِ    | ٦٢٣٢ |
| ٣         | الناس      | لا            | النَّاسِ    | ٦٢٣٣ |
| ٤         | الناس      | ض.لا          | الْخَنَّاسِ | ٦٢٣٤ |
| ٥         | الناس      | لا            | النَّاسِ    | ٦٢٣٥ |
| ٦         | الناس      | صه            | وَالنَّاسِ  | ٦٢٣٦ |